THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

ईंधन की बढ़ी कीमतों के खिलाफ कर्नाटक में भाजपा का प्रदर्शन

बंगलूरू, 17 जून (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के नेता एमबी भानुप्रकाश की कर्नाटक में दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। बताया गया है कि भानुप्रकाश पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में शामिल थे। इस दौरान उन्हें दिल का दौरा पड़ गया। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष रह चुके भानुप्रकाश विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे थे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित भी किया। इसके बाद अपनी कार में बैठते समय उन्हें दिल का दौरा पड़ा और वह गिर गए। भाजपा नेता को अस्पताल ले जाया गया लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

वर्ष-29 अंक : 86 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **ज्येष्ठ.11 2081 मंगलवार, 18 जून-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

कंचनजंगा एक्सप्रेस से भिड़ी मालगाड़ी, 15 की मौत

> *60 घायल, रेलवे ने कहा-गुड्स ट्रेन के ड्राइवर ने सिग्नल की अनदेखी की*

दार्जिलिंग, 17 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में सोमवार सुबह 8:55 बजे एक मालगाड़ी ट्रेन ने कंचनजंगा एक्सप्रेस (13174) को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में 15 लोगों की मौत और 60 के घायल होने की जानकारी दी है। रेलवे बोर्ड की चेयरमैन और सीईओ जय वर्मा ने 5 लोगों की मौत और 25 लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। वहीं, ईस्टर्न रेलवे के सीपीआरओ कौशिक मित्रा ने नॉर्थ-ईस्ट फ्रंटियर रेलवे के हवाले से बताया कि 2 लोको पायलट और एक गार्ड समेत 8 लोगों की मौत हुई है।

रेलवे बोर्ड की चेयरमैन के मुताबिक, मालगाड़ी के लोको पायलट ने सिग्नल ओवरशूट किया। जिसके कारण वह कंजनजंगा एक्सप्रेस से टकरा गई। इस हादसे में गार्ड का डिब्बा, जनरल डिब्बा क्षतिग्रस्त हुआ है। आर्मी और एनडीआरएफ की टीमों ने रेस्क्यू का काम पूरा कर लिया है। रेल रूट के रेस्टोरेशन का काम शुरू हो चुका है। कौशिक मित्रा ने बताया कि कंचनजंगा एक्सप्रेस ट्रेन के आखिरी में दो

पार्सल और एक एसएलआर कोच लगे हुए थे। इसमें कोई पैसेंजर नहीं था। ट्रेन के 5 डिब्बे क्षतिग्रस्त हुए हैं। 12:40 बजे एक स्पेशल ट्रेन सियालदह के लिए रवाना हो चुकी है। ट्रेन में अधिकतर यात्री मालदा और बोलपुर के हैं। सिंगल लाइन पर ट्रेन सेवा शुरू कर दी गई है। रेलवे के एक सूत्र ने बताया कि पश्चिम बंगाल में रानीपात्रा रेलवे स्टेशन और छत्तर हाट जंक्शन के बीच ऑटोमैटिक सिग्नलिंग सिस्टम सुबह 5.50 बजे से ही खराब था। कंचनजंगा एक्सप्रेस सुबह 8:27 बजे रंगापानी स्टेशन से रवाना हुई और सुबह 5:50 बजे सिग्नलिंग सिस्टम में खराबी के कारण रानीपात्रा रेलवे स्टेशन और छत्तर हाट के बीच रुकी रही। जब सिग्नलिंग सिस्टम में खराबी आती है तो स्टेशन मास्टर टीए 912 रिटन अथॉरिटी जारी करता है। यह ड्राइवर को खराबी के कारण सभी रेड सिग्नल पार करने का अधिकार देता है।रानीपात्रा के स्टेशन मास्टर ने ट्रेन नंबर कंचनजंगा एक्सप्रेस को टीए 912 जारी किया था। मालगाड़ी सुबह 8:42 बजे रंगापानी से रवाना हुई और कंचनजंगा एक्सप्रेस से भिड़ गई।

सूत्रों के मुताबिक, केवल जांच से ही पता चल सकता है कि क्या मालगाड़ी को खराब सिग्नल को तेज गति से पार करने के लिए टीए 912 भी दिया गया था या यह लोको पायलट की गलती थी, जिसने डिफेक्टिव सिग्नल नॉर्म का उल्लंघन किया। यदि दूसरी कंडीशन अप्लाई होती है तो रेलवे के नियम के मुताबिक, ड्राइवर को हर डिफेक्टिव सिग्नल पर एक मिनट के लिए ट्रेन को रोकना चाहिए था। इतना ही नहीं, इस दौरान ट्रेन की स्पीड भी 10 किमी प्रति घंटे की होनी चाहिए थी।

आतंकियों के मददगारों पर सख्त एक्शन के निर्देश

मणिपुर पर शाह की मीटिंग-सेना प्रमुख, रॉ के अधिकारी शामिल

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। मणिपुर हिंसा और राज्य की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गृह मंत्री अमित शाह की दिल्ली में बैठक चल रही है। इसमें केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला, खुफिया ब्यूरो प्रमुख तपन डेका, सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे, मणिपुर के सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह, मणिपुर के मुख्य सचिव विनीत जोशी, मणिपुर के डीजीपी राजीव सिंह और असम राइफल्स के डीजी प्रदीप चंद्रन नायर बैठक में शामिल हुए। एक दिन पहले (रविवार 16 जून) ही गृह मंत्री शाह ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा को लेकर हाई लेवल मीटिंग की थी।

इसमें उन्होंने अधिकारियों को आतंकवाद और आतंकियों के मददगारों पर सख्त एक्शन के निर्देश दिए हैं। मोदी कैबिनेट के शपथ लेने के एक दिन बाद 10 जून को आरएसएस चीफ मोहन भागवत ने कहा था- मणिपुर एक साल से शांति की राह देख रहा है। बीते 10 साल से राज्य में शांति थी, लेकिन अचानक से वहां गन कल्चर बढ़ गया। जरूरी है कि इस समस्या को प्राथमिकता से सुलझाया जाए।

मणिपुर की राज्यपाल ने की थी शाह से मुलाकात

मणिपुर के हालात पर यह हाईलेवल मीटिंग राज्यपाल अनुसुइया उइके की गृह मंत्री से मुलाकात के एक दिन बाद बुलाई गई है। अनुसुइया ने शाह से मुलाकात के दौरान पूर्वोत्तर राज्य की मौजूदा स्थितियों के बारे में जानकारी दी थी। मणिपुर में पिछले साल 3 मई से जातीय हिंसा जारी है, जब अखिल आदिवासी छात्र संघ (एटीएसयू) ने मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति श्रेणी में शामिल करने की मांग के विरोध में आयोजित रैली में झड़पें हुई थीं। चुराचांदपुर जिले में हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू हुए थे। जो देखते ही देखते पूर्वी-पश्चिमी इंफाल, बिष्णुपुर, तेंगनुपाल और कांगपोकपी समेत अन्य जिलों में फैल गए थे। जून में एक व्यक्ति की हत्या के बाद कोटलेन में अज्ञात बदमाशों ने मैतेई और कुकी दोनों समुदायों के कई घरों को जला दिया।

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में एक आतंकी ढेर

बांदीपोरा, 17 जून (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में सोमवार (17 जून) सुबह सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को मार गिराया। यहां 2 से तीन आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। उनकी तलाश की जा रही है। अरागाम के जंगलों में रविवार (16 जून) को फायरिंग की आवाज सुनाई दी। इसके बाद सेना और पुलिस ने सर्चिंग की। सोमवार सुबह तलाशी तेज की गई तो आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। मारे गए आतंकवादी का शव जंगल में पड़ा हुआ है।

उसे ड्रोन से देखा गया। हालांकि, उसकी पहचान नहीं हो पाई है। इधर, 9 जून को रियासी में तीर्थयात्रियों की बस पर हुए आतंकी हमले की जांच एनआईआर को सौंप दी गई है। गृह मंत्रालय के आदेश के बाद इस केस में नई एफआईआर दर्ज की गई है। 16 जून को ही गृह मंत्री ने जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मीटिंग की। जिसमें उन्होंने निर्देश दिया था कि आतंकवाद को कुचलें और आतंकियों की मदद करने वालों पर भी सख्ती बरतें। 9 जून के बाद से चार आतंकी हमले हो चुके जम्मू कश्मीर में 9 जून से रियासी, कठुआ और डोडा में चार स्थानों पर आतंकवादी हमले हो चुके हैं। इनमें नौ तीर्थयात्री मारे गए। साथ ही एक केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का जवान शहीद हो गया था। वहीं, एक नागरिक और सात सुरक्षाकर्मी घायल हो गए।

भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल होंगी आधुनिक तकनीक वाली छह पनडुब्बियां

मेड्रिड, 17 जून (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना स्पेन में 'प्रोजक्ट 75 भारत (पी75आई)' के तहत अत्याधुनिक उपकरणों का परीक्षण करने जा रही है। स्पेन की एक जहाज निर्माता (शिपयार्ड) कंपनी नवंतिया के अनुसार इस परीक्षण के बाद भारतीय नौसेना छह आधुनिक पनडुब्बियों को अपने बेड़े में शामिल करेगी।

भारत सरकार के साथ अनुबंध पर होंगे हस्ताक्षर

नवंतिया के चेयरमैन रिकार्डो डोमिंगुज गार्सिया बाकुएरो का कहना है कि स्पेन की सरकार और नौसेना पी75आई को लेकर काफी उत्साहित है और हर तरह से इस प्रोजक्ट में भारत की मदद करना चाहती है। इस योजना के तहत भारत सरकार के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। नवंतिया के प्रमुख ने कहा कि जून के आखिरी सप्ताह से भारतीय नौसेना कार्टाजेना के पोत कारखाने में वायु स्वतंत्र प्रणोदन (एआईपी) परीक्षण की शुरुआत करेगी।

नौसेना के बेड़े में शामिल होंगी छह पनडुब्बियां

रिकार्डो डोमिंगुज ने आगे कहा कि इस परीक्षण में उनका साथ लार्सन एंड टर्बो (एल एंड टी) कंपनी देगी। परीक्षण के दौरान भारतीय नौसेना को विश्व स्तर की एआईपी तकनीक की जानकारी दी जाएगी। आगे बताया गया कि भारतीय नौसेना एआईपी तकनीक से सुसज्जित छह पनडुब्बियों का अधिग्रहण करेगी। इस तकनीक की मदद से पनडुब्बियां लंबे समय तक पानी के भीतर रह सकती हैं। भारतीय नौसेना के पास इससे पहले एआईपी सिस्टम वाली पनडुब्बियां नहीं थीं। करीब 60 हजार करोड़ की इस परियोजना में एल एंड टी और नवंतिया के साथ जर्मनी की थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स और भारत की मझगांव डॉकयार्ड्स लिमिटेड भी शामिल हैं। नवंतिया ने भारतीय नौसेना की परियोजना के लिए एस-80 पनडुब्बी के डिजायन की पेशकश की है।

इनमें से एक पनडुब्बी वर्ष 2024 में स्पेनिश नौसेना में शामिल हो चुकी है। नवंतिया ने दावा किया कि S80 की खास बात यह है कि यह बिना किसी पुनर्निर्माण की आवश्यकता के पी75(आई) की तकनीक आवश्यकताओं को आसानी से पूरा करती है।

लोकसभा चुनाव में करारी हार के बाद एआईएडीएमके में होगी शशिकला की एंट्री?

समर्थकों के बीच खुद किया एलान

चेन्नई, 17 जून (एजेंसियां)। तमिलनाडु में हाल ही में लोकसभा चुनाव में अन्नाद्रमुक की हार के बाद पूर्व मुख्यमंत्री जे. जयललिता की भरोसेमंद नेता वीके शशिकला ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह नहीं सोचा जा सकता है कि इस हार के बाद अन्नाद्रमुक का पूरी तरह से सफाया हो गया। उन्होंने कहा कि उनकी वापसी का बिगुल बज गया है। इसी के साथ उन्होंने 2026 के विधानसभा चुनाव में जीत हासिल कर जयललिता के शासन को आगे बढ़ाने की कसम भी खाई।

पलानीस्वामी पर साधा निशाना

शशिकला ने पलानीस्वामी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अन्नाद्रमुक के नेतृत्व करते हुए पलानीस्वामी अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा पाए। शशिकला ने आगे कहा कि अगर पलानीस्वामी ने विपक्ष के नेता के तौर पर सही सवाल नहीं पूछे तो वह विपक्षी दल के रूप में सरकार से सवाल करेंगी। इतने वर्षों में पलानीस्वामी के नेतृत्व में शशिकला पार्टी में वापसी नहीं कर पाईं, लेकिन अब उन्होंने अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए अपनी वापसी का एलान कर दिया है। शशिकला ने कहा, 'यही वह समय है, जब मैं आपसे कह रही हूं कि चिंता

की कोई बात नहीं है। निश्चित रूप से तमिलनाडु के लोग मेरे साथ हैं। मैं बहुत मजबूत हूं। यह नहीं सोचा जा सकता है कि अन्नाद्रमुक का सफाया हो गया, क्योंकि अब फिर से मेरी एंट्री होने वाली है। कार्यकर्ताओं और लोगों के समर्थन से 2026 विधानसभा चुनाव जीतकर अम्मा (जयललिता) के शासन की शुरुआत की जाएगी।' उन्होंने बताया कि वह जल्द ही राज्य का दौरा करेंगी। वह सरकार से सवाल करेंगी, जिसका जवाब द्रमुक सरकार को देना होगा। बिना किसी का नाम लिए शशिकला ने कहा कि जाति आधारित राजनीति की पार्टी में एंट्री हो चुकी है। अन्नाद्रमुक के संस्थापक एमजीआर और जयललिता द्वारा आगे बढ़ाने वाली इस पार्टी में जाति आधारित राजनीति को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वह 2017 में पलानीस्वामी को मुख्यमंत्री नहीं बनाती। उन्हें राज्य के पश्चिमी क्षेत्र के प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री बनाया गया था। वह एमजीआर के दिनों से ही पार्टी के साथ खड़े थे।

शशिकला ने कहा कि लोकसभा चुनाव में पार्टी तीसरे और चौथे स्थान पर खिसक गई और कई क्षेत्रों में सीटें भी हार गई। पत्रकारों के एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए विक्रवांडी उपचुनाव का बहिष्कार करना सही नहीं है। बता दें कि अन्नाद्रमुक और डीएमडीके ने 10 जुलाई को होने वाले उपचुनाव का बहिष्कार किया है। बसों की खरीद समेत कई मुद्दों पर द्रमुक पर निशाना साधते हुए शशिकला ने कहा, 'अगर विपक्ष के नेता (पलानीस्वामी) ऐसे सवाल नहीं पूछते हैं जो उन्हें पूछने चाहिए, तो मैं विपक्षी पार्टी हूं, मैं सवाल पूछ रही हूं।'

गौरव गोगोई ने ईसी से खराब ईवीएम का डेटा मांगा

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। असम की जोरहाट सीट से कांग्रेस के लोकसभा सांसद गौरव गोगोई ने चुनाव आयोग से खराब ईवीएम का डेटा जारी करने की मांग की है। गोगोई ने कहा कि वह पूरे विश्वास के साथ कह सकते हैं कि इन मशीनों ने गलत परिणाम दिखाए हैं। गौरव ने X पर एक पोस्ट में लिखा कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) को अचूक मानने से पहले चुनाव आयोग को यह डेटा जारी करना चाहिए कि पूरे लोकसभा चुनाव के दौरान कितनी ईवीएम में गड़बड़ी पाई गई। गोगोई का यह बयान ईवीएम से छेड़छाड़ के दावों पर चल रहे विवाद के एक दिन बाद आया है। 16 जून को राहुल गांधी समेत कई विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया था कि मुंबई नॉर्थ वेस्ट सीट से संजय वाइकर के रिश्तेदार का फोन मतगणना वाले दिन ईवीएम से कनेक्ट मिला था।

बंगाल गवर्नर का आदेश: कोलकाता पुलिस राजभवन तुरंत खाली करे

> *गेट के पास बनी पुलिस चौकी को पब्लिक प्लेटफॉर्म बनाया जाएगा*

कोलकाता, 17 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने सोमवार सुबह राजभवन में तैनात कोलकाता पुलिस के जवानों को तुरंत परिसर खाली करने का आदेश दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक गवर्नर बोस राजभवन के नॉर्थ गेट के पास पुलिस चौकी को जनमंच में बनाने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, पुलिस को हटाने का आदेश उस घटना से जोड़कर देखा जा रहा है, जिसमें राजभवन में तैनात पुलिस कर्मियों ने चुनाव हिंसा पीड़ितों को गवर्नर से मिलने से रोक दिया था। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, राज्यपाल का कहना है कि पुलिस उनके निर्देशों का पालन नहीं कर रही है और वे उनके आस-पास सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं।

पुलिस ने चुनावी हिंसा पीड़ितों को गवर्नर से मिलने से रोका था

दरअसल पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने कोलकाता पुलिस को लेटर लिखकर 19 जून को हिंसा पीड़ितों के साथ राजभवन के पास धरना देने की इजाजत मांगी थी। उन्होंने लिखा- अगर एक क्षेत्रीय पार्टी को राजनीतिक कार्यक्रम करने की इजाजत मिल सकती है तो भाजपा जैसी राष्ट्रीय पार्टी को भी यह इजाजत मिलनी चाहिए।

इसके बाद, 13 जून को पुलिस ने भाजपा लीडर और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी और चुनावों के बाद जारी हिंसा के पीड़ितों को राज भवन जाने से रोका था। पुलिस ने कारण दिया था कि राज भवन के आसपास सेक्शन 144 लागू है, इसलिए वहां किसी तरह का प्रदर्शन या धरना नहीं हो सकता।

सुवेंदु अधिकारी और एक अन्य व्यक्ति ने पुलिस के खिलाफ कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दर्ज की। शुक्रवार को कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा कि अगर राजभवन की तरफ से इजाजत मिलती है तो सुवेंदु अधिकारी और हिंसा पीड़ित लोग गवर्नर से मिलकर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। जस्टिस अमृता सिन्हा की सिंगल बेंच ने पश्चिम बंगाल के एडवोकेट जनरल से यह भी पूछा था कि क्या गवर्नर को हाउस अरेस्ट में रखा गया है।

लोकसभा स्पीकर पद पर समझौता नहीं करेगी बीजेपी

> *एनडीए के सहयोगी दल को मिल सकती है डिप्टी स्पीकर पोस्ट*

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। मोदी 3.0 सरकार के गठन के बाद से बीजेपी ने साफ कर दिया है कि वह अपने सहयोगियों के आगे नहीं झुकेगी. बीजेपी ने सहयोगी दलों को एक तरह से ये संदेश दे दिया है कि वह गठबंधन धर्म निभाएंगे, लेकिन सिर झुकाकर सरकार नहीं चलाएंगे. मंत्रिमंडल के बंटवारे में बीजेपी का वर्चस्व तो दिखा ही. अब बीजेपी ने लोकसभा स्पीकर के पद पर भी वीटो कर दिया है. इससे साफ है कि बीजेपी स्पीकर पद से समझौता नहीं करना चाहती. हालांकि, एनडीए सहयोगी दल को डिप्टी स्पीकर का पद मिल सकता है।

सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी लोकसभा स्पीकर का पद अपने पास रखेगी और डिप्टी स्पीकर का पद एनडीए की सहयोगी दल को देगी. पार्टी आलाकमान ने एनडीए के सहयोगियों और विपक्षी दलों से बातचीत कर आम राय बनाने की जिम्मेदारी पार्टी के वरिष्ठ नेता और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को दी गई है।

चुनौती बना हुआ है स्पीकर-डिप्टी स्पीकर का पद

लोकसभा चुनाव में जीतकर एनडीए ने सरकार बना ली है. नरेंद्र मोदी तीसरी बार पीएम बन गए हैं और कैबिनेट में मंत्रियों को पोर्टफोलियो भी बंट चुका है. अब लोकसभा स्पीकर को लेकर चर्चा तेज हो गई है. बीजेपी एनडीए के लिए चुनौती बना हुआ है. पिछली सरकार में तो कोटा से बीजेपी सांसद ओम बिड़ला ने स्पीकर की गद्दी संभाली थी, लेकिन मौजूदा सरकार में इस पद को लेकर अभी चर्चा जारी है।

24 जून से शुरू हो सकता है विशेष सत्र

सूत्रों के मुताबिक संसद का 8 दिवसीय विशेष सत्र 3 जुलाई तक रहेगा. इस विशेष सत्र में 24 और 25 जून को नए सांसदों का शपथ ग्रहण समारोह हो सकता है, जबकि 26 जून को लोकसभा स्पीकर का चुनाव हो सकता है। बीजेपी के मंथन के बीच लोकसभा स्पीकर को लेकर विपक्षी नेताओं के बयानों ने खलबली मचा दी है। विपक्ष की ओर से यह भी कहा गया है कि अगर डिप्टी स्पीकर का पद उन्हें नहीं दिया जाता है तो वह स्पीकर पद के लिए भी उम्मीदवार खड़ा कर सकते है।

'इंडिया' ब्लॉक (विपक्ष) की सीटें बढ़ने के साथ ही 10 साल बाद निचले सदन को विपक्ष का नेता भी मिलेगा. साथ ही विपक्ष उपाध्यक्ष पद के चुनाव की भी उम्मीद कर रहा है. बता दें कि पिछले पांच साल से उपाध्यक्ष का पद खाली है. 17वीं लोकसभा में पांच साल तक उपाध्यक्ष का पद रिक्त रहा. साथ ही यह दूसरी बार था जब सदन में कोई नेता प्रतिपक्ष नहीं था. आमतौर पर उपाध्यक्ष का पद विपक्ष को दिया जाता है।

रेल मंत्रालय पर बरसा विपक्ष

खरगे-राहुल ने बताया लापरवाही, ममता बनर्जी ने लगाए ये आरोप

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन के पास सोमवार को भीषण ट्रेन हादसा हुआ। सियालदाह जा रही कंचनजंगा एक्सप्रेस (13174) को पीछे से मालगाड़ी ने टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में 15 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 60 लोग घायल हैं। इस हादसे को लेकर कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस नेताओं ने अनुसार यह केंद्र सरकार के घोर कुप्रबंधन का नतीजा है।

रेलवे मंत्रालय में घोर कुप्रबंधन-मल्लिकार्जुन खरगे

खरगे ने इस दुखद हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि पीड़ितों के परिजनों को तत्काल मुआवजा प्रदान किया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि बीते 10 वर्षों में मोदी सरकार ने रेलवे मंत्रालय में घोर कुप्रबंधन किया है। खरगे ने आगे कहा 'मोदी सरकार ने रेल

मंत्रालय को कैमरे से संचालित होने वाले मंच में बदल दिया है। आज का हादसा इस स्याह सच की बानगी पेश करता है। कांग्रेस नेता अपने सवालों पर कायम रहेंगे और भारतीय रेलवे के कुप्रबंधन के लिए मोदी सरकार को जवाबदेह बनाएंगे।'

बीते 10 वर्षों में रेल हादसों में बढ़ोतरी-राहुल गांधी

उधर राहुल गांधी ने भी इस हादसे के बाद केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के कुप्रबंधन और लापरवाही की वजह से बीते 10 वर्षों में रेल हादसों में बढ़ोतरी हुई है। इस वजह से आए दिन लोगों की मौत हो रही है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा 'आज की दुर्घटना इस वास्तविकता का एक और उदाहरण है। एक जिम्मेदार विपक्ष के रूप में, हम इस घोर लापरवाही पर सवाल उठाते रहेंगे और इन दुर्घटनाओं के लिए मोदी सरकार को जिम्मेदार ठहराएंगे।' कांग्रेस नेता ने इस हादसे पर शोक प्रकट किया।

रेल मंत्रालय को यात्रियों की सुरक्षा की परवाह नहीं-ममता बनर्जी

उधर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी इस हादसे पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि रेल मंत्रालय को यात्रियों की सुरक्षा की कोई परवाह नहीं है। यहां तक कि रेलवे मंत्रालय को अपने अधिकारियों, इंजीनियरों, कर्मचारियों और श्रमिकों की भी परवाह नहीं है। ममता बनर्जी ने आगे कहा कि वे पूरी तरह से रेलवे कर्मचारियों और रेलवे अधिकारियों के साथ हैं। लेकिन केंद्र सरकार को सिर्फ चुनाव की चिंता है। पश्चिम बंगाल की सीएम ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि केंद्र सरकार को इस बात की फिक्र रहती है कि चुनाव में हेरफेर और धांधली कैसे करनी है।

केरल कांग्रेस ने विवादित पोस्ट पर माफी मांगी

› पोप-मोदी की मुलाकात पर लिखा था-आखिरकार ईसाई धर्मगुरु की भगवान से मुलाकात हो ही गई

तिरुवनंतपुरम, 17 जून (एजेंसियां)। इटली में जी-7 मीटिंग के 14 जून को ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस और पीएम मोदी की मुलाकात हुई थी। इसकी तस्वीर पोस्ट करते हुए केरल कांग्रेस ने रविवार (16 जून) को लिखा था- आखिरकार पोप की भगवान से मुलाकात हो ही गई। केरल कांग्रेस ने मोदी के 'भगवान ने मुझे स्पेशल मिशन के लिए भेजा है' बयान को लेकर तंज किया था। भाजपा ने केरल कांग्रेस की पोस्ट को पीएम और पोप का अपमान बताया। विरोध बढ़ने पर केरल कांग्रेस ने रविवार को ही पोस्ट डिलीट करते हुए माफी मांगी ली। केरल कांग्रेस ने स्टेटमेंट जारी कर कहा- ईसाई समुदाय की भावनाओं को हम ठेस नहीं पहुंचाना चाहते थे। हालांकि, पीएम की आलोचना से कांग्रेस को कोई हिचक नहीं है।

भाजपा की आलोचना के बाद कांग्रेस का जवाब

कांग्रेस ने पोप फ्रांसिस के भगवानों को लेकर दिए बयान को कोट करते हुए भाजपा की आलोचना का जवाब दिया। कांग्रेस ने एक अन्य पोस्ट में लिखा- पोप ने कहा था कि जब आप किसी शख्स के होठों से बुद्धिमानी भरी मुस्कान लाने में सफल हो जाते हैं, तो आप भगवान को भी मुस्कुराने पर मजबूर कर देते हैं। कांग्रेस ने लिखा कि पोप फ्रांसिस ने यह बात उसी दिन कही थी, जब वे नरेंद्र मोदी से मिले थे। केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष वीटी बलराम ने कहा- हमारी पोस्ट व्यंग के लिए थी।

इसका उद्देश्य प्रधानमंत्री के पीआर कोशिशों के ओछेपन को उजागर करना था। कांग्रेस का कोई भी कार्यकर्ता पोप का अपमान करने के बारे में दूर-दूर तक नहीं सोच सकता है। पोप को दुनियाभर के ईसाई भगवान के रूप में मानते हैं। कांग्रेस को नरेंद्र मोदी का मजाक उड़ाने में कोई हिचक नहीं है। मोदी खुद को भगवान बताकर अलग-अलग धर्मों में विश्वास रखने वालों का अपमान करते हैं। कांग्रेस नेता बलराम ने आगे कहा- प्रधानमंत्री मणिपुर पर जानबूझकर चुप्पी साधे हुए हैं। मणिपुर में ईसाई समुदाय के लोगों पर अत्याचार हुआ है। चर्च को नष्ट किया गया है। पूरे नॉर्थ-ईस्ट में माइनॉरिटीज को उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है, लेकिन पीएम ने एक शब्द भी नहीं कहा है। हम माइनॉरिटीज के प्रति पीएम के खोखलेपन की निंदा करते हैं। पीएम को ईसाई समुदाय से माफी मांगनी चाहिए।

भाजपा ने कहा-कांग्रेस ने ईसाइयों का अपमान किया

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के. सुरेंद्रन ने X पर पोस्ट कर कहा- केरल कांग्रेस का सोशल मीडिया अकाउंट इस्लामिक कट्टरपंथियों और अर्बन नक्सलियों द्वारा चलाया जाता है। इस हैंडल से राष्ट्रवादी नेताओं के खिलाफ कंटेंट तो पहले ही पोस्ट किया जाता था, लेकिन अब पोप और ईसाई समुदाय का भी मजाक उड़ाया जा रहा है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, वायनाड से सांसद राहुल गांधी और जनरल सेक्रेटरी केसी वेणुगोपाल इन सब चीजों को बढ़ावा दे रहे हैं।केरल भाजपा महासचिव जॉर्ज कुरियन ने कहा कि केरल कांग्रेस की पोस्ट आपत्तिजनक है और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली है। खास तौर पर केरल में ज्यादा आपत्तिजनक है क्योंकि, यहां ईसाई तीसरा सबसे बड़ा प्रचलित धर्म है।

भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीया ने लिखा- हिंदुओं का मजाक उड़ाने और उनकी आस्था का अपमान करने के बाद, कांग्रेस के इस्लामवादी और मार्क्सवादी अब ईसाइयों का अपमान करने पर उतर आए हैं। सोनिया गांधी इस पार्टी की इस पार्टी की लंबे समय तक अध्यक्ष रही हैं। वह खुद कैथोलिक हैं।

खबरें जरा हटके

आ गई नई बला? धरती के भीतर हो रही बड़ी हलचल

बदल जाएगी दिनों की लंबाई, रिसर्च में चौंकाने वाला खुलासा

पृथ्वी जिन तीन परतों से मिलकर कर बनी है, उसकी सबसे आखिरी और बेहद महत्वपूर्ण परत की घूमने की रफ्तार तेजी से कम हो रही है. धरती के आंतरिक कोर में हो रही इस हलचल को वैज्ञानिकों ने हाल ही में भांपा और विस्तृत रिपोर्ट पेश की जिसके नतीजे बेहद चौंकाने वाले हैं. करीब 14 सालों से धरती के भीतर यह हरकत हो रही थी जिसका पता अब लगा. 40 वर्षों में पहली बार है कि यह पृथ्वी के पटल की तुलना में यह धीमी गति से चल रहा है. क्या आप जानते हैं कि यदि घूमने की यह रफ्तार ऐसे ही मिस-मैच करती रही तो आने वाले समय में क्या होगा? बता दें कि धरती की तीन परतें होती हैं. पहली और सबसे ऊपरी परत को क्रस्ट कहते हैं जिस पर दुनिया बसी है. इसके बाद यानी नीचे की ओर परत है मेटल. तीसरी और सबसे भीतर की परत है कोर. जो बदलाव देखने को मिल रहा है, वह इसी कोर में देखने को मिल रहा है. लोहे और निकल का यह एक बेहद गर्म, एकदम घना गोला है जोकि हमारे पैरों के नीचे 4,800 किमी से अधिक दूरी पर पाया जाता है.

यूनिवर्स अपनी रफ्तार से अनुशासनपूर्ण तरीके से चलता है. पृथ्वी भी इस ब्रह्मांड का जरूरी हिस्सा है जिस पर हम रहते हैं. यह भी अपने नियम के मुताबिक ही 'चलायमान' है. लेकिन अब हालिया अध्ययन बताते है कि पृथ्वी के आंतरिक कोर का घूमना साल 2010 से धीमा हो रहा है. यानी इसमें कमी आने लगी है. नया शोध इस बात का सबूत देता है कि आंतरिक कोर पृथ्वी की सतह की तुलना में धीमी गति से चलने लगा है. दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय (यूएससी) के वैज्ञानिकों ने पुष्टि की है. साइंस अलर्ट मैगजीन में छपी रिपोर्ट के मुताबिक इसका पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र की स्थिरता और हमारे दिनों की अवधि दोनों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है. हालांकि दिनों में यह बदलाव शुरुआती समय में 1 सेकंड या चंद सेकंड का हो सकता है. इसका लॉन्ग लास्टिंग असर क्या हो सकता है, इस पर और अधिक जानकारी आनी बाकी है।

चीन के लिए भरी उड़ान, लेकिन गायब हुआ था प्लेन

आजतक नहीं चला 239 लोगों का पता, अब यूं सुलझेगा रहस्य?

दुनिया में कुछ हवाई जहाज हादसे रहस्य बन गए. कुछ की तो लंबे समय से जांच पड़ताल चल रही है. एमएच 370 विमान हादसा ऐसा ही है. 2014 में लापता हुए बोइंग 777 की एक दशक से भी अधिक समय से चल रही निरर्थक खोज में रडार, उपग्रह, वायु और सोनार अनुसंधान शामिल हैं. एक रिसर्चर का मानना है कि वह गायब हुए एमएच 370 विमान के रहस्य को सुलझाने के करीब पहुंच गया है. इसकी वजह एक ऐसी ध्वनि है जो दुनिया को वह जवाब दे सकती है जिसकी सभी को उम्मीद थी. लेकिन अब ऐसा माना जा रहा है कि कुछ बहुत ही सरल चीज उस दुर्भाग्यपूर्ण दिन की सच्चाई को उजागर कर सकती है. न्यूजडॉटकॉमडॉटएयू की रिपोर्ट के मुताबिक कार्डिफ विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं का कहना है कि उनके हाइड्रोफोन रिकॉर्डिंग है जिसकी बदौलत विमान में सवार 239 लोगों के साथ क्या हुआ, इसका पता लगाया जा सकता है. हाइड्रोफोन रिकॉर्डिंग का उपयोग परमाणु विस्फोटों का पता लगाने और समुद्र में दबाव में बदलाव की निगरानी के लिए किया जाता है.

मलेशिया एयरलाइंस की फ्लाइट 370 मलेशिया एयरलाइंस द्वारा संचालित एक अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ान थी जो 8 मार्च, 2014 को रडार से गायब हो गई थी. उस समय यह मलेशिया के कुआलालंपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अपने नियोजित गंतव्य, चीन के बीजिंग कैपिटल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए उड़ान भर रही थी. उस समय विमान में 227 यात्री और 12 चालक दल के सदस्य सवार थे और इसके लापता होने के बाद हिंद महासागर, ऑस्ट्रेलिया के पश्चिम से लेकर मध्य एशिया तक खोज अभियान चलाया गया. मलबे के कुछ हिस्से तब से बहकर आ चुके हैं, लेकिन विमान के लापता होने का स्थान या क्या गलत हुआ, यह कभी पता नहीं चल पाया है.

दीवार के नीचे जैसे ही देखा झांकती नजर आईं 2 आंखें

छुपा रखा था ऐसा राज, जानकर हो जाएंगे हैरान!

सोचिए क्या होगा, जब आप अपने ही घर में कुछ ऐसा देख लेंगे, जिसकी आपने उम्मीद न की हो? निश्चित रुप से आपको डर लगेगा. सोचेंगे कि आखिर ये क्या दिख गया? सोशल मीडिया पर भी ऐसा ही एक वीडियो इन दिनों तेजी से वायरल हो रहा है. एक शख्स अचानक अपने घर के अंदर दो दीवारों के बीच गैप में झांकता है, तो होश उड़ा देने वाला मंजर नजर आता है. अंदर से 2 आंखें उसे घूरती हुई नजर आईं. हिम्मत जुटाकर शख्स ने अंदर हाथ डाला, तो देखा कि वहां पर उल्लू का पूरा परिवार मौजूद है. उल्लू ने दीवारों के बीच अपने नन्हें बच्चों को छुपा रखा था. इसके बाद शख्स ने जो किया, उसे शायद ही कोई और करता।

उस शख्स ने हिम्मत जुटाकर उल्लू को पहले पीछे की ओर धकेला, फिर देखा कि उसने अपने बच्चों को अपने पंख के नीचे छुपा रखा है. वो उल्लू रोजाना बाहर से खाना खोजकर लाती और बच्चों को खिलाती थी. ऐसे में शख्स ने उल्लू की मदद करने का फैसला किया. सबसे पहले उसने दीवार के बीचों-बीच एक प्लेट डाली. उसमें खाना रख दिया. उल्लू को पीछे हटाकर बच्चों की हालत देखी. ऐसा कई दिनों तक चलता रहा. धीरे-धीरे उल्लू को शख्स पर भरोसा हो गया. रोजाना उसे खाना मिलने लगा. बच्चे भी बड़े होते गए. वीडियो में देखा जा सकता है कि अपनी मां की तरह उल्लू के बच्चे भी उस शख्स का इंतजार करते हैं. वीडियो में वो ऊपर की ओर झांकते नजर आ रहे हैं. उनकी आंखें बहुत प्यारी दिख रही हैं. हालांकि, उल्लू के 5 बच्चों में से जिंदा सिर्फ 2 ही बचे. सोशल मीडिया पर इस वीडियो को लुम्बलेक्स नाम के अकाउंट से शेयर किया गया है, जो देखते ही देखते तेजी से वायरल हो रहा है. अब तक इस वीडियो को लगभग 4 लाख लोगों ने देखा है, जबकि हजारों लोगों ने इसे लाइक और शेयर किया है. सैकड़ों की संख्या में कमेंट्स भी आए हैं.

भाजपा ने शीतल अंगुराल को बनाया प्रत्याशी

आप छोड़कर हुए थे पार्टी में शामिल

चंडीगढ़, 17 जून (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने जालंधर वेस्ट उप चुनाव के लिए शीतल अंगुराल को अपना प्रत्याशी घोषित किया है। जालंधर वेस्ट उपचुनाव की अधिसूचना 14 जून को जारी की गई थी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 जून है। नामांकन पत्रों की जांच 24 जून को होगी जबकि नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि 26 जून है। 10 जुलाई को मतदान होगा और 13 जुलाई को मतगणना के बाद परिणाम घोषित किया जाएगा।

विधायक शीतल अंगुराल पहले भाजपा में ही थे। 2019 में शीतल अंगुराल ने भाजपा-अकाली दल के उम्मीदवार चरणजीत सिंह अटवाल को जिताने के लिए पूरी ताकत झोंकी थी। 2022 में शीतल भाजपा को अलविदा कहकर आप में आ गए। आप की तरफ से विधायक बन गए। इसके बाद लोकसभा चुनाव से कुछ पहले वे फिर भाजपा में शामिल हो गए और इस्तीफा दे दिया। हालांकि मतदान के बाद अंगुराल ने अपना इस्तीफा वापस ले लिया था लेकिन उससे पहले ही विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवां ने इस्तीफा मंजूर कर लिया। विधानसभा सचिव की ओर से पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सिबिन सी को भी इस संदर्भ में नोटिफिकेशन की कॉपी भेजी गई थी जिसमें जालंधर पश्चिमी-34 नंबर सीट को 30 मई, 2024 से खाली दिखाया गया था।

इस्तीफा वापस लेने से पहले अंगुराल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से मोदी का परिवार का टैग हटा लिया था, जिसके चलते उनके आप में वापसी के कयास लगाए जाने लगे थे। अंगुराल का कहना था कि इस्तीफा मंजूर किए जाने के इस फैसले को वह चैलेंज करेंगे। इसके लिए वह जल्द ही पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे।

पानी के बहाने केजरीवाल पर निशाना

भाजपा-कांग्रेस बोलीं : दिल्ली को चाहिए काम करने वाला सीएम

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। दिल्ली में पानी के लिए जंग जारी है। आम जनता पानी के लिए तरस रही है। कहीं पानी के लिए लोग घंटों तक टैंकरों का इंतजार कर रहे हैं, तो कहीं पानी के लिए एक दूसरे का सिर फोड़ रहे हैं। भाजपा और कांग्रेस ने इस मुद्दे पर आक्रामक रुख अपनाया है। वे दिल्ली सरकार से जल्द से जल्द लोगों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था करने की मांग कर रहे हैं। इसके साथ ही दोनों दलों ने दिल्ली के लिए ऐसे मुख्यमंत्री की मांग की है, जो दिल्ली के लिए काम करने में सक्षम हो। इसे दिल्ली विधानसभा के चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है।

लगातार प्रदर्शन

भाजपा ने पानी के मुद्दे पर लगातार दिल्ली सरकार को घेर रखा है। रविवार को पार्टी ने पूरी दिल्ली में पानी के मुद्दे को लेकर प्रदर्शन किया। ईद के दिन सोमवार को भी पार्टी ने पूरी राजधानी में पानी के मुद्दे पर केजरीवाल सरकार को घेरा। पार्टी के सभी सांसदों-विधायकों और पदाधिकारियों ने अपने-अपने इलाकों में पानी के मुद्दे पर प्रदर्शन करते हुए दिल्ली सरकार पर लोगों को साफ जल उपलब्ध कराने में असफल रहने का आरोप लगाया।

चांदनी चौक से भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि दिल्ली में पानी की समस्या कोई नया विषय नहीं है। हर साल दिल्ली में पीने के पानी की कमी होती है। यदि सरकार समय रहते कार्रवाई करती, पेयजल के उपाय करती, तो आज लोगों को पीने के लिए पानी की कमी का सामना नहीं करना पड़ता। पार्टी नेता हरीश खुराना ने कहा कि अरविंद केजरीवाल सरकार सत्ता में दस साल रहने के बाद भी लोगों को पानी तक नहीं उपलब्ध करा सकी है। उन्होंने कहा कि यदि दिल्ली के पास काम करने वाला मुख्यमंत्री होता, तो लोगों को इस तरह पानी के लिए न तरसना पडता। भाजपा नेता ने कहा कि दिल्ली को एक काम करने वाला मुख्यमंत्री चाहिए।

खराब हुई पानी की स्थिति- कांग्रेस कांग्रेस ने पीने के पानी के लिए पूरी राजधानी में मटका फोड़ प्रदर्शन किया। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा है कि सत्ता में आने के दस साल बाद भी अरविंद केजरीवाल सरकार लोगों को पीने का पानी तक उपलब्ध नहीं करा पाई है। वह सबको मुफ्त पानी, मुफ्त बिजली का वादा तो करती है, लेकिन असलियत यह है कि लोगों को पीने का पानी तक नहीं मिल रहा है। इसी से साबित होता है कि अरविंद केजरीवाल सरकार किसी भी मोर्चे पर सफल नहीं रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली को काम करने वाला मुख्यमंत्री चाहिए, जो लोगों का खयाल रख सके।

30 जून से विधान सभा चुनाव अभियान का शंखनाद करेगी आम आदमी पार्टी, चरखी दादरी में होगी महारैली

करनाल, 17 जून (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी अब हरियाणा विधानसभा चुनाव में पूरी ताकत झोंकने की तैयारी में है। अभियान का शंखनाद 30 जून को चरखी दादरी में एक महारैली से किया जाएगा। आम आदमी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा ने कहा कि महारैली में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल संबोधित करेंगी।

आम आदमी पार्टी के करनाल कार्यालय में सोमवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान आप के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा ने कहा कि 13 जून को हरियाणा के नागरिक उड्डयन मंत्री कमल गुप्ता ने एक बयान दिया था कि करनाल में हवाई अड्डे के लिए सर्वे कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य की बात है कि करनाल पिछले डेढ़ दशक से हवाई अड्डे का इंतजार कर रहा है।

भाजपा की दस सालों की सरकार में बार बार भरोसा दिलाया गया, कभी हवाई पट्टी को हवाई अड्डा बनाने, इसे कमर्शियल बनाने की बात कही। करनाल के लोगों ने दो दो बार करनाल से प्रदेश के मुख्यमंत्री बनाए लेकिन फिर भी कोई काम नहीं हुआ।

दूसरा महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट करनाल तक मेट्रो लाइन बनाने का था लेकिन लंबे अर्से से सिर्फ आश्वासन ही दिए जा रहे हैं, सिर्फ कागजों पर ही काम हो रहा है, धरातल पर इन दोनों में से किसी भी प्रोजेक्ट को नहीं उतारा गया है। भाजपा सिर्फ सपने दिखा रही है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने हरियाणा में अब एक एक बूथ पर मजबूत तैयारी शुरू कर दी है। बूथों को मजबूत किया जा रहा है। जल्द ही हरियाणा के वास्तविक मुद्दों को लेकर जनता के बीच आएगी।

ये वह मुद्दे होंगे, जिनसे सरकारें हमेशा मुंह मोड़ती रही हैं। उन्होंने कहा कि आप अपने विधान सभा चुनाव अभियान का शंखनाद 30 जून को चरखी दादरी में एक महा रैली आयोजित कर करेगी। जिसमें दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल आएंगी। तब तक हर विधान सभा क्षेत्र में बैठकें शुरू कर तैयारियों का जायजा लिया जा रहा है।

आठवले बोले-हमारी सरकार अगले पांच साल के लिए फिर आएगी

इंडिया ब्लॉक ने संविधान बदलने की अफवाह फैलाई

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। आठवले ने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को यह दोहराने के बजाय कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास देश पर शासन करने का जनादेश नहीं है, उन्हें विपक्ष की रचनात्मक भूमिका निभानी चाहिए। आठवले ने कहा, एनडीए के पास स्पष्ट बहुमत है। हमने 292 लोकसभा सीटें जीती हैं। आठवले ने कहा कि जब यूपीए सत्ता में थी तो भाजपा ने यह नहीं कहा कि कांग्रेस के पास शासन करने का जनादेश नहीं है।

आठवले ने कहा कि उद्धव ठाकरे कह रहे हैं कि चुनाव संविधान को बचाने के लिए हैं, लेकिन हमारा चुनाव यूबीटी शिवसेना, शरद पवार की राकांपा और राहुल गांधी की कांग्रेस को हटाने के लिए होगा। महाराष्ट्र में अब कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव होंगे। हमारे साथ 240 से अधिक विधायक हैं। हम अगले 5 वर्षों के लिए फिर से आएंगे।

एयरफोर्स स्टेशन के पास बने मंदिर में शिव मूर्ति के पास मिला पाकिस्तानी नोट

पुलिस ने शुरू की जांच

पठानकोट, 17 जून (एजेंसियां)। पठानकोट के एयरफोर्स स्टेशन के निकट बने एतिहासिक बर्फानी मंदिर में भगवान शिव की मूर्ति के पास 100 रुपये का पाकिस्तानी नोट मिलने से क्षेत्र में दहशत फैल गई। मंदिर के सेवादारों ने पाकिस्तान नोट मिलने की सूचना स्थानीय पुलिस स्टेशन में दी। जिसके बाद पुलिस फोर्स ने मौके पर पहुंच मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले। मंदिर में पाकिस्तानी नोट चढ़ाने वाले व्यक्ति की पहचान की जा रही है। हाल ही में पठानकोट के साथ लगते पड़ोसी राज्य जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले हो चुके हैं। पुलिस, बीएसएफ और आर्मी के इतने कड़े सुरक्षा इंतजाम होने पर भी जिले में पाकिस्तानी नोट मिलना सरकार के इंटेलिजेंस और पुलिस प्रशासन पर बड़े सवालिया निशान खड़े करता है।

सांसद चरणजीत चन्नी ने हिमाचल सीएम से की बात, जल्द कार्रवाई की मांग

चंडीगढ़, 17 जून (एजेंसियां)। पंजाब के एनआरआई कपल से हिमाचल प्रदेश में मारपीट मामले को लेकर जालंधर के सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने हिमाचल के सीएम सुखविंदर सुक्खू से फोन पर बात कर मामले में कारवाई की मांग की।

पंजाब के एनआरआई दंपती से हिमाचल में हुई मारपीट के मामले में अब अमृतसर में जीरो एफआईआर दर्ज की गई है। मामले में आईपीसी की छह धाराओं 323, 341, 354, 506, 148 और 149 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अमृतसर के थाना रंजीत एवेन्यू में यह केस दर्ज किया गया है, जिसे हिमाचल में संबंधित थाने को भेजा जाएगा। पंजाब के कैबिनेट मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने कहा कि कपल के साथ मारपीट की गई और मामले में स्थानीय पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। यहां तक कि जबरदस्ती घटना का बनाया गया वीडियों भी डिलीट करवाया गया है। धालीवाल ने मामले में कार्रवाई के साथ ही हिमाचल के सीएम से मिलने के लिए समय भी मांगा है। शनिवार को पंजाब मूल के एक एनआरआई कंवलजीत सिंह ने आरोप लगाया कि उनके साथ हिमाचल प्रदेश के डलहौजी में पार्किंग को लेकर हुई कहासुनी के दौरान कुछ लोगों ने मारपीट की। उन्होंने क्षेत्रीय भेदभाव का भी आरोप लगाया। उन्होंने हिमाचल पुलिस पर भी घटना का वीडियो जबरदस्ती डिलीट करवाने का आरोप लगाया है।

फिलहाल पीड़ित दंपती का अमृतसर के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। कंवलजीत सिंह स्पेन में 25 साल से रह रहे हैं। वह हाल ही में पंजाब लौटे हैं। उन्होंने कहा कि वह अपनी स्पेनिश पत्नी और रिश्तेदार के साथ दो दिन पहले डलहौजी घूमने गए थे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

मेरा मन मेरा मंदिर है : मैं किसी को भी अपने गंदे पाँव के साथ मेरे मन से नहीं गुजरने दूंगा।

कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का तबादला, 28 के कार्य क्षेत्र बदले

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सरकार ने तेलंगाना में 28 पुलिस अधिकारियों का तबादला कर दिया है। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने सोमवार को इस आशय का आदेश जारी किया है। जिसके के मुताबिक अशोक कुमार, डीसीपी, मंचेरियल, रामागुडम, को सनप्रीत सिंह के स्थान पर जगतियाल के पुलिस अधीक्षक के रूप में स्थानांतरित किया गया है।

राहुल हेडगे बी.के. के स्थान पर सनप्रीत सिंह को पुलिस अधीक्षक, सूर्यापेट के रूप में तैनात किया गया है। राहुल हेडगे बी.के को डीसीपी, ट्रैफिक, हैदराबाद सिटी के पद पर नियुक्त किया गया है। एल. सुब्बारायडू को डीजीपी, (एचओपीएफ), तेलंगाना, हैदराबाद के कार्यालय में रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया है। टी. श्रीनिवास राव, डीसीपी, बालानगर जोन, साइबराबाद को स्थानांतरित कर पुलिस अधीक्षक, जोगुलंबा गडवाल के पद पर नियुक्त किया गया है। ऋतिराज को संयुक्त निदेशक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, तेलंगाना, हैदराबाद के पद पर तैनात किया गया है। डी.वी. श्रीनिवास राव, डीसीपी, मेडचल ट्रैफिक, साइबराबाद, को स्थानांतरित कर पुलिस अधीक्षक, कोमरमभीम आसिफाबाद के पद पर नियुक्त किया गया है। के सुरेश कुमार को डीसीपी, बालानगर, साइबराबाद के पद पर नियुक्त किया गया है।

जानकी धरावत डीसीपी, दक्षिण पूर्व क्षेत्र, हैदराबाद शहर, को पुलिस अधीक्षक, महबूबनगर, हर्षवर्धन को पुलिस अधीक्षक, तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो, हैदराबाद, विश्वजीत कम्पति को मौजूदा रिक्ति पर पुलिस अधीक्षक, सीआईडी, बी. राजेश, पुलिस अधीक्षक (एनसी), एसआईबी, इंटेलिजेंस, को स्थानांतरित किया गया है और उन्हें डीसीपी, शमशाबाद, साइबराबाद, के. नारायण रेड्डी को पुलिस अधीक्षक, विकाराबाद , एन.कोटि रेड्डी, को डीसीपी, मेडचल जोन, साइबराबाद, नितिका पंत, को कमांडेंट, द्वितीय बटालियन, टीजीएसपी, यापलागुडा, आदिलाबाद, पीजेपीसी चटर्जी, कमांडेंट, द्वितीय बटालियन, टीजीएसपी, यापलागुडा, आदिलाबाद, को डीजीपी, (एचओपीएफ), तेलंगाना, हैदराबाद के कार्यालय, शरद चंद्र पवार पुलिस अधीक्षक, तेलंगाना एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो, हैदराबाद, को नलगोंडा के पुलिस अधीक्षक, जी. चंदना दीप्ति को पुलिस अधीक्षक, रेलवे, सिकंदराबाद, शेख सलीमा को डीसीपी, सेंट्रल ज़ोन, वारंगल, एम.ए. बारी, पुलिस अधीक्षक (एनसी) को डीजीपी (एचओपीएफ), तेलंगाना, हैदराबाद के कार्यालय, पोस्टिंग की प्रतीक्षा कर रहे डॉ. पाटिल संग्रामसिंह गणपतराव, की सेवाएं सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस, तेलंगाना, हैदराबाद में पोस्टिंग के लिए जीएडी के निपटान में, पी. साई चैतन्य, एसपी तेलंगाना एंटी नारकोटिक ब्यूरो, हैदराबाद, साधना रश्मि पेरुमल, डीसीपी, टास्क फोर्स, हैदराबाद सिटी, को स्थानांतरित कर डीसीपी, उत्तर क्षेत्र, हैदराबाद सिटी, रोहिणी प्रियदर्शिनी, को कमांडेंट, 7वीं बटालियन, डिचपल्ली, निजामाबाद, बी. राम प्रकाश, कमांडेंट, 7वीं बटालियन, डिचपल्ली, निजामाबाद को डीजीपी (एचओपीएफ), तेलंगाना, हैदराबाद के कार्यालय में , बी राजा महेंद्र नाइक, पुलिस अधीक्षक (एनसी), खुफिया, को स्थानांतरित कर डीसीपी, पश्चिम क्षेत्र, जनगांव, वारंगल, पी सीताराम, पुलिस अधीक्षक (एनसी) को डीजीपी (एचओपीएफ), तेलंगाना, हैदराबाद के कार्यालय में रिपोर्ट करने का निर्देश, ए भास्कर, पुलिस अधीक्षक, तेलंगाना एंटी नारकोटिक ब्यूरो, को स्थानांतरित कर डीसीपी, मंचेरियल, रामागुंडम के पद पर नियुक्त किया गया है।

केंद्रीय मंत्रियों का भव्य स्वागत किया जाएगा : वेंकटेश्वरलू

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित मीडिया सम्मेलन में भाजपा के प्रदेश महासचिव कासम वेंकटेश्वरलू ने कहा कि में एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल के अवसर पर, यह खुशी की बात है कि तेलंगाना राज्य को दो केंद्रीय मंत्री पद दिए गए हैं।

किशन रेड्डी और बंडी संजय कुमार केंद्रीय मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद इस महीने की 19 तारीख को पहली बार राज्य का दौरा कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के राज्य विभाग के तत्वावधान में केंद्रीय मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद पहली बार राज्य में आ रहे किशन रेड्डी और बंडी संजय कुमार का भव्य स्वागत करने का निर्णय लिया गया है। बेगमपेट हवाई अड्डे से भारतीय जनता पार्टी के राज्य कार्यालय तक एक विशाल रैली आयोजित की जाएगी। सैल्यूट तेलंगाना के नाम से आयोजित इस रैली में राज्य से जीते 8 सांसद और राज्यसभा सदस्य डॉ. लक्ष्मण और पार्टी रैंक के लोग भाग लेंगे। उन्होंने कहा हम भारतीय जनता पार्टी के राज्य कार्यालय में एक मंच बनाएंगे और तेलंगाना के लोगों को धन्यवाद देंगे। प्रदेश भर से कार्यकर्ता और नेता नरेंद्र मोदी का विशेष आभार व्यक्त करेंगे। बैठक के बाद भाग्यलक्ष्मी अम्मावरी मंदिर में विशेष पूजा की जाएगी और देवी का आशीर्वाद लिया जाएगा।राज्य की सातों मोर्चा समितियों के तत्वावधान में केंद्रीय मंत्रियों के स्वागत की पूरी तैयारी की जा रही है।

एक बार फिर धन्यवाद सभा के माध्यम से प्रदेश की जनता को धन्यवाद देने का कार्यक्रम होगा। हम भविष्य में तेलंगाना राज्य में सत्ता हासिल करने के लक्ष्य के साथ भाजपा को 88 से अधिक सीटें जिताने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे।

नशे में गाड़ी चलाने वालों पर कार्रवाई एक ही दिन में 349 आरोपी पकड़े गए

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस ने नशे में गाड़ी चलाने के लिए एक विशेष अभियान के दौरान एक ही दिन में 349 से अधिक लोगों को पकड़ा। 15 जून को शाम 6.30 बजे से आधी रात 2 बजे तक साइबराबाद पुलिस कमिश्नरेट में विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई की गई।सीटीपी के अनुसार, माधापुर में सबसे अधिक अपराधी पकड़े गए, जहां 74 लोग नशे में गाड़ी चलाने के आरोप में पकड़े गए। कुल 253 दोपहिया वाहन, 16 तिपहिया वाहन, 74 चार पहिया वाहन और छह भारी वाहन चालक डीयूआई जांच के दौरान पकड़े गए। साइबराबाद के संयुक्त पुलिस आयुक्त यातायात डी. जोएल डेविस ने कहा, "साइबराबाद में नशे में गाड़ी चलाना और अनधिकृत ड्राइविंग सड़क दुर्घटनाओं और मौतों का प्रमुख कारण रहा है। हम ऐसे उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई कर रहे हैं।" उन्होंने कहा कि नशे में गाड़ी चलाने के कारण बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए पुलिस ने ऐसे ड्राइवरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। जो लोग घातक दुर्घटनाएँ करते हैं, खासकर शराब के नशे में, उन पर भारतीय दंड संहिता की धारा 304 भाग II के तहत गैर इरादतन हत्या का आरोप लगाया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप 10 साल तक की कैद हो सकती है। इसके अलावा, जो लोग जानबूझकर नशे में गाड़ी चलाने की अनुमति देते हैं या उनके साथ होते हैं, उन पर भी अपराध को बढ़ावा देने के लिए मुकदमा चलाया जा रहा है।

हैदराबाद में दंगे कराने की साजिश रच रही है भाजपा : पुष्पा लीला

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री पुष्पा लीला ने सोमवार को सनसनीखेज टिप्पणी करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हैदराबाद में दंगे कराने की साजिश रच रही है और उन्होंने लोगों से साजिशों के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया। यहां गांधी भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए पुष्पा लीला ने कहा कि भाजपा नहीं चाहती कि लोग शांति से रहें और वह हमेशा चाहती है कि लोग धर्म के आधार पर बंटे रहें और एक-दूसरे को पीटें। उन्होंने मेदक शहर में सांप्रदायिक हिंसा पैदा करने के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि तेलंगाना में शांति भंग करने के लिए सभी भाजपा नेताओं को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री

के चंद्रशेखर राव उन लोगों को भारत आने से रोकने की कोशिश कर रहे हैं, जो फोन टैपिंग और बिजली खरीद में अनियमितताओं में शामिल हैं और विदेश में रह रहे हैं और बीआरएस अध्यक्ष को डर है कि उन्हें बिजली खरीद घोटाले में गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार ईवीएम की मदद से सत्ता में आए हैं और उनमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी की चुनौती को स्वीकार करने का साहस नहीं है, जिन्होंने कहा कि चुनाव बैलेट पेपर से होने चाहिए। पुष्पा लीला ने कहा, "लोगों के बीच ईवीएम को लेकर कई संदेह हैं क्योंकि इन मशीनों से छेड़छाड़ की जा सकती है। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री ने भी साबित कर दिया है कि ईवीएम उनकी हार का कारण थी।"

इटेला ने मलकाजगिरी में लोगों की समस्याओं को हल करने का संकल्प लिया

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा सांसद इटेला राजेंद्र ने कहा है कि वह लंबे समय से अपने निर्वाचन क्षेत्र में आरयूबी, भूमिगत जल निकासी और सरकारी भूमि के नियमितीकरण जैसे कई मुद्दों को हल करने के लिए अपने मलकाजगिरी निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के साथ रहेंगे। उन्होंने सांसद के रूप में उन्हें जिताने के लिए लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि लोगों की समस्याओं को हल करना उनकी जिम्मेदारी है और उनके सेवक के रूप में वह लगातार उनके लिए उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने सोमवार को विनायकनगर पार्षद राजलक्ष्मी के नेतृत्व में मुन्नुरू कल्याण मंडपम में विनायकनगर डिवीजन कॉलोनियों के कल्याण संघों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक में भाग लिया। इस अवसर पर पार्षद राज्यलक्ष्मी ने इटेला का अभिनंदन किया। उन्होंने राजेंद्र को ज्ञापन देकर संभाग में रेलवे पुल, प्रदूषित तालाब, नहर आदि की समस्याओं के समाधान का आग्रह किया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए इटेला ने कहा कि मलकाजगिरी में समस्याओं का समाधान करना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि एक नेता के तौर पर लोगों का विश्वास बनाए रखना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, "अगले पांच साल में मैं मलकाजगिरी को आदर्श निर्वाचन क्षेत्र बनाऊंगा।" इस अवसर पर संभाग के कॉलोनी कल्याण संघों के नेताओं, महिलाओं और टीडीपी नेताओं ने इटेला का अभिनंदन किया और उन्हें कॉलोनी में व्याप्त समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि इनका समाधान करना उनकी जिम्मेदारी है।

श्रीधर बाबू ने हरीश, केटीआर की टिप्पणियों का करारा जवाब दिया

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू ने सोमवार को पूर्व मंत्रियों हरीश राव और केटी रामा राव की टिप्पणियों का जवाब दिया, जिन्होंने कहा था कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू के प्रदर्शन को देखने के बाद सीख लेनी चाहिए और ज्ञान प्राप्त करना चाहिए। यहां एक विज्ञप्ति में, मंत्री ने दोहराया कि राज्य सरकार विधानसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस पार्टी द्वारा किए गए हर वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है और कहा कि उनकी सरकार उस अराजक अर्थव्यवस्था को स्थापित कर रही है जिसे पिछली बीआरएस सरकार पीछे छोड़ गई थी। उन्होंने कहा, "हम तेलंगाना के लोगों के विचारों को लागू कर रहे हैं, आंध्र प्रदेश के लोगों के विचारों को नहीं।" मंत्री ने यह भी याद दिलाया कि ग्रुप-1 परीक्षा 12 साल बाद तेलंगाना में आयोजित की गई थी और वह भी कांग्रेस सरकार द्वारा संभव हुई थी। उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार जल्द ही नौकरी कैलेंडर जारी करेगी और रिक्त पदों पर भर्ती तय कार्यक्रम के अनुसार होगी। लोकसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता के कारण राज्य सरकार अपने वादों को पूरा करने में तेजी नहीं ला सकी, इस बात की याद दिलाते हुए मंत्री ने कहा कि अब आचार संहिता समाप्त हो गई है, इसलिए सभी वादों को धीरे-धीरे लागू किया जाएगा। श्रीधर बाबू ने आरोप लगाया कि "बीआरएस नेता हरीश को आशा कार्यकर्ताओं के बारे में बात करने का कोई अधिकार नहीं है। पिछली सरकार के दौरान आशा कार्यकर्ताओं को परेशान किया गया और घोड़ों से रौंदा गया।" पेड्डापल्ली में छह वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए मंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार तेलंगाना में शांति और सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और चेतावनी दी कि जो भी इसके पीछे है, उसे लोहे के हाथ से कुचल दिया जाएगा।

कुरा राजन्ना को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए : सीपीआई

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई (एमएल) चंद्र पुल्ला रेड्डी पार्टी केंद्रीय समिति के सचिव मल्लेपल्ली प्रभाकर ने आज कहा कि जन शक्ति पार्टी के नेता कुरा राजन्ना को गोदावरी घाटी प्रतिरोध संघर्ष के दौरान कॉमरेड एम.वी. प्रसाद और वसंतक्का जैसे कई निहत्थे क्रांतिकारियों के खिलाफ किए गए नरसंहार, धमकियों, शारीरिक हमलों और राजनीतिक गलत कामों की राजनीति पर राज्य के लोगों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि जनशक्ति कुरा राजन्ना विभिन्न संस्थानों को कमजोर करने और विघटित करने और कॉमरेड चंद्रपुल्ला रेड्डी द्वारा बनाए गए गोदावरी घाटी क्रांतिकारी प्रतिरोध आंदोलन को कमजोर करने के लिए जिम्मेदार हैं।

उन्होंने कहा, "ऐसे समय में जब सैकड़ों साथी शोषण, उत्पीड़न से मुक्त समतावादी समाज की स्थापना के लिए अपने बलिदान से एक मजबूत भाकपा (माले) पार्टी का निर्माण कर रहे थे, उन्होंने आरोप लगाया कि राजन्ना द्वारा अपनाई गई क्रांति-विरोधी अलगाववाद ने भारतीय क्रांति को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाया है। आज भी, प्रतिरोध संघर्ष कई प्रतिबंधों और उतार-चढ़ाव का सामना कर रहा है। राजनीतिक, वैचारिक और संरचनात्मक आंतरिक संघर्ष में खड़े होने में असमर्थ, गुंडागर्दी और गुंडागर्दी को क्रांतिकारी संस्कृति में डाल दिया गया।" उन्होंने यह भी कहा कि राजन्ना पर सवाल उठाने और उनका विरोध करने वालों पर हत्या की राजनीति और सशस्त्र गिरोह द्वारा हमले किए गए। "राजन्ना, जो पार्टी में सामने आए लोकतांत्रिक मुद्दों को संबोधित करने में विफल रहे, ने क्रांति-विरोधी, अराजकता और मुखबिरों के नाम पर अंत की संस्कृति का पोषण किया। उन्होंने कहा कि प्रसाद और वसंतक्का की 19वीं पुण्यतिथि के अवसर पर, वे राजन्ना को आत्मनिरीक्षण करने की सलाह दे रहे हैं। उन्होंने राजन्ना से कहा कि कॉमरेड सी पी रेड्डी जैसे कार्यकर्ताओं ने उनके द्वारा किए गए राजनीतिक, संरचनात्मक और व्यक्तिगत गलतियों की सार्वजनिक रूप से आत्म-आलोचना की थी और इसे विमोचना पत्रिका में प्रकाशित किया था। उन्होंने कहा कि एमवी प्रसाद, वसंतक्का और अब तक शारीरिक हमलों में मारे गए सभी लोगों को राजन्ना द्वारा क्रांतिकारी श्रद्धांजलि दी जानी चाहिए, साथ ही चेतावनी दी कि इतिहास उन्हें माफ नहीं करेगा। बाद में, प्रसादन्ना और वसंतक्का की 19वीं पुण्यतिथि समारोह 18 से 25 जून, 2024 तक दोनों तेलुगु राज्यों में आयोजित करने का आह्वान करते हुए पर्चे जारी किए गए। नकीरेकांति चिट्टीबाबू, भारतीय प्रगतिशील महिला एसोसिएशन की राष्ट्रीय संयोजक सम्पांगी पद्मा, राज्य सचिव परका सुनीता और अन्य लोग उपस्थित थे।

वन कर्मियों की हथियार संबंधी अपील अनसुनी

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वन कर्मचारियों पर बढ़ते हमलों और आत्मरक्षा के लिए हथियार स्वीकृत करने तथा वन स्टेशन स्थापित करने के उनके अनुरोधों के बावजूद, राज्य सरकार ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। वन कर्मचारी लंबे समय से आत्मरक्षा के लिए हथियार और गोला-बारूद की मांग कर रहे हैं। नवंबर 2022 में कोत्तागुडेम में गुट्टी कोया आदिवासियों द्वारा चंद्रगोंडा वन रेंज अधिकारी सीएच श्रीनिवास राव की नृशंस हत्या के बाद यह मांग और बढ़ गई थी। हमले बंद नहीं हुए हैं। 3 जून को, जन्नाराम मंडल के थापलापुर गांव में एक चेक पोस्ट पर कुछ युवाओं द्वारा हमला किए जाने के बाद एक वन बीट अधिकारी (एफबीओ) और चौकीदार घायल हो गए, जो कथित तौर पर नशे की हालत में थे। पिछले शुक्रवार को, निजामाबाद जिले के मुगपाल मंडल के अंतर्गत कलपोल वन क्षेत्र में स्थानीय ग्रामीणों द्वारा हमला किए जाने पर एक वन रेंज अधिकारी, एक अनुभाग अधिकारी और विभाग के दो अन्य कर्मचारी घायल हो गए।

राज्य वन सेवा अधिकारी संघ (एसएफएसओ) ने पिछले दिनों प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) आरएम डोबरियाल को एक प्रतिनिधित्व दिया था, जिसमें हथियार और गोला-बारूद को मंजूरी देने की अपील की गई थी। इसके अलावा, वे संभाग स्तर पर वन स्टेशनों की स्थापना भी चाहते थे। अधिकारी चाहते थे कि वन रेंज अधिकारियों (एफआरओ) रैंक और उससे ऊपर के लिए पिस्तौल और आत्मरक्षा के लिए फील्ड स्टाफ को राइफलें मंजूर की जाएं।

पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर अधिकारी चाहते थे कि ये स्टेशन आसिफाबाद, आदिलाबाद, खम्मम, कोत्तागुडेम, करीमनगर और अन्य जगहों के संवेदनशील इलाकों में स्थापित किए जाएं। हथियार और गोला-बारूद के लिए फील्ड स्टाफ की मांग और वन पुलिस स्टेशन स्थापित करने की मांग को स्वीकार करते हुए एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस मुद्दे को हाल ही में फिर से सरकार के सामने उठाया गया है। प्रस्ताव पर एक विस्तृत रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई और अनुमान है कि इस पर 61 करोड़ रुपये खर्च होंगे। अधिकारी ने कहा कि सरकार को इस मामले पर फैसला करना है। हथियार और गोला-बारूद के अलावा, कानूनी मुद्दों से निपटने के लिए मुख्यालय और सर्कल स्तर पर वकीलों को नियुक्त करने की योजना को मंजूरी देने की भी अपील की गई। अधिकारी ने कहा कि निजामाबाद की घटना के बाद, शनिवार को वन मंत्री कोंडा सुरेखा के सामने यह मुद्दा फिर से उठाया गया।

1990 के दशक के प्रारंभ में, तत्कालीन आंध्र प्रदेश में नक्सलियों द्वारा हथियार छीनने की कुछ घटनाओं के बाद वन अधिकारियों को अपने हथियार पुलिस के पास जमा कराने पड़े थे।

बाघ परिवार की आवाजाही से दहशत में लोग

कुमराम भीम आसिफाबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले कुछ दिनों से कागजनगर मंडल के गोंधी गांव के पास एक बाघ अपने शावकों के साथ घूम रहा है, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बाघ अपने शावकों के साथ जंगल के किनारे बसे गांव के पास नहर के किनारे पर अपना ठिकाना बना चुका है और आस-पास के इलाकों में घूम रहा है, जिससे किसान और निवासी घबरा गए हैं। उन्होंने बताया कि बाघों की आवाजाही के बाद वे खेती-बाड़ी करने से डर रहे हैं। उन्होंने वन अधिकारियों से अनुरोध किया कि वे बाघों को जंगल में भेजने के लिए कदम उठाएं और लोगों और मवेशियों को होने वाले नुकसान को रोकें।

जिला वन अधिकारी नीरज कुमार टेबरीवाल ने कहा कि रविवार तक गांव के बाहरी इलाके में कोई बाघ नहीं घूम रहा था। हालांकि, उन्होंने कहा कि विभाग के कर्मचारियों को रिपोर्ट की जांच करने के लिए तैनात किया जाएगा। पर्यावरणविदों ने बाघों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। वन अधिकारियों को बाघों की सुरक्षा के लिए कदम उठाने चाहिए। शिकार सुनिश्चित करने के अलावा फील्ड स्टाफ को तैनात करके बाघों की गतिविधियों पर नज़र रखी जानी चाहिए। अन्यथा, बाघों को शिकारियों से ख़तरा होगा। हाल ही में इस क्षेत्र के जंगलों में दो बाघों की मौत हो गई, जिससे संरक्षण की खराब स्थिति उजागर हुई।

दामाद की मौत सास को हार्ट अटैक

मेदक, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। चेगुंटा मंडल के मक्काराजुपेटा गांव में सोमवार की सुबह एक महिला की अपने दामाद की मौत के कुछ घंटों बाद ही दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, गज्वेल मंडल के चिगुरुपल्ली की रहने वाली न्यालापोगुला नरसम्मा (68) ने करीब 25 साल पहले अपनी बेटी की शादी मंगली नरसिम्हुलु (53) से की थी। नरसिम्हुलु, जिन्हें किडनी की बीमारी थी, का रविवार रात हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया।

उनका पार्थिव शरीर मक्करजूपेट लाया गया, जहाँ नरसम्मा भी पहुँचीं। अपनी बेटी के पति को इतनी जल्दी खो देने के कारण नरसम्मा गमगीन थीं। कुछ घंटों बाद, सुबह 3.30 बजे दिल का दौरा पड़ने से नरसम्मा की मृत्यु हो गई। इस घटना से परिवार सदमे में है। नरसिम्हुलु का अंतिम संस्कार मक्करजूपेट में किया गया। नरसम्मा के शव को अंतिम संस्कार के लिए चिगुरुपल्ली ले जाया गया। नरसिम्हुलु अपने गांव में फील्ड असिस्टेंट के तौर पर काम कर रहे थे।

ड्रग मामले में प्रसिद्ध डीजे गिरफ्तार

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि माधापुर पुलिस ने तेलंगाना एंटी नारकोटिक्स ब्यूरो (टीजीएएनबी) के साथ मिलकर ड्रग मामले में एक प्रसिद्ध डिस्को जॉकी को पकड़ा है। खुफिया जानकारी के आधार पर जांचकर्ता डीजे की गतिविधियों पर बारीकी से नज़र रख रहे थे। वह अक्सर ड्रग्स लेने के बाद माधापुर और गाचीबोवली के पबों में जाता था। वह किन लोगों से मिलता था, इस पर भी नज़र रखी जा रही थी।

जमीनी खुफिया जानकारी के आधार पर, उन्होंने 16 लोगों को बुलाया जो ड्रग्स से जुड़े हैं और पब जाते हैं। उनका ड्रग सेवन के लिए परीक्षण किया गया और डीजे सहित दो लोगों में कोकीन और गांजा का सेवन करने की पुष्टि हुई। उन्हें हिरासत में ले लिया गया और माधापुर में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

टीजीएनएबी के वरिष्ठ अधिकारियों ने आम जनता से ड्रग सप्लायर्स से दूर रहने का आग्रह किया है क्योंकि वे पुलिस की निगरानी में हैं। टीजीएनएबी के अधिकारियों ने कहा कि हम शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों और स्कूलों में ड्रग के खतरे से लड़ने के लिए भी कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

एस. इशिता
माता : एस. राधा
पिता : एस. शिवकुमार

राजीव नयन बोला–वह नहीं बिहार का सुभाष है मास्टरमाइंड

> एक दिन पहले उपलब्ध कराया था पर्चा

प्रयागराज, 17 जून (एजेंसियां)। आरओ/एआरओ परीक्षा पेपर लीक प्रकरण में अब तक मुख्य आरोपी माने जा रहे मेजा निवासी राजीव नयन मिश्रा ने नया खुलासा किया। कहा कि सिपाही भर्ती परीक्षा का पेपर उसने ही लीक कराया लेकिन आरओ/एआरओ परीक्षा पेपर लीक का मास्टरमाइंड सुभाष प्रकाश है। उसने ही परीक्षा के एक दिन पहले यानी 10 फरवरी को उसे पेपर भेजा था। यह खुलासा उसने एसटीएफ टीम के सामने किया, जो मेरठ जेल में उसका बयान दर्ज करने पहुंची थी।

एसटीएफ की टीम अब सुभाष की तलाश में जुटी है। माना जा रहा है कि सुभाष के पकड़े जाने के बाद ही इस बात का खुलासा होगा कि पेपर पहली बार कहां से लीक कराया गया।

आरओ/एआरओ परीक्षा पेपर लीक मामला

एसटीएफ सूत्रों के मुताबिक, मेरठ जेल में उससे करीब दो घंटे तक पूछताछ की गई। इस दौरान उसने बताया कि बिहार के मधुबनी का रहने वाला सुभाष उसका दोस्त है। वह भोपाल में उसके साथ ही रहा करता था। पहली बार भोपाल में इंजीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान उससे मुलाकात हुई थी। सुभाष भी वहीं रहकर पढ़ाई करता है। 10 फरवरी को सुभाष ने शाम को ही उसे पेपर उपलब्ध करा दिया था।

फिलहाल उसने इस बात की जानकारी से इंकार किया कि सुभाष को पेपर कहां से मिला। दो घंटे तक चली पूछताछ में उसका बयान दर्ज करने के बाद एसटीएफ वापस चली आई। बिशप जॉनसन गर्ल्स से पेपर लीक होने के बाद हुई थी पुष्टिएसटीएफ सूत्रों के मुताबिक, राजीव नयन ने यह भी बताया कि सुभाष से उसे पेपर भले ही मिल गया था लेकिन वह इसे लेकर शंका में था। इसीलिए उसने अपने करीबी डॉ. शरद को भी पेपर भेजा था। उधर परीक्षा वाले दिन कटरा स्थित बिशप जॉनसन गर्ल्स स्कूल से पेपर लीक होने के बाद डॉ. शरद ने उसे बताया था कि यह वही पेपर है जो परीक्षा से एक दिन पहले लीक हुआ। राजीव नयन ने पूछताछ में यह भी बताया कि परीक्षा से एक दिन पहले उसे सिर्फ एक ही सिरीज का पेपर मिला था। जबकि चारों सिरीज का प्रश्नपत्र परीक्षा वाले दिन बिशप जॉनसन गर्ल्स कॉलेज से पेपर लीक होने के बाद प्राप्त हुआ।

दोस्त है पुष्कर, एनएचएम पेपर लीक में गया था जेल

आरओ/एआरओ पेपर लीक में फरार चल रहे सुभाष के अलावा तीन और नाम सामने आए हैं। इनमें झूंसी का कामेश्वर मौर्य, मेजा का पुष्कर पांडेय और लखनऊ का अजय शर्मा शामिल है। एसटीएफ को पूछताछ में राजीव नयन ने बताया कि इनमें से पुष्कर उसका दोस्त है और मेजा में उसके गांव के पास का ही रहने वाला है।

मप्र में एनएचएम भर्ती परीक्षा का पेपर लीक कराने में पुष्कर भी उसके साथ शामिल था। साथ ही ग्वालियर क्राइम ब्रांच ने उसे गिरफ्तार कर जेल भी भेजा था। जबकि कामेश्वर उसके साथ जार्जटाउन में कंसल्टेंसी फर्म चलाता था। बता दें कि राजीव नयन ने कंसल्टेंसी फर्म भी खोली थी जहां देश के बड़े और नामी कॉलेजों में मेडिकल, इंजीनियरिंग की सीटों पर प्रवेश दिलाने की गारंटी दी जाती थी।

पूर्व सांसद केडी सिंह के खिलाफ सीबीआई ने दर्ज किया दूसरा मुकदमा

जब्त हो चुकी है 30 करोड़ की संपत्ति

लखनऊ, 17 जून (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस के पूर्व राज्यसभा सांसद केडी सिंह समेत आठ लोगों के खिलाफ सीबीआई ने धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया है। राजधानी स्थित सीबीआई की एंटी करप्शन ब्रांच ने यूपी सरकार की सिफारिश पर इस प्रकरण की जांच अपने हाथों में ली है। बता दें कि देशभर में निवेशकों की रकम हड़पने को लेकर केडी सिंह के खिलाफ सीबीआई पहले भी मुकदमे दर्ज कर चुकी है।

सीबीआई ने पूर्व सांसद से जुड़ी कंपनियों अलकेमिस्ट इंफ्रा रियल्टी लिमिटेड और अलकेमिस्ट टाउनशिप लिमिटेड द्वारा निवेशकों को लुभावनी स्कीम पर भूखंड और मकान देने का झांसा देकर गाढ़ी कमाई हड़पने के मामले की जांच शुरू कर दी है। सीबीआई द्वारा दर्ज मुकदमे में केडी सिंह के साथ बृजमोहन महाजन, सत्येंद्र कुमार सिंह, सुचित्रा खेमकर, नंद किशोर सिंह, जयश्री प्रकाश सिंह, छत्रपाल सिंह और नरेंद्र सिंह को नामजद किया है।

जेडीयू सांसद बोले-वोट नहीं दिया, यादव-मुसलमानों का काम नहीं करूंगा

आएं तो चाय, नाश्ता कराकर वापस लौटा दूंगा; आरजेडी ने कहा-सदस्यता खत्म हो

सीतामढ़ी, 17 जून (एजेंसियां)। बिहार के जेडीयू सांसद देवेश चंद्र ठाकुर लोकसभा चुनाव में कम वोट मिलने से नाराज हैं। उन्होंने सीतामढ़ी सीट से चुनाव जीता है। उन्होंने कहा, 'अब वे यादव और मुसलमानों के लिए कोई काम नहीं करेंगे। यादव और मुसलमान समाज के लोग कोई काम करवाने आते हैं तो जरूर आएं, लेकिन चाय, नाश्ता कर वापस चले जाएं।' उन्होंने यह बात सीतामढ़ी में रविवार को आभार यात्रा के दौरान कही। देवेश ने सीतामढ़ी से 51,356 वोटों से आरजेडी के डॉ. अर्जुन राय को हराया है। देवेश को कुल 5,15,719 वोट मिले, जबकि आरजेडी के राय को 4,64,363 वोट मिले हैं।

सांसद कुशवाहा समाज से भी नाराज

देवेश ने कहा- एनडीए के वोटों में से कितने चीरहरण हुए, इसका कोई भी उचित कारण नहीं है। सुरी और कलवार समाज के आधे से अधिक वोट कट गए, क्या कारण है बताइए? कुशवाहा समाज के वोट अचानक कट गए। यह सब तो एनडीए के वोट थे, लेकिन आखिर क्यों कट गए? कुशवाहा समाज के लोग केवल इसलिए खुश हो गए कि लालू प्रसाद ने इस समाज के 7 लोगों को टिकट दे दिया था। क्या कुशवाहा समाज इतना स्वार्थी हो गया है। इस समाज से सरकार में बीजेपी से डिप्टी सीएम हैं। उपेंद्र कुशवाहा अगर जीत गए होते तो आज केंद्रीय मंत्री बन गए होते। कुशवाहा समाज से कोई पांच या सात लोग भी एमपी बन जाते तो सीतामढ़ी को उसका क्या फर्क पड़ जाता? क्या सीतामढ़ी के कुशवाहा समाज के लोग उनसे काम करवाने जाते? उनकी सोच कितनी विकृत हो गई है। मेरे पास एक मुस्लिम समाज के शख्स कुछ काम कराने के लिए आए थे, लेकिन हमने स्पष्ट कह दिया कि आपने तो लालटेन को वोट दिया होगा, इसलिए आए हैं तो चाय नाश्ता कीजिए और चलते बनिए, आपका काम नहीं करेंगे।

आरजेडी बोली-सदस्यता समाप्त हो

आरजेडी ने देवेश के बयान पर आपत्ति जताई है। पार्टी ने कहा, 'ऐसे जनप्रतिनिधि की सदस्यता समाप्त कर देनी चाहिए।' पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा है कि ऐसे बयान को किसी भी स्थिति में टॉलरेट नहीं किया जा सकता है। पूर्व सीएम राबड़ी देवी ने कहा है कि तो क्या वो केवल राजपूतों के वोट से जीते हैं। सीतामढ़ी के आरजेडी के पूर्व सांसद अर्जुन राय ने कहा कि सांसद ठाकुर के बोल लोकतंत्र और संविधान से परे हैं। उनको समझना चाहिए कि चुनाव जीतने के बाद सबकी सेवा करने की शपथ लेते हैं।

मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष पर लगा गुंडा एक्ट

लखनऊ, 17 जून (एजेंसियां)। मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष अनीस रजा पर गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था उपेंद्र अग्रवाल की कोर्ट ने ये कार्रवाई की है। नोटिस जारी कर 19 जून को उसे कोर्ट में तलब भी किया है। अनीस राजा पर आलमबाग, बाजारखाला, हजरतगंज, कैसरबाग, हुसैनगंज थानों में कुल दस केस दर्ज हैं। पुलिस की तरफ से बताया गया कि अनीस राजा दबंग और आपराधिक प्रवृत्ति का शख्स है। सरकारी कार्यों में बाधा डालता है। लोगों में उसको लेकर दहशत है। यहां तक कि कोई उसके खिलाफ गवाही तक देने को तैयार नहीं होता है। कोर्ट ने संज्ञान लेकर उस पर गुंडा एक्ट लगाया। अनीस राजा ने समाजवादी पार्टी में गहरी पैठ बना रखी है। पार्टी के सभी बड़े नेताओं का वह करीबी है। वर्ष 2020 में उसको पार्टी ने मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड का प्रदेश अध्यक्ष बनाया था।

मां ने 4 साल के बेटे को पीट-पीटकर मार डाला

प्रयागराज, 17 जून (एजेंसियां)। प्रयागराज में सौतेली मां ने 4 साल के बच्चे की पीट-पीटकर हत्या कर दी। महिला ने पहले बेटे को जमकर पीटा, इसके बाद उसका गला दबा दिया। सौतेली मां के हाथों मासूम की हत्या के बाद गांव हड़कंप मच गया। लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल की। मृतक बच्चे के पिता की तहरीर के आधार पर महिला के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया। अजय ने पुलिस को बताया- उसकी पत्नी दोनों बेटों से नफरत करती थी। छोटे बेटे कान्हा को हर दूसरे दिन पीटती थी। अजय के आरोपों के बाद मौके से सौतेली मां को गिरफ्तार कर लिया गया। मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने कई एविडेंस कलेक्ट किए।

मेरठ के परिवार को उत्तराखंड पुलिस ने पीटा

सभी पर मुकदमा भी लिखवाया, कहा-लड़के के पास थी लोडेड पिस्टल, हमें मारना चाहता था

मेरठ, 17 जून (एजेंसियां)। मेरठ के एक परिवार के साथ उत्तराखंड पुलिस ने बदसलूकी की। ज्वालापुर में हाथापाई और धक्का-मुक्की का वीडियो सामने आया है। वीडियो के मुताबिक- पुलिसवाले एक लड़के और परिवार के दूसरे लोगों के साथ मारपीट कर रहे हैं। आसपास खड़े लोग पुलिस को बार-बार फैमिली साथ में है, कहकर रोकने का प्रयास कर रहे हैं। इसके बावजूद पुलिसवाले लड़के को पीट रहे हैं।

पुलिस ने परिवार के 4 लोगों पर पुलिस से बदसलूकी, मारपीट करने और गाली देने के आरोप में ज्वालापुर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने दंपती, उनके बेटे-बेटी को आरोपी बनाया है। पुलिस का आरोप है कि कार सवार उन्हें पिस्टल दिखा रहे थे। वो पुलिस वालों को मारना चाहते थे। जबकि लोगों के मुताबिक- वीडियो में कहीं भी पिस्टल नहीं दिख रही। पुलिस, परिवार को थाने ले आई।

गंगा दशहरा पर हरिद्वार नहाने गए थे

मेरठ में कंकरखेड़ा के रहने वाले सतेंद्र राठी, पत्नी मंजू राठी, बेटी कनक और बेटे गृहवित राठी के साथ रविवार, 16 जून को हरिद्वार गए थे। गंगा दशहरा पर पूरा परिवार गंगा नहाने अपनी कार से निकला था। जब परिवार हरिद्वार के पास ज्वालापुर पहुंचा तो यहां गाड़ी किनारे लगाकर पानी खरीदने लगा। तभी उत्तराखंड पुलिस के 2 जवान मौके पर आए और गाड़ी का चालान काट दिया। सतेंद्र राठी ने पुलिसवालों से कहा कि वो पानी खरीदने उतरे थे। चालान मत करिए। इसी बात पर पुलिस वाले भड़क गए और सतेंद्र राठी के साथ अभद्रता की। परिवार के अन्य लोगों ने इसका विरोध किया, तो पुलिस वालों ने सरेराह सतेंद्र राठी के बेटे गृहवित राठी और परिवार के साथ मारपीट शुरू कर दी। मौके पर भीड़ लग गई। भीड़ ने पुलिस वालों को काफी रोका कि मारपीट न करें, परिवार साथ है, लेकिन पुलिस नहीं रुकी। लोगों ने इस घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया।

पूरे परिवार पर पुलिस ने कराया मारपीट का मुकदमा

वीडियो में देख सकते हैं कि उत्तराखंड पुलिस किस तरह परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट कर रही है। लोगों के मुताबिक- पुलिस ने ही परिवार के साथ मारपीट की। लेकिन, उल्टे उन पर ही केस दर्ज करा दिया। पुलिस की तरफ से ज्वालापुर थाने में सतेंद्र राठी, उनकी पत्नी, बेटा और बेटी पर मुकदमा लिखाया गया है। चारों पुलिस की हिरासत में हैं। पुलिस ने अपनी एफआईआर में लिखा है कि चारों लोगों ने पुलिस वालों से मारपीट, बदतमीजी की है। सरकारी काम में बाधा डाली और पुलिस वालों को पीटा है। गालियां दी और फुल लोडेड पिस्टल दिखाकर पुलिस को जान से मारने का प्रयास भी किया।

एटा पुलिस ने हवालात में रात भर भूखा-प्यासा रखा युवक

सुबह हो गई मौत... थाना प्रभारी और मुंशी निलंबित

एटा, 17 जून (एजेंसियां)। एटा के निधौली कलां थाने की हवालात में एक युवक की मौत हो गई। इसमें प्रथम दृष्टया दोषी ठहराते हुए थाना प्रभारी और मुंशी को निलंबित किया गया है। निधौली निवासी देवेंद्र ने बताया कि वह सिलाई का काम करता है। उसकी दुकान पर ही राकेश काम करता था। सिलाई के रुपयों के लेनदेन को लेकर हुसैन मोहम्मद से विवाद हुआ। रविवार रात उसे पीट दिया गया। किसी ने मोबाइल से पुलिस को फोन किया। जिसके बाद पहुंची पुलिस उसके साथ राकेश को भी उठाकर थाने ले आई। रात में दोनों के हवालात में रखा गया। कुछ भी खाने-पीने को नहीं दिया गया। सोमवार सुबह भी कुछ नहीं दिया गया। सुबह करीब 9 बजे बिजली चली गई और राकेश की हालत बिगड़ गई। वह चक्कर खाकर गिर गया और उसकी मौत हो गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह ने बताया कि रविवार रात दोनों के परिवार का कोई सदस्य नहीं आया, जिसके चलते रात में रोका गया था। लेकिन खाना आदि न देना बड़ी लापरवाही है। गर्मी का मौसम है। संभवतः खाना न मिलने की वजह से तबीयत खराब हुई और एक व्यक्ति की मौत हो गई।

पूर्व एमएलसी को दुबई से भारत लाने की तैयारी

ईडी ने विदेश मंत्रालय से मोहम्मद इकबाल के बारे में मांगी जानकारी

लखनऊ, 17 जून (एजेंसियां)। ईडी बसपा के पूर्व एमएलसी और खनन माफिया मोहम्मद इकबाल को दुबई से भारत लाने की तैयारी में है। ईडी के जोनल मुख्यालय की ओर से विदेश मंत्रालय को पत्र लिखकर इकबाल के पासपोर्ट के कैंसिल होने, विदेश यात्राओं के साथ अन्य डिटेल्स मांगी गई है। ईडी ने दो दिन पहले ही इकबाल की ग्लोबल यूनिवर्सिटी की बिल्डिंग और जमीन कुर्क कर ली है, जिसकी कीमत 4440 करोड़ रुपए है। मोहम्मद इकबाल की पहले भी अरबों की संपत्ति जब्त की जा चुकी है। इकबाल के बेटे जेल में हैं।

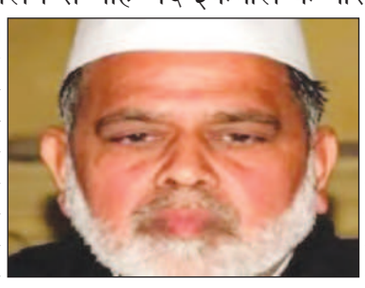

नोटिस देने के बाद भी पेश नहीं हुआ इकबाल

ईडी ने मोहम्मद इकबाल को कई बार नोटिस देकर तलब किया। लेकिन वह पेश नहीं हुआ। कोर्ट में चल रही सुनवाई के दौरान उसने खुद को बीमार होने और दुबई में इलाज कराने का दावा किया। ईडी को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपना बयान दर्ज कराने की भी बात कही थी। ईडी ने बयान दर्ज कराने के लिए कई नोटिस जारी किए, लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया।

जौहर यूनिवर्सिटी से उपकरण लेने की भी जांच

ईडी पूर्व मंत्री आजम खान की जौहर यूनिवर्सिटी द्वारा ग्लोकल यूनिवर्सिटी को दान के रूप में दिए गए 7.42 करोड़ रूपए के उपकरण मामले की जांच भी कर रही है। दरअसल, जौहर ट्रस्ट के पदाधिकारियों के ठिकानों पर आयकर विभाग ने छापा मारा था, तब ग्लोकल यूनिवर्सिटी को उपकरण देने के सबूत मिले थे।

विदेशों में भी अच्छा खासा कारोबार

खनन माफिया मोहम्मद इकबाल ने भारत के साथ-साथ विदेशों में भी अच्छा खासा कारोबार फैला रखा है। प्रदेश में जब भारतीय जनता पार्टी की सरकार आई तो मोहम्मद इकबाल के बुरे दिन शुरू हो गए। जैसे ही सरकार ने खनन कारोबारियों और आय से अधिक संपत्तियों की जांच कर कार्रवाई शुरू की तो मोहम्मद इकबाल भारत छोड़कर दुबई भाग गया।

अयोध्या में राम की पैड़ी पर सन्नाटा, 25 जून तक डुबकी नहीं लगा सकेंगे श्रद्धालु

अयोध्या, 17 जून (एजेंसियां)। भीषण गर्मी में पिकनिक स्पॉट बनी राम की पैड़ी परिसर में अब सन्नाटा पसर गया है। 25 जून तक श्रद्धालु पैड़ी में डुबकी नहीं लगा सकेंगे। कारण यह है कि राम की पैड़ी का अविरल प्रवाह थम गया है। पैड़ी की सिल्ट की सफाई का काम चल रहा है, जिसके चलते पैड़ी के प्रवाह को रोका गया है। भीषण गर्मी में पूरे दिन राम की पैड़ी में डुबकी लगाने वालों का तांता लगा रहता था, लेकिन अब श्रद्धालु यहां आकर मायूस हो रहे हैं। अयोध्या आने वाले पर्यटकों व श्रद्धालुओं के लिए राम की पैड़ी आकर्षण का केंद्र रही है। जब से राम की पैड़ी अविरल हुई है, पर्यटकों व श्रद्धालुओं को संख्या बढ़ती ही जा रही है। दो साल पहले तक राम की पैड़ी गंदा नाला के रूप में नजर आती थी।

राहुल गांधी को आज एक सीट छोड़नी होगी

लखनऊ, 17 जून (एजेंसियां)। दो लोकसभा सीटों से चुनाव जीते कांग्रेस नेता राहुल गांधी कल केरल की वायनाड सीट से इस्तीफा दे सकते हैं। वह रायबरेली से सांसद बने रहेंगे। राहुल के रायबरेली से सांसद बने रहने की सहमति के पीछे उनकी मां सोनिया गांधी की भावुक अपील भी है।

जिसमें उन्होंने कहा था- मैं आपको अपना बेटा सौंप रही हूं। राहुल आपको निराश नहीं करेगा। राहुल ने भी रिजल्ट के दिन (4 जून) पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका संकेत दिया था। उन्होंने यूपी को स्पेशल थैंक्यू बोला था। मगर, 12 जून को जब राहुल वायनाड में मतदाताओं का आभार जताने पहुंचे, तब उन्होंने कहा था- मैं दुविधा में हूं।

गिरिराज सिंह ने कांग्रेस को बताया देश के लिए 'काला धब्बा'

पटना, 17 जून (एजेंसियां)। भाजपा के वरिष्ठ नेता व केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस पर एक बार फिर से निशाना साधा है। उन्होंने कांग्रेस को राष्ट्र के लिए 'काला धब्बा' बताया। उन्होंने इस बात को फिर दोहराया कि कांग्रेस को देश की जनता से कोई सरोकार नहीं है, वो सिर्फ और सिर्फ अपने राजनीतिक हितों के बारे में सोचती है।

उन्होंने कहा, अपने राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति के लिए कांग्रेस किसी भी हद तक जा सकती है। वो सोमवार को पत्रकारों से बात कर रहे थे। गिरिराज सिंह ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा, "आज की तारीख में कांग्रेस देश और लोगों के लिए काला धब्बा बन चुकी है। कांग्रेस के नेता विदेशों में जाकर देश को गाली देते हैं। यही इन लोगों का चाल, चरित्र और चेहरा है। इन लोगों पर भरोसा करना देश को खतरे में डालने के बराबर है।" बीजेपी नेता ने कहा, "कांग्रेस हमेशा से ही देश के लोकतंत्र को बदनाम करती आई है। कांग्रेस कभी भी देश के लोगों के भले के बारे में नहीं सोच सकती। कांग्रेस के नेताओं ने वैश्विक मंच पर हमेशा से ही देश को अपमानित किया है, जो किसी भी मायने में उचित नहीं है। यह कहना गलत नहीं होगा कि कांग्रेस देश के लिए नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए काला धब्बा बन चुकी है।"

बता दें कि गिरिराज सिंह बीजेपी के प्रखर नेताओं में से एक हैं, जो किसी ना किसी मसले को लेकर कांग्रेस पर हमलावर रहते हैं। शायद ही ऐसा कोई मुद्दा हो, जिसे लेकर वो कांग्रेस को घेरने से चूकते हों। उनके द्वारा दिए गए बयान हमेशा से ही सुर्खियों में रहते हैं। फिलहाल, वो बेगूसराय से सांसद हैं। इस बार भी उन्हें इसी सीट से चुनावी मैदान में उतारा गया था, जहां से उन्होंने भारी मतों से जीत हासिल की। इस बार भी उन्हें मोदी मंत्रिमंडल में जगह मिली है।

बकरीद पर 300 करोड़ के कारोबार से चहका बाजार

सिर्फ दो मंडियों में 35 करोड़ से ज्यादा के बकरे बिके

लखनऊ, 17 जून (एजेंसियां)। ईद-उल-अजहा का त्योहार राजधानी में अकीदत के साथ मनाया जा रहा है। कुर्बानी के लिए इस बार करीब 300 करोड़ रुपये के बकरे और बड़े जानवरों की खरीदारी की गई। रविवार देर रात तक इन मंडियों में खरीदारी होने के साथ ही अमीनाबाद, मौलवीगंज व नक्खास बाजारों में भी बकरीद की रौनक छाई रही। ईद-उल-अजहा पर मुसलमान बकरा, दुम्बा और भेड़ की कुर्बानी करते हैं। वहीं महंगे बकरे खरीद न पाने वालों को इस्लाम में बड़े जानवरों में सात लोगों के हिस्सा लेने की सहूलियत दी गई है। मुसलमान बड़े जानवरों में पड़वा, भैंसा पर सात लोग मिलकर कुर्बानी करते हैं। दुबग्गा और खदरा में नए पुल के नीचे गोमती किनारे लगे बकरा बाजार में बीते छह दिनों करीब 35 करोड़ रुपये से ज्यादा के बकरे बिक गए। वहीं बड़े जानवरों में कुर्बानी के हिस्से के लिए करीब 15 करोड़ के पड़वों का कारोबार हुआ। हालांकि यह आंकड़ा और भी ज्यादा है क्योंकि बड़ी तादाद में बकरा व्यापारी अपने बकरे मंडी के बाहर सड़क पर घूम-घूम कर भी बेचते हैं।

तीसरी बार पीएम बनने के बाद मोदी आज आएंगे काशी

108 कमल के फूलों से करेंगे बाबा विश्वनाथ का अभिषेक; 8 किमी लंबा रोड शो करेंगे

वाराणसी, 17 जून (एजेंसियां)। पीएम मोदी 18 जून (कल) को वाराणसी आ रहे हैं। 15 घंटे के दौरे की शुरुआत किसान सम्मेलन से करेंगे। पीएम 8 किमी लंबा रोड-शो करेंगे। इसके बाद काशी के कोतवाल कालभैरव और बाबा विश्वनाथ का खास पूजन करेंगे। दशाश्वमेध घाट पर मां गंगा का पूजन भी करेंगे। फिर आरती में शामिल होंगे। इससे पहले शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी ने पीएम के वाराणसी आने की तैयारियों का जायजा लिया था। उन्होंने श्रीकाशी विश्वनाथ और काल भैरव मंदिर में दर्शन-पूजन भी किया था।

मोदी षोडशोपचार पूजन के साथ 108 कमल चढ़ाएंगे

किसान सम्मेलन के बाद पीएम मोदी काल भैरव, काशी विश्वनाथ मंदिर और गंगा घाट जाएंगे। मोदी काल भैरव मंदिर में परंपरागत और काशी विश्वनाथ मंदिर में विशेष पूजन करेंगे। षोडशोपचार पूजन के साथ पीएम मोदी 108 कमल के फूलों से बाबा का अभिषेक करेंगे। 8 किमी लंबा रोड शो के रास्ते, चौराहों, नुक्कड़ और घर झंडे-बैनरों से सजाए जा रहे हैं। 20 क्विंटल गुलाब की पंखुड़ियों की बारिश करने की तैयारी है। 18 स्पॉट पर काशी की जनता के साथ भाजपा के नेता भी मौजूद रहेंगे। जो कि पीएम का स्वागत करेंगे।

मंदिर और घाट 100 क्विंटल फूलों से सजेगा

काशी विश्वनाथ मंदिर और दशाश्वमेध घाट को 100 क्विंटल फूलों से सजाया जाएगा। दशाश्वमेध के साथ ही आस-पास के घाट भी देव दीपावली उत्सव जैसे सजेंगे। गंगा सेवा निधि की ओर से हर दिन होने वाली आरती से अलग विशेष आरती में 9 अर्चक मां गंगा की आरती करेंगे। घाट और सीढ़ियों पर लाल कारपेट बिछेगी। पीएम मोदी अपने संसदीय क्षेत्र काशी में 15 घंटे रहेंगे। रात्रि विश्राम के लिए बरेका स्थित ऑफिसर्स गेस्ट हाउस जाएंगे। रात में प्रधानमंत्री रोप-वे प्रोजेक्ट के कामकाज देखने जा सकते हैं। इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर तैयारी की जा रही है। रात्रि विश्राम के बाद अगले दिन प्रधानमंत्री सुबह दिल्ली रवाना होंगे।

वाराणसी में अलग-अलग जगहों पर 7 शव मिलने से सनसनी

वाराणसी, 17 जून (एजेंसियां)। वाराणसी में सोमवार सुबह अलग-अलग स्थानों पर 7 शव मिलने से हड़कंप मच गया। इसमें 5 की मौत की वजह गर्मी और उमस माना जा रहा है। 5 ट्रक चालक अपने केबिन के अंदर मृत मिले। गर्मी से तीन की नाक से खून भी निकल रहा था। सुबह एक वृद्ध का शव बड़ागांव के साधौगंज क्षेत्र के तालाब में मिला। मछली पालन के लिए खोदे गए तालाब में बुजुर्ग का शव उतराता देखकर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। वहीं रिंग रोड पर बालू लदी ट्रक के केबिन के अंदर चालक मृत पाया गया। दूसरा चालक गिट्टी के ट्रक में और तीसरा रामनगर के भीटी में पिकअप में मृत मिला। मिर्जामुराद में दो ट्रकों के चालक सड़क किनारे खड़े ट्रक में मृत मिले। जिसकी शिनाख्त के बाद पुलिस ने परिजनों को बुलाया। बरेका में एक अज्ञात शव मिलने पर पुलिस ने मोर्चरी में रखवा दिया। उसकी शिनाख्त अभी नहीं हो पाई है। सभी के शव का पंचनामा भरकर पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुटी है। एसीपी बड़ागांव ने बताया, सोमवार की सुबह जौनपुर के सुरेरी थाना क्षेत्र के कोचारी गांव निवासी छूनछून प्रसाद (69) का शव साधौगंज में मछली पालन के लिए खोदे गए तालाब में मिला था।

जम्मू-कश्मीर में चिनाब ब्रिज पर ट्रेन का ट्रायल हुआ

› यह दुनिया का सबसे ऊंचा आर्च ब्रिज › संगलदान-रियासी के बीच 30 जून से चलेगी पहली ट्रेन

श्रीनगर, 17 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि जम्मू के रामबन में संगलदान और रियासी के बीच ट्रेन का पहला ट्रायल रन पूरा हुआ है। यह ट्रेन चिनाब ब्रिज से होकर गुजरेगी, जो कि दुनिया का सबसे ऊंचा स्टील आर्च ब्रिज है। अश्विनी वैष्णव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इस सफल परीक्षण की जानकारी दी।

चिनाब ब्रिज पेरिस के एफिल टावर से भी ऊंचा है। एफिल टॉवर की ऊंचाई 330 मीटर है, जबकि 1.3 किमी लंबे इस ब्रिज को चिनाब नदी पर 359 मीटर की ऊंचाई पर बनाया गया है। रेलवे सूत्रों के मुताबिक संगलदान से रियासी रूट पर इलेक्ट्रिक इंजन के सफल परीक्षण के बाद इस रूट पर पहली ट्रेन 30 जून को ऑपरेट करेगी।

रेल मंत्री बोले- प्रोजेक्ट का काम लगभग पूरा

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि ऊधमपुर श्रीनगर बारामूला रेल लिंक प्रोजेक्ट के तहत सभी निर्माण कार्य लगभग पूरे हो गए हैं। टनल नंबर 1 का निर्माण थोड़ा बाकी है। यूएसबीआरएल प्रोजेक्ट के पूरा होते ही भारतीय रेलवे कश्मीर घाटी को देश के बाकी रेलवे नेटकर्व से जोड़ने की दिशा में एक और कदम पूरा होगा।

केंद्रीय मंत्री और ऊधमपुर से भाजपा सांसद जितेंद्र सिंह ने भी 15 जून को X पर लिखा कि रामबन के संगलदान से रियासी के बीच दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज पर ट्रेन सर्विस जल्द शुरू होगी। ऊधमपुर श्रीनगर बारामूला रेल लिंक प्रोजेक्ट इस साल के अंत तक पूरा हो जाएगया।

27-28 जून को रेलवे सेफ्टी कमिश्नर रूट का दौरा करेंगे

46 किमी लंबे संगलदान-रियासी रूट का 27 और 28 जून को रेलवे सेफ्टी कमिश्नर डीसी देशवाल इंस्पेक्शन करेंगे। नॉर्दर्न रेलवे के चीफ पीआरओ दीपक कुमार ने बताया कि इंस्पेक्शन तक बाकी काम पूरा हो जाएगा। यूएसबीआरएल प्रोजेक्ट 1997 से शुरू हुआ था और इसके तहत 272 किमी की रेल लाइन बिछाई जानी थी। अब तक अलग-अलग फेज में 209 किमी लाइन बिछाई जा चुकी है। इस साल के अंत तक रियासी को कटरा से जोड़ने वाली आखिरी 17 किमी लाइन बिछाई जाएगी, जिससे एक ट्रेन कश्मीर को बाकी देश से जोड़ेगी। आजादी के 76 साल पूरे होने के बाद भी कश्मीर घाटी बर्फबारी के सीजन में देश के दूसरे हिस्सों से कट जाती थी। 22 फरवरी 2024 तक कश्मीर घाटी तक सिर्फ नेशनल हाईवे- 44 के जरिए जाया जा सकता था। बर्फबारी होने पर कश्मीर घाटी जाने वाला ये रास्ता भी बंद हो जाता था।

इसके अलावा कश्मीर जाने के लिए जम्मू-तवी तक ही ट्रेन जाती थी, जहां से करीब 350 किलोमीटर लोगों को सड़क मार्ग से जाना पड़ता था। जवाहर टनल होते हुए गुजरने वाले इस रास्ते से लोगों को जम्मू-तवी से घाटी जाने के लिए 8 से 10 घंटे का समय लग जाता था। 2003 में भारत सरकार ने सभी मौसम में कश्मीर घाटी को देश के दूसरे हिस्सों से जोड़ने के लिए चिनाब ब्रिज बनाने का फैसला लिया। इसी साल सरकार ने चिनाब ब्रिज परियोजना पर मुहर भी लगा दी। 2009 तक इस ब्रिज को बनकर तैयार होना था। हालांकि, ऐसा नहीं हो पाया। अब करीब 2 दशक के बाद चिनाब नदी पर बना ये ब्रिज बनकर तैयार हो गया है।

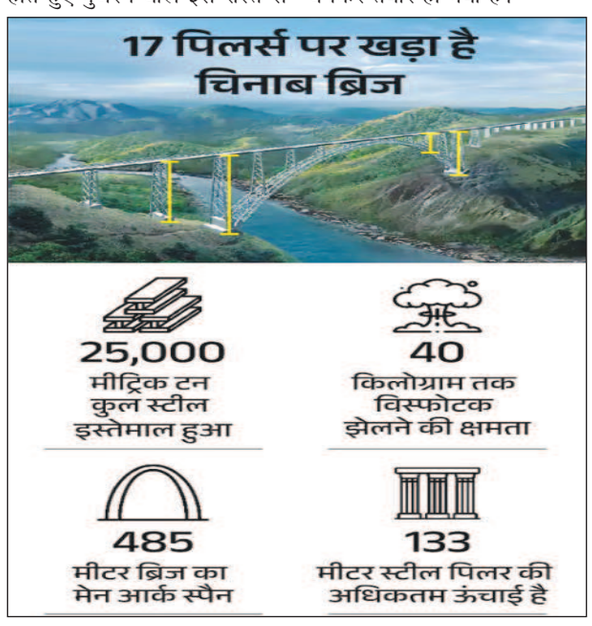

हिजबुल मुजाहिदीन का आतंकी गिरफ्तार

निर्दोष नागरिकों को बनाने वाला था निशाना

जम्मू कश्मीर, 17 जून (एजेंसियां)। उत्तरी कश्मीर के जिला कुपवाड़ा में पुलिस और सुरक्षाबलों की टीम को बड़ी सफलता मिली है। जिले के उप जिला हंदवाड़ा में एक आतंकवादी को गिरफ्तार किया गया है। आतंकी प्रतिबंधित हिजबुल मुजाहिदीन संगठन से जुड़ा हुआ है और वह क्षेत्र में सॉफ्ट टारगेट करने की फिराक में था। पुलिस ने यह जानकारी दी है।

पुलिस और सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम ने सोमवार को हंदवाड़ा के काचरी गांव से हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) के आतंकवादी को गिरफ्तार किया। उसे लक्षित हत्याओं को अंजाम देने का काम सौंपा गया था। हंदवाड़ा में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए एसएसपी हंदवाड़ा दाऊद अयूब ने कहा कि विशिष्ट सूचना पर कार्रवाई करते हुए सेना की 30आरआर और हंदवाड़ा पुलिस सहित सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम ने अभियान चलाया। इस दौरान आतंकवादी को गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान जाकिर हामिद मीर के रूप में की गई है।

अधिकारी ने आगे कहा कि आतंकवादी को इलाके में आसानी से किए जा सकने वाली आतंकी वारदात करने के लिए कहा गया था, जिसमें निर्दोष नागरिकों को निशाना बना सकता था। वह पाकिस्तान स्थित हैंडलर जहूर अहमद मीर के संपर्क में था, जो उसे ऐसे काम करने के लिए बरगला रहा था। अधिकारी ने बताया कि उसके कब्जे से एक चीनी पिस्तौल और एक हथगोला बरामद किया गया है। उसके खिलाफ एफआईआर संख्या 124/2024 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

कांग्रेस ने दो उम्मीदवारों का किया ऐलान

शिमला, 17 जून (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने 2 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है। हिमाचल की हमीरपुर सीट के लिए कांग्रेस ने पुष्पेंद्र वर्मा को टिकट दिया है तो वहीं नालागढ़ के लिए हरदीप सिंह बावा को कैंडिडेट बनाया है। वहीं, देहरा विधानसभा के लिए कांग्रेस के प्रत्याशी की घोषणा नहीं हुई है।

डॉ. पुष्पेंद्र वर्मा : डॉ. पुष्पेंद्र वर्मा विधानसभा 2022 के चुनाव में कांग्रेस पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ चुके हैं। त्रिकोणीय मुकाबले में वह दूसरे नंबर पर रहे थे जबकि भाजपा के प्रत्याशी तीसरे नंबर पर। यहां पर आजाद प्रत्याशी आशीष शर्मा ने जीत हासिल की थी। डॉ. पुष्पेंद्र वर्मा सरकारी नौकरी छोड़कर राजनीति में आए हैं। उन्होंने 2000 से ज्यादा फ्री मेडिकल कैंप्स 1500 से ज्यादा रक्तदान शिविर इसके अलावा नशे के खिलाफ प्रचार-प्रसार में मुख्य भूमिका निभाई है।

श्रीनगर के बाद जम्मू पहुंचे रक्षा प्रमुख

सुरक्षा बलों की परिचालन तैयारियों की समीक्षा की

जम्मू कश्मीर, 17 जून (एजेंसियां)। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान सोमवार को जम्मू पहुंचे। उन्होंने संभाग में सुरक्षा स्थिति और परिचालन तैयारियों की समीक्षा के लिए जम्मू के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। इससे पहले रक्षा प्रमुख ने रविवार को श्रीनगर में सेना की चिनार कोर मुख्यालय पहुंचे। यहां पर उन्होंने सशस्त्र बल के अधिकारियों को संबोधित किया और भारतीय सशस्त्र बलों में हो रहे बदलाव और उपलब्धियों को रेखांकित किया। उन्होंने भारतीय सेना और भारतीय वायुसेना की विभिन्न संरचनाओं और इकाइयों के व्यावसायिकता के उच्च मानकों की सराहना की। रक्षा प्रमुख का यह दौरा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा रविवार को सुरक्षा स्थिति और वार्षिक अमरनाथ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा के तुरंत बाद हुआ है।

सीडीएस सोमवार को जम्मू के नगरोटा में 16 कोर मुख्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति और सुरक्षा बलों की परिचालन तैयारियों की समीक्षा की। उन्हें उत्तरी सेना कमांडर और जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) सहित सेना के शीर्ष कमांडरों द्वारा जानकारी दी। जम्मू संभाग में बढ़ते आतंकवाद से मजबूती से निपटने की रणनीति तैयार करने के लिए विभिन्न स्तरों पर सुरक्षा समीक्षा बैठकों की एक श्रृंखला आयोजित की गई है। पिछले सप्ताह चार दिनों के भीतर जम्मू संभाग के रियासी, कठुआ और डोडा जिलों में चार स्थानों पर आतंकवादियों ने हमला किया, जिसमें नौ तीर्थयात्री और एक सीआरपीएफ जवान की जान गई। इन हमलों में सात सुरक्षाकर्मी और कई अन्य घायल हो गए। कठुआ जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकवादी भी मारे गए। नौ जून को आतंकवादियों ने तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस पर रियासी में गोलीबारी की। इस हमले में नौ तीर्थयात्रियों की मौत हो गई।

दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बिजली गुल

टी-3 टर्मिनल पर काउंटर ठप हुए, आधे घंटे तक चेक इन और बोर्डिंग नहीं कर सके पैसेंजर

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आज यानी, सोमवार 17 जून को बिजली गुल हो गई। इससे करीब आधे घंटे के लिए चेक इन और बोर्डिंग सर्विसेस ठप रही। इस दौरान लोगों को काउंटर पर भी सर्विस नहीं मिल पाई।

एक यात्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा- बिजली गुल होने से दिल्ली एयरपोर्ट का T3 टर्मिनल पूरी तरह से ठप! कोई काउंटर नहीं, कोई डिजी यात्रा नहीं, कुछ भी काम नहीं कर रहा। एयरपोर्ट के पावर ग्रिड में खराबी के कारण दोपहर करीब 2:45 बजे बिजली गुल हुई थी। हालांकि कुछ देर बाद बिजली की सप्लाई बहाल कर दी गई।

एनआईए करेगी रियासी में बस पर हुए आतंकी हमले की जांच

गृह मंत्रालय ने जारी किया आदेश

जम्मू कश्मीर, 17 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जम्मू संभाग के जिला रियासी में हाल ही में एक बस पर किए गए आतंकी हमले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंपी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। नौ जून को शिवखोड़ी धाम से कटड़ा लौट रही श्रद्धलुओं से भरी बस पर आतंकियों ने अंधाधुन गोलीबारी कर दी थी। इससे बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी थी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस के खाई में गिरने के बाद भी आतंकवादी लगातार गोलियां बरसाए जा रहे थे। इसके बाद वे मौके से भाग निकले। बस में उत्तर प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली के निवासी थे। हमले में तीन महिलाओं सहित नौ लोगों की मौत हो गई और 41 अन्य घायल हो गए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति और वार्षिक अमरनाथ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा बैठक के एक दिन बाद यह फैसला आया है। ये बैठक रियासी जिले में बस पर हुए आतंकी हमले और केंद्र शासित प्रदेश में कुछ अन्य आतंकी घटनाओं के मद्देनजर बुलाई गई थीं।

11 जून को, आतंकवादियों ने भद्रवाह के छत्रगलां में राष्ट्रीय राइफल्स और पुलिस की संयुक्त चौकी पर गोलीबारी की। इसमें सेना के पांच और पुलिस का एक जवान घायल हो गए। 12 जून को डोडा जिले के गंडोह इलाके में एक तलाशी दल पर आतंकियों ने हमला किया गया। इसमें पुलिस का एक जवान घायल हुआ। वहीं, 11 जून को कठुआ की हीरानगर तहसील के सैडा सोहाल गांव में आतंकी एक घर में जा घुसे। यहां आतंकी गोलीबारी में एक नागरिक घायल हुआ। इसके बाद शुरू हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने दो पाकिस्तानी आतंकियों को ढेर किया। गोलीबारी में एक सीआरपीएफ का जवान भी बलिदान हुआ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी 13 जून को जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। वहीं, अमित शाह ने रविवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई अपने निर्णायक चरण में है। हाल की घटनाओं से पता चलता है कि आतंकवाद हिंसा के अत्यधिक संगठित कृत्यों से सिकुड़कर महज छद्म युद्ध में बदल गया है। उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों को कश्मीर की तरह जम्मू संभाग में क्षेत्र वर्चस्व और शून्य-आतंक योजनाओं को लागू करने का भी निर्देश दिया।

30 दिन में 35 लाख की चीनी खा गए बंदर

शुगर मिल की ऑडिट में हुआ खुलासा, अब दो के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर

अलीगढ़, 17 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ की एकमात्र साथा चीनी मिल में 1100 क्विंटल चीनी के घोटाले का मामला सामने आया है. बताया गया कि तकरीबन 35 लाख की चीनी बारिश में बही और बंदर खा गए. जबकि यह चीनी मिल 26 महीने से बंद है. अब इस मामले में जांच रिपोर्ट आने के बाद गोदाम कीपर सहित दो पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

अलीगढ़ किसान साथा चीनी मिल में चीनी घोटाले का मामला सामने आया है. 30 दिन में 35 लाख कीमत की 1100 कुंतल चीनी बंदरों के द्वारा खाना अभिलेखों में दर्शाया गया है. ऑडिट रिपोर्ट में यह मामला उजागर हुआ. मामले में प्रबंधक, लेखा अधिकारी सहित 6 को दोषी पाया गया. जिसके बाद शासन द्वारा इसकी जांच करवाई गई. जांच रिपोर्ट में प्रभारी गोदाम कीपर और गोदाम कीपर के खिलाफ थाना जवां में मुकदमा दर्ज करवाया गया है। चीनी मिल के स्टोर कीपर ने बताया कि ऑडिट टीम ने गेस्ट हाउस में बैठकर ही हवा हवाई ऑडिटिंग कर ली है. जितनी चीनी कम बताई जा रही है, उतनी मात्रा में चीनी कम नहीं है. मिल के अंदर गोदाम के शटर टूटे हुए हैं.

वहीं छत टूटी हुई है. छत से पानी रिसता है. वही बंदरों द्वारा खाने और फैलने पर गोदाम में चीनी फैली हुई है. छत से होकर बारिश का पानी नीचे आ जाता है, जिससे 528 क्विंटल चीनी कम हुई है. ऑडिट टीम द्वारा जो 1100 कुंटल चीनी कम बताई जा रही है वह गलत है. गोदाम की बिल्डिंग खराब होने और मेंटेनेंस भत्ते के बारे में कई बार जिला प्रशासन को पत्र लिखा गया है, लेकिन जिला प्रशासन द्वारा समस्या का किसी प्रकार से समाधान नहीं कराया गया है।

आमने सामने की टक्कर के बाद दो डंफरों में लगी आग एक का चालक जिंदा जला

झज्जर, 17 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के बेरी में दो डंफरों की आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर लगने के बाद दोनों डंफरों में आग लग गई जिसमें एक डंफर का ड्राइवर जिंदा जल गया। सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची और डंफरों में लगी आग को कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार डस्ट से भरा एक डंफर छुछकवास से जहाजगढ़ की तरफ जा रहा था। सामने से आ रहे खाली डंफर से उसकी टक्कर हो गई। टक्कर होने के बाद दोनों डंफरों में आग लग गई। आग लगने से जहाजगढ़ की तरफ से खाली आ रहे डंफर का ड्राइवर अंदर ही फंस गया और जिंदा जल गया।

पहली बार आदि कैलाश से होगा योग दिवस का आगाज

सीएम धामी करेंगे पार्वती सरोवर से शुभारंभ

देहरादून, 17 जून (एजेंसियां)। पहली बार आदि कैलाश से योग दिवस का आगाज किया जाएगा। पार्वती सरोवर के किनारे 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। आयुष विभाग योग दिवस कार्यक्रम के लिए तैयारियों में जुट गया है।

पिथौरागढ़ जिले में स्थित आदि कैलाश अब पर्यटन के रूप में उभर रहा है। पिछले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आदि कैलाश की यात्रा की थी। इसके बाद देश-दुनिया में आदि कैलाश की यात्रा के लिए पर्यटन और श्रद्वालुओं का रुझान बढ़ा। इसे देखते हुए प्रदेश सरकार ने पहली आर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को आदि कैलाश में मनाने का निर्णय लिया।

21 जून को 10वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

पहले योग दिवस पर राज्यस्तरीय कार्यक्रम हल्द्वानी में रखा गया था। अब इसे बदल कर आदि कैलाश में पार्वती सरोवर किनारे किया जाएगा। चारों ओर हिमाच्छादित पहाड़ियों में मुख्यमंत्री धामी समेत अन्य लोग अनुलोम-विलोम, प्राणायाम समेत योग की विभिन्न क्रियाओं का अभ्यास करेंगे। सचिव आयुश डॉ. पंकज कुमार पांडेय ने बताया कि 21 जून को 10वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आदि कैलाश में मनाया जाएगा। इसके अलावा हर जिले में भी योग पर कार्यक्रम होंगे। आदि कैलाश से मुख्यमंत्री योग दिवस का शुभारंभ करेंगे। इसके लिए विभाग तैयारियां कर रहा है।

लोकसभा सीट की काउंटिंग पर चुनाव आयोग बोला-मोबाइल का अनिधिकृत तरीके से इस्तेमाल हुआ

मुंबई, 17 जून (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने स्वीकार किया कि मुंबई उत्तर पश्चिम लोकसभा सीट पर वोटों की गिनती के दौरान एक उम्मीदवार के सहयोगी ने एक अधिकृत व्यक्ति के मोबाइल फोन का अनधिकृत रूप से इस्तेमाल किया था। इस सीट पर शिवसेना के रवींद्र वायकर ने जीत हासिल की थी। मीडिया को दिए एक बयान में चुनाव आयोग ने कहा कि रिटर्निंग अधिकारी ने पहले ही इस मामले पर पुलिस केस दर्ज करवा दिया है।

'गलत सूचना फैलाकर भारतीय चुनाव प्रणाली पर शक किया गया'

चुनाव आयोग ने बताया कि यह आरोप लगाया गया था कि मोबाइल फोन में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को अनलॉक करने के लिए वन-टाइम पासवर्ड (ओटीपी) प्राप्त करने की क्षमता थी। जिसको लेकर रिटर्निंग ऑफिसर ने ईवीएम के बारे में गलत सूचना फैलाने और भारतीय चुनाव प्रणाली में संदेह पैदा करने के लिए मिड-डे अखबार को नोटिस जारी किया है।

'अफवाह फैलाकर कुछ नेता झूठी कहानी बना रहे हैं'

चुनाव आयोग ने प्रेस नोट में कहा कि ईवीएम को अनलॉक करने के लिए मोबाइल फोन पर कोई ओटीपी नहीं जा सकता है, क्योंकि यह नॉन-प्रोग्रामेबल है और इसमें कोई वायरलेस संचार क्षमता नहीं है। यह एक अखबार द्वारा फैलाया गया पूरा झूठ है, जिसका इस्तेमाल कुछ नेता झूठी कहानी बनाने के लिए कर रहे हैं। चुनाव आयोग ने आगे कहा, ईवीएम स्टैंडअलोन डिवाइस हैं जिनमें ईवीएम प्रणाली के बाहर की इकाइयों के साथ कोई तार या वायरलेस कनेक्टिविटी नहीं है। इलेक्ट्रॉनिकली ट्रांसमिटेड पोस्टल बैलेट सिस्टम (ईटीपीबीएस) की गिनती भौतिक रूप (पेपर बैलेट) में की जाती है, न कि इलेक्ट्रॉनिक रूप में जैसा कि झूठी कहानियों के माध्यम से फैलाया जा रहा है।

48 वोट से जीते थे वायकर

मुंबई उत्तर पश्चिम लोकसभा सीट से रविंद्र वायकर ने

शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) और महाविकास अघाड़ी के उम्मीदवार अमोल कीर्तिकर को महज 48 वोट से हराया था। इस सीट पर पहले कीर्तिकर को एक वोट से विजयी घोषित हुए थे, लेकिन री-काउंटिंग में वायकर 48 वोट से जीत गए। रविंद्र वायकर को 4,52,644 वोट मिले हैं। वहीं उद्धव गुट के उम्मीदवार अमोल कीर्तिकर को 452596 वोट मिले।

शिक्षिका के परिजनों से मिले बीजेपी विधायक बाग फिर उठी सीबीआई जांच की मांग

भुवनेश्वर, 17 जून (एजेंसियां)। ओडिशा में भाजपा सत्ता में आते ही शिक्षिका ममिता मेहर हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग फिर से उठने लगी है। विपक्ष में रहते हुए नवनिर्वाचित भाजपा विधायक लक्ष्मण बाग ने इस मामले में सीबीआई जांच की मांग करते हुए विधानसभा के अंदर और बाहर कई विरोध प्रदर्शन किए थे। उन्होंने मामले में तत्कालीन गृह राज्य मंत्री और बीजद नेता डीएस मिश्रा की संलिप्तता का आरोप लगाया था। यहां तक कि उस समय बीजेपी के मुख्य सचेतक रहे सीएम माझी ने भी इस मुद्दे को विधानसभा में कई बार उठाया था।

कांतबांजी से भाजपा विधायक बाग रविवार को झरनी गांव पहुंचे। यहां उन्होंने शिक्षिका ममिता मेहर के माता-पिता से मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार, ममिता के पिता सुरेंद्र ने विधायक बाग से आग्रह करते हुए कहा कि अब मामला सीबीआई को सौंप दिया जाए। वहीं, ममिता की मां तुलसी ने विधायक से बेटे की नौकरी लगवाने का अनुरोध किया।

मुख्य आरोपी की मौत के बाद हत्याकांड की जांच पर लगा ब्रेक

बता दें कि मामले के मुख्य आरोपी गोबिंदा साहू की जेल में मौत हो गई थी, जिसके बाद से जांच रुक सी गई। इस पर भाजपा विधायक बाग ने निराशा व्यक्त की। विधायक ने इस बात पर अफसोस जताया कि सीबीआई जांच के लिए बार-बार अपील करने के बावजूद उनके अनुरोधों को नजरअंदाज कर दिया गया। शिक्षिका के माता पिता से मुलाकात के बाद कांतबांजी से नवनिर्वाचित भाजपा विधायक बाग ने पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा कि मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता ममिता को न्याय दिलाना है। हमने लंबे समय से इस हत्या की सीबीआई जांच की मांग की है, लेकिन तत्कालीन बीजद सरकार ने हमारी मांगों पर ध्यान नहीं दिया। कहा कि हम अपना पक्ष रखने के लिए मुख्यमंत्री मोहन माझी से मिलकर सीबीआई जांच पर जोर देंगे।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 18 जून- 2024

ईवीएम कब तक देगी अग्निपरीक्षा

देश जब आपातकाल से गुजरा तो जून 1977 में तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त शामलाल शकधर ने पोलिंग बूथ लूटे जाने के बाद से सरकार से चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक मशीनों के इस्तेमाल की संभावना तलाशने को कहा था। उनका यह विचार आखिरकार रंग लाया। केरल की पेरावायूर विधानसभा सीट पर मई, 1982 में चुनाव कराए गए, जिसमें इसके 123 पोलिंग बूथों में से 50 पर पहली बार इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) का इस्तेमाल किया गया। तब से अब तक ईवीएम बार-बार ईवीएम को अग्निपरीक्षा देनी पड़ रही है। सुप्रीम कोर्ट से लेकर चुनाव आयोग तक ईवीएम को पाक-साफ ठहरा चुका है। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद विपक्षी दलों ने फिर ईवीएम को कटघरे में खड़ा किया है। विवाद तब शुरू हुआ, जब कांग्रेस ने आरोप लगाया कि मुंबई में एनडीए के एक प्रत्याशी के सहयोगी का मोबाइल फोन ईवीएम से जुड़ा था। इस विवाद में इलेक्ट्रॉनिकली ट्रांसमिटेड पोस्टल बैलट सिस्टम पर भी सवाल उठाए गए। इस विवाद में सरकार, विपक्ष, चुनाव आयोग और हजारों किलोमीटर दूर बैठे स्पेस एक्स के मालिक एलन मस्क भी कूद पड़े हैं। बता दें कि इलेक्ट्रॉनिकली ट्रांसमिटेड पोस्टल बैलट सिस्टम (ईडीपीबीएस) का इस्तेमाल मतपत्रों की जगह किया जाता है। हालांकि, वोट कभी इलेक्ट्रॉनिक रूप से नहीं भेजे जाते हैं। ईडीपीबीएस से सर्विस वोटर्स को इलेक्ट्रॉनिक रूप से बैलेट पेपर इनक्रिप्टेड रूप में भेजे जाते हैं, जिसमें कई स्तरों पर पासवर्ड्स और पिन के इंतजाम होते हैं। रिसीव करने और डाउनलोड करने के बाद पोस्टल बैलेट्स पर अपना वोट दर्ज करता है। पहले हर सर्विस वोटर के लिए एक बैलेट पेपर प्रिंट किया जाता था। फिर उसे लिफाफे में रखकर सर्विस वोटर के पते पर भेजा जाता था। इसमें काफी वक्त और पैसा लगता था। अब यही बैलेट पेपर के जरिए एनक्रिप्टेड रूप में सर्विस वोटर को मिलता है। चुनाव आयोग ने ईडीपीबीएस के लिए एक पोर्टल बनाया है, जिसे संबंधित चुनाव अधिकारी लॉग इन कर सकते हैं। पोर्टल पर लॉग इन करने के लिए रिटर्निंग ऑफिसर संबंधित चुनाव अधिकारी के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी भेजता है। इसके बाद रिटर्निंग ऑफिसर पासवर्ड प्रोटेक्टेड पोस्टल बैलेट संबंधित निर्वाचन क्षेत्र के लिए तैयार करता है, जहां इसे डाउनलोड कर लिया जाता है। इसके बाद वहां से इसे संबंधित सर्विस वोटर को भेजा जाता है। पोस्टल बैलेट की गणना ईवीएम से पहले होती है। काउंटिंग से पहले बैलेट पेपर के लिफाफे पर लिखे यूनीक सीरियल नंबर्स का मिलान किया जाता है। इसके बाद काउंटिंग ऑफिसर ईडीपीबीएस में लॉग इन करता है। चुनाव आयोग ने 2017 में ऐसे ही आरोपों के जवाब में कहा था कि ईवीएम कंप्यूटर कंट्रोल नहीं है। यह महज एक मशीन है, जो इंटरनेट या किसी नेटवर्क से कभी भी जुड़ी नहीं होती है। ऐसे में रिमोट डिवाइस से ईवीएम की हैकिंग नहीं की जा सकती है। ईवीएम का इस्तेमाल हुए करीब 42 साल हो चुके हैं। इस दौरान ईवीएम को 42 बार ही अग्निपरीक्षा भी देनी पड़ी। बार-बार ऐसे आरोपों या सवालों से संवैधानिक संस्थाएं कमजोर होती हैं। अब यह रुकना चाहिए, क्योंकि देश अब बैलेट पेपर से चुनाव कराने के लिए पीछे नहीं लौटने वाला है। 2019 में विपक्ष के ईवीएम की हैकिंग के आरोपों पर जवाब देने के लिए पोल पैनल का गठन किया गया था। तब पैनल ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि ईवीएम टैंपर प्रूफ है। इससे छेड़छाड़ तभी संभव है, जब इस तक फिजिकली पहुंच हो और ईवीएम की सीलिंग प्रॉसेस को रोका जाए। इसलिए ईवीएम में छेड़छाड़ किसी भी सूरत में संभव नहीं है। इसके पीछे बड़ी वजह यह है कि इसे किसी इंटरनेट या वाई-फाई से कनेक्ट नहीं किया जा सकता है। देखा जाए तो कांग्रेस ने मुंबई के एक प्रत्याशी को लेकर ट्वीट कर कहा था कि ईवीएम से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आया है। मुंबई में एनडीए के कैंडिडेट रवींद्र वायकर के रिश्तेदार का मोबाइल फोन ईवीएम से जुड़ा था। इस कैंडिडेट की जीत सिर्फ 48 वोट से हुई है। ऐसे में सवाल उठाया जा रहा है कि आखिर एनडीए कैंडिडेट के रिश्तेदार का मोबाइल ईवीएम से क्यों जुड़ा था? जहां वोटों की गिनती हो रही थी, वहां मोबाइल फोन कैसे पहुंचा? सवाल कई हैं, जो संशय पैदा करते हैं। चुनाव आयोग को स्पष्टीकरण देना चाहिए। मुंबई उत्तर-पश्चिम सीट निर्वाचन अधिकारी वंदना सूर्यवंशी ने कहा, ईवीएम के लिए किसी तरह के ओटीपी की जरूरत नहीं होती है। जो खबर है वो गलत है।

फिर निकला ईवीएम का जिन्न

अशोक भाटिया

एक खबर के अनुसार मुंबई पुलिस ने रविवार को शिवसेना शिंदे गुट के सांसद रविंद्र वायकर के रिश्तेदार के खिलाफ मामला दर्ज किया। वायकर के रिश्तेदार पर 4 जून को नेस्को सेंटर के अंदर मोबाइल फोन के जरिए ओटीपी जनरेट कर ईवीएम मशीन को अनलॉक करने का आरोप लगा। अब छेड़छाड़ के दावों को लेकर एक नया राजनीतिक वाकयुद्ध शुरू हो गया है । कांग्रेस नेता राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं ने मीडिया की एक खबर का हवाला दिया, जिसमें आरोप लगाया गया है कि मुंबई उत्तर पश्चिम लोकसभा सीट से शिवसेना उम्मीदवार के एक रिश्तेदार ने चार जून को मतगणना के दौरान एक मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया था, जो ईवीएम से जुड़ा हुआ था हालांकि, निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचन अधिकारी वंदना सूर्यवंशी ने 'मिड-डे' अखबार की खबर को 'झूठी खबर' करार देते हुए खारिज कर दिया और कहा कि प्रकाशन को मानहानि का नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ईवीएम एक स्वतंत्र प्रणाली है जिसे 'प्रोग्राम' नहीं किया जा सकता और इसमें वायरलेस से संचार स्थापित नहीं किया जा सकता। भारतीय जनता पार्टी को भी इस मुद्दे पर विपक्षी नेताओं पर निशाना साधा और मांग की कि निर्वाचन आयोग को उन सभी लोगों के खिलाफ मुकदमा चलाना चाहिए जिन्होंने खबर को साझा करके "झूठ को बढ़ावा दिया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और अन्य ने ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के चेयरमैन एवं टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क के एक पोस्ट का हवाला दिया जिसमें उन्होंने ईवीएम को हटाने की बात की थी और दावा किया था कि हैकिंग का खतरा 'बहुत अधिक' है। मस्क ने अपनी पोस्ट में कहा था कि हमें ईवीएम का इस्तेमाल बंद कर देना चाहिए। मुनष्यों या कृत्रिम मेधा (एआई) द्वारा हैक किए जाने का जोखिम हालांकि छोटा है, फिर भी बहुत अधिक है। मस्क ने अमेरिकी राजनीतिज्ञ रॉबर्ट एफ। कैनेडी जूनियर के एक पोस्ट का जवाब देते हुए कहा था कि हमें इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का इस्तेमाल बंद कर देना चाहिए। मनुष्यों या एआई (कृत्रिम मेधा) द्वारा हैक किए जाने का जोखिम, हालांकि छोटा है, फिर भी बहुत अधिक है। कैनेडी जूनियर ने आरोप लगाया था कि प्यूर्टो रिको के प्राइमरी चुनावों में 'इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से संबंधित सैकड़ों मतदान अनियमितताएं' हुईं। कांग्रेस के सहयोगी दल समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को भी बोलने का मौका मिल गया । उनके अनुसार एक बार फिर से ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करते हुए आगामी सभी चुनाव मतपत्रों के जरिये कराने की मांग की। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था कि भारत में ईवीएम एक 'ब्लैक बॉक्स' है, और किसी को भी उनकी जांच करने की अनुमति नहीं है। हमारी चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर गंभीर चिंताएं जतायी जा रही हैं। जब संस्थाओं में जवाबदेही नहीं होती तो लोकतंत्र दिखावा बनकर रह जाता है और धांधली की आशंका बढ़ जाती है। उन्होंने मीडिया की उस खबर को भी टैग किया जिसमें दावा किया गया था कि शिवसेना के उम्मीदवार रवींद्र वायकर के एक रिश्तेदार के पास एक ऐसा मोबाइल फोन था, जिससे ईवीएम 'अनलॉक' किया जा सकता था। वायकर ने मुंबई की उत्तर-पश्चिम सीट से 48 वोट से चुनाव जीता है। वहीं, पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर का ईवीएम के संबंध में मस्क की आलोचना के जवाब में कहना था कि अरबपति व्यवसायी का दृष्टिकोण अमेरिका और अन्य स्थानों पर भी लागू हो सकता है, जहां वे 'इंटरनेट से जुड़ी वोटिंग मशीन' बनाने के लिए नियमित 'कंप्यूट प्लेटफॉर्म' का इस्तेमाल करते हैं।चंद्रशेखर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था कि भारतीय ईवीएम खासतौर पर तैयार की गई हैं, ये सुरक्षित हैं और किसी भी नेटवर्क या मीडिया से नहीं जुड़ी हैं – कोई कनेक्टिविटी नहीं, कोई ब्लूटूथ, वाईफाई, इंटरनेट नहीं। फैक्टरी-प्रोग्राम्ड कंट्रोलर जिन्हें पुनः प्रोग्राम नहीं किया जा सकता।

भाजपा नेता ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को ठीक उसी तरह निर्मित किया जा सकता है जैसा भारत ने किया है। हमें ट्यूटोरियल देने में खुशी होगी, एलन। शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे और प्रियंका चतुर्वेदी ने भी खबर साझा की और मांग की कि मतगणना के दिन की सीसीटीवी फुटेज जारी की जाए।चतुर्वेदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "यह उच्चतम स्तर पर धोखाधड़ी है और फिर भी भारत का निर्वाचन आयोग सो रहा है। 'हेरफेर' करने वाले विजेता के रिश्तेदार मतगणना केंद्र पर एक मोबाइल फोन लेकर आए थे जिसमें ईवीएम मशीन को अनलॉक करने की क्षमता थी। अगर ईसीआई ने इसमें हस्तक्षेप नहीं किया तो यह चंडीगढ़ मेयर चुनाव के बाद सबसे बड़ा चुनाव परिणाम घोटाला होगा और यह लड़ाई अदालतों में देखने को मिलेगी। इस कृत्य को दंडित किया जाना चाहिए।

खबर में दावा किया गया है था कि पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि आरोपी को वह फोन कैसे मिला, जिस पर ओटीपी आया और मशीन अनलॉक हो गई। खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचन अधिकारी वंदना सूर्यवंशी ने कहा कि ईवीएम को 'अनलॉक' करने के लिए किसी ओटीपी की आवश्यकता नहीं है।

सूर्यवंशी ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया था कि ईवीएम एक स्वतंत्र प्रणाली है और इसे 'अनलॉक' करने के लिए किसी ओटीपी की कोई जरूरत नहीं होती है। इसे प्रोग्राम नहीं किया जा सकता और इसमें कोई वायरलेस संचार क्षमता नहीं। यह एक समाचार पत्र द्वारा फैलाया जा रहा पूर्णतः झूठ है। हमने मिड-डे अखबार को मानहानि और झूठी खबर फैलाने के लिए आईपीसी की धारा 499, 505 के तहत एक नोटिस जारी किया है।

सूर्यवंशी ने संवाददाता सम्मेलन में बताया था कि जोगेश्वरी विधानसभा क्षेत्र के डेटा एंट्री ऑपरेटर दिनेश गुरव का निजी मोबाइल फोन एक अनधिकृत व्यक्ति के पास पाया गया और इस संबंध में कार्रवाई की जा रही है।

सूर्यवंशी ने कहा, 'डेटा प्रविष्टि और मतगणना दो अलग-अलग पहलू हैं। एक ओटीपी एआरओ को डेटा प्रविष्टि के लिए इनकोर लॉगिन सिस्टम खोलने में सक्षम बनाता है। मतगणना प्रक्रिया स्वतंत्र है और इसका मोबाइल फोन के अनधिकृत उपयोग से कोई लेना-देना नहीं है, जो एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है और इसकी जांच की जा रही है। उन्होंने और बताया था किसी भी तरह की छेड़छाड़ की संभावना को खत्म करने के लिए उन्नत तकनीकी विशेषताएं और मजबूत प्रशासनिक सुरक्षा उपाय किए गए हैं। सुरक्षा उपायों में उम्मीदवारों या उनके एजेंट की मौजूदगी में सब कुछ करना शामिल है।

अधिकारी ने कहा कि न तो वायकर और न ही शिवसेना (यूबीटी) के हारे हुए उम्मीदवार अमोल कीर्तिकर ने पुनर्मतगणना की मांग की थी, लेकिन अमान्य डाक मतपत्रों के सत्यापन की मांग की गई थी और ऐसा किया गया।सूर्यवंशी ने कहा कि इस मामले से संबंधित सीसीटीवी फुटेज तब तक नहीं दी जा सकती जब तक कि सक्षम अदालत से आदेश न मिल जाए। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने विपक्षी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने के लिए चुनाव अधिकारी के स्पष्टीकरण का हवाला दिया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में निर्वाचन आयोग को टैग करते हुए कहा, "जिन लोगों ने यह झूठ फैलाया कि ईवीएम के लिए ओटीपी की आवश्यकता है, उन पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए। राहुल गांधी ने इस आलेख को फैलाया। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि फोन के जरिये ईवीएम को अनलॉक किया जा सकता है।

संघ और भाजपा के विवाद में विपक्ष मौका न ढूंढे

राजेश कुमार पासी

लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद विपक्ष पहले ही खुद को जीता हुआ और भाजपा को हारा हुआ मानकर फूला नहीं समा रहा था और इसके बाद उसकी खुशी दुगुनी हो गई, जब उसे भाजपा और संघ में झगड़े की बात पता चली । विपक्ष अच्छी तरह से जानता है कि भाजपा को चुनावों में संघ की बड़ी मदद मिलती है इसलिए उसे इनके आपसी झगड़े में अपने लिए मौका दिखाई दे रहा है। ऐसा नहीं है कि विपक्ष के नेताओं को पता नहीं है कि भाजपा और संघ में झगड़ा नहीं हो सकता लेकिन विपक्ष भाजपा के खिलाफ बोलने के अवसर ढूंढता रहता है । सच क्या है ये जानने की जगह विपक्ष के लिए ये अच्छी खबर है कि संघ ने भाजपा के खिलाफ बयान दिए हैं। सरसंघचालक मोहन भागवत ने चुनाव परिणाम आने के बाद बयान दिया है कि जो मर्यादा का पालन करते हुए काम करता है । गर्व करता है लेकिन अहंकार नहीं करता, वही सही अर्थों में सेवक कहलाने का अधिकारी है । इसके अलावा उन्होंने मणिपुर हिंसा की चर्चा करते हुए कहा कि इसे सरकार को रोकना चाहिए । इसके अलावा आरएसएस के नेता इंद्रेश कुमार ने बयान दिया है कि प्रभु का न्याय बड़ा सत्य है, जिस पार्टी ने भक्ति की लेकिन अहंकार आया, उसको 241 सीटों पर रोक दिया और बड़ी पार्टी भी बना दिया । जिनके अंदर अनास्था थी, उसको 234 पर रोक दिया और कहा कि तुम्हारी अनास्था का दंड यही है कि तुम सफल नहीं हो सकते। इस बारे में संघ के मुखपत्र ऑर्गनाइजर ने लिखा है कि लोकसभा चुनाव के नतीजे भाजपा के अति आत्मविश्वासी नेताओं और कार्यकर्ताओं को आईना है, हर कोई भ्रम में था, किसी ने लोगों की आवाज नहीं सुनी । इन बयानों के आधार पर ही विपक्ष और मीडिया में यह चर्चा चल रही है कि संघ भाजपा से नाराज है और उसका भाजपा से झगड़ा चल रहा है । विपक्ष ने इन बयानों को लेकर संघ पर भी निशाना साधा है कि वो पहले क्यों नहीं बोला, अब वो क्यों बोल रहा है । संघ और भाजपा के विवाद को लेकर विपक्ष ने दोनों के खिलाफ अपना एजेंडा चलाना शुरू कर दिया है ।

वास्तव में संघ और भाजपा के बीच कोई विवाद नहीं है । हमें यह बात समझनी होगी और इसको समझने के लिए जरूरी है कि हम भाजपा और संघ के रिश्ते को समझें । संघ भाजपा और उसके अन्य संगठनों की मां है और गलती करने पर मां अपने बच्चों को डांटती है । बेशक भाजपा देखने में संघ से भी बड़े संगठन के रूप में दिखाई दे रही हो लेकिन ये पूरी सच्चाई नहीं है । संघ के बनाये संगठनों में से एक भाजपा है और इसके महत्वपूर्ण नेताओं में से ज्यादातर संघ से आये हुए नेता ही हैं । संघ अपने आप में दुनिया का सबसे बड़ा एनजीओ माना जाता है, जो सरकार से बिना कोई मदद लिए अपने सारे काम करता है । संघ अगर एक विशाल वटवृक्ष है तो भाजपा इसकी एक बड़ी शाखा है । संघ ही भाजपा को खाद पानी देकर सींचने का काम करता है । ये सच्चाई भाजपा के नेता भी जानते हैं कि उनकी पार्टी कितनी भी बड़ी हो जाये लेकिन वो संघ के बिना आगे नहीं बढ़ सकती । प्रधानमंत्री और उनके मंत्रियों सहित भाजपा के कई मुख्यमंत्री संघ के स्वयंसेवक रहे हैं । आप विचार करें कि जिस संगठन में संघ के लोगों का वर्चस्व है, उसके साथ संघ कैसे उलझ सकता है । न केवल संघ बल्कि उसके कई संगठन चुनाव के दौरान भाजपा की मदद करते रहे हैं । संघ ने पहले एक राजनीतिक दल के रूप में जनसंघ का निर्माण किया था जिसका जनता पार्टी में विलय हो गया था । जनता पार्टी के टूटने के बाद जनसंघ के नेताओं ने ही भारतीय जनता पार्टी के नाम से नई पार्टी का गठन किया था । भाजपा को इन चुनावों में अपेक्षित जीत हासिल नहीं हो सकी है और उसे कई राज्यों में भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है । संघ ने भाजपा को हुए नुकसान के कारणों का विश्लेषण किया होगा, उसके अनुसार ही संघ के नेताओं के बयान आ रहे हैं । लेकिन सवाल यह है कि क्या ऐसे बयान सिर्फ संघ के नेताओं के ही रहे हैं । वास्तव में चुनाव परिणाम आने के बाद भाजपा के कई नेताओं ने अपनी नाराजगी जाहिर की है और अपनी ही पार्टी के कई कामों को लेकर सवाल खड़ा किया है । बेशक भाजपा सत्ता में आ गई है लेकिन वो कई राज्यों में हुई हानि की अनदेखी नहीं कर सकती । हैरानी की बात है कि कांग्रेस अपनी हार से खुश है लेकिन भाजपा अपनी जीत के छोटा होने से परेशान है, इससे भाजपा और कांग्रेस के नेताओं की सोच का अंतर पता लगता है । देखा जाये तो संघ के नेताओं के बयानों को अपने तरीके से मीडिया और विपक्ष ने लिया है जबकि वो भाजपा को सुधारने के लिए दिये गये बयान हैं । विपक्ष इन बयानों की बात करते हुए यह भी भूल गया कि संघ ने विपक्ष पर भी सवाल उठाया है । संघ ने जहां मणिपुर की हिंसा को रोकने की बात कही है, वहीं ये भी कहा है कि क्या कारण है कि दस साल से मणिपुर बिल्कुल शांत था और अचानक इतनी हिंसा शुरू हो गई । देखा जाये तो संघ ने इशारा कर दिया है कि इसके पीछे कोई गहरी साजिश है । संघ ने भाजपा नेताओं में अहंकार आने की बात की है तो यह बात भाजपा के कार्यकर्ताओं द्वारा भी कही जा रही है । भाजपा के नेताओं को अहंकार के लिए सुनाया जा रहा है लेकिन विपक्ष के नेताओं में अहंकार की कमी नहीं है । संघ के नेता इंद्रेश कुमार ने जहां भाजपा नेताओं की भक्ति के अहंकार को लेकर अपनी बात कही है तो दूसरी तरफ उन्होंने विपक्ष की अनास्था को लेकर भी सवाल खड़ा किया है । संघ के मुखपत्र में अगर भाजपा नेताओं को अति आत्मविश्वासी कहा गया है तो गलत नहीं है । ऑर्गेनाइजर में सही कहा गया है कि भाजपा नेताओं में अति आत्मविश्वास पैदा हो गया था जिसके कारण उन्होंने अपने ही लोगों की बात नहीं सुनी । संघ कुछ राज्यों में भाजपा की हुई हार को बहुत गंभीरता से ले रहा है । वो भाजपा के साथ कोई जंग नहीं लड़ रहा है। अपने बच्चे में कमी दिख रही है तो मां सही रास्ता दिखाने की कोशिश कर रही है, बच्चे को बड़ा होने का अहसास हो गया है वो सुन नहीं रहा था तो उसे समझाया जा रहा है । मां चाहती है कि उसका बच्चा और आगे बढ़े लेकिन बच्चा कुछ कमजोर पड़ गया है तो मां उसे ताकत दे रही है । विपक्ष समझ नहीं पा रहा है कि संघ भाजपा को सुधारने की कोशिश कर रहा है । ऐसा नहीं है कि सिर्फ संघ ही भाजपा में सुधार की कोशिश कर रहा है बल्कि भाजपा में भी अपने नुकसान को लेकर जबरदस्त मंथन चल रहा है । आने वाले समय में इस मंथन का असर भाजपा के संगठन में दिखाई देगा । ऐसा नहीं है कि संघ अभी भाजपा के सामने अपनी बात रख रहा है बल्कि संघ ने चुनावों से पहले भी अपनी बात रखी होगी । हो सकता है कि उस समय भाजपा के नेताओं ने उन पर ध्यान नहीं दिया हो इसलिए संघ अब खुलकर सामने आ गया है ।

आडंबरी क्लब की गौरवगाथा

सुरेश मिश्रा

आडंबरी क्लब ने आडंबर के जितने भी वर्ष पूरे किए हों, लेकिन लगता है 420 वर्षों का सफर पूरा कर लिया, मानो शोहरत की सोने की चिड़िया को पिंजरे में बंद कर दिया हो। इस क्लब की अध्यक्ष, टुनटुना देवी, किसी ताजमहल की तरह अपनी जगह पर अमर हैं। अध्यक्ष पद पर उनके अद्वितीय कब्जे की बात करें तो, यह कहावत पूरी तरह चरितार्थ होती है कि 'अध्यक्ष तो नहीं रहे, पर उनके विचार अभी भी जीवित हैं' - बस टुनटुना देवी के लिए थोड़ा बदलकर कह सकते हैं, 'वो तो रहेंगी ही, पर गुजर जाने के बाद उनकी आत्मा भी यहीं पर अध्यक्षता करेगी।' टुनटुना देवी का यह अटल इरादा कि गुजरने के बाद ही पद छोड़ेंगी, सच में अध्यक्ष पद की महत्ता को उनके लिए एक जन्मजात अधिकार बना देता है। और जब बात आती है उत्तराधिकारी की, तो उनकी बहू को इस पद के लिए तैयार करना ऐसा लगता है जैसे कोई महान रानी अपने राज्य का ताज अपनी पुत्री को सौंपने की तैयारियाँ कर रही हो। यह ताजपोशी का नाटक हमें मुगलों के जमाने की याद दिलाता है। आडंबरी क्लब का असली मकसद साहित्य की सेवा नहीं, बल्कि असाहित्य की सेवा है। यहाँ असाहित्यकार वही माना जाता है, जो अध्यक्ष की चाटुकारिता में डूबा हो। एक सच्चे साहित्यकार का कद यहाँ दो कौड़ी का भी नहीं है। यह अद्भुत परंपरा मानो मुहावरे की तरह प्रचलित है कि "जो अध्यक्ष की न चाट सके, वह साहित्यकार नहीं।"क्लब के कार्यक्रमों में आमंत्रित किए जाने वाले विशेष अतिथि, 'आन' की जगह 'कान' को बुलाने का रिवाज मानो कहावत को नया अर्थ दे देता है। कान बुलाए जाते हैं ताकि वे अध्यक्ष की वाहवाही सुन सकें, और बान की बातें सिर्फ इसलिए की जाती हैं कि बाकी सबको लगा रहे कि कुछ बड़ा हो रहा है। जैसे हिंदी कार्यक्रम के लिए तेलुगु वाले को बुलाकर अंग्रेजी का मजा ले सके। इस कार्यक्रम में 'साहित्यिक कसरत' का मतलब अध्यक्ष की तारीफ में 'लंबी-चौड़ी फेंकने वाली किताबें' लिखना है।

यहाँ पर साहित्य इतिहास के नाम पर 'स्व' और 'परिजन इतिहास' लिखने का नाटक ऐसे किया जाता है जैसे बच्चों के खेल में नकली चाय पार्टी। जो भी अध्यक्ष के निकट है, वह साहित्य के शिखर पर है। चाहे वह व्यक्ति हो या उसकी परछाई, उसकी आत्मकथा हर पुरस्कार के लिए मान्य है।अध्यक्ष का जन्मदिन एक ऐसा पर्व है, जिसमें सत्य की नहीं, महिमा की जय-जयकार होती है। इस अवसर पर ऐसी 'जन्मगाथा' लिखी जाती है, जो अध्यक्ष को महापुरुषों की पंक्ति में खड़ा कर देती है। ऐसी किताबें, जिनका पहला पृष्ठ अध्यक्ष की महिमा में और आखिरी पृष्ठ उनकी तारीफ में लिखा जाता है, मानो साहित्य का नया मील का पत्थर हों। आडंबरी क्लब के सदस्यों का यह विश्वास कि अध्यक्ष की चाटुकारिता ही असली साहित्य है, हमें एक नए साहित्यिक युग की शुरुआत की ओर ले जाता है। यहाँ पर लेखकों की किताबें 'बेस्टसेलर' नहीं, बल्कि 'बेस्ट चाटुकार' होती हैं। यह क्लब हमें बताता है कि सच्चा साहित्य वही है जो अध्यक्ष की मर्जी से लिखा जाए।

सियासत की जाति गीत

रामविलास जांगिड़

गंदे नाले के सानिध्य में कूड़े कचरे के समीप एक विशिष्ट कचरे से निर्मित गोल घुमावदार इमारत पर जैसे ही नजर गई, हम चौंक पड़े। अरे! हूबहू किसी राजनीतिक पार्टी का भवन! सहसा आवाज गूंजने लगी। मंजिलों पर पहुंचने से पहले जाति और धर्म की काली आंधी आएगी। घर, परिवार, चाचा, भतीजा, जाति, धर्म सारी बातें सियासत में खुलकर आएगी। मैंने देखा, तूने देखा। इसने देखा, उसने देखा। सब ने देखा। क्या देखा? क्या देखा? इक सियासत जो धर्म, जाति, परिवार के गीत गाती है। मैंने देखा, तूने देखा। इसने देखा, उसने देखा। सब ने देखा। क्या देखा? क्या देखा? इक अध्यक्ष जो पीएम से भी प्यारा है। इक अध्यक्ष जो सीएम से नित हारा है। इक अध्यक्ष जिसने चमचे का नाम पुकारा है। इक अध्यक्ष जो पार्टी का प्रमुख नारा है। मैंने देखा, तूने देखा। इसने देखा, उसने देखा। सब ने देखा। क्या देखा? क्या देखा? एक सियासी दांव जो सारे पेचों से भी न्यारा है। एक जातिगत घाव जो सारी दवाइयों से भी न्यारा है। एक पाव जो किलो से भी नहीं हारा है।

आज मजा देंगे तुझको हम, तेरी सब भूलों की। तेरे गले में हम डालेंगे, ये माला फूलों की। इस दल की रीत यही है, पार्टी का संगीत यही है। लोकतंत्र का ये वाला गीत ही सही है। चमचागिरी की रीत यही है। सावन के अंधे की प्रीत बही है। मैंने देखा, तूने देखा। इसने देखा, उसने देखा। सब ने देखा। क्या देखा? क्या देखा? इक चांद जो सबकी आंखों का मारा है। इक चांद जो सबकी बातों से हारा है। दुश्मन-दुश्मन जो दोस्तों से प्यारा है। जंजीरों से भी पक्के हैं, परिवारवाद के कच्चे धागे। हथकड़ियों से भी पक्के हैं, भाई भतीजावाद के कच्चे धागे। तिहाड़ जेल से भी पक्के हैं, धर्म जातिवाद के कच्चे धागे। इन कच्चे धागों को तोड़ के कोई नेता कैसे भागे? इन कच्चे धागों को तोड़ के कोई अध्यक्ष कैसे भागे? आया लेके बिकवाली तू। इन सरकारी खेत खलिहानों का माली तू। इन खेतों का दलाली तू, सब हेरफेर में जाली तू। मैंने देखा, तूने देखा। इसने देखा, उसने देखा। सब ने देखा। क्या देखा? क्या देखा? इक हलवाई जो सारी मिठाई खाने वाला है। इक दवाई जिसमें कीड़ों का बोलबाला है। इक वादा जिसमें सच्चों का मुंह काला है। इक चाबी जिसने हर मुंह पर ठोका ताला है। इक हाला जिसके नशे में खाली पड़ गया प्याला है। दुश्मन-दुश्मन जो दोस्तों से प्यारा है।

सब ने माफ किया मुझको पर, मैं हूं जिसका दोषी। कब टूटेगी उसके घायल होंठों की खामोशी। मैंने देखा, तूने देखा। इसने देखा, उसने देखा। सब ने देखा। क्या देखा? क्या देखा? इक बीहड़ जो चंबल से भी प्यारा है।

कर्ज और भुखमरी से डूबता-उतराता पाकिस्तान

संजीव ठाकुर

पिछले 5 सालों से पाकिस्तान की हालत बहुत खस्ता है। पाकिस्तान आवाम भुखमरी और कर्ज की बेतहाशा शिकार हो गई है। पाकिस्तानी नागरिकों को आटा, दाल,चीनी,बिजली और पेट्रोल पहले से लगभग चार गुना महंगी दरों में लेना पड़ रहा है। शरीफ सरकार दोबारा आने के बाद पूरी तरह विफल हो गई, प्रधानमंत्री शरीफ की चीन यात्रा पूरी तरह विफल रही है अब शरीफ सरकार ने भारत और भारत के प्रधानमंत्री का नाम लेने पर देशद्रोह की कार्रवाई का फरमान जारी कर दिया है। कई मीडिया एजेंसियों पर इस संदर्भ में भारत से संबंधित किसी भी जानकारी प्रसारित करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। केवल भारत के विरोध के मुद्दे को छोड़कर चीन ने पाकिस्तान का आर्थिक हालातो को सुधारने में कोई मदद करने का आश्वासन नहीं दिया है।पाकिस्तान अभी भी जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों को आर्थिक मदद कर घटनाओं का अंजाम देने में लगा है। ऐसे में वैश्विक नशे में पाकिस्तान के मानचित्र का विनष्ट होना निश्चित माना जा रहा है। पाकिस्तान पहले से ही परेशान, कर्ज में डूबा हुआ और महंगाई, बेरोजगारी से बुरी तरह त्रस्त रहा है। शहबाज शरीफ सरकार के पास शासन चलाने के लिए पर्याप्त धनराशि भी नहीं है। शरीफ के पास सरकार चलाने का पर्याप्त अनुभव भी नहीं है। 1947 में स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद पाकिस्तान सरकार में 19 प्रधानमंत्रियों में से एक प्रधानमंत्री भी अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सका है ।करेला ऊपर से नीम चढ़ा पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनके समर्थकों ने पाकिस्तानी सेना और शाहबाज शरीफ सरकार की नाक में दम कर रखा है। रावलपिंडी में इमरान खान पर गोली दागने से क्रोधित समर्थकों ने कई जगह सेना पर आक्रमण कर मेजर जनरल, गृहमंत्री राणा और प्रधानमंत्री के निवास को घेरकर तोड़फोड़ की थी। 1947 से स्वतंत्रता के बाद यह पहली बार हुआ जब सेना के विरुद्ध पाकिस्तानी आवाम खुलकर विद्रोह करने पर आमादा है। ऐसा लगता है कि वहां सरकार तथा सेना के विरुद्ध आम नागरिकों का विद्रोह हो जाएगा। पहली बार कमर जावेद की सेना आवाम से डरी दिखाई दे रही है, पाकिस्तान विद्रोह की ज्वालामुखी कर बैठा है कभी भी विस्फोटक स्थिति बन सकती है।यह तथ्य सार्वजनिक है कि पाकिस्तान चीन का सबसे बड़ा शागिर्द देश है। अमेरिका ने इसी के फल स्वरुप पाकिस्तान को सबसे संदिग्ध एवं खतरनाक आतंकवादी देश घोषित कर दिया है। इस बात से तिलमिलाकर शहबाज शरीफ चीन की यात्रा पर जाने वाले हैं वहां वह आपसी संबंधों को फिर से सुधारने तथा देश चलाने के लिए आर्थिक मदद की गुहार लगाने जाएंगे। पाकिस्तान की हालत बहुत ज्यादा खराब एवं पतली है। पाकिस्तान में रोजमर्रा के खर्चे के लिए पैसे नहीं है और उस पर इमरान खान के समर्थक लगातार सड़कों पर मार्च कर रहे हैं । उन्होंने रावलपिंडी से लेकर इस्लामाबाद तक आंदोलन कर दिया है। चीन ने पाकिस्तान को पूरी तरह से आर्थिक रूप से गुलाम बनाकर अपना शिकंजा कस लिया है। पाकिस्तान की सरकार चीन के रहमों करम पर पूरी तरह से पलती आ रही है। चीन पाकिस्तान को अरबों डॉलर का कर्जा देकर उसे अपने गुलाम की तरह बना कर रख दिया है। पाकिस्तान की हुकूमत भले ही चाइना की जी हुजूरी करती आ रही है और उसके हां में हां मिलाती हो पर पाकिस्तानी जनता को न तो चीनी भक्ति पसंद है, ना चीन की कोई उपभोक्ता वस्तु ही पसंद है। पाकिस्तान की आवाम देश में चीन की मौजूदगी और उसकी कई परियोजनाओं से बेहद परेशान होकर आंदोलन के जरिए सड़क पर आ गई है।इसका जमकर विरोध किया जा रहा है। चीन द्वारा संचालित बेल्ट एंड रोड परियोजना पाकिस्तान की आवाम को फूटी आंख नहीं भा रही है। हाल ही में चीन ने पाकिस्तान के महत्वपूर्ण इलाके ग्वादर में एक परियोजना चला कर वहां जगह जगह पर चेकिंग चौकियां स्थापित कर दी है, जिससे पाकिस्तान की जनता को अनावश्यक चेकिंग की परेशानी को झेलना पड़ रहा है। पाकिस्तान में ग्वादर के इलाके में जहां पर चौकियां स्थापित की गई हैं पानी, बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं की भारी किल्लत हो गई और अवैध मछली पकड़ने से आजीविका पर खतरा आ गया है, जिस कारण आम जनता का जीना मुश्किल हो गया है, इसके विरोध में पाकिस्तान के दक्षिण पश्चिम बलूचिस्तान प्रांत के तटीय शहर ग्वादर में कोर्ट रोड के हवाई चौक पर कुछ राजनीतिक दलों, नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं, मछुआरों और संबंधित नागरिक कार्यकर्ताओं द्वारा विगत 1 सप्ताह से विरोध प्रदर्शन जारी कर दिया गया है। पाकिस्तानी अखबार जंग के अनुसार प्रदर्शन अनावश्यक सुरक्षा चौकियों को हटाने, पीने के पानी और बिजली की उपलब्धता बढ़ाने मकरान तट पर मछली पकड़ने वाली नौकाओं को हटाने और पञ्जगुर से ग्वादर तक ईरान के साथ सीमा को फिर से खोलने की मांग कर रहे हैं। एक समाचार के अनुसार अधिकार रैली के प्रमुख मौलाना हिदायतउर रहमान ने बताया कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जातीं तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

पति-पत्नी में हमेशा रहती है अनबन घर की इस दिशा में लगाएं मोरपंख

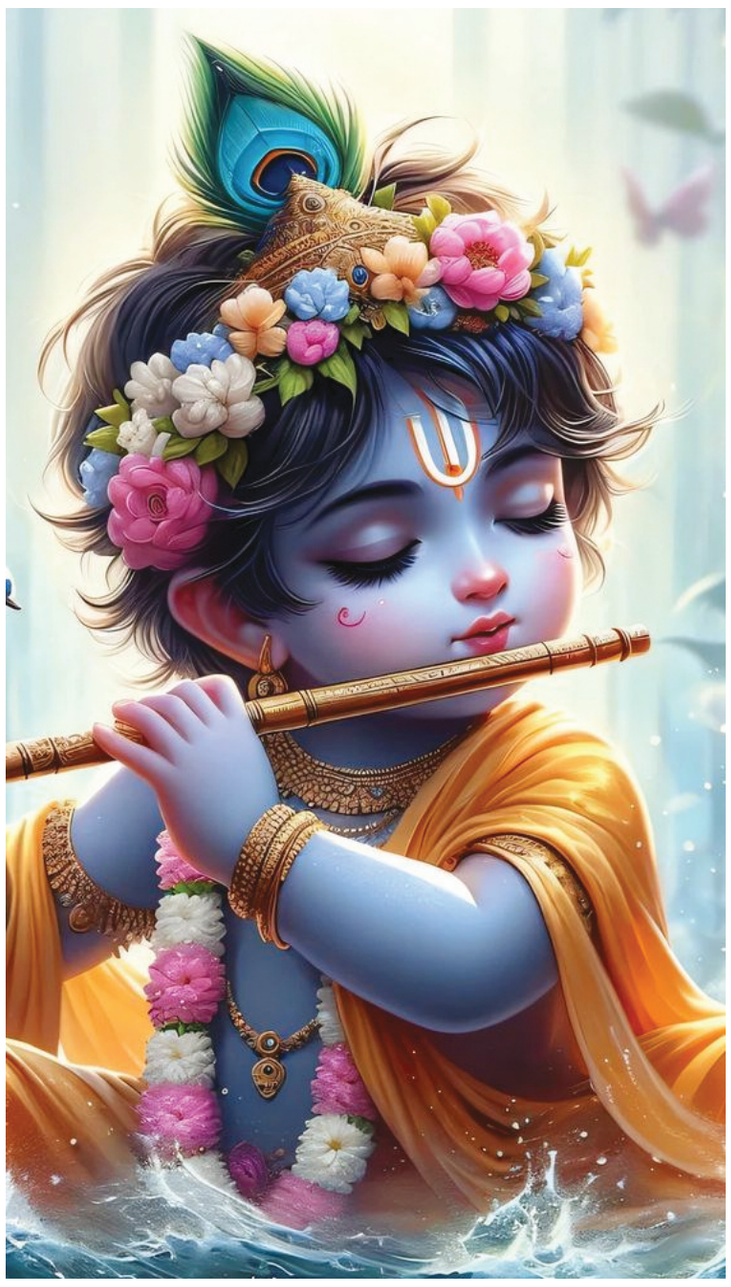

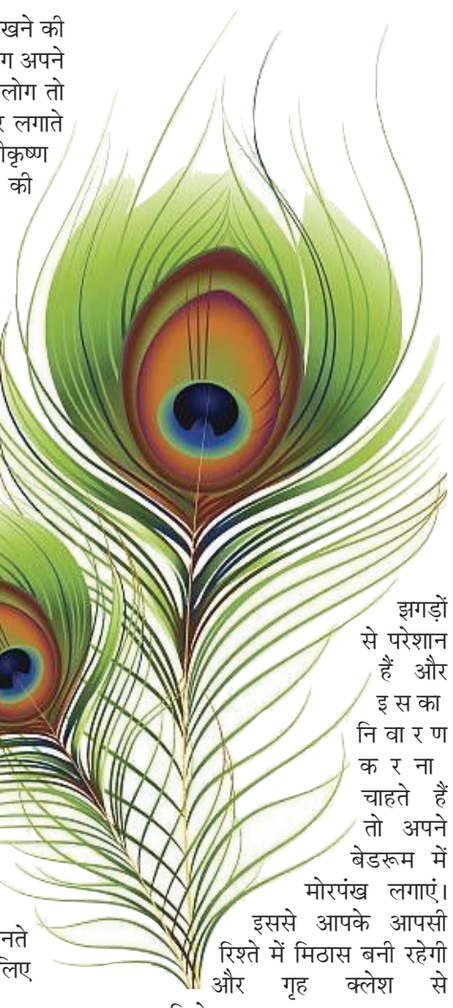

वास्तु शास्त्र में मोरपंख को घर में रखने की सलाह दी जाती है। हालांकि कई लोग अपने घरों में मोरपंख रखते भी हैं। कुछ लोग तो इसे सजावट के लिए अपने घर पर लगाते हैं या फिर कई लोग जो भगवान श्रीकृष्ण के भक्त होते हैं वे भगवान कृष्ण की मूर्ति के पास इसे रख देते हैं। क्योंकि मोरपंख उनको प्रिय होता है। लेकिन आपको बता दें कि घर में मोरपंख रखने से आपको कई तरह के फायदे मिलते हैं।

मोरपंख का महत्व

वास्तु शास्त्र के अनुसार यदि आप घर में मोरपंख को सही दिशा व सही स्थान पर रखें तो इससे आपके घर की नकारात्मकता खत्म हो जाती है और आपके आस-पास पॉजिटीव एनर्जी इकट्ठा होने लगती है। इसके अलावा सही दिशा में लगा मोरपंख आपकी आर्थिक स्थिति को भी मजबूत बनाता है। तो आइए जानते हैं कौन सी दिशा मोरपंख लगाने के लिए सही दिशा है।

बरकत बढ़ाने के लिए यहां लगाएं मोरपंख

यदि आप चाहते हैं कि आपके घर पर हमेशा बरकत बनी रहे तो मोरपंख को घर के किसी भी कोने या फिर घर की दक्षिण-पूर्वी दिशा में लगाएं।

दांपत्य जीवन में शांति के लिए

अगर आप अपने वैवाहिक जीवन में लड़ाई-झगड़ों से परेशान हैं और इसका निवारण करना चाहते हैं तो अपने बेडरूम में मोरपंख लगाएं। इससे आपके आपसी रिश्ते में मिठास बनी रहेगी और गृह क्लेश से छुटकारा मिलेगा।

आर्थिक मजबूती के लिए

अगर आप लंबे समय से धन से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे हैं और इससे छुटकारा पाना चाहते हैं तो घर की इन तीन दिशाओं उत्तर, पश्चिम या ऊतर-पश्चिम दिशा में मोरपंख लगा लें। ऐसा करने से धन वृद्धि होगी और धनलाभ के प्रबल योग बनने लगेंगे।

निर्जला एकादशी व्रत कर रहे हैं तो इस समय करें जल ग्रहण

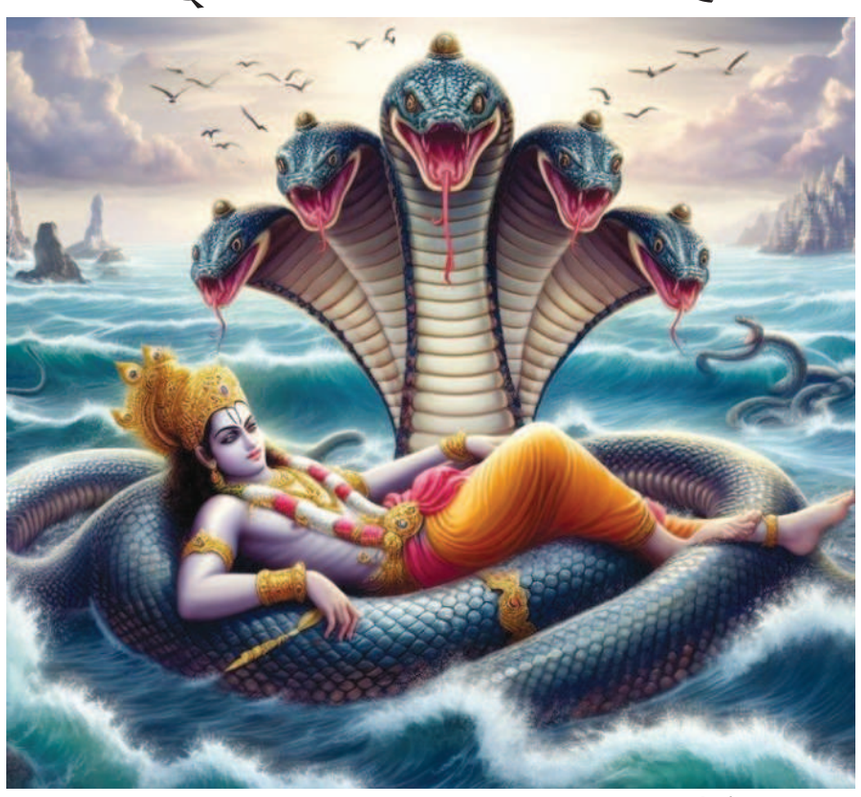

हर साल ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष में निर्जला एकादशी का व्रत किया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि निर्जला एकादशी के दिन भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा करने से जातक को मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है।

भगवान विष्णु को समर्पित एकादशी तिथि साल में 24 पड़ती हैं। इनमें से सभी से एकादशी व्रत को महत्वपूर्ण माना गया है, लेकिन ज्येष्ठ माह में पड़ने वाली निर्जला एकादशी बेहद खास माना जाता है। क्योंकि इस व्रत में अन्न के अलावा जल भी ग्रहण नहीं किया जाता है।

निर्जला एकादशी व्रत में पानी कब पीना चाहिए

अगर आप निर्जला एकादशी का व्रत रख रहे हैं, तो आपको अगले दिन यानी द्वादशी तिथि पर जल ग्रहण करना चाहिए। इस साल निर्जला एकादशी 18 जून को है, तो आप इस व्रत को पूरा करने के बाद 19 जून को सूर्योदय के बाद जल ग्रहण करें।

निर्जला एकादशी व्रत नियम

निर्जला एकादशी में अन्न के अलावा पानी ग्रहण करना वर्जित है।

इस एकादशी व्रत में सूर्योदय से लेकर अगले दिन यानी द्वादशी के दिन सूर्योदय तक अन्न और पानी नहीं पिया जाता है। हालांकि, बीमार होने की स्थिति पर पानी ग्रहण कर सकते हैं।

निर्जला एकादशी व्रत गर्भवती महिलाओं को नहीं करना चाहिए। वह भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा कर सकती हैं।

ऐसी मान्यता है कि निर्जला एकादशी व्रत का पूर्ण फल जातक को तभी प्राप्त होता है। जब अगले दिन व्रत का पारण किया जाए। इसके बाद श्रद्धा अनुसार गरीब लोगों में अन्न, धन और वस्त्र का दान करना चाहिए।

इसके अलावा निर्जला एकादशी के दिन तुलसी के पौधे को नहीं छूना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि मां लक्ष्मी एकादशी व्रत करती हैं, तो ऐसे में पौधे को स्पर्श करने से उनका व्रत खंडित हो जाता है।

निर्जला एकादशी के दिन तामसिक भोजन का सेवन नहीं करना चाहिए।

क्या आप जानते हैं पंचामृत और चरणामृत में अंतर?

हिंदू धर्म में पूजा-पाठ के दौरान भगवान को भोग में प्रसाद चढ़ाने का विशेष महत्व होता है। अलग-अलग देवी-देवताओं को खास भोग प्रिय हैं। उसी अनुसार लोग प्रसाद तैयार करते हैं। इसी तरह पंचामृत और चरणामृत भी है। हालांकि, अधिकतर लोग इन दोनों को एक समझने की भूल करते हैं। न तो ये एक हैं और ना ही इन दोनों को बनाने का तरीका एक है। चलिए जानते हैं पंचामृत और चरणामृत में क्या है अंतर, किनकी पूजा में इसे अर्पित किया जाता है, क्या है महत्व और नियम, इसे कैसे तैयार किया जाता है?

क्या है चरणामृत?

भगवान के चरणों में चढ़ाया जाने वाला एक अमृत। यह बेहद ही शुभ और पवित्र होता है। जब हम भगवान विष्णु अथवा उनके शालिग्राम स्वरूप को जिस जल से स्नान करवाते हैं, वह चरणामृत कहा जाता है। शास्त्रों में चरणामृत लेने के कुछ नियम और मंत्र भी बताए गए हैं।

जब भी आप चरणामृत लें तो उसे अपने दाएं हाथ से लें। उस दौरान आपका मन पूरी तरह से शांत होना चाहिए। भूलकर भी दाएं हाथ को चरणामृत ग्रहण करने के बाद सिर पर नहीं फेरें। ऐसा करना अशुभ होता है। ऐसा करने से आपके अंदर और घर में इससे नकारात्मकता बढ़ सकती है। चरणामृत को तांबे के लोटे, गिलास में ही रखना चाहिए। इसमें आपको तिल, तुलसी की पत्तियां अवश्य डालनी चाहिए। आप यदि प्रतिदिन पूजा करते हैं तो चरणामृत बनाकर मंदिर में रख सकते हैं।

चरणामृत लेने का मंत्र, महत्व

जब भी आप चरणामृत ग्रहण करें तो 'अकाल मृत्यु हरणं सर्व व्याधि विनाशनम। विष्णोः पादोदकं पीत्वा पुनर्जन्म न विद्यते।।' इसका अर्थ है कि चरणामृत ग्रहण करने से अकाल मृत्यु आपसे दूर रहती है। रोगों का नाश होता है। यह एक औषधि की तरह है, जो पाप, रोग दूर करता है।

पंचामृत दूध, दही, घी, शहद और शक्कर से तैयार किया जाता है, लेकिन जब तक इसमें तुलसी के पत्तों को ना डालें, तब तक ये अमृत स्वरूप नहीं माना जाता है। पंचामृत से भी नारायण अर्थात भगवान शालिग्राम का स्नान अभिषेक किया जाता है। आमतौर पर लोग पूजा-पाठ के दौरान पंचामृत बनाकर उसे प्रसाद की तरह अर्पित करते हैं। पंचामृत यानी पांच शुद्ध और पवित्र चीजों से मिलकर बनने वाला एक शुद्ध पेय होता है। जब तक आप ईश्वर का अभिषेक पंचामृत से नहीं करते हैं, तब तक पूजा अधूरी कहलाती है।

इस पौधे को घर में लगाने से दूर होती है नकारात्मक ऊर्जा

हमारे आसपास बहुत सारे पेड़ पौधे होते हैं लेकिन हमें उन पेड़ पौधों की जानकारी नहीं होती है। तो वही बहुत से पेड़ पौधे ऐसे होते हैं। जो औषधि से लेकर ऑक्सीजन तक काफी फायदेमंद होते हैं। जिन्हें लगाने से घर का वातावरण शुद्ध होता है और 24 घंटे ऑक्सीजन मिलती है। इसके साथ ही ज्यादातर लोग धन के लिए मनी प्लांट लगाने के बारे में ही जानते हैं। लेकिन वस्तु में धन प्राप्ति के लिए एक अन्य पौधे के बारे में भी बताया गया है, जिसका नाम क्रासूला है। इस पौधे से भी धन की अच्छी खासी प्राप्ति होती है। और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

सुख समृद्धि और धन की प्राप्ति के लिए लगाते हैं क्राशूला

हर कोई चाहता है कि उसके घर परिवार में सुख और समृद्धि बनी रहे। परिवार के प्रत्येक सदस्य का स्वास्थ्य अच्छा रहे और कभी भी पैसों की तंगी नहीं झेलनी पड़े इसके लिए व्यक्ति दिन रात मेहनत भी करता है। लेकिन कभी-कभी तमाम कोशिशों के बाद भी परेशानियों से राहत नहीं मिल पाती। ऐसे में आप वासतु का सहारा ले सकते हैं। वास्तु में ऐसे कई उपाय बताए गए हैं। जिनके जरिए जीवन की परेशानियों को कम किया जा सकता है।

वास्तु के अनुसार घर या ऑफिस में कुछ पौधे लगाने से जीवन में सुख और शांति आती है। इन्हीं पौधों में से एक है क्रासूला का पौधा। ज्यादातर लोगों को ये बात पता है कि घर में मनी प्लांट लगाने से आर्थिक समृद्धि बढ़ती है। जबकि वास्तु में क्रासुला के पौधे को भी बेहद चमत्कारी माना गया है।

क्रासुला का पौधा घर में लगाने से नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है तथा इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश हो जाता है। इस पौधे को घर में लगाने से आर्थिक समस्याएं खत्म हो जाती हैं। साथ ही घर में आर्थिक समृद्धि आती है तथा घर से सभी दुख- क्लेश

दूर होते हैं। बता दें कि नौकरी में प्रमोशन होने की संभावना बढ़ जाती है।

घर में लगाना शुभ माना जाता है यह वृक्ष

क्रासुला का वृक्ष घर में लगाना बहुत शुभ माना जाता है। यदि कोई इसे घर में लगा भी ले तो इसकी शाइनिंग बहुत अच्छी होती है। मोटा पत्ता होता है। इसके साथ ही ऑक्सीजन का भी भंडार से माना जाता है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण यह घर में माना जाता है। क्योंकि घर में लगाना यह बहुत शुभ होता है। सनातन धर्म के जो भी जानकार लोग हैं। वह इस वृक्ष को जमकर खरीदने हैं और अपने घर में लगाते हैं। इसमें पानी बहुत कम लगता है और यह ऐसी जगह रखा जाता है। जहां पर ज्यादा धूप या ज्यादा छाव ना हो मीडियम जगह हो।

मेहनत की कमाई न पर्स में टिकती है न घर में?

बहुत से लोगों को कभी ना कभी पैसों की समस्या से जूझना पड़ता है। खास तौर पर पैसे की बचत नहीं होना, हर किसी की प्रमुख समस्याओं में से एक है। एक कॉमन व्यक्ति काफी मेहनत करके मुश्किल से पैसे जोड़ता है, लेकिन उसके पास पैसा फिर भी नहीं जुड़ पाता। इससे वह परेशान रहने लगता है और धीरे-धीरे तनाव की स्थिति बनने लगती है।

पर्स में रखें लाल मिर्च

ज्योतिष शास्त्र में पैसों की बचत के लिए दिए गए मिर्च के उपायों में से एक है पर्स में लाल मिर्च रखना। यदि आप जीतोड़ मेहनत के बाद भी पैसों की बचत नहीं कर पाते हैं तो यह उपाय आपको करना चाहिए। इसके लिए एक लाल मिर्च लें और उसे लाल कपड़े में लपेटें। इसके बाद इस मिर्च को अपने पर्स में रखें।

ये भी करें ट्राई

ध्यान रहे जब भी आपको पैसा किसी के जरिए मिलने वाला हो या आप खुद किसी से पैसे लेने जा रहे हों तब उस पैसे को लाल कपड़े में बंधी मिर्च के साथ बांध देना है। इसके बाद हर शुक्रवार को आपको मिर्च को बदलना है और पुरानी मिर्च को जल में बहा देना है। इससे आपके पैसों की बचत की समस्या दूर हो जाएगी।

तिजोरी में रखें लाल मिर्च

कई घरों में कारोबार होता है और हर रोज की आय भी होती है। लेकिन पैसा फिर भी नहीं बचता। ऐसे में कई बार परिवार में कलह भी बढ़ने लगती है। पैसे की बचत ना होने का प्रभाव कारोबार पर भी पड़ता है जब आप जरूरत होने पर उसमें पैसा नहीं लगा पाते। ऐसी स्थिति में भी लाल मिर्च का उपाय कारगर साबित होता है।

इसके लिए आपको एक लाल मिर्च लेना है और उसे कलावे से लपेटना है। ध्यान रहे कलावा इस तरह से लपेटें जिससे मिर्च कहीं से भी दिखाई ना दे। इसके बाद इस मिर्च को तिजोरी में रख दें। इस उपाय को करने से भी धन रुकने लगेगा और पैसे की बचतक की समस्या दूर होगी।

आज अंक 1, 2, 3 वालों को धन वृद्धि के शुभ योग

दिन अंक 1, 2, 3 वालों के लिए आर्थिक धन में वृद्धि के अच्छे योग हैं। 4 मूलांक वालों को कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी और मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अंक ज्योतिष के आधार पर जानें आज का भविष्यफल।

अंक 1 (किसी भी माह की 1, 10, 19 और 28 तारीख को जन्मे लोग)

गणेशजी कहते हैं कि इस सप्ताह आपके कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी तथा आपके प्रोजेक्ट में आपकी इच्छानुसार परिवर्तन देखने को मिलेंगे। आर्थिक धन में वृद्धि के अच्छे योग हैं। प्रेम संबंधों में समय कठिन रहेगा तथा आपसी तनाव बढ़ सकता है। सप्ताह के अंत में कोई समाचार मिलने से आप दुखी हो सकते हैं।

अंक 2 (किसी भी माह की 2, 11, 20 या 29 तारीख को जन्मे लोग)

आर्थिक दृष्टिकोण से गणेशजी कहते हैं कि यह सप्ताह अच्छा है और धन वृद्धि के शुभ योग हैं। इस सप्ताह आपको आर्थिक लाभ के शुभ समाचार मिलेंगे। प्रेम संबंध भी रोमांटिक रहेंगे और मन प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है और इस ओर ध्यान दें। सप्ताह के अंत में स्थिति धीरे-धीरे सुधरेगी।

अंक 3 (किसी भी माह की 3, 12, 21, 30 तारीख को जन्मे लोग)

यह सप्ताह आर्थिक मामलों के लिए अनुकूल है तथा धन वृद्धि के शुभ अवसर बना रहा है। इस सप्ताह आपको निवेश से अच्छे संकेत मिलेंगे। प्रेम संबंधों में भावनात्मक निराशा बढ़ेगी। कार्यस्थल पर कोई आपको धोखा दे सकता है। सप्ताह के अंत में समय अनुकूल हो जाएगा तथा आपका मन प्रसन्न रहेगा।

अंक 4 (किसी भी माह की 4, 13, 22 या 31 तारीख को जन्मे लोग)

कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी और मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आर्थिक लाभ के लिए भी समय अच्छा है और निवेश से लाभ होगा। प्रेम संबंधों में निराशा बढ़ सकती है और मानसिक कष्ट रहेगा। सप्ताह के अंत में किसी बात को लेकर आप काफी दुखी रहेंगे।

अंक 5 (किसी भी माह की 5, 14, 23 तारीख को जन्मे लोग)

यह सप्ताह आर्थिक मामलों के लिए बहुत ही सुखद सप्ताह है और आर्थिक लाभ अच्छा रहेगा। प्रेम संबंधों में दूरियां बढ़ सकती हैं और कुछ मुद्दों पर अचानक तनाव उत्पन्न हो सकता है। कार्यक्षेत्र में उत्साह के कारण अचानक कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें तो बेहतर होगा। सप्ताह के अंत में आपका मन प्रसन्न रहेगा और आपके जीवन में खुशियां दस्तक देंगी।

अंक 6 (किसी भी माह की 6, 15 या 24 तारीख को जन्मे लोग)

कार्यक्षेत्र में प्रगति होगी और आप अपने प्रोजेक्ट को लेकर तनावमुक्त महसूस करेंगे। प्रेम संबंधों के लिए भी समय अनुकूल है और समय रोमांटिक रहेगा। आर्थिक मामलों को लेकर चिंताएं बढ़ सकती हैं और मन अशांत रहेगा। सप्ताह के अंत में परिस्थितियां आपके पक्ष में होंगी।

अंक 7 (किसी भी माह की 7, 16, और 25 तारीख को जन्मे लोग)

प्रेम संबंधों में समय अनुकूल रहेगा और मन प्रसन्न रहेगा। आप अपने साथी के साथ आराम का समय बिताएंगे। आर्थिक लाभ भी अच्छा होगा और आप पार्टी के मूड में रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपके द्वारा किए गए प्रयास जीवन में अच्छी स्थितियां लाएंगे। सप्ताह के अंत में समय अनुकूल हो जाएगा।

अंक 8 (किसी भी माह की 8, 17 और 26 तारीख को जन्मे लोग)

कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी और मान-सम्मान में वृद्धि होगी। इस सप्ताह आपके लिए आर्थिक लाभ की स्थितियां बनेंगी। नई शुरुआत जीवन में सुख-समृद्धि लेकर आएगी। प्रेम संबंधों में समय रोमांटिक रहेगा। सप्ताह के अंत में धैर्य से काम लेंगे तो तरक्की मिलेगी।

अंक 9 (किसी भी माह की 9, 18 और 27 तारीख को जन्मे लोग)

गणेशजी कहते हैं कि कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी और समय आपके अनुकूल बनता जाएगा। प्रेम संबंधों में आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं और मन उदास रहेगा। इस सप्ताह आर्थिक खर्च अधिक हो सकते हैं और निवेश पर ध्यान देने की आवश्यकता है। सप्ताह के अंत में यदि आप ध्यान केंद्रित करके आगे बढ़ेंगे तो आपके जीवन में सुख-समृद्धि के शुभ संयोग बनेंगे।

52 की उम्र में एक्स बॉयफ्रेंड के लिए धड़का तब्बू का दिल ! सुपरस्टार की तस्वीर पर किया ऐसे रिएक्ट

बॉलीवुड एक्ट्रेस तब्बू 52 साल की उम्र में भी कुंवारी हैं. उन्होंने अभी तक शादी नहीं की, लेकिन कई सितारों के साथ उनका नाम जुड़ चुका है. उनसें से एक हैं नागार्जुन. बताया जाता है कि दोनों ने लगभग 10 सालों तक एक-दूसरे को डेट किया था. हाल ही में तब्बू ने नागार्जुन की एक पुरानी तस्वीर पर रिएक्ट किया है, जिसकी खूब चर्चा हो रही है.

फादर्स डे के मौके पर नागा चैतन्य ने इंस्टाग्राम हैंडल पर पिता नागार्जुन की एक पुरानी तस्वरी तस्वीर शेयर की, जिसमें दोनों नजर आ रहे हैं. दोनों सितारों ने कैमरे के सामने पोज देकर तस्वीर क्लिक करवाई है. फोटो में देखा जा सकता है कि नागार्जुन स्ट्रिप्ड शर्ट में हैंडसम लग रहे हैं. वहीं, नागा चैतन्य टी-शर्ट पहने हुए दिख रहे हैं. इस तस्वीर पर रिएक्ट करते हुए तब्बू ने ढेर सारी रेड इमोजी बनाई है.

नागार्जुन ने तब्बू को बताया अपना दोस्त

तब्बू और नागार्जुन ने कभी भी अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात नहीं की. 2017 में टाइम्स ऑफ इंडिया के साथ एक इंटरव्यू में नागार्जुन ने तब्बू को सिर्फ अपना दोस्त बताया था. उन्होंने कहा, 'तब्बू मेरी बहुत अच्छी दोस्त हैं. हमारी दोस्ती बहुत पुरानी है, जब मैं 21 या 22 साल का था और वह सिर्फ 16 साल की थीं. हमारी दोस्ती के बारे में जितना भी कहा जाए कम है. मेरे पास उनके बारे में छुपाने के लिए कुछ भी नहीं है. जब आप उनका नाम लेते हैं, तो मेरा चेहरा खिल उठता है. मेरे लिए वह एक खूबसूरत इंसान, एक खूबसूरत दोस्त हैं और वह हमेशा रहेंगी.'

दो फिल्मों में साथ किया था काम

नागार्जुन और तब्बू ने दो तेलुगु फिल्मों में साथ काम किया था जिसमें निन्ने पेल्लादाथा और आविदा माँ आविदे शामिल हैं. साल 1996 में रिलीज हुई रोमांटिक-ड्रामा फिल्म निन्ने पेल्लादाथा को नागार्जुन ने प्रोड्यूस किया था. इस फिल्म को बेस्ट फीचर तेलुगु फिल्म का नेशनल अवॉर्ड मिला था.

इस मूवी में नजर आएंगी तब्बू

बता दें कि तब्बू इन दिनों अपनी अगली फिल्म 'औरों में कहां दम था' की रिलीज का इंतजार कर रही हैं, जिसमें वह अजय देवगन के साथ नजर आएंगी. इसमें जिमी शेरगिल, शांतनु माहेश्वरी, सई मांजरेकर भी अहम किरदारों में दिखेंगे. यह एक फुल लव स्टोरी फिल्म है, जो 5 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी.

दर्शन से जुड़े मामले पर बोले किच्चा सुदीप : फैन के हत्याकांड से कन्नड़ इंडस्ट्री बदनाम, पीड़ित के परिवार को न्याय मिले

कन्नड़ एक्टर किच्चा सुदीप ने हाल ही में एक्टर दर्शन थूगुदीपा से जुड़े मर्डर केस पर बात की है। उन्होंने कहा कि पीड़ित रेनुका स्वामी की पत्नी और उनके होने वाले बच्चे को न्याय मिलना चाहिए। सुदीप ने यह भी कहा इस घटना के चलते लोग कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री पर भी सवाल उठा रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि एक बार जब अपराधी को सजा मिलेगी तो इंडस्ट्री को क्लीन चिट मिल जाएगी। सुदीप ने दर्शन का नाम लिए बिना इस पूरे मामले पर बात की है।

रेनुका स्वामी को न्याय मिलना चाहिएः किच्चा

एक इंटरव्यू में दर्शन का नाम लिए बिना सुदीप ने कहा, 'हमें सिर्फ वो पता है जो मीडिया हमें दिखा रही है क्योंकि हम जानकारी लेने के लिए पुलिस स्टेशन तो जा नहीं रहे। ऐसा लग रहा है कि पुलिस और मीडिया इस मामले का पूरा सच सामने लाने में जुटी हुई हैं और इसमें को दोराय नहीं हैं।'

सुदीप ने रेनुका स्वामी के परिवार के लिए न्याय की भी मांग की। उन्होंने कहा, 'रेनुका स्वामी जो सड़क पर मारा गया, उसे न्याय मिलना चाहिए। उसके परिवार को और उसके होने वाले बच्चे को न्याय मिलना चाहिए।

सबसे बड़ी बात यह है कि हम सभी को न्याय पर यकीन है और हमें यकीन है कि इस मामले में न्याय होगा।'

'कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री का नाम खराब हुआ है'

सुदीप का यह भी मानना है कि इस हत्याकांड और उसके बाद अभिनेता दर्शन की गिरफ्तारी से कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री का नाम खराब हुआ है।

उन्होंने कहा, 'हर कोई चाहता है कि पीड़ित परिवार के साथ न्याय हो। इस वक्त माहौल बहुत खराब हो गया है। फिल्म इंडस्ट्री को भी न्याय मिलना जरूरी है। उम्मीद है कि अपराधी को सजा मिलने के बाद इंडस्ट्री को क्लीन चिट मिल जाएगी।

इंडस्ट्री सिर्फ दो लोगों के नाम से नहीं चलती। इससे हजारों लोग जुड़े हुए हैं। अपराधी को सजा मिलने के बाद फिल्म इंडस्ट्री भी चैन की सांस ले सकेगी। एक वक्त था जब दर्शन और सुदीप बेहद करीबी दोस्त माने जाते थे।

कभी करीबी दोस्त थे सुदीप और दर्शन

बताते चलें कि कभी सुदीप और दर्शन करीबी दोस्त हुआ करते थे। दोनों अक्सर साथ स्पॉट किए जाते थे, हालांकि 2017 में किच्चा सुदीप के एक बयान से नाराज होकर दर्शन ने उनसे दोस्ती तोड़ ली थी। रिपोर्ट्स की मानें तो दोनों के झगड़े की वजह एक फिल्म थी। सुदीप की मदद से ही दर्शन को उनकी पहली फिल्म मिली थी, हालांकि जब सुदीप ने एक इंटरव्यू में इसका जिक्र किया तो दर्शन उनसे नाराज हो गए। सुदीप ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने पहली बार दर्शन को तब देखा था, जब वो एक फिल्म के सेट पर दूसरे क्रू मेंबर्स के साथ क्लैपबोर्ड लेकर खड़े थे। सुदीप ने कहा था कि उस फिल्म को छोड़ते वक्त उन्होंने मेकर्स को दर्शन को लीड रोल में कास्ट करने का सुझाव दिया था।

फैन ने की भगवान से पवन कल्याण की तुलना, तो पहली पत्नी ने लगाई लताड़-'शादी मैंने नहीं, उन्होंने तोड़ी थी'

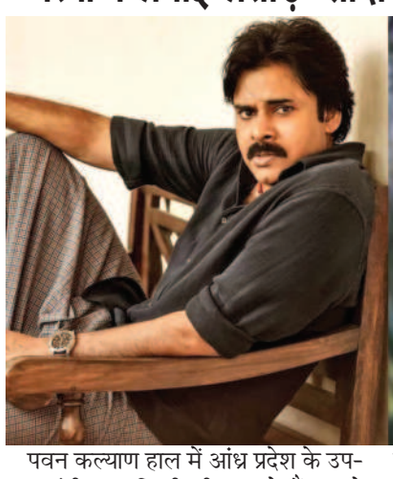

पवन कल्याण हाल में आंध्र प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री यान डिप्टी सीएम बने हैं, तबसे चर्चा में हैं. इस तेलुगु स्टार ने तीन शादियां की थी. पवन की पहली पत्नी रेणु देसाई ने हाल ही में अपने तलाक के बारे में खुलकर बात की. एक्ट्रेस रेणु और पवन की शादी 2009 में हुई थी और साल 2012 में तलाक हो गया था. इसके बाद पवन ने दो शादियां की लेकिन लोग अब रेणु के साथ पवन का नाम जोड़ते हैं. कुछ लोग अक्सर पवन कल्याण और रेणु को ट्रोल भी करते हैं. रेणु ट्रोल्स को अनदेखा कर रही थीं.

पवन कल्याण के एक फैंस अक्सर रेणु देसाई के इंस्टाग्राम पोस्ट भर-भरकर कमेंट करते हैं. कई फैन ने एक्ट्रेस पर आरोप लगाया कि उनके पास पैशंस नहीं है. हाल में पवन के एक फैन ने लिखा था,"आपको थोड़ा और धैर्य रखना चाहिए था, भाभी. आपने भगवान जैसे व्यक्ति को गलत समझा. शायद अब आपको उसकी कीमत का एहसास हो. लेकिन मुझे खुशी है कि बच्चे पवन कल्याण के साथ हैं."

रेणु देसाई ने अपना आपा खो दिया और फैन पर भड़क गईं. उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने शादी नहीं तोड़ी थी बल्कि पवन ने उन्हें छोड़ दिया था. उन्होंने जबाव में लिखा, "अगर तुम्हारे पास थोड़ी-सी भी बुद्धि होती, तो तुम ऐसी मूर्खतापूर्ण टिप्पणी नहीं करते. पवन ने ही मुझे छोड़ दिया और दूसरी शादी कर ली. प्लीज ऐसे कमेंट्स से बचें. इससे मुझे केवल दुख होता है."

पवन कल्याण और रेणु देसाई के दो बच्चे

पवन कल्याण और रेणु देसाई की शादी से दो बच्चे हैं. एक बेटा है, जिसका नाम अकीरा है, जो पिछले कुछ समय से अपने पिता के साथ है और अक्सर उनके राजनीतिक कदमों और जीत में उनका सपोर्ट करते दिखता है. बेटी का नाम आध्या है, जो इस साल की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने के लिए पवन कल्याण के साथ शामिल हुई थी.

पवन कल्याण तीसरी पत्नी अन्ना लेझनेवा के साथ रहते हैं. हालांकि, पवन से अलग होने के बाद रेणु ने दोबारा शादी नहीं करने का फैसला किया. रेणु फिल्मी दुनिया में एक्टिव हैं और आखिरी बार रवि तेजा के साथ टाइगर नागेश्वर राव में नजर आई थीं. रेणु डायरेक्टर प्रोड्यूसर भी हैं.

'कंगना बहुत अच्छी हैं, भले दूसरों के लिए मुंहफट हों' सेलिब्रिटी हेयर स्टाइलिस्ट के इस बयान पर भड़कीं एक्ट्रेस

कुछ दिन पहले सेलिब्रिटी हेयर स्टाइलिस्ट मारिया ने कंगना रनोट की तारीफ की थी। मारिया ने कहा था कि कंगना का नेचर बहुत अच्छा है। भले वे बाकी लोगों के लिए मुंहफट हों, लेकिन उनकी टीम के साथ हमेशा अच्छे से व्यवहार करती हैं। मारिया का ये बयान सोशल मीडिया पर बहुत वायरल हो रहा है।

मारिया के इस बयान पर अब खुद कंगना ने प्रतिक्रिया दी है। कंगना ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में 20 साल काम करने के बाद भी उनकी तहीकात की जाती है। उन लोगों से पूछताछ की जाती है, जिन्होंने उनके साथ काम किया है।

पहले जानिए मारिया ने कंगना के बारे में क्या था?

बॉलीवुड नाउ को दिए इंटरव्यू में मारिया ने कंगना के साथ काम करने के एक्सपीरियंस को साझा किया था। मारिया ने बताया था कि शूटिंग के वक्त जब उनकी

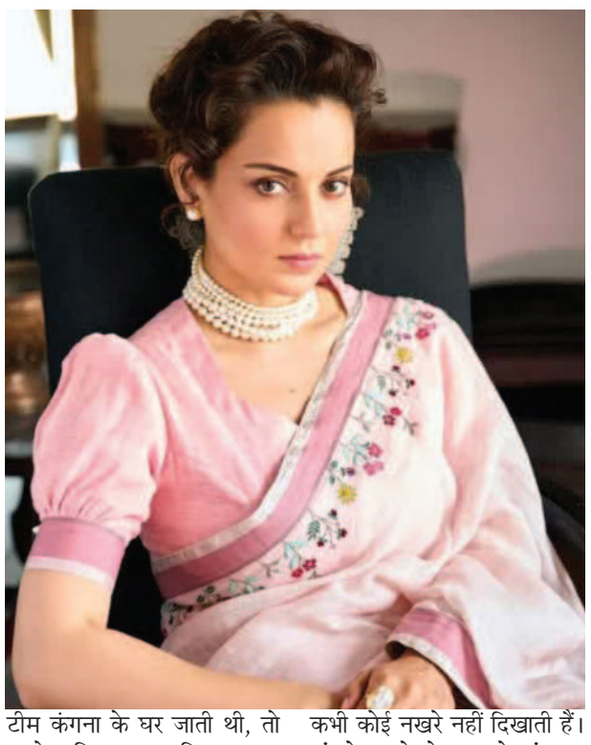

टीम कंगना के घर जाती थी, तो एक्ट्रेस बिना खाना खिलाए उन लोगों को वापस नहीं भेजती थीं।

मारिया ने आगे कहा- कंगना कभी कोई नखरे नहीं दिखाती हैं। हां वे दूसरे के सामने मुंहफट होंगी, लेकिन हमारे साथ अच्छे से व्यवहार करती हैं। वे दिल की बहुत अच्छी हैं। हमेशा कहती हैं कि मेरा काम उन्हें बहुत पसंद आता है।

अब पढ़िए मारिया के बयान पर कंगना का रिएक्शन-

कंगना ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर लिखा- मैं फिल्म इंडस्ट्री में 20 साल से हूं। इसके बाद भी लगातार मेरी जांच की जाती है। जो लोग मेरे साथ काम करते हैं और मेरी तारीफ करते हैं, उनसे अक्सर मेरी आलोचना की जाती है। उनसे मेरे बारे में असहज सवाल पूछे जाते हैं। मीडिया को मेरे साथ काम करने वाले लोगों से इस तरह की पूछताछ करना बंद करना चाहिए। प्लीज बहुत हो गया।

कंगना इन दिनों थप्पड़ कांड की वजह से भी चर्चा में हैं। बता दें, कंगना रनोट को 6 जून को चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर एक CISF महिला कॉन्स्टेबल ने थप्पड़ मार दिया था। पता चला कि वो आरोपी महिला कॉन्स्टेबल कंगना के किसान आंदोलन में दिए स्टेटमेंट से नाराज थी।

निया शर्मा ने माधुरी के गाने पर किया डांस, लोगों को रास नहीं आई सुहागन चुड़ैल, बोले- सरसों के खेत में सूखी लकड़ी

टेलीविजन जगत की बड़ी हस्तियों में से एक निया शर्मा ने हाल ही में अपने शो में बॉलीवुड थीम पर डांस किया। 'लाफ्टरशेफ' शो में हर कोई इस मौके के लिए बॉलीवुड थीम पर कपड़े पहनकर आया। निया शर्मा ने माधुरी दीक्षित की तरह कपड़े पहनने का ऑप्शन चुना। 'सुहागन चुड़ैल' एक्ट्रेस ने फेमस गाने 'धक धक करने लगा' से माधुरी के लुक को दोहराते हुए सरसों के रंग की साड़ी पहनी थी।

वह हमेशा की तरह बहुत खूबसूरत और जोशीली लग रही थीं। लेकिन उनके डांस ने फैंस का दिल जीतने के बजाय ट्रोलर्स का दिमाग खराब कर दिया।

इस बीच, निया शर्मा ने सोशल मीडिया पर 'धक-धक' की धुन पर डांस करते हुए अपना एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह अपने अपनी खूबसूरत बॉडी और स्टेप्स को दिखा रही हैं। अपनी अदाओं से

फैंस को चौंकाते हुए, निया ने खूबसूरती से डांस किया लेकिन ये उनपर उल्टा पड़ गया।

निया शर्मा का माधुरी वाला डांस

निया शर्मा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर वीडियो पोस्ट किया और उस पर परफेक्ट डांस करते हुए दिखाया गया है। चूंकि 'एक हजारों में मेरी बहना है' फेम ने ट्रैक में माधुरी जैसी ही ड्रेस पहनी थी, इसलिए सबकुछ बहुत ऑन-पॉइंट लग रहा था।

लोगों ने बेरहमी से किया ट्रोल

क्लिप शेयर करते हुए, निया शर्मा ने माधुरी दीक्षित के लिए एक प्यारा सा नोट लिखा। कैप्शन में लिखा है, 'धक धक युग...बॉलीवुड की शाश्वत सुंदरता के लिए हम आपसे प्यार करते हैं।'

निया शर्मा के अपने फीड पर वीडियो शेयर करने के तुरंत बाद, फैंस ने कमेंट सेक्शन में प्यार बरसाया। उनके एक फैन ने लिखा, 'वाह निया, आप बिल्कुल शानदार हैं।' एक ने लिखा, 'मैम, आपका फिगर कमाल का लग रहा है।' इसके अलावा, ज्यादा लोगों ने उन्हें बुरा-भला ही कहा। एक यूजर ने तो लिख दिया- सरसो के खेत में सूखी लकड़ी लग रही।

स्वरा भास्कर को नहीं मिल रहा फिल्मों में काम : बोलीं- 'बेबाकी के चलते फिल्ममेकर्स साइडलाइन करते हैं

बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर अपनी बेबाकी के चलते सुर्खियों में रहती हैं। वो किसी भी विवादित मुद्दे पर अपनी राय देने से नहीं हिचकिचाती हैं। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में खुलासा किया है कि ऐसा करने की वजह से उन्हें फिल्मों में काम नहीं मिल रहा है। उन्हें फिल्ममेकर्स और इंडस्ट्री के लोग साइडलाइन करते हैं।

स्वरा बोलीं-'नहीं कहती तो घुट-घुटकर मर जाती'

स्वरा ने कहा, 'मैं विक्टिम की तरह ये सब नहीं कहना चाहती। मैंने खुद अपने लिए ये रास्ता चुना है। मैंने फैसला किया था कि मैं हर मुद्दे पर अपनी राय रखूंगी। मैं चाहती तो चुप रहने का भी रास्ता चुन सकती थी। मुझे कोई ओपन लेटर लिखने की जरूरत नहीं थी और न ही फिल्म 'पद्मावत' के जौहर सीन पर आपत्ति दर्ज करवाने की जरूरत थी।

आप मुझसे कई सारी शिकायतें कर सकते हैं। आप मुझे नापसंद कर सकते हैं। मुझे लगता है कि जो लोग मुझसे नफरत करते हैं वो भी ये नहीं कह सकते कि मैं झूठी या फेक हूं। मेरी राय अलग-अलग लोगों के सामने भी बदलती नहीं है। मैं सबके सामने एक जैसी ही हूं। अगर मैं ये सब नहीं कहती तो घुट-घुटकर मर जाती।'स्वरा भास्कर 'तनु वेड्स मनु', 'रांझणा' और 'वीरे दी वेडिंग' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

मुझे बेबाकी का खामियाजा भुगतना पड़ाः स्वरा

स्वरा ने आगे कहा, 'अपनी बेबाकी का मुझे खामियाजा भी भुगतना पड़ा। बेटी राबिया के जन्म से पहले एक्टिंग मेरे लिए मेरा सबसे बड़ा पैशन और प्यार था। मुझे एक्टिंग से प्यार था। मैं कई रोल्स और एक्टिंग असाइनमेंट्स करना चाहती थी लेकिन मुझे उतने मौके नहीं मिले जितने मैं चाहती थी।

मुझे विवादित एक्ट्रेस का टैग दिया गया। डायरेक्टर, प्रोड्यूसर्स और डिस्ट्रीब्यूटर्स मेरे बारे में गलत बातें बोलने लगे। आपकी एक इमेज बन जाती है। मुझे इससे फर्क नहीं पड़ता क्योंकि मैंने इसके बीच जीना सीख लिया है लेकिन मुझे एक बात बहुत दुखी करती है और वो ये है कि इसकी वजह से मुझे एक्टिंग करने को नहीं मिल रही।'

पति ने कहा, 'अब चुप हो जाओ और एक्टिंग करो'

स्वरा ने पति फहाद अहमद से जुड़ा एक किस्सा शेयर करते हुए कहा, 'मेरी पिछली फिल्म 'जहां चार यार' की स्क्रीनिंग पर फहाद भी गए थे। वो फिल्म बहुत ज्यादा चली नहीं थी पर मैंने बहुत मेहनत की थी।

स्क्रीनिंग के बाद फहाद मेरे पास आए और कहा, 'तुमने सच में बहुत बड़ा सैक्रिफाइज किया है मानना पड़ेगा। तुम इतनी अच्छी एक्ट्रेस हो। तुम्हें और काम करना चाहिए था। अब तुम चुप हो जाओ और फिल्में करो।'

बेटी राबिया के साथ फहाद और स्वरा।

2023 में हुई थी फहाद-स्वरा की शादी

स्वरा ने 2023 में समाजवादी पार्टी के नेता फहाद अहमद से शादी की थी। 23 सितंबर 2023 को स्वरा ने एक बेटी को जन्म दिया था जिसका नाम राबिया है। शादी के बाद से ही स्वरा फिल्मों से दूर हैं और बेटी की परवरिश में बिजी हैं।

आयशा खान को यूजर ने भेजे गंदे मैसेज, देख एक्ट्रेस को आया गुस्सा

'बिग बॉस 17' की फेम आयशा खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर कर फैंस का मनोरंजन करती रहती हैं. हालांकि उन्होंने इस बार अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक सख्स की फोटो शेयर कर उनकी जमकर खिंचाई कीं. इसके साथ ही ऐसे को लोग को दुनिया का सबसे बेहुदा इंसान कहा है.उन्होंने ये भी कहा कि ऐसी घटनाओं के खिलाफ बोले बिना समाज बदलाव और प्रगति की ओर नहीं बढ़ सकेगा.

आयशा खान ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक यूजर से मिले टेक्स्ट का स्क्रीनशॉट शेयर किया है. यूजर के मैसेज में बिग बॉस 17 फेम से जुड़ी कुछ गंदे और बेहद अश्लील स्थिति का जिक्र किया था. उसके मैसेज को पढ़ कर मानों आयशा के परों तले जमीन ही खिसक गई हो. उन्होंने उस यूजर को सोशल मीडिया पर लताड़ लगाना शुरू कर दिया.

आयशा खान स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, "अब समय आ गया है कि हम इन लोगों के नाम को शर्मसार होने से बचाएं!! वे हमारे आस-पास ही हैं, बस हमें नहीं पता कि जब कोई उन्हें नहीं देख रहा होता है, तो वे महिलाओं के बारे में क्या सोचते हैं. आश्चर्य है कि उनके परिवार की महिलाएं उनके आस-पास कैसे सुरक्षित हैं."

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने आगे कहा, "ऐसे कैसे चलेगा. आप जो मन में आएगा कह देंगे, सिर्फ इसलिए कि आप जानते हैं, कोई इस ओर इशारा नहीं करने वाला है, कोई नहीं जानने वाला है कि आपने किसे क्या मैसेज किया? मुझे पता है कि कब मेरे चाहने वाले मुझसे कहेंगे कि इन जैसे खौफनाक लोगों पर ध्यान न दें? लेकिन हम बोलेंगे नहीं तो बदलाव कैसे आएगा?" इसके अलावा, आयशा खान ने नेटिजन से अपने विचारों से बेहतर सपने देखने के लिए कहा और कहा कि यह बहाना न बनाएं कि अकाउंट हैक हो गया था.

जहीर इकबाल के परिवार संग दिखीं सोनाक्षी सिन्हा शादी की खबरों के बीच होने वाली ननद ने शेयर किया फोटो

23 जून को सोनाक्षी सिन्हा अपने लॉन्ग टाइम पार्टनर जहीर इकबाल से शादी करने जा रही हैं। इसी बीच एक्ट्रेस जहीर और उनके फैमिली मेंबर्स के साथ स्पॉट हुई हैं। जहीर की बहन और सेलिब्रिटी स्टाइलिस्ट सनम रत्नसी ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक फोटो शेयर किया है। इस फोटो में सोनाक्षी अपनी होने वाली सास, ससुर और ननद के साथ नजर आ रही हैं।

इस तस्वीर को शेयर करते हुए सनम ने हार्ट इमोज बनाया है। इस तस्वीर को सनम के भाई जहीर ने भी री-पोस्ट किया। बताते चलें कि सनम ने वेब सीरीज 'हीरामंडी' के लिए सोनाक्षी की स्टाइलिंग की थी।

सलमान के करीब है जहीर का परिवार

जहीर के परिवार की बात करें तो उनके पिता इकबाल ज्वैलर और बिजनेसमैन हैं। वहीं एक्टर की मां होम मेकर हैं। जहीर का एक छोटा भाई भी है जो कंप्यूटर इंजीनयर है। एक्टर का परिवार सलमान खान के बेहद करीब है।

फादर्स डे पर सोनाक्षी ने किया पिता को विश

इसके अलावा रविवार को सोनाक्षी ने पिता शत्रुघ्न सिन्हा के साथ एक फोटो शेयर करते हुए उन्हें फादर्स डे विश किया। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर यह फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'हैप्पी फादर्स डे, आप मेरी ताकत हो..।'फादर्स डे पर सोनाक्षी ने पिता के साथ यह फोटो शेयर किया।

23 जून की सुबह रजिस्टर्ड मैरिज, शाम में पार्टी

सोनाक्षी और जहीर 23 जून को रजिस्टर्ड मैरिज करेंगे। इसी दिन शाम को मुंबई स्थित बैस्टियन रेस्त्रां में दोनों ग्रैंड रिसेप्शन पार्टी देंगे।

सोनाक्षी का वेडिंग कार्ड, जो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।

वर्कफ्रंट पर सोनाक्षी ने अपने करियर की शुरुआत 2010 में सलमान की फिल्म 'दबंग' से की थी। वो अब तक 'राउडी राठौर', 'लुटेरा', 'हॉलिडे', 'कलंक', 'दबंग 3' और 'डबल एक्सएल' समेत कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

वेट लॉस और फैट लॉस में अंतर जान लो?

जल्दबाजी चक्कर में मसल्स की बैंड न बज जाए

अधिकतर लोगों को केवल वेट लॉस के बारे में पता होता है, लेकिन मसल्स लॉस के बारे में अधिकतर लोगों को जानकारी नहीं रहती है। मसल्स लॉस और फैट लॉस में महत्वपूर्ण अंतर होता है। जब फिटनेस की बात सामने आती है तो हम दो बातों पर ही जोर देते हैं। पहला वेट लॉस और दूसरा डाइट। मसल्स लॉस के बारे में ज्यादातर लोगों को जानकारी नहीं होती। मसल्स लॉस और फैट लॉस में बहुत अंतर होता है। जब मोटापे की बात की जाती है तो फैट लॉस की सलाह दी जाती है।

फैट लॉस शरीर को फिट बना सकता है लेकिन मसल्स लॉस अच्छा संकेत नहीं होता है। शरीर का फैट कम करने के लिए कैलोरी डेफिसिट की जरूरत पड़ती है। जब ऐसा नहीं होता है तो आपका शरीर मसल्स को बर्न कर देता है और उसे एनर्जी देता है। इस तरह धीरे-धीरे मसल्स लॉस शुरू हो जाता है।

मसल्स लॉस और फैट लॉस में अंतर

फैट लॉस का मतलब शरीर में जमा अतिरिक्त फैट को कम करना है। फैट मसल्स के चारों ओर एक परत के रूप में जमा होता है और इसे कम करने से शरीर का वजन घटता है। लेकिन मसल्स लॉस का मतलब मांसपेशियों का घट जाना है। मसल्स हमारे शरीर की ताकत और स्थिरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। मसल्स लॉस का होना हमारे सेहत के लिए अच्छा नहीं है।

वेट लॉस से क्या मतलब है ?

वेट लॉस से मतलब फैट लॉस से है। फैट को कम करने के लिए कैलोरी की मात्रा को कम करना पड़ता है। अगर आप फैट कम कर रहे हैं तो हो सकता है कि आपकी मसल्स को जरूरत के हिसाब से कैलोरी न मिल रही हो। इस बात को लेकर लोगों के मन में शंका रहती है कि क्या एक ही समय में फैट लॉस और मसल्स गेन किया जा सकता है ।

मसल्स लॉस कैसे होता है ?

जब वजन घटाने के लिए कैलोरी डेफिसिट में जाते हैं, यानी जब शरीर में कैलोरी की कमी हो जाती है और शरीर को आवश्यक ऊर्जा प्राप्त नहीं होती है, तो शरीर मसल्स को बर्न करके ऊर्जा प्राप्त करता है। इससे मसल्स लॉस शुरू हो जाता है।

समझ नहीं आ रहा अस्थमा से पीड़ित बच्चों का कैसे रखें ध्यान?

अस्थमा एक सांस संबंधी बीमारी है और इसके मरीजों में यह समस्या कभी भी ट्रिगर हो सकती है। इसलिए अस्थमा के मरीजों को इसको ट्रिगर होने से रोकने के लिए अपनी लाइफस्टाइल और दवाओं को पर खास ध्यान देना चाहिए। इस आर्टिकल में जानेंगे कुछ स्ट्रेटेजी के बारे में, जिससे अस्थमा को कंट्रोल किया जा सकता है।

अस्थमा की बीमारी में श्वास नलिकाओं में सूजन और संकुचन होने के कारण सांस लेने में कठिनाई होती है। ब्रोंकाइटिस में आई सूजन की वजह से मांसपेशियों के बीच से हवा पास होने में परेशानी होती है और घरघराहट की आवाज आती है।

अस्थमा के मरीज में सांस की तकलीफ के साथ सीने में जकड़न और खांसी भी होती है। अस्थमा के मरीज में अस्थमा की समस्या कभी भी ट्रिगर कर सकती है। इस बीमारी का कोई इलाज नहीं है, लेकिन जीवनशैली में कुछ

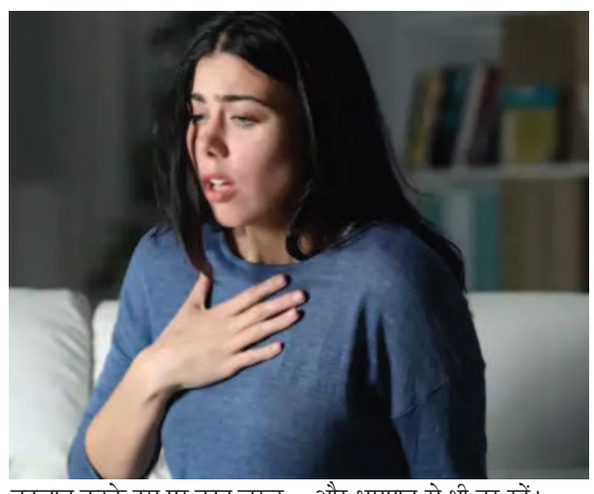

बदलाव करके इस पर काबू जरूर पा सकते हैं।

अस्थमा को ट्रिगर करने वाली चीजों से बचें

अस्थमा से बचाव के लिए आपको इसे ट्रिगर करने वाली चीजों से बचना चाहिए, खासतौर पर ज्यादा तेज धूप, एलर्जी का कारण बनने वाले कण, धूल, जानवरों के संपर्क में आने से बचना चाहिए। बैक्टीरिया, प्रदूषण और धूम्रपान से भी दूर रहें।

डायरेक्ट एसी के सामने न रहें

अगर आप अस्थमा के मरीज हैं तो डायरेक्ट एयर कंडीशनर के सामने न बैठें या सोएं। ठंडी हवा में मास्क पहनें ताकि ठंडी हवा सीधे श्वास नलिकाओं में न जाए।

दमा से जुड़े मिथकों की सच्चाई

Asthma सिर्फ बच्चों को होता है? एक्सपर्ट से जानिए दमा से जुड़े मिथकों की सच्चाई

दवाइयों में लापरवाही न करें

डॉक्टर द्वारा दिए गए इनहेलर का नियमित उपयोग करें। यह ब्रोंकोडाइलेटर और स्टेरॉयड इनहेलर हो सकते हैं। अस्थमा के अटैक से बचने के लिए दवाइयां समय पर खाएं। इसके अलावा इमरजेंसी स्थिति के लिए हमेशा रिलीवर इनहेलर अपने पास रखें और लक्षण बढ़ने पर तुरंत इसका उपयोग करें।

नियमित व्यायाम बेहद जरूरी है

डॉक्टर से सलाह लेकर नियमित व्यायाम करें।ब्रिदींग एक्सरसाइज करें। कुछ योग अस्थमा के मरीजों को काफी आराम देते हैं। स्वस्थ वजन बनाए रखें क्योंकि मोटापा अस्थमा को बढ़ा सकता है।

डाइट में गड़बड़ी न होने दे

अस्थमा के मरीज अपनी डाइट में पोषण से भरपूर डाइट लें। खाने में ठंडी चीजें, ठंडे तासीर वाले फल और ठंडे ड्रिंक के अधिक सेवन से बचें।

औषधीय गुणों से भरा है पीपल, बॉडी को डिटॉक्स करने से लेकर तनाव तक को करता है दूर!

पीपल का पेड़ औषधीय गुणों से भरा है. इसके पत्तों में ग्लूकोज, फेनोलिक, मेनोस समेत कई प्रकार के पोषक तत्व पाये जाते हैं. वहीं इसकी छाल में विटामिन भरपूर मात्रा में पाया जाते हैं. एंटीऑक्सिडेंट गुण के चलते पीपल फटी एड़ियों से लेकर मौखिक स्वास्थ्य तक विभिन्न परेशानी में काम आने वाली औषधि है.

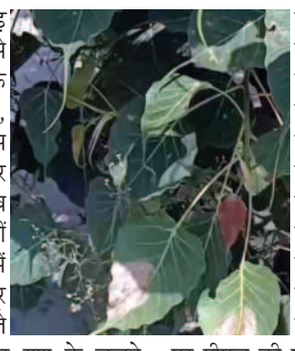

अनेकों फायदे देती हैं पीपल की पत्तियां

एक सप्ताह में आप 5 से 6 पीपल की पत्तियों को चबाकर खा सकते हैं. वहीं एक गिलास जूस आप एक सप्ताह में एक बार पी सकते हैं. अगर आपको किसी प्रकार की एलर्जी या कोई अन्य रोग है, तो चिकित्सक की सलाह के बाद ही इसका सेवन करें. पीपल का पेड़ दांतों के लिए भी बहुत उपयोगी है. मुंह की दुर्गंध से लेकर दांतों की चमक तक पीपल के पत्तों से तैयार होने वाला तेल हर जगह कारगर साबित होती है.

फटी एड़ियों को करें इसके लेप से ठीक

गर्मी के मौसम में कई बार स्लीपर्स न पहनने के कारण हमारी एड़ियां फट जाती है, जिनमें मौसम बदलने के साथ ही दर्द और रूखापन महसूस होने लगता है। अगर आपकी एड़ियां भी फट रही हैं और उसमें से खून बह रहा है यां फिर दर्द हो रहा है, तो आप क्रैक हील्स पर पीपल की पत्तियों के पेस्ट को गुलाब जल में मिलाकर लगाएं, ताकि आपकी एड़ियां जल्द स्वस्थ हो जाए.

तनाव से मुक्ति के लिए

पीपल की पत्तियां एंटी आक्सिडेंटस से भरपूर होती है. अगर आप इन्हें सप्ताह में एक से दो बार चबाते है, तो इससे न केवल आपको तनाव से मुक्ति मिलेगी बल्कि एंटी एजिंग की समस्या भी अपने आप हल हो जाएगी.

शरीर को करें डिटॉक्स

पीपल के पत्तों को उबालकर पानी पीने से शरीर डिटॉक्स हो जाता है और शरीर में जमी गंदगी बाहर आ जाती है। इसे बनाने के लिए पीपल के दो से तीन पत्तों को 250 ग्राम पानी में उबालें और फिर जब वो आधा रह जाए, तो उसे छानकर पी लें. इसे पीने से पहले डॉक्टरी सलाह लेनी बेहद ज़रूरी है.

सप्ताह में कितने दिन जिम जाना फायदेमंद? रोज करेंगे एक्सरसाइज तो क्या होगा

अच्छी बॉडी और बेहतरीन फिटनेस की चाहत लोगों को जिम की तरफ खींचती है. आज के समय में बड़ी संख्या में लोग जिम में जाकर वर्कआउट करते हुए देखे जा सकते हैं. युवा ही नहीं, बल्कि मिडिल एज और सीनियर सिटीजंस के बीच भी जिम का क्रेज तेजी से बढ़ रहा है. कई लोग प्रतिदिन समय से जिम जाते हैं और एक भी दिन गैप नहीं करते हैं. हालांकि कई लोग सप्ताह में 3-4 दिन ही जिम जाते हैं. ऐसे में लोगों के बीच इसे लेकर कंफ्यूजन की स्थिति है कि एक सप्ताह में कितने दिन जिम जाना सेहत के लिए फायदेमंद है.

जो लोग अपनी फिटनेस को अच्छा बनाए रखने के लिए जिम आते हैं, उनके लिए वीक में 3 से 5 दिन वर्कआउट करना अच्छा माना जाता है. अगर कोई व्यक्ति हेल्दी है और सप्ताह में सिर्फ 2 दिन जिम आ रहा है, तब भी इसे सेहत के लिए फायदेमंद माना जा सकता है. जिम में रोजाना वर्कआउट करने की सलाह नहीं दी जाती है, क्योंकि रोज एक्सरसाइज करने से शरीर को आराम नहीं मिल पाएगा और ओवरट्रेनिंग हो जाएगी. इससे मसल्स में खिंचाव और थकान समेत कई परेशानियां हो सकती हैं. इसलिए आराम भी बेहद जरूरी है.

जो लोग एथलीट होते हैं या स्पोर्ट्स में होते हैं, उन लोगों को सप्ताह में 6 दिन एक्सरसाइज करनी चाहिए. ऐसे लोगों के लिए 1 दिन का आराम पर्याप्त माना जाता है. नॉर्मल लोगों को सप्ताह में कम से एक 2 दिन आराम करना चाहिए और 4-5 दिन ही एक्सरसाइज करनी चाहिए.

जिम में जाकर पहले दिन ज्यादा एक्सरसाइज करने पर हाथ-पैरों में दर्द क्यों होता है? इस पर फिटनेस ट्रेनर ने बताया कि सभी लोगों को जिम शुरू करने के बाद सबसे पहले मोबिलिटी, स्ट्रेचिंग और वॉर्मअप करना चाहिए. इसके बाद ही कार्डियो और वेट ट्रेनिंग शुरू करनी चाहिए. अचानक जिम में जाकर हैवी एक्सरसाइज करने से हमारे जॉइंट्स और मसल्स पर ज्यादा दबाव पड़ता है, जिससे हाथ-पैरों में दर्द होने लगता है. इस समस्या से बचने के लिए धीरे-धीरे एक्सरसाइज शुरू करनी चाहिए.

बचा हुआ खाना ऐसे करें दोबारा गर्म, नहीं बनेगा जहर डब्ल्यूएचओ ने बताया री हीट करने का प्रॉपर तरीका

आपने कई बार लोगों को कहते सुना होगा कि खाने को दोबारा गर्म करने से यह जहर बन जाता है। लेकिन डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, खाने को एक बार गर्म करना पूरी तरह से सेफ है, बशर्ते इसे सही तरह से गर्म किया जाए।

क्या आप भी बचे हुए खाने को दोबारा गर्म करते हैं। हिंदू शास्त्रों के अनुसार, खाने का अपमान नहीं करना चाहिए। इसलिए ज्यादातर लोग बचे हुए खाने को गर्म करके दोबारा खा लेते हैं। वहीं कुछ लोग बाहर रखे खाने को बिना गर्म किए ही खाना पसंद करते हैं। कई लोगों का मानना है कि पका हुआ खाना अगर दोबारा गर्म किया जाए, तो यह जहर बन जाता है।

डब्ल्यूएचओ के अनुसार, पके हुए भोजन को आप तुरंत नहीं खाते, तो इसे रीहीट यानी दोबारा गर्म करना सबसे अच्छा तरीका

है। लेकिन ऐसा खाना तभी सुरक्षित है, जब इसे प्रॉपर तरीके से गर्म किया जाए। अगर आपको भी खाने को दोबारा गर्म करके खाने की आदत है, तो इसका सही तरीका जरूर जान लीजिए। इससे खाना सेफ और हेल्दी बना रहेगा।

भोजन को दोबारा गर्म करने के नुकसान

अगर भोजन को एक से ज्यादा बार गर्म किया जाए, तो यह ठीक से पच नहीं पाता। खासतौर से प्रोटीन से भरपूर फूड जैसे चिकन और अंडों को दोबारा गर्म करने से प्रोटीन की संरचना में बदलाव हो जाते हैं। जिसे प्रोटीन डीनेचुरेशन कहते हैं। इस प्रोसेस के बाद मौजूद पोषक तत्वों की मात्रा भी कम हो जाती है।

चावल और पास्ता जैसे फूड्स को पकाने के कुछ देर बाद इसमें बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। दोबारा गर्म करने के बाद ये बैक्टीरिया नष्ट नहीं होते और फूड बोर्न डिजीज का खतरा बढ़ जाता है।

अगर आप आलू या ब्रेड से बने किसी भी फूड आइटम को फिर से गर्म करते हैं, तो एक्रीमालाइड बनता है। यह कंपाउंड आपको जाने अनजान में कैंसर का शिकार बना सकता है।

तेल में फ्राई किए गए फूड आइटम जैसे पकौड़े या पूरी को बार-बार गर्म किया जाए,तो ये अपनी बनावट, स्वाद और कुरकुरापन खो देते हैं।

डब्ल्यूएचओ ने बताया कैसे दोबारा गर्म करें खाना

डब्ल्यूएचओ कहता है कि किसी भी फूड को कम से कम 70 डिग्री सेल्सियस पर रीहीट कर सकते हैं। ऐसा करने से इसमें पनपने वाले बैक्टीरिया को मारने में मदद मिलती है। लेकिन यह प्रोसेस केवल एक बार ही करनी चाहिए। क्योंकि बार-बार गर्म करने से आपको फूड क्वालिटी और इसकी सुरक्षा से समझौता करना पड़ सकता है।

दिमाग को कंप्यूटर जैसा बनाने के लिए टिप्स

ब्रेन पूरे शरीर को कंट्रोल करता है। इसलिए इसकी हेल्थ दुरुस्त रखना ज़रूरी है। हेल्दी ब्रेन के लिए नींद के साथ-साथ और किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? वे कौन-कौन से तरीके हैं जिनसे हमारे दिमाग की सेहत अच्छी रहेगी?

सुनना, देखना, देखकर समझना, चलना, फिरना, सोचना, ऐसे तमाम काम हमारा दिमाग करता है। कब क्या बोलना है, कितना बोलना है, क्या नहीं बोलना, इन सभी बातों का फैसला भी दिमाग ही करता है। कई बार हम छोटी-छोटी बातों पर भी बड़ा रीऐक्शन देने लगते हैं। सड़क पर ज़रा-सी बात पर हम गाली-गलौज पर उतारू हो जाते हैं। इसी तरह घर में भी कई बातों पर ओवर रीऐक्ट करने लगते हैं।

इससे हर कोई तनाव में रहने लगता है। ऐसा अक्सर तब होता है जब किसी वजह से हमारे दिमाग का रिदम कुछ बिगड़ता है। सामान्य शब्दों में कहें तो हमारा दिमाग कूल नहीं रहता। ऐसा न हो, इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखना ज़रूरी है। इनसे न सिर्फ हमारी ज़िंदगी पटरी पर रहेगी बल्कि हमारी सोचने की शक्ति, तार्किक शक्ति, फैसला लेने की क्षमता, सभी में इज़ाफा होगा।

हल्दी और अदरक

इन दोनों को अपने खाने का हिस्सा ज़रूर बनाएं। खासकर हर दिन 1 से 2 ग्राम (1 से 2 चुटकी) हल्दी दिमाग के लिए अच्छी है। इससे ज्यादा की ज़रूरत नहीं। वहीं अदरक खाने से भी हमारे दिमाग को काफी फायदा होता है। हालांकि अदरक का सेवन सर्दी में ज्यादा और गर्मी में कुछ कम होना चाहिए। इनकी जितनी मात्रा हमें हर दिन चाहिए, वह हमारे घरों में मसालों से मिल जाता है।

नॉनवेज़

इससे जितनी दूरी रखेंगे, उतना फायदा होगा। वैसे भी नॉनवेज़ खाकर हम कुदरत पर अतिरिक्त बोझ ही डालते हैं। खासकर रेड मीट खाने से बचना चाहिए। अगर मन न माने तो महीने, दो महीने में एक बार खा सकते हैं।

तेल और घी

सरसों, कनोला का तेल बढ़िया: ये पॉलिअनसेचुरैटिड फैट(फूफ़ा) हैं। ये दिमाग के लिए भी बढ़िया हैं। इन्हें खाने में शामिल करना चाहिए।

घी: देसी घी की कुछ मात्रा यानी आधा चम्मच हर दिन ले सकते हैं।

हरी पत्तेदार सब्जियां

ये सेहत के लिए अच्छी हैं, लेकिन इन्हें सही तरीके से साफ करना बेहद ज़रूरी है। हरी सब्जियों में टेपवर्म के अंडे की मौजूदगी हो सकती है। इस वजह से इन्फेक्शन हो जाता है। यह इन्फेक्शन जब दिमाग तक पहुंच जाता है तो बेहोशी भी आ सकती है। इसलिए पत्तेदार सब्जियों को अच्छी तरह से साफ करके और पकाकर खाएं तो बेहतर है।

चीनी की जगह गुड़ बेहतर

चीनी एडिक्शन पैदा करती है। इसकी सफाई में केमिकल इस्तेमाल होता है। ज्यादा शुगर लेने से कैंसर का रिस्क भी बढ़ जाता है। इसलिए इससे दूरी बनाएं। इसकी जगह गुड़ बेहतर है। कुछ मात्रा में मीठा लेना ही हो तो इन्हें ले सकते हैं। दिन के 2 बजे के बाद कॉफी या चाय न लें। इनमें कैफीन होता है जो हमारी नींद भगाता है।

नींद पूरी करें

हर दिन यानी 24 घंटे में 7 से 8 घंटे की नींद बेहद ज़रूरी है। दरअसल, हम बाकी 16 से 17 घंटे में जो भी काम करते हैं, वह नींद के दौरान ही हमारी मेमरी के रूप में सेव होता है। यही कारण है कि जब किसी की नींद खराब होती है तो उसकी मेमरी भी डिस्टर्ब हो जाती है। कई लोगों को जॉब या दूसरी वजहों से अगर रात 9 बजे से सुबह 4-5 बजे के बीच सोना मुमकिन न हो तो बाद में लगातार 7 से 8 घंटे तक सोकर अपनी नींद पूरी कर लेनी चाहिए।

स्ट्रेस है नींद का दुश्मन

नींद आने में परेशानी की सबसे बड़ी वजह है तनाव। वैसे ज़िंदगी के लिए कुछ स्ट्रेस ज़रूरी है, लेकिन जब इससे रोजमर्रा का रुटीन बिगड़ने लगे, तब हल ज़रूर खोजना चाहिए। ध्यान करने से तनाव कम होता है। अपनी सांसों को आते-जाते महसूस करना। ध्यान के दौरान अपने विचारों को अलग होकर देखना।

स्ट्रेस की कई वजह से नहीं आती नींद

लेबलिंग: अगर किसी शख्स को किसी खास हालात में गुस्सा आया हो तो हम यह कहने लगते हैं कि वह शख्स गुस्सैल है जबकि वह किसी खास स्थिति में ही आगबबूला हुआ था। इससे लोगों को स्ट्रेस होता है।

पित्ताशय में पथरी बाहर निकाली जा सकती हैं?

प्रश्न : मेरी उम्र 40 वर्ष है। एक दिन पेट के सीधे ऊपर में बेहद तेज दर्द उठा। अल्ट्रासाउंड से पता चला कि पित्ताशय में पथरी है । क्या यह मूत्र मार्ग से बाहर निकाली जा सकती हैं? सुझाव देवें।

- जय प्रभाकर राव, करीमनगर

उत्तर : पित्ताश्मरी यानी गाल ब्लैडर स्टोन और वृक्काश्मरी यानी किडनी स्टोन दोनों अलग-अलग प्रकार के स्टोन है। एक कोलेस्ट्रॉल की अधिकता से यकृत के पित्ताशय की थैली में बनता है, जिसकी ओपनिंग छोटी आंत के डिओडीनम में है। तो दूसरा गुर्दे के किसी भाग या यूरेटर या यूरिनरी ब्लैडर(मूत्राशय) में बनता है। ज्यादातर यूरिनरी कैलकुलस आयुर्वेदिक दवाओं के प्रयोग से आसानी से मूत्र मार्ग से निकाले जा सकते हैं। पित्ताशय की पथरी का मूत्राश्मरी से कोई संबंध नहीं है। पित्ताश्मरी को निकालने के लिए केवल शल्य चिकित्सा ही उपयोगी है। अतः आप कोई भी दवा के चक्कर में ना पड़कर अच्छे शल्य चिकित्सक (गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जन) से संपर्क कर अपनी शल्य क्रिया करवाएं।

प्रश्न : हर बार मौसम बदलते ही छींके आने लगती है, आंखों में खुजली, नाक बहने से लेकर बुखार परेशान करने लगता है। क्या ऐसी स्थितियों का आयुर्वेद में उपचार है? कृपया कर बताएं।

- रितेश सोनी, सिकंदराबाद

उत्तर : ऋतु परिवर्तन के समय होने वाली छींके, धूल, परागकणों या पत्तों की धूल हो- कई व्यक्तियों में ये अनूर्जता उत्पन्न करते हैं। इसे ही एलर्जी कहते हैं। इसमें कष्टप्रद नाक बहने से लेकर खांसी, छींके, आंखों में खुजली जैसे अनूर्जताजन्य हमले शामिल है। ऐ से

में अंग्रेजी एंटीएलर्जीक्स और हिस्टामाईन्स शरीर में उनींदापन, सिर चकराना, बेहद कमजोरी जैसी कष्ट कारक स्थितियां पैदा करती है। पर आयुर्वेद में इसका सफल उपचार है । और खास बात यह है कि इसके पार्श्वप्रभाव बिल्कुल नहीं है । एकौषधि प्रयोग में हरिद्रा (हल्दी) सर्वोपरि है। इसके अलावा सप्तपर्ण, नीम, उशीर, बाकुची, विभितकी, विडंग, गुडूची और अर्जुन में अनूर्जतानाशक गुण मिलते हैं। ऐसी स्थितियों में शास्त्रीय योग हरिद्राखंड उपयोगी है। औरा का एलेक्झी टेबलेट हर प्रकार की एलर्जी में बहुत उपयोगी सिद्ध हुआ है। बड़ों को दो-दो गोली दिन में तीन बार और बच्चों में एलेक्झी सायरप 5 से 7.5 मिलीलीटर की मात्रा में दिन में तीन बार प्र यो ग करने से एलर्जी तो दूर होती ही है साथ ही रोगी की रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ती है। इसका दीर्घकाल तक प्रयोग रोग का समूल नाश करने में सक्षम है।

प्रश्न : मेरी उम्र 50 वर्ष है। पिछले 6 महीनों से चलने पर श्वास भरता है, छाती में भारीपन रहता है, थोड़ा वजन भी बढ़ गया है। उचित परामर्श दें।

- वेंकट रेड्डी, नलगोंडा

उत्तर : वजन बढ़ने पर शरीर में ऐसे लक्षणों का आना आम बात है। इनको अभी से नियंत्रित करने पर आप भविष्य में हृदय रोग से अपना बचाव कर सकते हैं। शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ने पर श्वास में उठाव, छाती में भारीपन, शूल, वजन का बढ़ना संभव है। अतः आप लैपिड प्रोफाइल टेस्ट करवा लें। तेल-घी की मिठाइयां, तले पदार्थ व गरिष्ठ भोजन करना बंद करें। भोजन के पहले ऊंझा मेदोहर गुग्गुलु व कोलेस्ट्रोजिन टिकिया गुनगुने पानी से लेवें। भोजन के बाद नागार्जुनाभ्र रस, अर्जुन टिकिया लेवें भोजन करने के बाद ही ऊंझा अर्जुनारिष्ट 15 मिलीलीटर की मात्रा में दोगुने गुनगुने पानी में मिलाकर सेवन करें।

नित्य व्यायाम क रें । हर रोज सु ब ह पै द ल चलने की आदत डालें। भरपेट भोजन करने की आदत बदलें। धीरे-धीरे सारे लक्षणों से आपको मुक्ति मिलेगी।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

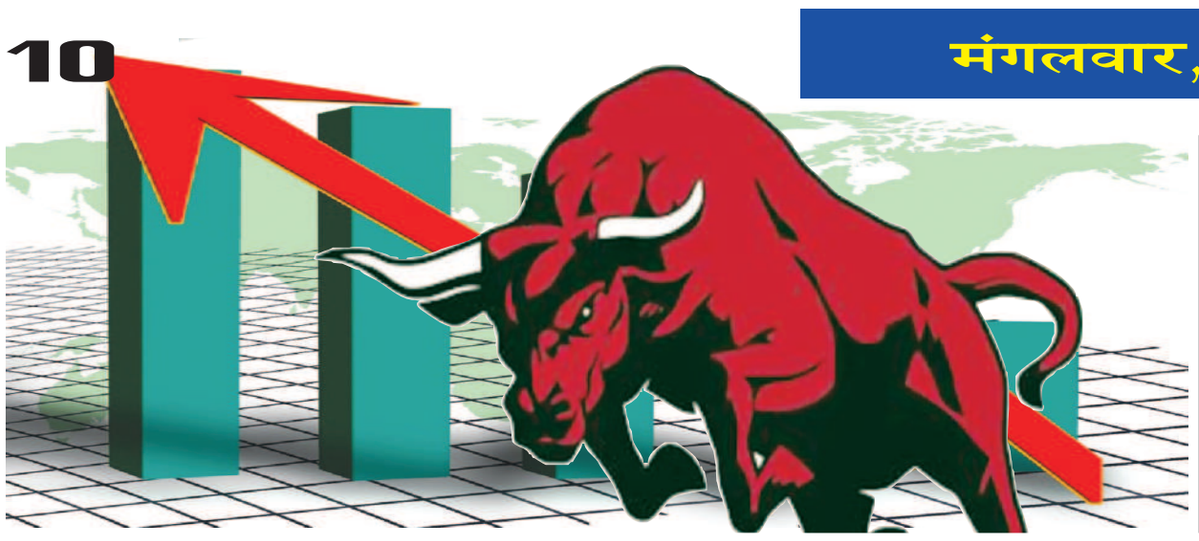

5 लाख में टिकट खरीदा, सीट जाम, खाना खराब, इंटरटेनमेंट सिस्टम खराब

तिस पर सूटकेस तोड़ दिया!

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। जब हवाई यात्रा व लंबी हो तो लोग सुकूनदेह यात्रा करना चाहते हैं। सुकून के लिए कुछ यात्री बिजनस क्लास का टिकट खरीदते हैं। इस क्लास में पैसे तो इकॉनोमी से करीब तीन गुना ज्यादा लगता है। लेकिन सफर में आराम खूब रहता है। इस क्लास को विलासिता या लग्जरी से भी जोड़ा जाता है। बिजनस क्लास की सीटें खोल लें तो वह फाइव स्टार होटल का बिस्तर बन जाता है। इस क्लास के खानपान की तो बात ही न पूछें। आसमान में शानदार मेहमानवाजी। लेकिन विनीत के लिए एयर इंडिया की दिल्ली से न्यूयार्क की फ्लाइट में जो अनुभव हुआ, उससे वह उबर ही नहीं पा रहे है। उनका दर्द सोशल मीडिया पर छलका।

विनीत ने पिछले दिनों ऑफिस के काम से एयर इंडिया के दिल्ली से न्यूयार्क की बिजनस क्लास में यात्रा की। इस रूट पर रिटर्न टिकट के लिए उन्होंने पांच लाख रुपये खर्चे। लेकिन उनकी यात्रा तो किसी बुरे सपने में तब्दील हो गया। इसके बाद उन्होंने ट्वीटर या एक्स प्लेटफार्म पर पोस्ट की झड़ी लगा दी। वह अपने पोस्ट का शीर्षक दिया है खौफनाक कहानी . इसे 15 जून को रात में 9.22 बजे पोस्ट किया गया। इसे सोमवार को सुबह सवा नौ बजते तक 727.4हजार लोगों ने देख लिया था।

शुरुआत ही परेशानी से

विनीत की हवाई यात्रा की शुरुआत की परेशानी से हुई। एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 105 पहले से ही 25 मिनट की देरी से चल रही थी। एयरलाइन ने बिजनस क्लास की जो सीट उन्हें दी, वह उनकी अपेक्षा के अनुरूप नहीं थी। उन्होंने गंदे कवर वाली घिसी-पिटी सीटों की तस्वीरें साझा कीं। मामला और संगीन तब हो गया, जब उन्होंने अपनी सीट खोलने की कोशिश की तो खुली ही नहीं। गौरतलब है कि बिजनेस क्लास की सीट को जब आप खोलेंगे तो वह बिस्तर में तब्दील हो जाती है। उस पर आराम से आप आसमान में सो सकते हैं। विनीत ने लिखा, कल की उड़ान किसी बुरे सपने से कम नहीं थी। सीटें साफ नहीं थीं, घिसी हुई थीं और 35 में से कम से कम 5 सीटें काम नहीं कर रही थीं। उड़ान भरने में 25 मिनट की देरी हुई। उड़ान भरने के बाद 30 मिनट तक रुकने के बाद, मैं सोना चाहता था (3.30 बजे) और मुझे एहसास हुआ कि मेरी सीट फ़्लैट बिस्तर में बदल नहीं रही है। कारण, यह काम नहीं कर रही है।

अधपका खाना परोस दिया

वह लिखते हैं कि जब वह कुछ घंटे के बाद जगे तो भोजन मंगाया। यहां भी उन्हें परेशानी झेलनी पड़ी। परेशानी की वजह थी कि उन्हें अधपका भोजन परोस दिया गया था। उन्होंने फल मंगाया तो वे बासी थे। वह लिखते हैं कि फ्लाइट में सभी यात्रियों को ऐसा ही फल मिला, जिसे उन्होंने वापस कर दिया। वह लिखते हैं कि पहले एयर इंडिया की उड़ान में इस तरह का कभी अनुभव नहीं हुआ है। इन सबके बीच उन्होंने अपने सीट पर लगे टीवी स्क्रीन को ऑन करने का प्रयास किया तो यह भी नहीं चला। विनीत लिखते हैं कि उन्होंने टीवी ऑन करने की कई बार कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो पाए। इसके बाद तो उन्होंने सर पीट लिया।

जेपी ग्रुप की 'आखिरी' कंपनी भी हुई दिवालिया

बड़ी-बड़ी कंपनियों की है इस पर नजर

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। जयप्रकाश ग्रुप की एक और कंपनी दिवालिया हो गई है। एनसीएलटी ने जेपी हेल्थकेयर के खिलाफ इनसॉल्वेंसी प्रॉसीडिंग शुरू करने का आदेश दिया है। यह जेपी ग्रुप की आखिरी मूल्यवान कंपनी है जिसे बैंकरप्सी के लिए एडमिट किया गया है। देश की कई दिग्गज कंपनियों ने इसे खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। इनमें फोर्टिस हेल्थकेयर, अपोलो हॉस्पिटल्स, मेदांता और मैक्स हेल्थकेयर हैं। शुक्रवार को एनसीएलटी की इलाहाबाद पीठ ने जेसी फ्लावर्स एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा दायर याचिका पर जेपी हेल्थकेयर को कॉर्पोरेट दिवाला और समाधान प्रक्रिया के लिए स्वीकार करने का मौखिक आदेश दिया। हालांकि एनसीएलटी ने इस बारे में लिखित आदेश अब तक अपनी वेबसाइट पर अपलोड नहीं किया है।

मनोज गौड़ प्रमोटेड जयप्रकाश एसोसिएट्स को इस महीने कॉर्पोरेट इनसॉल्वेंसी प्रोसेस के लिए स्वीकार किया गया, जबकि सुरक्षा रियल्टी के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम ने पहले ही ग्रुप की एक और कंपनी जेपी इन्फ्राटेक का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया है। नोएडा के जेपी विश टाउन में स्थित मल्टी-स्पेशलिटी तृतीयक देखभाल अस्पताल , जेपी हेल्थकेयर जेपी इन्फ्राटेक की सहायक कंपनी है। यह नोएडा के विश टाउन में एक मल्टी-स्पेशिएलिटी टर्शियरी केयर हॉस्पिटल चलाती है। केयर रेटिंग्स के एक डिस्क्लोजर के मुताबिक कंपनी पर जेसी फ्लावर्स एआरसी, बैंक ऑफ बड़ौदा, एक्जिम बैंक, पंजाब नेशनल बैंक और एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी ऑफ इंडिया का कुल करीब 1,000 करोड़ बकाया है। फोर्टिस हेल्थकेयर, अपोलो हॉस्पिटल्स, मेदांता और मैक्स हेल्थकेयर ने इस बारे में टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया।

भूटान में 570 मेगावाट का ग्रीन हाइड्रो प्लांट लगाएगा अडाणी ग्रुप

कंपनी के चेयरमैन गौतम अडाणी ने भूटान नरेश और प्रधानमंत्री से मुलाकात की

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। अडाणी ग्रुप भूटान में 570 मेगावाट का ग्रीन हाइड्रो प्लांट लगाएगा। अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने 16 जून को थिम्पू में भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भूटान में 570 मेगावाट के ग्रीन हाइड्रो प्लांट के निर्माण के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर की घोषणा की। इसको लेकर गौतम अडाणी ने सोशल मीडिया साइट X पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि भूटान के माननीय प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे के साथ मुलाकात बहुत ही रोमांचक रही। चुखा प्रांत में 570 मेगावाट के हरित हाइड्रो प्लांट के लिए ड्रक ग्रीन पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (डीजीपीसी) के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने आगे लिखा कि यह देखकर बहुत अच्छा लगा कि भूटान के प्रधानमंत्री महामहिम

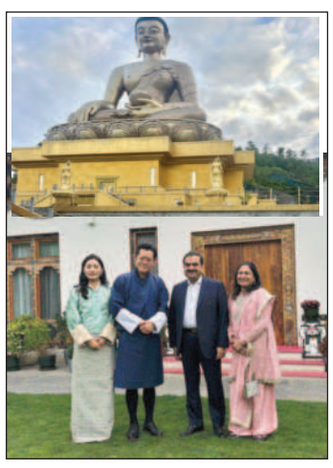

राजा के दृष्टिकोण को आगे बढ़ा रहे हैं और पूरे राज्य में व्यापक बुनियादी ढांचे की पहल कर रहे हैं। भूटान में हाइड्रो और अन्य बुनियादी ढांचे पर मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।

भूटान नरेश से भी की मुलाकात

गौतम अडाणी ने भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक से भी मुलाकात की। उन्होंने सोशल मीडिया साइट X पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि भूटान के महामहिम राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक से मिलकर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। भूटान के लिए उनके दृष्टिकोण और गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी के लिए महत्वाकांक्षी ईको फ्रेंडली मास्टरप्लान से प्रेरित हूं, जिसमें बड़े कंप्यूटिंग सेंटर और डेटा सुविधाएं शामिल हैं। कार्बन नेगेटिव नेशन के लिए इन पहलों और ग्रीन एनर्जी मैनेजमेंट पर सहयोग करने के लिए उत्साहित हूं।

श्रीलंका में भी ग्रीन एनर्जी पर काम कर रहा अडाणी ग्रुप

इससे पहले बीते महीने श्रीलंका की सरकार ने गौतम अडाणी की रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी के साथ देश में विंड पॉवर स्टेशन डेवलप करने की मंजूरी दी है। श्रीलंका के मन्नार और पूनरीन में अडाणी ग्रीन एनर्जी विंड पॉवर स्टेशन यानी पवन ऊर्जा स्टेशन बनाएगी। दोनों पक्षों ने 20 साल के पावर परचेज एग्रीमेंट पर साइन किया है। श्रीलंका की सरकार ने कहा है कि एग्रीमेंट के मुताबिक कंपनी को 8.26 सेंट प्रति किलोवाट-घंटे का भुगतान किया जाएगा।

किसानों के लिए खुशखबरी! आज आएगी पीएम किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त

नई दिल्लीः किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त का काफी समय से इंतजार है। किसानों के लिए अच्छी खबर है। भारत सरकार ने किस्त जारी करने की तारीख का ऐलान किया है। पीएम किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त कल यानी 18 जून को जारी होगी। देश के 9.26 करोड़ों किसानों के खाते में 20 हजार करोड़ रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से भेजी जाएगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 18 जून को वाराणसी में आयोजित एक कार्यक्रम में पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 17वीं किस्त जारी करेंगे। प्रधानमंत्री की शपथ लेने के बाद सबसे पहले पीएम मोदी ने किसान सम्मान निधि योजना की 17वीं किस्त को जारी करने को लेकर फाइल पर साइन किया था।

हालांकि कई किसान ऐसे भी हैं जिनके खाते में इस बार किस्त का पैसा नहीं आएगा। आपको किस्त की रकम मिलेगी या नहीं आप इसकी जानकारी कर सकते हैं। पीमए किसान योजना की शुरुआत साल 2019 में हुई थी। अभी तक 16 किस्तों में केंद्र सरकार अब तक इस योजना के तहत किसानों को 3.04 लाख करोड़ रुपये से अधिक की

राशि वितरित कर चुकी है।

इस वजह से अटकती है किस्त

अगर आपने पीएम किसान योजना में रजिस्ट्रेशन कराया है तो आपको भी 17वीं किस्त का पैसा मिलना चाहिए। आप ऑनलाइन ये जान सकते हैं कि आपको किस्त का पैसा मिलेगा या नहीं। इसके लिए आपको पीएम किसान की वेबसाइट पर मौजूद बेनिफिशियरी लिस्ट देखनी होगी। कई बार कुछ दिक्कतों के चलते पीएम किसान की किस्त के पैसे खाते में नहीं आते हैं। पंजीकरण कराते समय बैंक अकाउंट गलत दर्ज होने, जानकारी में गलती और कई बार तकनीकी समस्याओं के चलते किस्त अटक सकती है।

ऐसे देखें खाते में रकम आएगी या नहीं

आपको किस्त का पैसा मिलेगा या नहीं इसके लिए आपको किसान पात्रों की लिस्ट में अपना नाम चेक करना होगा। इसके लिए आप पहले प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की आधिकारिक वेबसाइट https://pmkisan.gov.in/ पर जाएं। अब फॉर्मर कॉर्नर पर क्लिक करें। इसके बाद एक नया पेज खुलेगा। अब आपको बेनिफिशयरी लिस्ट ऑप्शन को सेलेक्ट करना होगा। अब एक फॉर्म खुलेगा। इसमें आपको अपना राज्य, जिला और उसके बाद गांव का नाम सेलेक्ट करना होगा। ये सभी जानकारियां भरने के बाद आप गेट रिपोर्ट पर क्लिक करें।

अमूल आइस्क्रीम में कनखजूरा निकलने का मामला

कंपनी ने जांच के लिए वापस मांगा आइस्क्रीम का बॉक्स

मुंबई, 17 जून (एजेंसियां)। नोएडा में अमूल आइस्क्रीम में कनखजूरा निकलने के मामले में कंपनी का बयान सामने आया है। अमूल ने सोमवार (17 जून) को ग्राहक से वो आइसक्रीम का बॉक्स वापस मांगा है, जिसमें कनखजूरा निकला था। कंपनी का कहना है कि वो इस मामले की पूरी जांच कराना चाहती है।

नोएडा निवासी दीपा देवी ने 15 जून को अपने बच्चों के लिए ब्लिंकिट से ऑनलाइन आइसक्रीम आर्डर की थी। उन्होंने अमूल कंपनी की वैनिला मैजिक फ्लेवर आइस्क्रीम 195 रुपए की मंगवाई थी। आर्डर आने के बाद जब उन्होंने उसे खोलकर देखा तो उसके अंदर कनखजूरा दिखाई दिया।

इसके तुरंत बाद उन्होंने ब्लिंकिट को शिकायत की। उन्हें ब्लिंकिट की ओर से पैसे वापस कर दिए गए हैं। ब्लिंकइट कस्टमर केयर ने बताया कि अमूल के मैनेजर उनसे संपर्क करेंगे। कनखजूरा निकलने की जानकारी सोशल मीडिया साइट X पर भी शेयर की गई थी। खाद्य सुरक्षा अधिकारी भी मामले की जांच कर रहे हैं।

मुंबई में आइसक्रीम में उंगली निकली थी

कुछ दिनों पहले महाराष्ट्र मुंबई के मलाड इलाके में एक महिला को ऑनलाइन ऑर्डर की गई आइसक्रीम कोन के अंदर इंसानी उंगली का टुकड़ा मिला था। जिसके बाद युवक मलाड पुलिस स्टेशन पहुंचा।

मलाड पुलिस ने युम्मो आइसक्रीम कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज कर आइसक्रीम को जांच के लिए भेज दिया है। पुलिस ने आइसक्रीम में मिले मानव अंग को एफएसएल (फोरेंसिक) के पास भेज दिया है। इस घटना की जानकारी मलाड पुलिस ने दी है।

मोदी 3.0 के पहले बजट में टैक्सपेयर्स को मिलेगी गुड न्यूज!

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट जुलाई में पेश किया जा सकता है। इसमें टैक्सपेयर्स को गुड न्यूज मिल सकती है। फाइनेंस मिनिस्टर निर्मला सीतारमण अगले कुछ दिनों में बजट-पूर्व बैठकों का सिलसिला शुरू कर सकती है। इस बीच इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक सरकार इनकम टैक्स रेट में कटौती पर विचार कर सकती है। अधिकारियों का कहना है कि इससे लोगों के पास खर्च करने योग्य आय यानी डिस्पोजेबल इनकम बढ़ेगी। इस तरह की इनकम बढ़ने से खपत बढ़ेगी और आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी। माना जा रहा है कि सरकार मौजूदा इनकम टैक्स स्ट्रक्चर को व्यावहारिक बनाने पर विचार कर सकती है। खासकर लोअर इनकम लेवल पर टैक्स रेट में कटौती की जा सकती है। अधिकारियों का कहना है कि डिमांड को रिवाइव करने के लिए खपत बढ़ाना जरूरी है। इसके लिए टैक्स स्ट्रक्चर को व्यावहारिक बनाया जाएगा। इससे लोगों के हाथों में ज्यादा डिस्पोजेबल इनकम आएगी और खपत में इजाफा होगा, आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी और सरकार का जीएसटी कलेक्शन बढ़ेगा। अभी नए टैक्स सिस्टम में तीन लाख रुपये से अधिक इनकम पर पांच फीसदी टैक्स का प्रावधान है। इसी तरह 15 लाख रुपये से अधिक की इनकम पर 30 फीसदी टैक्स लगता है। इस तरह इनकम के पांच गुना बढ़ने पर टैक्स रेट छह गुना बढ़ जाता है। एक अधिकारी ने कहा कि टैक्स में छूट से सरकार को रेवेन्यू का नुकसान होगा। लेकिन डिस्पोजेबल इनकम बढ़ने से खपत बढ़ेगी और डायरेक्ट तथा इनडायरेक्ट रेवेन्यू में भी तेजी आएगी। इस तरह सरकार को रेवेन्यू का नुकसान हो सकता है लेकिन कुल मिलाकर यह सरकार और इकॉनमी के लिए फायदेमंद होगा। अधिकारियों का कहना है कि कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च करने के बजाय कर ढांचे को आसान बनाने से ज्यादा फायदेमंद रह सकता है। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट जुलाई के तीसरे हफ्ते में पेश किया जा सकता है। पिछले तीन साल के दौरान भारत की औसतन जीडीपी ग्रोथ सात फीसदी से अधिक रही है। अगले कुछ सालों में इसमें गिरावट की आशंका है।

एसी-फ्रिज से निकलने वाली गैस का उत्सर्जन घटा

एचसीएफसी में कमी का लक्ष्य पांच साल पहले पूरा

नई दिल्ली , 17 जून (एजेंसियां)। एसी, फ्रिज से निकलने वाली और ओजोन परत को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाने वाली हाइड्रोक्लोरोफ्लोरोकार्बन गैस के उत्सर्जन में महत्वपूर्ण कमी आई है। पर्यावरण की दृष्टि से इसे बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है, क्योंकि इसमें कमी का लक्ष्य पांच साल पहले पूरा कर लिया गया है।

जर्नल नेचर क्लाइमेट चेंज प्रकाशित शोध के अनुसार, अनुमान था कि साल 2026 में हाइड्रोक्लोरोफ्लोरोकार्बन (एचसीएफसी) गैस का उत्सर्जन चरम पर पहुंचने के बाद कमी आने लगेगी, लेकिन इसका उत्सर्जन साल 2021 में चरम पर पहुंच गया था और इसके बाद से इसमें कमी आने लगी है। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल के ल्यूक वेस्टर्न और उनके सहयोगियों के अध्ययन में पाया गया है कि हानिकारक ग्रीनहाउस गैस एचसीएफसी को कम करने से जलवायु परिवर्तन को कम करने में मदद मिल सकती है। उत्तरी गोलार्ध में गिरावट सबसे तेज शोधकर्ताओं के मुताबिक, उत्तरी गोलार्ध में उत्सर्जन की गिरावट सबसे तेज दर्ज की गई। 2023 में एचसीएफसी से वैश्विक प्रत्यक्ष विकिरण बल घटकर 61.28 मिलीवाट प्रति वर्ग मीटर हो गया, जो 2022 में 61.67 मिलीवाट प्रति वर्ग मीटर से कम है। 2023 में एचसीएफसी का समतुल्य प्रभावी क्लोरीन घटकर 319.33 एक भाग प्रति ट्रिलियन हो गया जो 2022 में 321.35 एक भाग प्रति ट्रिलियन था। अच्छे भविष्य का संकेत प्रमुख शोधकर्ता ल्यूक वेस्टर्न का कहना है कि पृथ्वी से निकलने वाले विकिरण की तुलना में पृथ्वी में अधिक विकिरण प्रवेश कर रहा है।

इसलिए वायुमंडल गर्म हो रहा है। इसी वजह से जलवायु में परिवर्तन भी हो रहा है। कड़े नियंत्रण लागू करने और ओजोन-अनुकूल विकल्पों को अपनाने को बढ़ावा देने से एचसीएफसी की मात्रा में कमी आ रही है। यह पृथ्वी के लिए पर्यावरण के लिहाज से अच्छे भविष्य का संकेत है।

बजट में नौकरियों पर रहेगा जोर

पीएलआई स्कीम और छोटे उद्योगों को बढ़ावा

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले बजट में नौकरियों पर जोर रहने की उम्मीद है। इसके लिए प्रॉडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना का विस्तार ऐसे सेक्टर्स में किया जा सकता है जिनमें लोगों को ज्यादा रोजगार मिलता है। इनमें फर्नीचर, खिलौने, फुटवियर और टेक्सटाइल्स शामिल हैं। टेक्सटाइल्स में और ज्यादा सेगमेंट्स को इस योजना में शामिल किया जा सकता है। इसके साथ ही बजट में एमएसएमई सेक्टर, महिलाओं की आय का स्तर बढ़ाने और इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने पर जोर रह सकता है। इनमें से कई मुद्दे सरकार के 100 दिन के एजेंडे का भी हिस्सा हैं। इसके अलावा वित्त मंत्रालय मिडल क्लास के लिए भी कई तरह की रियायत देने पर विचार कर रहा है। ये रियायत हाउसिंग लोन के लिए ब्याज दर सब्सिडी के रूप में दी जा सकती है।

सूत्रों के मुताबिक बजट पर चर्चा अभी शुरुआती दौर में है और अभी विस्तृत विचार-विमर्श अभी शुरू होना बाकी है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन	में	मिथुन.. 05-37 बजे
चंद्र-	तुला	में	कर्क... 07-49 बजे
मंगल	मेष	में	सिंह... 10-02 बजे
बुध-	मिथुन	पें	कन्या.. 12-08 बजे
गुरु-	वृष	में	तुला.....14-13 बजे
शुक्र-	मिथुन	में	वृश्चिक..16-24 बजे
शनि-	कुंभ	में	धनु..... 18-36 बजे
राहु-	मीन	में	मकर.. 20-43 बजे
केतु-	कन्या	में	कुंभ.... 22-33 बजे
			मीन.... 00-12 बजे
			मेष.... 01-48 बजे
			वृष.... 03-32 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु -ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-45
भोग्य कलि वर्ष-426875 सूर्यास्त. -18-48
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल .. उत्तरे - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- एकादशी 06-25 तक द्वादशी
मास - ज्येष्ठ शुक्ल , मंगलवार 18 June
नक्षत्र - स्वाति 15-56 तक उपरान्त विशाखा
योग - शिव 21- 38 तक उप सिद्ध
करण- विष्टि 06-24 तक उप बव
विशेष:- निर्जला एकादशी व्रत सर्वे
व्रत -त्योहार - रानीझांसी पुण्य, गुरु अचलदास पुण्य

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:34 से 17:13 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग	05:45 - 07:22 अशुभ	काल.	18:48 - 20:13 अशुभ
उत्पात	07:22 - 09:00 अशुभ	लाभ	20:13 - 21:34 शुभ
चंचल	09:00 - 10:39 शुभ	उत्पात	21:34 - 22:56 अशुभ
लाभ	10:39 - 12:17 शुभ	शुभ	22:56 - 24:17 शुभ
अमृत	12:17 - 13:56 शुभ	अमृत.	24:17 - 01:39 शुभ
काल	13:56 - 15:34 अशुभ	चंचल.	01:39 - 03:01 शुभ
शुभ	15:34 - 17:13 शुभ	रोग	03:01 - 04:22 अशुभ
रोग	17:13 - 18:48 अशुभ	काल.	04:22 - 05:45 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज आपको महसूस होगा की अपनी नौकरी में आपको वह संतुष्टि नहीं मिली जो आप चाहते थे और आज आप अपनी नौकरी छोड़ने के लिए अंतिम कदम भी उठा सकते हैं , हालांकि यह एक बुरी बात नहीं है क्यों की बहुत जल्द ढेर सारे सुनहरे अवसर आपके पास आ सकते है और आप जो चाहते थे , वो हो सकता है , हालाँकि प्रारंभिक वेतन कम हो सकता है, लेकिन यहाँ आपको प्रसन्नता मिलेगी ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

लघु लेकिन बार बार की बाधाओं से आपके काम काज की राह में रोड़ा पैदा होगा और आप समय सीमा के भीतर अपनी परियोजनाओं को पूरा करने में असमर्थ महसूस करेंगे । ये बाधा व्यर्थ की होगी लेकिन इन से पार पाना या इनकी गणना करना मुश्किल होगा , हालाँकि क्रोध और चिड़ने से समस्या का हल नहीं निकलेगा ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आपकी वित्तीय स्थिति में लगातार वृद्धि दिख रही है और आगे भी इसमें सुधार की संभावना है , परन्तु आप ऐसा महसूस करेंगे की आपके नियंत्रण से परे स्थितियां आपकी उत्पादकता और काम करने की क्षमता को प्रभावित कर रही है , लेकिन आपका डर निराधार हैं। यहां तक कि आपके वरिष्ठ अधिकारी इस चीज़ को समझते हैं और आपके हालातो के साथ हमदर्दी भी रखते है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आपको सर्वशक्तिमान के संदेश अपने किसी निकट के व्यक्ति से मिल रहे हैं। उन्हें प्राप्त करने के लिए ग्रहणशील रहे और निर्देशो का पालन करने की कोशिश करे । आपको अपने कार्य योजना में परिवर्तन करना होगा ताकि कोई गलती न हो जिसे आप पूर्ववत नहीं कर सकते है । वित्तीय स्थिति और खर्च में अच्छा संतुलन बना रहेगा , हालाँकि आप खर्चीले साबित हो सकते है ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आपके कार्यस्थल पर तनाव का माहौल है। यह तनाव का माहौल आपकी वजह से नहीं बल्कि , व्यापार में कुछ भारी नुकसान की वजह से हो सकता है। अपने आप में नकारात्मक ऊर्जा न भरे बल्कि इसके बजाय नकारात्मक विचारों की इस लहर के घेरे में आ रहे हैं, उन सभी लोगो को प्रेरित करने का प्रयास करें। आपके खर्चों का प्रबंधन करने के लिए विभिन्न स्रोतों से आवश्यक धन की प्राप्ति होगी ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

अगर आप अपनी क्षमता से कार्य करने की कोशिश करेंगे, तो आपके प्रयासों को उदारता से पुरस्कृत किया जाएगा , तो अपने काम और जिम्मेदारी पर ध्यान केंद्रित करे । आपकी ओर से की गयी कोई लापरवाही आप के लिए भारी पड़ सकती हैं, हालांकि दिन मौद्रिक लाभ के लिए शुभ है । आपका पिछला निवेश आपको अच्छी आमदनी दे सकता है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज का दिन अपने सभी लंबित कार्यों को पूरा करने के लिए एकदम सही है। आप किन्ही बाहरी कारणों से समय पर अपना काम खत्म नहीं कर पाये , इसलिए आपको शीघ्रता दिखानी होगी , क्योंकि आपका काफी कार्य लंबित है । आज नयी प्रतिबद्धताओं का दबाव कम होगा , इसलिए आप अपनी पुरानी प्रतिबद्धताओं को समय पर खत्म कर पाएंगे।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज आप अपने संबंधित काम में गंभीर रूप से तनाव से प्रभावित हो सकते हैं। आंतरिक दबाव आपके सिर चढ़ कर बोलेगा और अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आपके पास आवश्यक समय की कमी हो सकती है , लेकिन आप इसमें कुछ भी नहीं कर सकते है इसलिये इस समय को आसानी से निकालने का प्रयास करें। आपको एक ऐसे व्यक्ति की बात सुननी पड़ सकती है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आप अपने कार्यों को करते हुए धैर्य रखते है , पर आज आप में अधिकार की भावना रहेगी । आपको ये एहसास करने की जरूरत है की चीजे अपनी गति से आगे चलेंगी और ज्यादा पाने की चाह आपको पीछे की और धकेल सकती है । आपमें हमेशा धैर्य की भावना रही है और हमेशा से निर्धारित मार्ग की तरफ आप अग्रसर रहे है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज का दिन कार्यस्थल पर कुछ हद तक उबाऊ होगा , लेकिन आपको अपने जरुरी कार्य की अपेक्षा नहीं करनी है । अपनी कागजी कार्रवाई को पूरा करने और सभी सरकारी आवश्यकताओं को पूरा करने में सावधान रहें। आज आप एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण गलती अपनी लापरवाही के कारण कर सकते है , इसलिए अगर आपका मन बाहर जाने का कर रहा है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज का दिन अपने व्यावसायिक और वित्तीय गतिविधियों में बदलाव लाने का दिन है , इसलिए अगर कुछ इस तरह की आपकी योजना है तो अपने आप को तनावमुक्त रखे । आप अपना दृष्टिकोण प्रभावी ढंग से शीर्ष प्रबंधकों के समक्ष रख पाने में समर्थ होंगे । यह अपने नियोक्ता से अपनी आय को बढ़ाने का उपयुक्त मौका है।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज का दिन उनके लिए उपयुक्त है जो की रचनात्मक कार्य से जुड़े हुए है । आपके सुझाव आपको नये अनुबंध दिलाएंगे जिससे आपकी बैंक में जमा राशि में विस्तार होगा । कलाकार , संगीतज्ञ , फिल्म निर्माता , फोटोग्राफर एवं लेखक अपने अपने कार्य क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे और जो लोग अन्य क्षेत्रो में हैं अगर वह अपने काम में कुछ नवीनता या कुछ रचनात्मकता लाएं तो वो भी आगे बढ़ सकते है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

बलौदाबाजार शहर में 20 जून तक लागू रहेगी धारा 144

कलेक्टर ने जारी किया आदेश

रायपुर, 17 जून (एजेंसियां)। बलौदाबाजार शहर में शांति-व्यवस्था बनाए रखने के लिए शासन-प्रशासन सक्रिय है। कलेक्टर ने 10 जून से लागू धारा 144 को बढ़ा दिया है। अब यह 20 जून की मध्य रात्रि तक के लिए बढ़ा दिया गया है। इस दौरान बलौदाबाजार सीमा क्षेत्र में आगामी आदेश तक रैली या कोई जुलूस पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में 10 जून 2024 को हुई घटना के परिप्रेक्ष्य में नगर पालिका बलौदाबाजार सीमा क्षेत्र में दंड प्रक्रिया संहिता 1973 के तहत धारा 144, 10 जून की रात 9 बजे से 16 जून की मध्य रात्रि 12 बजे तक लागू किया गया था। नगर पालिका सीमा क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए कलेक्टर दीपक सोनी ने दंड प्रक्रिया संहिता 1973 के अंतर्गत धारा 144 (1) एवं (2) के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए धारा 144 की अवधि

बढ़ाने का आदेश जारी किया गया है। इसके तहत नगर पालिका बलौदाबाजार सीमा क्षेत्र में आगामी आदेश तक रैली या जुलूस पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। अन्य जिले अथवा बाहरी व्यक्तियों का पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के समूह का नगर पालिका बलौदाबाजार सीमा क्षेत्र में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। कोई भी व्यक्ति न तो किसी प्रकार का शस्त्र तलवार, फरसा, भाला, लाठी, चाकू, छुरा, कुल्हाड़ी, गुप्ती, त्रिशुल, खुकरी, सांग एवं बल्लम अथवा अन्य अस्त्र-शस्त्र लेकर सार्वजनिक स्थान पर नहीं निकलेगा। अपवाद स्वरूप जो व्यक्ति शासकीय कर्तव्य पर हैं, वे ड्यूटी के दौरान अस्त्र-शस्त्र धारण कर सकेंगे। ऐसे वृद्ध एवं दिव्यांग जो लाठी के बिना चलने में असमर्थ हैं, वे लाठी का प्रयोग कर सकेंगे। बता दें कि पिछले महीने अराजक तत्वों ने अमर गुफा में जैतखाम को क्षति पहुंचायी थी। इस पर पुलिस की जांच से असंतुष्ट होकर समाज के लोगों ने जांच की मांग की थी। शर्मा ने सीएम के निर्देश पर न्यायिक जांच की घोषणा की है। इस पर समाज के लोगों ने संतुष्टि जाहिर करने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित करने के लिए कार्यक्रम रखा था। इस दौरान असामाजिक तत्वों ने भीड़ में घुसकर घटना को अंजाम दिया है, जिसकी जांच की जा रही है। जैतखाम में तोड़फोड़ के विरोध में सतनामी समाज के लोग कलेक्ट्रेट के पास बवाल मचाया।

उपद्रवियों ने तांडव मचाते हुए कलेक्टर और एसपी कार्यालय को आग के हवाले कर दिया था। 100 से ज्यादा वाहनों को फूंक दिया था। घटना के दौरान 20-30 पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

पुलिस ने बड़ी संख्या में उपद्रवियों की लिस्ट जारी की है। 60 से ज्यादा संदेहियों को हिरासत में लिया था। मामले में भीम रेजिमेंट के कई आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है।

झारखंड में दो दिन देरी से आएगा मानसून

गढ़वा-पलामू में सीवियर हीटवेव का अलर्ट, 45 .9 डिग्री के साथ सरायकेला सबसे गर्म रहा

रांची, 17 जून (एजेंसियां)। झारखंड में अगले दो दिन गर्मी से राहत मिलने वाली नहीं है। राज्य में अभी मानसून के लिए थोड़ा और इंतजार करना पड़ सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक मानसून में दो दिन की देरी हो सकती है। पहले राज्य में 18 जून तक मानसून आने की संभावना जताई गई थी। वहीं, मौसम विभाग ने गढ़वा और पलामू में सीवियर हीटवेव का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। जबकि राज्य के पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, चतरा, कोडरमा और हजारीबाग जिलों में हीटवेव का यलो अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि, प्रदेश के कुछ हिस्सों में आज 40 से 50 किमी की रफ्तार से हवा भी चलेगी। इस दौरान हल्के बारिश की भी संभावना बन रही है। बोकारो, धनबाद और चाईबासा में सुबह से हल्के बादल छाए हुए हैं।

बृजमोहन अग्रवाल ने छोड़ी विधायकी

रमन सिंह को सौंपा इस्तीफा, फिलहाल मंत्री बने रहेंगे, डहरिया ने कांग्रेस में आने का दिया ऑफर

रायपुर, 17 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सबसे वरिष्ठ विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने इस्तीफा दे दिया है। वो प्रदेश में 8 बार विधानसभा चुनाव जीत चुके हैं। लोकसभा चुनाव में बृजमोहन को भाजपा ने सांसद का चुनाव लड़ाया। वो जीत चुके हैं। नियमों के तहत वो एक ही पद पर रह सकते हैं। इसी वजह से इस्तीफा दे दिया है। 24 जून से संसद के नए सत्र में शामिल होने बृजमोहन अग्रवाल दिल्ली जाएंगे। इससे पहले मीडिया से इस्तीफे को लेकर बृजमोहन ने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व में सांसद का चुनाव लड़वाया है, तो सोच समझकर लड़ाया होगा। मुख्यमंत्री के अधिकारों में है कि वह वो 6 महीने तक मंत्री रख सकते हैं। यह कहकर बृजमोहन ने मंत्री पद पर बने रहने की अपनी इच्छा जता दी है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल को पूर्व मंत्री शिव डहरिया ने कांग्रेस में आने का ऑफर दिया है। शिव डहरिया ने कहा कि, बीजेपी में सिर-फुटोव्वल की

स्थिति बनी हुई है। बीजेपी में उनकी उपेक्षा की है, वो चाहें हमारी पार्टी में आ जाएं। अगर बृजमोहन मिलेंगे तो उनसे जरूर चर्चा करेंगे। वो जो चाहे वो मिलेगा। इस्तीफा देने के बाद रायपुर दक्षिण सीट खाली हो गई है। चर्चा है कि प्रदेश में साल के अंत में नगरीय निकाय के साथ-साथ विधानसभा उप चुनाव भी हो सकते हैं। ऐसे में अभी से ही बड़ी संख्या में बीजेपी-कांग्रेस के नेता अपनी दावेदारी मजबूत कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ बनने के बाद से ही रायपुर दक्षिण में बृजमोहन अग्रवाल का एकछत्र राज रहा है। उनके रहते यहां से किसी और को कभी भाजपा से टिकट मिला ही नहीं। पहली बार उनके सांसद बनने के कारण अब दावेदारों के नाम सामने आ रहे हैं।

25 जून तक बंद रहेंगे छत्तीसगढ़ के सभी स्कूल

भीषण गर्मी की वजह से शिक्षा मंत्री बृजमोहन ने लिया फैसला

रायपुर, 17 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी को देखते हुए शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने राज्य के सभी स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां बढ़ा दी है। अब 25 जून तक राज्य के सभी सरकारी और गैर सरकारी स्कूल बंद रहेंगे। 26 जून से खुलेंगे। शिक्षा विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिये हैं। शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में गर्मी और हीटवेव के कारण ये फैसला लिया गया है।

प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में गर्मी अपने पीक पर है। ज्यादातर लोग गर्म होते मौसम से परेशान हैं। लू और धूप से आम लोगों को दिक्कत हो रही है। बच्चों को गर्मी में होने वाली परेशानी को देखते हुए ये फैसला लिया गया है। अभिभावकों में भी बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बनी हुई है। अग्रवाल ने बताया कि बड़ी संख्या में अभिभावकों का ग्रीष्मकालीन अवकाश बढ़ाने के निवेदन आ रहे थे, जिसके चलते सरकार ने ग्रीष्मकालीन अवकाश को 26 जून तक बढ़ाने का फैसला लिया है। संबंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

मारे गए नक्सलियों में एक महिला, कई हथियार भी मिले, इलाके में सर्च ऑपरेशन तेज

पश्चिमी सिंहभूम, 17 जून (एजेंसियां)। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम में सुरक्षा बलों ने 4 नक्सलियों को मार गिराया है। इसमें एक महिला नक्सली भी शामिल है। पुलिस ने नक्सलियों के पास से भारी मात्रा में हथियार बरामद भी किए गए हैं। इलाके में अभी भी कई नक्सलियों के छिपे होने की खबर है। सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। जानकारी एसपी आशुतोष शेखर ने दी है। घटना जिले के गुवा थाना क्षेत्र की है। पुलिस ने बताया कि चार नक्सलियों में से एक जोनल कमांडर, एक सब जनरल कमांडर, एक एरिया कमांडर और एक महिला नक्सली है। मुठभेड़ के बाद सुरक्षा बलों ने दो नक्सलियों को पकड़ा भी है। इनमें एक एरिया कमांडर है। एक हार्डकोर महिला नक्सली है। सीआरपीएफ, झारखंड पुलिस के जॉइंट ऑपरेशन के बाद ये कामयाबी मिली है।

बताया जा रहा है कि नक्सलियों ने ग्रामीण इलाकों में चुनाव प्रभावित करने की भी कोशिश की थी। लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद अभियान तेज कर दिया गया। सुरक्षा बल

नक्सलियों के कैंप के बेहद करीब है। नक्सलियों ने इलाके में लैंड माइंस, स्पाइक और कई ट्रैप बिछाकर रखे हैं, जिससे उन तक पहुंचने में समय लग रहा है। इस ट्रैप की चपेट में आने से कई ग्रामीणों की भी मौत हो चुकी है।

हाल ही में खूंटी-चाईबासा सीमा पर पुलिस और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इस मुठभेड़ में भाकपा माओवादी संगठन का एरिया कमांडर बुधराम मुंडा मारा गया था। इसके मारे जाने के बाद इलाके में नक्सलियों का संगठन कमजोर हुआ था। मुठभेड़ पश्चिमी सिंहभूम जिले के कराईकेला थाना क्षेत्र के नवादा, सर्वदा जंगल में दोपहर को हुई थी। इस ऑपरेशन में नक्सलियों के एरिया कमांडर बुधराम मुंडा की काफी दिनों से तलाश की जा रही थी। जिसके बाद रांची डीआईजी के निर्देश पर खूंटी जिला पुलिस, पश्चिमी सिंहभूम जिला बल व कोबरा 209 बटालियन नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाया था।

एक महीने में यह सुरक्षा बलों की दूसरी बड़ी सफलता है, जिसमें चार नक्सली मारे गए हैं, जबकि दो को सुरक्षा बलों ने पकड़ा है। इनसे पूछताछ जारी है। इनकी जानकारी के आधार पर सुरक्षा बल आगे अभियान और तेज करेगी।

बीजेपी की समीक्षात्मक बैठक

विधायक नारायण दास का आरोप, सांसद निशिकांत के गुंडों ने गालियां दी, अपशब्द कहे

देवघर, 17 जून (एजेंसियां)। गोड्डा लोकसभा चुनाव के परिणाम के बाद देवघर में बीजेपी आज समीक्षा बैठक कर रही थी। इस बैठक में पार्टी के प्रदेश महामंत्री और राज्यसभा सांसद आदित्य साहू और उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय भी मौजूद थे। बैठक के दौरान ही हंगामा हो गया। बैठक में मौजूद देवघर विधायक नारायण दास के साथ आक्रोशित लोगों ने बदसलूकी की। विधायक नारायण दास का आरोप है कि बैठक में सांसद निशिकांत दुबे के लोग घुस आए और हंगामा किया। उनका आरोप है कि लोगों ने उन्हें गालियां दी और कई तरह के आरोप भी लगाए। स्थानीय विधायक नारायण दास ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि सांसद निशिकांत दुबे उनपर चुनाव के दौरान सहयोग नहीं करने का आरोप लगाया। नारायण दास ने कहा कि अगर देवघर विधायक ने काम नहीं किया तो 41 हजार वोट से आप लीड कहां किए। उन्होंने यह भी कहा कि जब वे 2009 में चुनाव लड़ने आए थे तब ऑफिस के लिए उन्हें जगह नहीं मिल रहा था।

झारखंड विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी बीजेपी

शिवराज सिंह चौहान को मिला प्रदेश का कमान, असम सीएम बने सह प्रभारी

रांची, 17 जून (एजेंसियां)। साल 2024 में देश के चार राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें झारखंड भी शामिल है। राज्य में बीजेपी की स्थिति मजबूत हो और पार्टी की सरकार बने। इसको लेकर केंद्रीय स्तर पर तैयारी शुरू कर दी गई है। इसी कड़ी में केंद्रीय नेतृत्व ने झारखंड बीजेपी के अधिकारी स्तर पर बदलाव किए हैं।

पार्टी ने केंद्रीय मंत्री और मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान को झारखंड बीजेपी का प्रभारी बनाया है। वहीं, असम के सीएम डॉ हिमंत बिस्वा सरमा को प्रदेश चुनाव का सह प्रभारी बनाया है। इसे लेकर राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह के हस्ताक्षर से पत्र भी जारी कर दिया है।

शिवराज सिंह चौहान और हिमंत बिस्वा सरमा के जरिए राज्य के आदिवासी वोटरों को साधने का प्रयास किया जाएगा। झारखंड की राजनीति की समझ रखने वाले लोगों का मानना है कि बीजेपी पिछले विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव के परिणाम बताते हैं कि आदिवासियों पर अपनी पकड़ बनाने में पीछे रही है। शिवराज सिंह चौहान और हिमंत बिस्वा सरमा जिस क्षेत्र से आते हैं, वहां आदिवासी वोटर की अच्छी संख्या है। दोनों ही नेताओं का अपने क्षेत्र में अच्छा परफॉर्मेंस भी रहा है। ऐसे में पार्टी को इस बात का भरोसा है कि उनके पास अच्छी स्ट्रेटजी होगी, जो आदिवासी वोटरों को साधने में मदद करेगी।

बॉयफ्रेंड से पति की हत्या करवाई, फिर तैरती लाश देखने गई

मर्डर के बाद कहा था- मुझे यकीन नहीं चलकर दिखाओ, रायपुर में तीन अरेस्ट

रायपुर, 17 जून (एजेंसियां)। रायपुर में खारुन नदी में मिली लाश के मामले में मृतक की पत्नी और बॉयफ्रेंड को गिरफ्तार किया गया है। महिला ने ही अपने पति की हत्या करने के लिए बॉयफ्रेंड पर दबाव बनाया था। मर्डर के बाद जब उसे पति की मौत पर यकीन नहीं हुआ, तो उसने लाश देखने की भी जिद की थी। जिस पर आरोपी ने महिला को खारुन नदी में तैरती हुई लाश भी दिखाई।

हत्या का यह मामला रायपुर के पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र का है। पुलिस को 10 जून को एक युवक की भाठागांव स्थित केसरी बगीचा के पास नदी में लाश मिली। पुलिस ने लाश की पहचान के लिए उसकी फोटो सभी थानों पर भेजी। दो दिन बाद मृतक की पत्नी मीना यादव अपने परिवार वालों के साथ थाने पहुंची। मीना यादव ने लाश

की पहचान अपने पति विधाता यादव के रूप में की। 30 साल का विधाता यादव सयासीपारा खमतराई में रहता था। इस बीच लाश की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट भी सामने आई। जिसके बाद पुलिस ने हत्या का केस दर्ज किया और आरोपी की तलाश में जुट गई। पुलिस ने मृतक की कॉल डिटेल के साथ ही पत्नी मीना यादव की भी कॉल डिटेल खंगाली। जब पत्नी के कॉल डिटेल को पुलिस ने जांचा तो एक शख्स का नंबर सामने आया जिससे मीना यादव बार-बार फोन में बात किया करती थी। ये फोन नंबर मौदाहापारा के रहने वाले अमजद खान का था। जानकारी के मुताबिक, अमजद का ऑटो किराए पर देने का काम था। मृतक विधाता यादव अमजद से ही किराए पर ऑटो लेकर चलाता था। इसी बीच मीना यादव का अमजद खान के साथ अफेयर हुआ। अमजद ने मीना को डेढ़ साल पहले मोबाइल फोन और सिम भी दिया था। इस मोबाइल से ही मीना और अमजद के बीच कई बार बातें होती थीं।

इस अफेयर की जानकारी विधाता यादव को हुई जिस पर कई बार पति-पत्नी में बहस और लड़ाई भी हुई। बार-बार की लड़ाई से परेशान मीना ने अपने पति को ही रास्ते से हटाने का विचार कर लिया। मीना इसके बाद बॉयफ्रेंड अमजद खान पर अपने पति की हत्या करने का दबाव डालने लगी। इसके बाद अमजद ने एक और शख्स अन्नू प्रजापति के साथ मिलकर हत्या की प्लानिंग की। अन्नू भी अमजद से किराए पर ऑटो लेकर चलाता था।

150 किलो के बकरे के लिए 3.50 लाख का ऑफर

मालिक ने कहा- बेचूंगा नहीं, कुर्बानी दूंगा, रायपुर में दूसरा बकरा 1 लाख में बिका

रायपुर, 17 जून (एजेंसियां)। आज देश-दुनिया में ईद-उल-अजहा का त्योहार मनाया जा रहा है। भिलाई की 14 मस्जिदों और ईदगाह में नमाज अता की गई। सेक्टर 6 स्थित जामा मस्जिद में सुबह 8 बजे से मुस्लिम समाज के लोग पहुंचे। नमाज के बाद एक-दूसरे के गले लगकर सभी ने ईद की मुबारकबाद दी। मौलाना शान मोहमद असरफी ने इस मौके पर भिलाई की सलामती और भाईचारे की दुआ की।

इस दिन मुस्लिम समाज में बकरे की कुर्बानी देने की परंपरा है। इस दिन कुर्बानी के लिए तरह-तरह के बकरों की डिमांड होती है जिनकी कीमत लाखों रुपए तक जाती है। रायपुर में एक दिन पहले सीरत मैदान में बकरा मंडी लगी। यहां सोजत नस्ल का एक बकरा 1 लाख रुपए में बिका। वहीं दूसरा बकरा इमरान 150 किलो का है, जो घी के साथ डेढ़ किलो दूध भी पीता है। हालांकि इसे बेचने से

मालिक ने इनकार कर दिया। सीरत मैदान में कई नस्ल के बकरे राजस्थान, पंजाब, एमपी और महाराष्ट्र मंडी से पहुंचे थे। मंडी में बरबरी, अजमेरी नस्ल, जमना पारी, पंजाबी नस्ल के बकरे की डिमांड दिखी। यहां 10 हजार से लेकर 1 लाख कीमत तक के बकरे बिके हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों को ईद-उल-अजहा की मुबारकबाद दी है। उन्होंने कहा है कि यह पर्व ईश्वर के प्रति समर्पण, त्याग एवं बलिदान को प्रेरित करता है। इससे ईश्वर के प्रति आस्था और समाज में प्रेम, सहिष्णुता, भाईचारा एवं एकजुटता की भावना बढ़ती है। उन्होंने प्रदेशवासियों से एकता और भाईचारे की गौरवशाली परंपरा के मुताबिक पर्व मनाने की अपील की है। वहीं, शहर के एमजी रोड निवासी मोहम्मद आबिद आज 150 किलो से अधिक वजन के बकरे की कुर्बानी देंगे। मोहम्मद आबिद ने बताया कि मालवा नस्ल के बकरे को वो 2 साल पहले देवास से लेकर आए थे। जब यह छोटा था, तब उसका नाम हमने इमरान रखा था। इमरान को रोजाना डेढ़ लीटर दूध दिया जाता है। दूध के साथ 50 ग्राम देसी घी देते हैं। इसके अलावा उसे देसी चना, गेहूं और चना दाल खिलाते हैं। दिल्ली से इमरान को खरीदने के लिए 3.50 लाख रुपए का ऑफर आया था। लेकिन मेरी नीयत कुर्बानी की है। इसलिए मैं उसे नहीं बेचा। वहीं रायपुर में एक बकरा एक लाख में बिका। बकरा मालिक जिया कुरैशी ने बताया कि, उन्होंने राजस्थान सोजत नस्ल का बकरा बेचा है। इसे धमतरी के राइस मिलर जलील अहमद ने खरीदा है। इस नस्ल की ख़ासियत है कि यह सफेद रंग का होता है। उसकी चमड़ी पिंक कलर की होती है। डेढ़ साल पहले इसे राजस्थान से लेकर आए थे।

ललित कबाड़ी के ठिकाने पर आधी रात पुलिस का छापा

तीन ट्रक चोरी का कबाड़ जब्त, एसीसीयू और जामुल पुलिस ने की संयुक्त कार्रवाई

भिलाई, 17 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में पुलिस ने एक बार फिर कुरुद गोकुल धाम स्थित ललित कबाड़ी के गोदाम में छापेमारी की है। पुलिस ने यहां से तीन ट्रकों में चोरी का माल जब्त किया है। पुलिस ने ललित कबाड़ी को भी गिरफ्तार कर लिया है। मामले में कार्रवाई जारी है। दुर्ग पुलिस अधीक्षक जितेंद्र शुक्ला ने देर रात जामुल थाना क्षेत्र के अंतर्गत ललित कबाड़ी के गोदाम में छापा मारने के निर्देश दिए थे। उन्होंने निर्देश दिया कि इस बार ये खबर लीक नहीं होनी चाहिए और ललित कबाड़ी फरार नहीं होना चाहिए। एसपी के निर्देश पर एसीसीयू की टीम छापा मारने पहुंची। टीम ने देर रात जामुल पुलिस को भी बुलाया। इसके बाद दोनों पुलिस ने संयुक्त रूप से छापामार कार्रवाई की। पुलिस ने बड़े ही गोपनीय तरीके से ललित कबाड़ी के ऊपर छापा मार कार्रवाई की है। किसी को पता ना चले इसलिए कार्रवाई देर रात 12 बजे के बाद की गई। पुलिस की टीम ललित कबाड़ी के गोकुल नगर जामुल स्थित गोदाम में अचानक पहुंची। टीम ने देखा कि वहां रात में गाड़ियों को काटने का काम चल रहा था। पुलिस ने तुरंत गोदाम को चारों तरफ से घेर लिया। ललित कबाड़ी के गोदाम से अवैध रूप से रखा गया भारी मात्रा में भिलाई स्टील प्लांट का सरिया, रेलवे एवं अन्य उद्योगों से चोरी किए गए लोहे लोहा, एंगल और गाड़ियों के पार्ट्स को तीन ट्रकों मे लोड किया जा रहा था। पूरे कबाड़ को जिले से बाहर भेजने की तैयारी की जा रही थी।

गैस सिलेंडर फटने से तीन घरों में लगी आग

गिरिडीह, 17 जून (एजेंसियां)। खोरीमहुआ अनुमंडल क्षेत्र के नगर पंचायत धनवार स्थित मस्जिद गली में गैस सिलेंडर फटने से 3 घरों में आग लग गई। आग लगने से मौके पर अफरा तफरी मच गई। सिलेंडर फटने से हुआ विस्फोट इतना तेज था कि घर के सामने पेड़ में भी आग लग गई। इस घटना में एक महिला मामूली रूप से झुलस गई। आग लगने के बाद वहां मौजूद लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना पर तत्काल प्रभाव से फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मिली जानकारी के अनुसार धनवार बाजार के मस्जिद गली में खाना बनाने के क्रम में गैस का सिलेंडर ब्लास्ट कर गया, जिसके कारण अचानक आग लग गई। आग लगने से भिखनी खातून, गुलशन खातून तथा जेबा खातून का घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। आग लगने के तुरंत बाद ही आग तीन ख़बड़ैल घरों का निशाना बना लिया। लोग कुछ समझ ही पाते कि आग पूरी तरह फैल गया और तीनों घरों में रखा कपड़ा, खाने पीने का सामान, जेवर सहित नगदी आदि चीजें जलकर राख हो गई। भुक्तभोगी जेबा ने बताया कि डेढ़ लाख नगदी सहित घर का सारा सामान जलकर राख हो गया।

समीर मोहंती के पत्र की फॉरेंसिक जांच कराए चुनाव आयोग : मरांडी

रांची, 17 जून (एजेंसियां)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडीप्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने चुनाव आयोग से आग्रह किया है कि वो समीर मोहंती के पत्र की फॉरेंसिक जांच कराकर सच्चाई उजागर करे। मरांडी ने आरोप लगाया है कि जमशेदपुर लोकसभा सीट से झामुमो प्रत्याशी समीर मोहंती के पत्र से बड़ा भ्रष्टाचार उजागर हुआ है। यह चुनाव आयोग के निर्देशों का खुल्लम-खुल्ला उल्लंघन है।

मरांडी ने रविवार को कहा कि समीर मोहंती के पत्र में बूथों पर पैसे बांटने वाले में हेराफेरी और भ्रष्टाचार की चर्चा है। पहले तो समीर मोहंती ने झामुमो-कांग्रेस नेतृत्व को पत्र लिखकर यह शिकायत की कि उनके द्वारा बूथ खर्च के लिए प्रति बूथ दिए गए 6-6 हजार रुपए में से कार्यकर्ताओं तक 4-4 हजार ही पहुंचे। प्रति बूथ 2 हजार रुपए भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गए। समीर मोहंती के पत्र से स्पष्ट है कि एक लोकसभा चुनाव क्षेत्र में 3 करोड़ से ज्यादा रुपए खर्च किए गए हैं, जबकि चुनाव आयोग द्वारा खर्च की निर्धारित सीमा 95 लाख है।

मरांडी ने कहा कि समीर मोहंती ने जिस प्रकार से अपने पत्र को फर्जी करार दिया है, यह जांच का विषय है। बाबूलाल मरांडी ने रविवार को सोशल मीडिया में कहा कि मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के बगल में बैठकर भ्रष्टाचार कर ही सीएम का चहेता बनने का मंत्र दे रहे हैं। जो भ्रष्ट अधिकारी हर दूसरे दिन ईडी कार्यालय का चक्कर लगा रहे हैं, वे समीक्षा बैठक में झारखंड की पॉलिसी पर प्रवचन दे रहे हैं। राज्य के कुछ युवा आईएएस आपके सिस्टम से इतने त्रस्त हैं कि वे केंद्र सरकार में डेपुटेशन पर जाने की तैयारी कर रहे हैं। युवा अधिकारी, जो भविष्य में झारखंड की कमान संभालेंगे, गहरी निराशा और हताशा महसूस कर रहे हैं। इससे ज्यादा शर्म की बात और क्या होगी।

भारत और श्रीलंका के बीच पुल बनाने की तैयारी

श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने दिया बड़ा अपडेट क्या हजारों साल बाद फिर जुड़ेंगे पड़ोसी?

कोलंबो, 17 जून (एजेंसियां)। भारत और श्रीलंका को आपस में जोड़ने के लिए समुद्र में पुल बनाने की तैयारी हो रही है। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने कहा है कि भारत और श्रीलंका के बीच प्रस्तावित भूमि संपर्क को लेकर अध्ययन अंतिम चरण में है। क्षेत्र में विकास कार्यों का निरीक्षण करने के लिए उत्तर-पूर्वी जिले मन्नार की यात्रा पर पहुंचे विक्रमसिंघे ने कहा कि व्यवहार्यता अध्ययन का प्रारंभिक कार्य पूरा हो चुका है और अंतिम चरण जल्द ही पूरा हो जाएगा। इस प्रस्ताव और दोनों देशों के बीच पावर ग्रिड कनेक्शन की संभावना पर इस सप्ताह विदेश मंत्री एस. जयशंकर की श्रीलंका यात्रा के दौरान चर्चा होने की संभावना है।

कोलंबो पहुंचने वाले हैं विदेश मंत्री जयशंकर

विक्रमसिंघे ने कहा कि मंत्री की यात्रा के दौरान भारत को अतिरिक्त नवीकरणीय ऊर्जा बेचने के लिए एक वाणिज्यिक उद्यम पर भी चर्चा की जाएगी। शनिवार को श्रीलंका के विदेश मंत्रालय ने घोषणा की कि जयशंकर 20 जून को कोलंबो पहुंचेंगे। हालांकि, भारत के विदेश मंत्रालय की ओर से जयशंकर की यात्रा के बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई।

यदि इसकी पुष्टि हो जाती है तो इस महीने की शुरुआत में नई सरकार में भारत के विदेश मंत्री नियुक्त होने के बाद यह जयशंकर की पहली आधिकारिक विदेश यात्रा हो सकती है। जुलाई 2023 में भारत दौरे के दौरान विक्रमसिंघे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक में दोनों देशों के बीच भूमि पुल के विकास पर चर्चा की थी। उस समय नई दिल्ली ने कहा था कि भूमि संपर्क का प्रस्ताव श्रीलंका की ओर से आया था। श्रीलंका में अधिकारियों ने समाचार एजेंसी पीटीआई से पुष्टि की कि देश के उत्तर-पूर्व में मन्नार में अडानी समूह की पवन ऊर्जा परियोजना और देश के पूर्व में त्रिंकोमाली बंदरगाह में औद्योगिक क्षेत्र के निर्माण सहित द्वीप राष्ट्र में सभी भारतीय परियोजनाओं पर जयशंकर की यात्रा के दौरान चर्चा की जाएगी। डेक्कन हेराल्ड के अनुसार, इस प्रस्ताव में भारत से श्रीलंका के त्रिंकोमाली और कोलंबो बंदरगाहों तक भूमि संपर्क बनाना शामिल है। अगर भारत और श्रीलंका के बीच पुल बनता है तो यह रामायण काल के बाद पहली बार होगा।

धार्मिक ग्रंथ रामायण में वर्णन है कि भगवान राम ने श्रीलंका जाने के लिए समुद्र पर पुल बनाया था, जिसे रामसेतु के नाम से जाना जाता है।

अभी भी दहक रही लॉस एंजिल्स के जंगल की आग

कैलिफोर्निया से 12 हजार से ज्यादा लोग निकाले गए

वाशिंगटन, 17 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के लॉस एंजिल्स के जंगलों में लगी आग बुझने का नाम नहीं ले रही है। जंगल में लगी आग अब कैलिफोर्निया तक फैल गई है। इसकी वजह से 12 हजार से लोगों आग से बचाव के क्रम में उनके घरों से निकाल कर सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया। बता दें कि अमेरिका के लॉस एंजिल्स में इन दिनों प्रचंड गर्मी पड़ रही है। और लॉस एंजिल्स काउंटी में पिछले कई दिनों से भीषण आग लगी है।

कैलिफोर्निया के वानिकी और अग्नि सुरक्षा विभाग ने इस आग को पोस्ट फायर नाम दिया है। जिसने लॉस एंजिल्स से लगभग 62 मील उत्तर-पश्चिम में गोर्मन में इंटरस्टेट 5 फ्रीवे के पास 3,600 एकड़ से अधिक क्षेत्र को जला दिया। वहीं लॉस एंजिल्स प्रशासन ने आग के कारण शहर के एक अंतर्राज्यीय राजमार्ग को बंद कर दिया है।

मलावी के उपराष्ट्रपति का शव ले जा रहे काफिले में हादसा

कार ने भीड़ को कुचला, 4 की मौत और 15 घायल

लिलोंग्वे, 17 जून (एजेंसियां)। मलावी के दिवंगत उपराष्ट्रपति के अंतिम संस्कार में एक बड़ा हादसा देखने को मिला है। अंतिम संस्कार के काफिले में शामिल एक वाहन ने रविवार रात एक गांव में शोक मनाने वालों को कुचल दिया। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और 12 घायल हो गए। मलावी के उपराष्ट्रपति सौलोस चिलिमा की इसी सप्ताह एक विमान दुर्घटना में मौत हो गई थी। उनके साथ 9 अन्य लोग भी मारे गए थे। उनके पार्थिव शरीर को ले जा रहे काफिले में ही यह वाहन शामिल था। वाहन मध्य मलावी के नत्चेउ गांव में भीड़ में घुस गया।

सोमवार को अंतिम संस्कार से पहले सौलोस चिलिमा का शव उनके गांव एनसिपे ले जाया जा रहा था। इस काफिले में कार, अन्य सैन्य , पुलिस और नागरिक वाहन शामिल थे। राजधानी लिलोंग्वे से 180 किलोमीटर दक्षिण में उनका गांव है। उनके निधन पर सार्वजनिक अवकाश

घोषित किया गया है। पुलिस ने एक बयान में कहा कि हादसे के कारण दो महिला और दो पुरुष पैदल यात्रियों के सिर में गंभीर चोटें आईं और कई फ्रैक्चर हुए। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

भीड़ से हटने के चक्कर में हुआ हादसा

न्यूज एजेंसी एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस प्रवक्ता पीटर कलाया ने कहा कि 12 अन्य लोग घायल हुए हैं। उपराष्ट्रपति के ताबूक की झलक पाने के लिए हजारों लोग सड़कों पर खड़े थे। एएफपी को एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि भीड़ से दूर जाने की कोशिश में वाहन भीड़ में ही जा घुसा। चिलिमा की पार्टी के प्रवक्ता फेलिक्स नजावाला ने कहा कि रास्ते में कुछ जगह तनाव था। क्योंकि शोक मनाने वाले लोग चाहते थे कि जुलूस को रोका जाए, ताकि वे ताबूत को देख सकें।

एएफपी को उन्होंने बताया, 'डेडजा में लोगों ने सड़क अवरुद्ध कर दी और ताबूत देखने की मांग करने लगे। जब काफिला रुका तब जाकर लोग शांत हुए और काफिला आगे बढ़ सका।' उन्होंने कहा कि कुछ मामलों में लोगों ने काफिले पर पथराव भी किया। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पार्टी समर्थकों को कई सवालों के जवाब नहीं मिले हैं। उन्होंने उनसे शांति बनाए रखने का आह्वान किया। गुरुवार को पार्टी ने प्लेन क्रैश की जांच की मांग की। चिलिमा सोमवार को आठ अन्य लोगों के साथ एक विमान हादसे में मारे गए।

हज करने गए जॉर्डन के 14 तीर्थयात्रियों की भीषण गर्मी के कारण मौत

रियाद, 17 जून (एजेंसियां)। सऊदी अरब में हज करने गए जॉर्डन के कम से कम 14 तीर्थयात्रियों की भीषण गर्मी से मौत हो गई। जॉर्डन के विदेश मंत्रालय ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि हज यात्रा के दौरान 17 अन्य तीर्थयात्री लापता हो गए। हालांकि, इसे लेकर मंत्रालय लगातार सऊदी अधिकारियों के संपर्क में हैं।

जॉर्डन के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा, जॉर्डन के 14 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई, जबकि हज यात्रा के दौरान 17 तीर्थयात्री लापता हो गए। मीडिया के अनुसार, अत्यधिक गर्मी के कारण स्ट्रोक से पीड़ित होने के बाद नागरिकों की मौत हो गई। मंत्रालय ने कहा कि तीर्थयात्रियों को सऊदी अरब में दफनाने या फिर जॉर्डन में स्थानांतरित करने के लिए सऊदी के अधिकारियों से बातचीत जारी है।

ईरान ने भी बताया कि हज यात्रा के दौरान उनके पांच तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। हालांकि, उन्होंने मौत के कारणों की पुष्टि नहीं की। सऊदी अरब ने भी अभी तक जान

गंवाने वालों को लेकर आधिकारिक बयान जारी नहीं किया। सऊदी के स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता मोहम्मद अल-अब्दुलअली ने बताया कि रविवार को 2,760 तीर्थयात्री सनस्ट्रोक और लू के शिकार हुए। उन्होंने आगे कहा कि संख्या में बढ़ोतरी होने की संभावना है। इसी के साथ उन्होंने तीर्थयात्रियों से भरी दोपहरी में नहीं निकलने की अपील की और खुद को हाइड्रेट रखने को कहा। सोमवार को मक्का का तापमान 47 डिग्री सेल्सियस पहुंचने की संभावना है।

हज यात्रा बुधवार को संपन्न होगी। पिछले साल हज यात्रा के दौरान 240 लोगों की मौत हुई थी। मरने वालों में ज्यादातर इंडोनेशिया के थे। मौत के कारणों का खुलासा नहीं किया गया था।

जापान में फैला मांस खाने वाला बैक्टीरिया

इससे 48 घंटे में मौत, 977 केस मिले, बीमारी की शुरुआत खराश और सूजन से होती है

टोक्यो, 17 जून (एजेंसियां)। जापान में कोरोना के बाद अब एक नई खतरनाक बीमारी सामने आई है। इसमें बैक्टीरिया मरीज के शरीर का मांस खाने लगता है। बीमारी का नाम स्ट्रेप्टोकोकल टॉक्सिक शॉक सिंड्रोम (एसटीएसएस) है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस बीमारी से 48 घंटे में मरीज की मौत हो जाती है।

जापान में अब तक इसके 977 केस सामने आ चुके हैं। यह बीमारी ग्रुप ए स्ट्रेप्टोकोकस (जीएएस) बैक्टीरिया की वजह से होती है। यह बच्चों और बुजुर्गों के लिए सबसे ज्यादा खतरनाक है। इससे संक्रमित लोगों में सबसे पहले सूजन और गले में खराश होती है। इसके अलावा शरीर में दर्द, बुखार, लो ब्लड प्रेशर, नेक्रोसिस (शरीर के टिशू मर जाते हैं), सांस लेने में समस्या, ऑर्गन फेलियर जैसी समस्याएं भी होती हैं। इसके कुछ ही घंटों बाद मौत हो जाती है। स्ट्रेप्टोकोकस बीमारी अब यूरोप के 5 देशों तक फैल चुकी है। इनमें ब्रिटेन, फ्रांस, आयरलैंड, नीदरलैंड और स्वीडन शामिल हैं। यहां इस बैक्टीरिया ने सबसे ज्यादा बच्चों

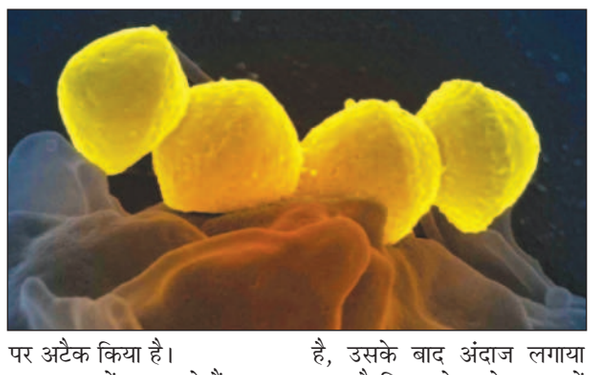

पर अटैक किया है।

सालभर में आ सकते हैं 2500 मरीज, मृत्यु दर 30%

टोक्यो की महिला डॉक्टर केन किकुची के मुताबिक, पहले मरीज के शरीर खासकर पैर में सूजन दिखती है, फिर कुछ घंटों बाद यह पूरे शरीर में फैल जाती है। इसके बाद 48 घंटों के भीतर मरीज की मौत हो जाती है। किकुची ने लोगों से बार-बार हाथ धोने और खुले घावों का तुरंत इलाज करने की अपील की है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह बीमारी जिस दर से बढ़ रही है, उसके बाद अंदाज लगाया गया है कि आने वाले समय में जापान में हर साल इस बीमारी के 2500 मामले आ सकते हैं। वहीं, इससे मृत्यु दर 30% तक पहुंच सकती है। डॉक्टरों के मुताबिक, बीमारी से बचने के लिए इसकी जल्दी पहचान, देखभाल और तुरंत इलाज जरूरी है। एसटीएसएस से निपटने के लिए बाजार में जे8 नाम की वैक्सीन भी मौजूद है, जो शरीर में एंटीबायोटिक बनाती है। बड़ी बात ये कि यह बीमारी एक व्यक्ति से दूसरे में फैलती है।

हमारे शरीर में कैसे फैलता है बैक्टीरिया?

द इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत के दौरान पब्लिक हेल्थ इंटेलेक्चुअल डॉ. जगदीश हीरेमठ ने बताया कि यह बैक्टीरिया शरीर में जहरीला पदार्थ पैदा करता है, जिससे जलन होने लगती है। फिर यह शरीर में टिशू को डैमेज करता है, जिससे सूजन फैलने लगती है।

इसके बाद टिशू मरीज के मांस को खाने लगते हैं, जिससे तेज दर्द होने लगता है। जापान के डॉक्टर हायरमैथ ने बताया कि देश में इस बीमारी से लड़ने के लिए हेल्थ अथॉरिटीज लगातार हालात का जायजा ले रही हैं। लोगों को जागरूक करने के लिए कैंपेन चलाए जा रहे हैं। इसमें बीमारी की गंभीरता और खतरों के बारे में बताया जा रहा है। जापान के सभी अस्पतालों को अलर्ट पर रखा गया है। उन्हें एसटीएसएस के मरीजों के तुरंत इलाज के लिए गाइडलाइंस दी गई हैं।

बर्ड फ्लू से आ सकती है अगली महामारी

अमेरिका में 9 करोड़ मुर्गियों में फैली बीमारी, ये कोरोना से घातक, भारत में भी इसके मामले

वाशिंगटन, 17 जून (एजेंसियां)। दुनियाभर में तेजी से बर्ड फ्लू के मामले सामने आ रहे हैं। अमेरिका में 48 राज्य में 9 करोड़ से ज्यादा मुर्गियों में ये बीमारी फैल चुकी है। अब ये बीमारी गायों तक पहुंच गई है। भारत में भी इसके मामले सामने आ रहे हैं। अब सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के पूर्व निदेशक रॉबर्ट रेडफील्ड ने दावा किया है कि अगली महामारी बर्ड फ्लू से आ सकती है। ब्रिटेन के मीडिया हाउस इंडिपेंडेंट के मुताबिक, एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में रॉबर्ट रेडफील्ड ने बताया कि बर्ड फ्लू के कोरोना की तुलना में मृत्यु दर ज्यादा है। उन्होंने बताया कि कोरोना में मृत्यु दर 0.6% थी, जबकि इसमें ये दर 25 से 50% है। डॉक्टरों के मुताबिक, बर्ड फ्लू का एच5एन1 वायरस इंसानों में फैल रहा है। एच5एन1 से 10 में से 6 लोगों की मौत हो जाती है। हालांकि, रॉबर्ट रेडफील्ड ने यह

नहीं बताया कि बर्ड फ्लू महामारी में कब बदलेगा।

बर्ड फ्लू इन्फ्लूएंजा वायरस से होने वाला संक्रमण है। यह आमतौर पर पक्षियों और जानवरों में फैलता है। कई बार यह संक्रमित जानवरों के जरिए इंसानों में भी फैल सकता है। बर्ड फ्लू के कई वेरिएंट काफी घातक होते हैं। हालांकि, एच9एन2 के मामले में बहुत गंभीर समस्याएं देखने को नहीं मिली हैं। इन्फ्लूएंजा वायरस चार तरह का होता है, इन्फ्लूएंजा ए, बी, सी और डी। इनमें से ज्यादातर एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस इंसानों को संक्रमित नहीं करते। हालांकि ए (एच5एन1) और ए (एच7एन9) से इंसानों के संक्रमित होने का खतरा रहता है।

धरती के करीब तारामंडल में बन रहे नए ग्रह

जेम्स वेब टेलीस्कोप ने खोला रहस्य, 20 साल में कितना बदला बीटा पिक्टोरिस

वॉशिंगटन, 17 जून (एजेंसियां)। हमारे सौर मंडल के करीब मौजूद एक पड़ोसी तारा मंडल में विशाल एस्टेरॉइड्स के बीच में टकराव की संभावना जताई जा रही है। दो अलग-अलग अंतरिक्ष वेधशालाओं ने इसके बारे में बताया है। बीटा पिक्टोरिस तारा मंडल हमारी पृथ्वी से 63 प्रकाश वर्ष दूर है। ये इतना दूर है कि कोई भी व्यक्ति यहां अपने जीवनकाल में नहीं पहुंच सकता। अपनी नई उम्र के कारण यह लंबे समय से खगोलविदों को अपनी ओर आकर्षित करता रहा है। हमारा सौर मंडल 4.5 अरब साल पुराना होने का अनुमान है। वहीं अगर बीटा पिक्टोरिस की बात करें तो यह सिर्फ 2 करोड़ साल पुराना है।

बाल्टीमोर में जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय की खगोलशास्त्री क्रिस्टीन चेन ने इसका कई बार अवलोकन किया है। उन्होंने कहा, 'इसका मतलब है कि यह अभी भी बन रहा है। यह आंशिक रूप से गठित ग्रह प्रणाली है, लेकिन अभी तक पूरी तरह नहीं बनी है।' चेन ने 2004 और 2005 में अब

रिटायर हो चुके स्पिट्जर स्पेस टेलीस्कोप से इसका अवलोकन किया। यहां उन्होंने दो ज्ञात विशाल गैस ग्रह देखे, जिसे बीटा पिक्टोरिस बी और सी नाम दिया गया है। तब चेन ने सिस्टम में धूल के अंदर बनते अलग-अलग ग्रह देखे।

चेन ने कहा, 'इसलिए मैं जेम्स वेब टेलीस्कोप के जरिए 2023 में फिर इसे देखने के लिए बेहद उत्साहित थी। मैं वास्तव में ग्रह प्रणाली को अधिक विस्तार से समझने की उम्मीद कर रही थी और हम निश्चित ही ऐसा कर रहे हैं।' जेम्स वेब टेलीस्कोप साल 2022 से काम कर रहे हैं। यह उस प्रकाश को भी देख सकता है, जो इंसानी आंख से दिखाई नहीं देगा। वैज्ञानिक सुपरनोवा, एक्सोप्लैनेट और दूर की आकाशगंगाओं का अध्ययन करने के लिए स्पेस टेलीस्कोप का इस्तेमाल करते हैं।

जेम्स वेब से देखने पर क्या मिला?

स्पिट्जर और वेब अवलोकनों की तुलना करके चेन और उनके सहयोगियों ने महसूस किया कि 20 साल पहले उन्होंने जो डेटा कैप्चर किया था उसमें मौजूद दो प्रमुख दूल के बादल गायब हो गए थे। 10 जून को मैडिसन, विस्कॉन्सिन में अमेरिकन एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी की 244वीं बैठक में चेन ने इससे जुड़ा अध्ययन पेश किया। वह इस स्टडी की प्रमुख लेखक हैं।

राष्ट्र विरोधी अभियानों को रोकने के लिए शहबाज सरकार ने दी चेतावनी

पीटीआई से प्रचार रोकने का आग्रह

इस्लामाबाद, 17 जून (एजेंसियां)। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) से राज्य विरोधी गतिविधियों और प्रचार को रोकने का आग्रह किया गया है। पाकिस्तान में शहबाज शरीफ की सरकार ने चेतावनी दी है कि मित्र देशों के साथ पाकिस्तान के संबंधों को नुकसान पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया पर चलाए गए राष्ट्र विरोधी अभियानों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कानूनी मामलों के प्रवक्ता अकील मलिक ने कहा, पाकिस्तान एक स्वतंत्र राष्ट्र है, उसे किसी अन्य राष्ट्र से आदेश लेने की जरूरत नहीं है। हम सभी राष्ट्र के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध रखना चाहते हैं। हालांकि, 2022 के अविश्वास प्रस्ताव के बाद विदेशों में पाकिस्तान के खिलाफ बदनामी अभियान चलाया गया। इसने पाकिस्तान विरोध प्रचार को बढ़ावा

दिया है। मलिक ने आरोप लगाया कि पीटीआई ने विदेशों में पाकिस्तान विरोधी अभियान चलाने के लिए पीएम फार्म और पैरवी करने वालों को काम पर लगाया है। उन्होंने चेतावनी दी कि मित्र देशों के साथ पाकिस्तान के संबंधों को नुकसान पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया पर चलाए गए राष्ट्र विरोधी अभियानों में शामिल लोगों के खिलाफ उचित कदम उठाया जाएगा। कानूनी मामलों के प्रवक्ता ने पीटीआई से राज्य विरोधी गतिविधियों और प्रचार को रोकने का आग्रह किया गया है। उन्होंने कहा कि देश की छवि को धूमिल करने की बजाय उन्हें इसके समाधान पर विचार करने के लिए सरकार से बात करनी चाहिए।

पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर पर प्रतिबंध लगा सकता है अमेरिका, ऐक्शन में भारतीय

वॉशिंगटन, 17 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर के खिलाफ अमेरिका प्रतबिंध लगा सकता है। इस प्रतिबंध की वजह बनने जा रहे हैं भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद रो खन्ना। सांसद रो खन्ना ने पाकिस्तान के असली शासक जनरल असीम मुनीर के खिलाफ मानवाधिकारों के उल्लंघन को लेकर अमेरिका सरकार से प्रतिबंध लगाने की मांग की है। वहीं एक अन्य अमेरिकी सांसद ग्रेग कसार ने भी जनरल मुनीर के खिलाफ प्रतिबंध लगाने की मांग की है। उन्होंने अमेरिकी नीतियों में संशोधन करने की मांग की है जिससे आने वाले समय में पाकिस्तान को हथियार मिलने में दिक्कत आ सकती है। रो खन्ना ने अमेरिका सरकार से मांग की है कि पाकस्तिानी सेना प्रमुख और अन्य सैन्य कमांडरों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दमन के अपराध के लिए प्रतिबंध लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि हम सभी जानते हैं कि पाकिस्तान में हुए चुनाव में धांधली की गई थी और इमरान खान अभी भी जेल में हैं।

खन्ना ने असीम मुनीर को पाकिस्तानी सेना प्रमुख की जगह सैन्य शासक करार दिया है। असीम मुनीर अब अमेरिका में लोकतंत्र समर्थक पाकिस्तानी लोगों के परिवार को निशाना बना रहे हैं। रो खन्ना ने कहा कि हमें पता है कि इमरान खान जेल में हैं और हमें तत्काल पाकिस्तानी सेना प्रमुख और उनके मददगारों को प्रतिबंध लगाना चाहिए।

बता दें कि जनरल मुनीर के राज में इमरान समर्थकों को जमकर निशाना बनाया जा रहा है। पीटीआई के नेता शहबाज गिल के भाई का अपहरण कर लिया गया है। जनरल मुनीर के विरोधियों को निशाना बनाने के लिए ऐसे लोगों के परिवार को डराया जा रहा है।

उधर, एक अन्य सांसद ग्रेग कसार ने अमेरिकी नीतियों में बदलाव का प्रस्ताव दिया है ताकि पाकिस्तानी सेना को जिम्मेदार ठहराया जा सके जो भयंकर भ्रष्टाचार और मानवाधिकार उल्लंघनों के लिए जिम्मेदार है। ये बदलाव सभी तरह के अमेरिकी सैन्य मदद को तब तक रोक देंगे जब तक कि शर्तों को पाकिस्तानी सेना पूरा नहीं करती है। सांसद ग्रेग ने कहा कि हमारी शर्त स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव, न्यायपालिका की धमकी को बंद करना और न्यायपालिका की निष्पक्षता को बहाल करना है।

हवाई यात्रा के दौरान हिंसक व्यवहार के लिए अमेरिकी महिला पर कार्रवाई

एफएए ने लगाया 81950 डॉलर का जुर्माना

वाशिंगटन, 17 जून (एजेंसियां)। 2021 में अमेरिका के टेक्सास से चार्लोट तक हवाई सफर करने के दौरान अपने सहयात्रियों को लात मारने और थूकने की आरोपी महिला पर अब मुकदमा भी दर्ज किया गया है। इस मामले में कार्रवाई करते हुए संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने महिला पर अब तक का सबसे बड़ा जुर्माना लगाया है। हालांकि आरोपी महिला हीथर वेल्स जुर्माने की राशि चुकाने में असमर्थ रही। दरअसल सैन एंटोनियो की रहने वाली हीथर वेल्स 7 जुलाई 2021 को अमेरिकन एयरलाइंस से टेक्सास से चार्लोट के लिए प्रथम श्रेणी के टिकट पर यात्रा कर रही थी। इस दौरान उसने व्हिस्की का ऑर्डर दिया और उसके बाद उसने हिंसक व्यवहार करना शुरू कर दिया। जानकारी के मुताबिक आरोपी महिला ने सह यात्रियों और फ्लाइट क्रू को लात मारी और उनपर थूका और फ्लाइट का मुख्य दरवाजा खोलने की कोशिश की। जिसके बाद उसे जैसे-तैसे डक्ट टेप से उसकी सीट पर बांधा गया था। मामले में दर्ज शिकायत में बताया गया कि महिला ने कई लोगों के साथ अभद्र व्यवहार किए और केबिन के सामने का दरवाजा खोलने की कोशिश की। वहीं महिला ने फ्लाइट अटेंडेंट को भी धक्का दिया और जब दो केबिन क्रू और एक यात्री ने उसे रोकने की कोशिश की, तो उसने एक अटेंडेंट के सिर पर हमला भी किया। और जब महिला को डक्ट टेप से उसकी सीट पर बांधा गया तभी भी उसका हिंसक व्यवहार जारी रहा और उसने अपने सामने की सीट को भी तोड़ दिया। आखिरकार महिला को बेहोश करके चार्लोट में उतार दिया गया। एक रिपोर्ट के मुताबिक महिला पर केबिन क्रू और फ्लाइट अटेंडेंट पर हमला करने और खतरा पैदा करने के लिए 45 हजार डॉलर का जुर्माना लगाया गया।

उड़ान के दौरान केबिन का दरवाजा खोलने का प्रयास के आरोप में 27 हजार 950 डॉलर और चालक दल के कामकाज में हस्तक्षेप करने के लिए 9 हजार डॉलर का जुर्माना लगाया गया है।

मतभेदों को सुलझाने पर सहमति

ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष से मुलाकात के बाद बोले चीनी पीएम कियांग

मेलबर्न, 17 जून (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस ने सोमवार को कैनबरा में चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग से मुलाकात की। अल्बनीस के साथ अपनी बातचीत को स्पष्ट, गहन और सार्थक करार देते हुए ली ने कहा कि उन्होंने दोनों देशों के बीच कुछ मतभेदों और असहमतियों पर विचारों का आदान-प्रदान किया और उनपर आगे काम करने पर सहमति व्यक्त की। इससे पहले, यांग हेंगजुन के समर्थकों ने प्रधानमंत्री

अल्बनीस से अनुरोध किया था कि वे चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग से बीमार चल रहे लेखक को मेडिकल पैरोल पर रिहा करने या उन्हें ऑस्ट्रेलिया को सौंपने के लिए कहें। दरअसल, ऑस्ट्रेलियाई नागरिक, लेखक और लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ता यांग हेंगजुन जासूसी के आरोप में 2019 से ही चीन की जेल में बंद हैं।

हालांकि, हेंगजुन अपने ऊपर लगे आरोपों को शुरू से ही नकारते आ रहे हैं। वार्षिक बैठक में दोनों नेताओं के बीच कई मुद्दों पर बात हुई। हालांकि अभी यह जानकारी सामने नहीं आई है कि हेंगजुन को रिहा करने के मुद्दे पर बात हुई या नहीं। मगर माना जा रहा है कि दोनों के बीच इस पर चर्चा हुई होगी।

पीएम से चुनाव के बाद पहली बार मिले सीएम

राजस्थान के इन मुद्दों को लेकर हुई चर्चा!

जयपुर, 17 जून (एजेंसियां)। राजस्थान लोकसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। जानकारी के मुताबिक इस मुलाकात में सीएम शर्मा ने प्रदेश की सभी 25 सीटों पर भाजपा के प्रदर्शन को लेकर चर्चा की। साथ ही राजस्थान बजट को लेकर भी चर्चा संभव बताई जा रही है।

हार के कारणों पर चर्चा संभव

राजस्थान में लोकसभा चुनाव के परिणाम को लेकर दो दिन बैक टू बैक प्रदेश भाजपा मुख्यालय पर मंथन बैठक हुई। इस बैठक में प्रदेश की 11 लोकसभा सीट पर हार के कारणों को लेकर रिपोर्ट तैयार की गई। सूत्रों के मुताबिक

इस रिपोर्ट कार्ड को सीएम भजनलाल शर्मा ने पीएम मोदी को सौंपा होगा।

राजस्थान की पांच विधानसभा सीटों पर ये दावेदार सबसे मजबूत! खींवसर सीट पर कौन होगा आमने-सामने?

आपसी कलह और गुटबाजी बनी हैट्रिक में रोड़ा

भाजपा की लोकसभा चुनाव की मंथन बैठक में कई नेताओं ने दर्द बयां किया। प्रत्याशियों का कहना था कि इन नेताओं ने अंदरखाने साथ रहने का नाटक किया, लेकिन उनके समर्थकों ने पार्टी को हरवाने में दिन-रात एक कर दिया। बैठक में सामने आया कि कांग्रेस ने जिस तरह एससी-एसटी आरक्षण खत्म होने का प्रचार किया। उसका समय पर जवाब नहीं दे सके। इससे एससी-एसटी वोट का काफी नुकसान हुआ। इसके अलावा ओवर कॉन्फिडेंस भी हार का बड़ा कारण रहा। इसी प्रकार संगठन के जिन नेताओं के पास बड़े पद थे, वे भी वोट नहीं दिला सके।

खराब टिकट वितरण भी बना वजह

इसके अलावा कुछ नेताओं ने हार के बड़े कारणों में खराब टिकट वितरण और बड़े नेताओ का अपनी ही सीटों पर व्यस्त रहना भी बताया है। चूरू सीट पर हार के कारणों में एक बड़ा कारण चुनाव का जातीय आधार पर लड़ा जाना भी माना गया।

कृषि को लेकर सरकार की प्री-बजट बैठक निरस्त

किरोड़ीलाल मीणा ने शामिल होने से किया इंकार

जयपुर, 17 जून (एजेंसियां)। प्रदेश की भजनलाल सरकार के लिए कैबिनेट मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के इस्तीफे का विवाद गले की हड्डी बन गया है। सोमवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में सीएमओ में बुलाई गई कृषि से जुड़ी प्री बजट बैठक निरस्त कर दी गई। जानकारी के मुताबिक किरोड़ील मीणा ने इस बैठक में शामिल होने से मना कर दिया है।

प्रदेश की भजनलाल सरकार की प्री-बजट बैठकें ही विवादों में आ गई हैं। कभी इन बैठकों में मंत्रियों को नहीं बुलाने पर बवाल होता है अब जानकारी यह आ रही है कि कृषि विभाग की प्री बजट

मीटिंग में खुद कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने आने से इंकार कर दिया और इसी के चलते सोमवार को प्रस्तावित इस बैठक को सरकार ने निस्तर कर दिया है।

सीएम भजनलाल शर्मा के लिए बजट सत्र से पहले ही बड़ी चुनौती खड़ी नजर आ रही है। अपने इस्तीफे की अटकलों के बीच किरोड़ीलाल मीणा ने सरकारी कामकाज से पूरी तरह खुद को अलग कर लिया है। यह बैठक सोमवार को सचिवालय स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय में दोपहर 3 बजे प्रस्तावित थी लेकिन अब इसके निरस्त किए जाने के आदेश जारी कर दिए गए हैं।

क्या किरोड़ी दे चुके हैं इस्तीफा

सूत्रों के अनुसार लोकसभा चुनावों के नतीजे आने के तुरंत बाद ही किरोड़ीलाल मीणा ने अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को भेज दिया था। हालांकि मीडिया से बातचीत में किरोड़ीलाल मीणा ने इसका जिक्र नहीं किया लेकिन उन्होंने इस्तीफे के सवाल पर यह जरूर कहा कि जो कहा है, वह करना तो पड़ेगा। इधर बीजेपी अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी ने भी किरोड़ी के इस्तीफे के सवाल पर कहा कि वे किरोड़ी से इस विषय पर बैठकर बातचीत करेंगे।

पांच विधानसभा सीटों पर ये दावेदार सबसे मजबूत!

खींवसर हॉट सीट पर कौन होगा आमने-सामने?

जयपुर, 17 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में लोकसभा चुनाव के रिजल्ट आने के बाद अब विधानसभा उपचुनाव पर टिकट वितरण को लेकर सियासत शुरू हो गई है। हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन के साथ 11 सीटों पर अपना कब्जा जमाकर बीजेपी के क्लीन स्वीप करने का सपने को चूर-चूर कर दिया। जबकि बीजेपी को 14 सीट जीतकर ही संतोष करना पड़ा। इस हार के कारण बीजेपी में हलचल है।

इस बार के राजस्थान लोकसभा चुनाव में प्रदेश के सात विधायकों ने सांसद बनने का सपना देखा। जिसमें पांच विधायक ही कामयाब हो सके। जिसके कारण विधानसभा सीटों पर विधायक का पद खाली हो गया है। इसके चलते अब फिर से राजस्थान में पांच विधानसभा सीटों पर

उपचुनाव होंगे। इनमें एक आरएलपी, एक बाप पार्टी का तो वहीं तीन कांग्रेस विधायक शामिल हैं। ऐसे में अब सियासी गलियारों में इन सीटों चौरासी, खींवसर, दौसा, देवली-उनियारा, झुंझुनूं पर विधायकों के उत्तराधिकारियों के नामों को लेकर चर्चा जारी है।

इन पांच विधानसभाओं की सीटें खाली होने से होंगे उपचुनाव

लोकसभा चुनाव के बाद प्रदेश की पांच सीटों पर भाजपा, कांग्रेस, आरएलपी और बाप पार्टी से प्रत्याशियों के नामों को लेकर चर्चा बनी हुई है। बांसवाड़ा की चौरासी विधानसभा सीट से बाप पार्टी कांतिलाल रोत या मोहनलाल रोत में से किसी को भी टिकट दे सकती है। वहीं कांग्रेस से ताराचंद भगोरा तो बीजेपी से सुशील कटारा को टिकट मिल सकता है।

दौसा से दम भरेंगे ये नेता!

दूसरी ओर, दौसा लोकसभा क्षेत्र से मुरारी लाल मीणा हाल ही में चुनाव जीतकर सांसद बने है। यहां से कांग्रेस नरेश मीणा या गजराज खटाना तो वहीं भाजपा शंकर शर्मा या किसी मीणा कैंडिडेट को मैदान में उतार सकती है।

झुंझुनूं से सतीश पूनियां को मिलेगा मौका?

झुंझुनूं विधानसभा से कांग्रेस विधायक बृजेंद्र ओला के सांसद बनने के बाद यह सीट खाली हो गई है। अब इसी विधानसभा सीट से बीजेपी राजेंद्र भाम्बू, बबलू चौधरी या फिर भाजपा के वरिष्ठ नेता सतीश पूनियां को टिकट दे सकती है तो वहीं कांग्रेस से एमडी चोपदार प्रत्याशी हो सकते है।

देवली-उनियारा से किसको मिलेगा मौका?

टोंक-सवाई माधोपुर से सांसद का चुनाव जीते हरीश मीना के बाद देवली-उनियारा विधानसभा सीट खाली हो गई है। जिस पर भाजपा विजय बैंसला या सौम्या गुर्जर को चुनाव लडवा सकती है। वहीं कांग्रेस किसी मीणा कैंडिडेट को टिकट दे सकती है।

हॉट सीट खींवसर से कौन?

राजस्थान विधानसभा उपचुनाव की सबसे हॉट सीट रहने वाली खींवसर से हाल ही में हनुमान बेनीवाल ने लोकसभा का चुनाव जीता। अब बीजेपी यहां से रेवत राम डांगा या ज्योति मिर्धा को मैदान में उतार सकती है तो कांग्रेस गठबंधन के तहत रालोपा के नारायण बेनीवाल या कनिका बेनीवाल को टिकट दे सकती है। कांग्रेस अगर स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ती है तो उसे उम्मीदवार ढूंढना होगा। बता दें कि किसी भी विधानसभा सीट खाली होने के बाद 6 माह के दौरान वहां चुनाव आयोग की ओर से उपचुनाव आयोजित किए जाते हैं।

लाल डायरी वाले नेताजी ने फिर बदला पाला!

उपचुनाव में यहां से उतरने की कर रहे तैयारी

झुंझुनू, 17 जून (एजेंसियां)। जयपुर। राजस्थान में लाल डायरी से सियासी हलचल मचाने वाले पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा एक बार फिर सुर्खियों में है। दरअसल, झुंझुनूं विधानसभा उपचुनाव की तैयारी कर रहे राजेंद्र सिंह गुढ़ा फिर से पाला बदलने जा रहे हैं। गुढ़ा ने साफ कर दिया है कि वो शिवसेना के टिकट पर चुनाव नहीं लड़ेंगे। साथ ही

उन्होंने ऑल इंडिया मजलिस-ए-मुस्लिमीन एआईएमआईएम के सुप्रीमो असदुद्दीन ओवैसी को अपना दोस्त बताया है।

ऐसे में सियासी गलियारों में चर्चा है कि वो एआईएमआईएम के टिकट पर झुंझुनूं विधानसभा में उपचुनाव लड़ सकते है। गहलोत सरकार में मंत्री रहे राजेंद्र गुढ़ा इन दिनों झुंझुनूं विधानसभा से उपचुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे है। झुंझुनूं में मीडिया से चर्चा के दौरान राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि वो शिवसेना से चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि असदुद्दीन ओवैसी मेरे मित्र है। हम आपस में मिलते है। मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं। राजेंद्र गुढ़ा के बयान के बाद सियासी गलियारों में चर्चा है कि वो असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-मुस्लिमीन ज्वॉइन कर सकते है। साथ ही वो झुंझुनूं से एआईएमएमआईएम के टिकट पर उपचुनाव लड़ सकते है।

राजेंद्र गुढ़ा ने पिछले साल विधानसभा में लाल डायरी दिखाकर गहलोत सरकार को कठघरे में खड़ा कर दिया था। जिस पर उन्हें मंत्री पद से बर्खास्त किया गया था। इसके बाद राजेंद्र गुढ़ा ने कांग्रेस का हाथ छोड़कर एकनाथ शिंदे गुट वाली शिवसेना का दामन थाम लिया था। लेकिन, अब उनके बयान से ऐसा लग रहा है कि नेताजी का मात्र सात महीने में ही शिवसेना से मोहभंग हो गया है। झुंझुनूं जिले में 19 जुलाई 1968 को जन्मे राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने साल 2008 में अपना सियासी सफर शुरू किया था। उन्होंने पहली बार बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था। लेकिन, चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस के साथ चले गए थे। साल 2013 में गुढ़ा ने कांग्रेस के टिकट पर उदयपुरवाटी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा। लेकिन, वो हार गए थे। इस कारण उन्हें साल 2018 में कांग्रेस ने टिकट नहीं दिया और वो वापस बसपा में शामिल हो गए थे। हालांकि, चुनाव जीतते ही वापस कांग्रेस का हाथ थाम लिया था। वो गहलोत राज में दो बार मंत्री भी रह चुके है। पिछले साल लाल डायरी पर मचे सियासी घमासान के बाद उन्हें कांग्रेस छोड़नी पड़ी थी और शिवसेना का दाम थाम लिया था।

पैसा डबल करने का झांसा देकर कर रहे थे साइबर लूट

दिल्ली-उप्र गैंग के आठ आरोपी पुलिस हिरासत में

नागौर, 17 जून (एजेंसियां)। टेलीग्राम और व्हाट्स एप ग्रुप के जरिये पैसा डबल करने का लालच देकर ठगी करने वाले साइबर ठगों को नागौर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ऑनलाइन झांसा देकर पैसा लूटने वाले ये साइबर ठग दिल्ली और उत्तरप्रदेश की गैंग से वास्ता रखते हैं। पुलिस ने इनके पास से करीब 20 लाख 35 हजार रुपये की बड़ी रकम बरामद की है।

पिछले दिनों नागौर जिले की मेड़ता सिटी में रहने वाली अमनदीप कौर पत्नी संदीप सिंह ने नागौर साइबर थाने में रिपोर्ट दी थी कि कुछ लोग उसे लगातार व्हाट्स एप और टेलीग्राम पर शेयर मार्केट में पैसे जमा करवाने और पैसे डबल करवाने का झांसा दे रहे हैं। इन साइबर ठगों ने एक टॉप वीआईपी स्टॉक ग्रुप बना रखा था, जिसमें ये शेयर मार्केट की जानकारी साझा करते थे।

अमनदीप ने बताया कि ग्रुप के एडमिन ने उससे एक फर्जी एप सीएचसी - एसईएस डाउनलोड करवाकर शेयर मार्केट में पैसा इंवेस्टमेंट का झांसा देकर अलग-अलग फर्मों में कुल 20 लाख 35 हजार रुपयों की ठगी कर ली। पुलिस ने शिकायत पर कार्रवाई करते हुए नागौर से आठ आरोपियों को रुपयों समेत गिरफ्तार कर लिया है और अब आगे की कार्रवाई की जा रही है।

आरपीएस, साईबर थाना, नागौर उम्मेदसिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि 23 जनवरी को मेड़ता निवासी महिला की रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने इन आरोपियों विकास बंसल, मनोज बंसल, रामकुंवर रमन, गौरव कुमार, मुनीश शर्मा, राजेश कुमार गोयल, तुषार गर्ग और परमजीत खरब उर्फ रिंकू को गिरफ्तार किया है। मामले में अनुसंधान जारी है।

पुलिस ने लगातार ऐसे मामलों को देखते हुए आमजन से अपील की है कि किसी प्रलोभन या लालच में आकर किसी को पैसे नहीं भेजें। साथ ही किसी के साथ अपना एटीएम कार्ड या सिम का लेनदेन करें। ऐसा करने से आपको भी किन्हीं परिस्थितियों में जेल जाना पड़ सकता है।

मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्त कौन होगा?

चयन समिति की 19 जून को होगी बैठक

जयपुर, 17 जून (एजेंसियां)। राजस्थान का मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्त पर नया अपडेट। राज्य सरकार ने सूचना आयोग में मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्त के पदों को भरने की तैयारी शुरू कर दी है। नामों पर विचार करने के लिए 19 जून को चयन समिति की बैठक बुलाई गई है। भजनलाल शर्मा सरकार के कार्यकाल में राज्य सूचना आयोग में मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्त के पदों को भरने के लिए पहली बैठक होने जा रही है। आयुक्त के खाली पदों को भरने के लिए इसी साल फरवरी और इससे पहले पिछले साल सितम्बर में आवेदन मांगे गए थे। सूत्रों के अनुसार मुख्य सूचना आयुक्त के लिए मौजूदा सूचना आयुक्त एम एल लाठर और भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी पी के गोयल व नौ अन्य दावेदार बताए जा रहे हैं। वहीं सूचना आयुक्त के लिए 100 से अधिक नाम विचाराधीन होने की जानकारी है।

एम एल लाठर हैं मौजूदा सूचना आयुक्त

मौजूदा सूचना आयुक्त एम एल लाठर रिटायर्ड आईपीएस हैं। साल 2023 को एमएल लाठर ने सूचना आयुक्त का पदभार ग्रहण किया था। लाठर राजस्थान पुलिस महानिदेशक के पद से 30 नवम्बर को ही रिटायर हुए थे। बताया जा रहा है कि अब वह मुख्य सूचना आयुक्त के दावेदार हैं।

स्वायत्त शासन विभाग के आदेश के बाद निकायों में मची खलबली

जयपुर, 17 जून (एजेंसियां)। आर्थिक तंगी से जूझ रहे नगरीय निकाय (नगर निगम, परिषद, पालिका) अब उधारी पर विकास कार्य नहीं करा सकेंगे। सभी निकायों को किसी काम की स्वीकृति, कार्यादेश जारी करने से पहले सुनिश्चित करना होगा कि तिजोरी में उसके लिए पैसे है या नहीं। खास यह है कि काम के बाद भुगतान नहीं कर पाने, कानूनी पेंच फंसने, ब्याज-जुर्माना आदि की स्थिति में सीधी जिम्मेदारी निकाय के कार्यकारी अधिकारी की होगी।

स्वायत्त शासन विभाग के इस आदेश के बाद निकायों में खलबली मची है। संभवतया पहली बार है जब इस तरह के आदेश जारी किए गए हैं। सरकार की इसके पीछे मंशा है कि निकाय पहले आय के स्रोत तैयार करें और फिर आगे बढ़ें। हालांकि, विभाग ने इस आदेश में निकायों को आय के स्रोत बढ़ाने के लिए राह नहीं सुझाई है। प्रदेश में अभी 213 निकायों में बोर्ड हैं और 90 फीसदी तंगहाली में हैं।

राज्य में ज्यादातर निकाय तंगहाली से जूझ रहे हैं। वाहवाही लूटने के लिए दिखावटी बजट बना रहे, क्योंकि उनके पास आय के संसाधन ही नहीं है। अनुमानित आय के मुकाबले 70 प्रतिशत तक पैसा तिजोरी में नहीं आ रहा। सरकार भी जरूरत से काफी कम सहायता कर रही है। इसका सीधा असर विकास कार्यों पर पड़ रहा है।ोतिजोरी में पूरा भुगतान करने के लिए राशि नहीं होती, इसके बावजूद निकाय कार्यादेश जारी करते रहे हैं। इसके पीछे केन्द्र, राज्य सरकार से आर्थिक सहायता मिलने की उम्मीद रहती है। स्वायत्त शासन विभाग के अफसरों ने यह भी साफ कर दिया है कि आगे इस उम्मीद में किसी भी तरह के कार्यादेश जारी नहीं किए जाएं। निकायों को जो भी निर्धारित फंड दिया जा रहा है, उसका सदुपयोग करें। अपनी आय बढ़ाने के नए स्रोत तैयार करें।

शहरीकरण का पैमाना केवल 33 प्रतिशत है। इसे यहां पानी, स्वच्छता, कचरा और सीवरेज, शहरी परिवहन, रोड लाइट, सड़कों के रखरखाव की जरूरत बढ़ती जा रही है। इसके लिए पुख्ता वित्तीय प्रबंधन की आवश्यकता है।

प्रदेश में 213 निकाय ऐसे हैं, जहां बोर्ड गठित है। इनमें 7950 सदस्य (पार्षद) हैं। अफसर-कर्मचारियों के साथ इनकी भी जिम्मेदारी है कि निकाय को आर्थिक सक्षम बनाएं, लेकिन ज्यादातर अपनी राजनीति चमकाने में व्यस्त रहते आए हैं।

नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में एक आरोपी गिरफ्तार, दी थी जान से मारने की धमकी

दौसा, 17 जून (एजेंसियां)। जिले की बांदीकुई पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी और उसके साथियों ने ट्यूशन पढ़ने जा रही एक नाबालिग को जबरन अगवा कर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया और घटना की जानकारी देने पर जान से मारने की धमकी दी थी। बांदीकुई पुलिस उप अधीक्षक कार्यालय एवं पुलिस थाना बांदीकुई की टीम ने कार्रवाई करते हुए सामूहिक दुष्कर्म के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपने साथियों के साथ नाबालिग को अगवा कर दुष्कर्म किया और रिपोर्ट करवाने और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी थी। जिला पुलिस अधीक्षक, दौसा रंजिता शर्मा ने बताया कि आरोपी सोहनलाल उर्फ सोनू पुत्र मुकेश सिरसी रोड पर किराए का कमरा लेकर रहता था। 13 जून को पुलिस थाना बांदीकुई में दर्ज मुकदमे के अनुसार नाबालिग पीड़िता को ट्यूशन जाते समय आरोपियों ने जबरन एक गाड़ी में घसीटा और किसी अन्य जगह ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपियों ने घटना के बारे में किसी को बताने या रिपोर्ट करवाने पर पीड़िता और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी थी। पुलिस ने इसी रिपोर्ट के आधार पर पर जांच आरंभ की लेकिन धमकी के डर से नाबालिग ने प्रथम सूचना रिपोर्ट में घटना में शामिल अपराधियों के नाम सही नहीं बताए और साथ ही वाहन और दुष्कर्म होने का स्थान भी नहीं बताया था। अपराध की गंभीरता को देखते हुए अनुसंधान अधिकारी रोहिताश देवन्दा ने घटना में लिप्त आरोपी सोहनलाल उर्फ सोनू बैरवा को सिरसी रोड, जयपुर से गिरफ्तार किया है।

तेज रफ्तार ट्रेलर ने राह चलते लोगों को कुचला

5 लोगों की मौत

उदयपुर, 17 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है। उदयपुर में तेज रफ्तार ट्रेलर ने राह चलते लोगों को कुचल दिया। इस हादसे में ट्रेलर चालक, परिचालक सहित 5 लोगों की मौत हो गई। वहीं, एक गंभीर घायल को उदयपुर रेफर किया गया है। घटना गोगुंदा पिंडवाड़ा हाइवे की है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को एंबुलेंस की मदद से सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस के मुताबिक हादसा आज सुबह गोगुंदा पिंडवाड़ा हाइवे के मलवा चौराहे पर हुआ। जहां तेज रफ्तार ट्रेलर अनियंत्रित हो गया और राहगीरों को कुचलता चला गया। इस हादसे में तीन राहगीरों की मौके पर ही मौत हो गई है और एक गंभीर घायल हो गया।

ई मित्र संचालक के साथ हुई लूट की घटना का पर्दाफाश

पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया

नागौर,17 जून (एजेंसियां)। नागौर के कुचेरा थाने इलाके में 11 जून को ई मित्र संचालक की आंखों में मिर्च डालकर सवा चार लाख रुपये और अन्य कागजात लेकर फरार हुए आरोपी समेत एक अन्य आरोपी को पुलिस ने जयपुर से गिरफ्तार कर लिया है। दोनों ही आरोपियों ने पिछले कई दिनों से नागौर के बुटाटी गांव में कमरा किराया पर ले रखा था और ई मित्र संचालक की रैकी कर रहे थे। मौका मिलते ही दोनों ने ई मित्र संचालक की आंखों में मिर्च झोंकी और रुपये लेकर फरार हो गए। दोनों आरोपी जयपुर में भी एक बड़ी लूट को अंजाम देने वाले थे लेकिन नागौर पुलिस ने उनकी योजना पर पानी फेर दिया। मामले के अनुसार गत 11 जून को ओमप्रकाश पुत्र डूंगरराम विश्नोई ने कुचेरा थाने में लिखित रिपोर्ट दी थी कि वह बुटाटी गांव में ई मित्र का कार्य करता है। 11 जून की रात जब वह अपने घर जा रहा था तो पीछे से एक गाड़ी आई और उसकी आंखों में मिर्च पाउडर डालकर उसके पास से सवा चार लाख रुपये और कागजातों से भरा बैग भरकर फरार हो गए। पुलिस ने मामले के संबंध में जांच शुरू की और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार षड्यंत्रकारी मुलजिम अजीत बिश्नोई पिछले कई दिनों से प्रार्थी के साथ लूट करने की फिराक में था इसलिए उसने अपने दो दोस्तों को लूट की वारदात को अंजाम देने से एक दिन पहले ही बुटाटी गांव बुलाकर वहां एक कमरा किराए पर लिया था।

400 करोड़ से एयरपोर्ट लुक में बदल जाएगा रेलवे स्टेशन, सुविधाएं मिलेंगी

अजमेर, 17 जून (एजेंसियां)। उत्तर-पश्चिम के बड़े रेलवे स्टेशनों में शुमार अजमेर रेलवे स्टेशन को अत्याधुनिक बनाया जाएगा। स्टेशन का भवन बहुमंजिला होगा, जिसमें यात्रियों के लिए विश्व स्तरीय सुविधाएं होंगी। इसमें आवास भोजन, शॉपिंग मॉल सहित लिफ्ट, एस्केलेटर्स आदि सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। अजमेर स्टेशन पर ब्रह्मा मंदिर पुष्कर और ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह की वजह से सैकड़ों पर्यटकों व श्रद्धालुओं की आवाजाही लगी रहती है। अजमेर रेलवे स्टेशन पर 400 करोड़ रुपए की लागत से कई कार्य होंगे। स्टेशन भवन का पुनर्निर्माण किया जाएगा। परियोजना में निर्माण के साथ संचालन और रखरखाव के साथ ग्रीन बिल्डिंग सुविधाएं होंगी। मुख्य स्टेशन भवन और वाणिज्यिक ब्लॉक, फ्रंट एलिवेशन का लुक एयरपोर्ट की तर्ज पर, एयर-कॉन्कोर्स, यूटिलिटी ब्लॉक, प्लेटफॉर्म नवीनीकरण, लिफ्ट, एस्केलेटर, डीजी सेट, वाटर टैंक, फसाड लाइट, सीसीटीवी, सड़क, पार्किंग स्थल आदि का निर्माण, पानी की सुविधा, चार्जिंग और प्लेटफॉर्म के साथ अतिरिक्त 7 लाइनों का निर्माण।

मानसून ने बढ़ाईं मुश्किलें, भारी ट्रैफिक से जूझ रहे लोग

एक से दो घंटे की देरी से ऑफिस पहुंच रहे आईटी कर्मचारी

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के आईटी कॉरिडोर में पहले से ही अव्यवस्थित यातायात के कारण यात्रियों के लिए स्थिति और भी खराब हो गई है, क्योंकि बारिश के कारण उन्हें जाम में फंसना पड़ रहा है, जिससे एक से दो घंटे तक की देरी हो रही है। दुर्गम चेरुवु केबल ब्रिज, आईकेईए जंक्शन और आस-पास की सड़कें जैसे प्रमुख क्षेत्र खास तौर पर प्रभावित हैं, जहां कई किलोमीटर तक वाहनों की कतार लगी रहती है। यह जाम हाइटेक सिटी, माधापुर, जुबली हिल्स, रायदुर्गम और टोलीचौकी तक फैला हुआ है, जिससे ये इलाके लगभग ठप हो गए हैं।

पुलिस ने किया अलग-अलग कार्य समय लागू करने का आग्रह

साइबराबाद पुलिस ने आईटी कंपनियों से इन क्षेत्रों में यातायात के बोझ को कम करने के लिए अलग-अलग कार्य समय लागू करने का आग्रह किया है। इसके बावजूद, कई कर्मचारियों के लिए दैनिक आवागमन एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। आईटी कर्मचारी लगातार बढ़ते ट्रैफिक से परेशान होते जा रहे हैं। अमेजन की साक्षी पंड्या, खुद को सामान्य से दो घंटे पहले घर से निकलते हुए पाती हैं, लेकिन फिर भी देर से पहुंचती हैं। उन्होंने कहा कि हम समय और दिशा-निर्देशों का पालन करने की कोशिश करते हैं, लेकिन ट्रैफिक, खासकर बरसात के मौसम में, समय पर पहुंचना असंभव बना देता है। सार्वजनिक परिवहन और राइड-हेलिंग सेवाओं में लंबा इंतज़ार करना पड़ता है।

कैब पाने में लग जा रहा काफी टाइम

माइक्रोसॉफ्ट के आकाश तिवारी ने अपनी परेशानी साझा करते हुए कहा कि कैब पाने में आधे घंटे से लेकर एक घंटे तक का समय लग जा रहा है और बार-बार रद्द होने से स्थिति और भी खराब हो जाती है। उन्होंने बताया कि हममें से कई लोग सार्वजनिक परिवहन से यात्रा करते हैं और इस बरसात के मौसम में, टैक्सी मिलने में भी बहुत समय लगता है और टैक्सी पहुंचने में कभी भी आधे घंटे से कम समय नहीं लगता। हम बस फंसे हुए हैं। शाम की यात्रा विशेष रूप से कष्टदायक होती है, क्योंकि कर्मचारियों को अक्सर छुट्टी के बाद घर पहुंचने में दो से चार घंटे लग जाते हैं।

अधिकांश ऊर्जा को खत्म कर दे रही ट्रैफिक

अमेज़न के ऋतिक इजंथकर ने कहा कि ट्रैफ़िक में फँसना हमारे कार्यदिवस की शुरुआत करने का सबसे अच्छा तरीका नहीं है। हैदराबाद में ट्रैफ़िक के चरम घंटों के दौरान यह हमारी अधिकांश ऊर्जा को खत्म कर देता है।

भारी बारिश: पोन्नम ने अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के कुछ हिस्सों में भारी बारिश के मद्देनजर हैदराबाद जिले के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने संबंधित अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि किसी की जान न जाए। सोमवार दोपहर हैदराबाद के अधिकांश हिस्सों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई, जिससे निचले इलाकों और अन्य इलाकों में जलभराव हो गया। एक विज्ञप्ति में परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सुझाव दिया कि सभी उपाय किए जाने चाहिए ताकि निचले इलाकों में लोगों को किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि जीएचएमसी और आपदा प्रतिक्रिया बल (डीआरएफ) की टीमों को आपातकालीन कॉल पर ध्यान देना चाहिए और बाढ़ वाले क्षेत्रों में स्थिति की निगरानी के लिए एहतियाती उपाय किए जाने चाहिए। पोन्नम ने कहा, "यह

सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि मैनहोल पर दुर्घटनाएं न हों। साथ ही लोगों को बिजली के खंभों और पेड़ों के पास सावधान रहना चाहिए। जब तक कोई आपातकालीन कार्य न हो, उन्हें अपने घरों से बाहर नहीं निकलना चाहिए।" मंत्री ने कहा कि राजस्व, पुलिस, नगर निगम, मेट्रो जल कार्य, एचएमडीए और बिजली विभाग समन्वय के साथ काम करें और सुनिश्चित करें कि किसी की जान न जाए।

राजगोपालपेट के युवक ने कायम की रक्तदान की मिसाल

सिद्दीपेट, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नांगनूर मंडल के राजगोपालपेट गाव के युवाओं ने सिद्दीपेट और हैदराबाद में लोगों की आपातकालीन ज़रूरत के समय रक्तदान करके एक मिसाल कायम की। इनमें से प्रत्येक युवा ने पिछले सात सालों में 10 से 30 बार रक्तदान किया है। राजगोपालपेट के युवाओं ने सात साल पहले कुछ सदस्यों के साथ मिलकर आरजेपीटी सेवियर्स समूह बनाया था।

पिछले सात सालों में समूह के सदस्यों की संख्या बढ़कर 43 हो गई है। समूह के 43 सदस्यों में से 15 हैदराबाद में रहते हैं और अलग-अलग काम करते हैं। लेकिन, वे राज्य की राजधानी में अपनी सेवा जारी रखेंगे। इस बीच, समूह के एक सदस्य प्रवीण मुद्राथी (27), जिन्होंने 20 बार रक्तदान

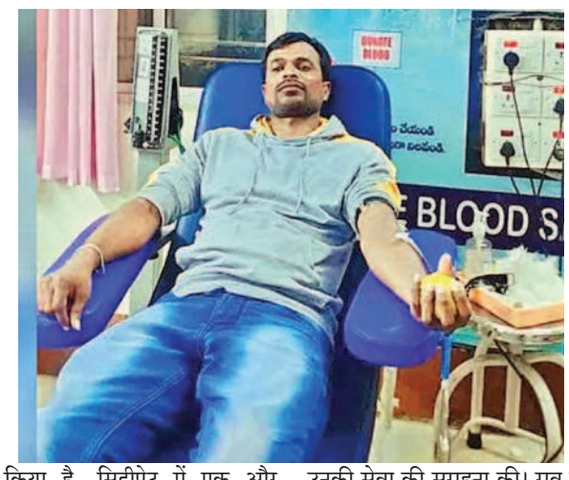

किया है, सिद्दीपेट में एक और जिला स्तरीय रक्तदान समूह का नेतृत्व कर रहे हैं। उनकी सेवा के बारे में जानने के बाद, पूर्व मंत्री और सिद्दीपेट के विधायक टी हरीश राव ने सोमवार को उन्हें फोन किया और उनकी सेवा की सराहना की। राव ने अन्य ग्रामीणों से युवाओं से रक्त की आपातकालीन आवश्यकता वाले लोगों की जान बचाने के लिए उनके नक्शेकदम पर चलने का आह्वान किया।

भारी बारिश से सड़कें बनी तालाब

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार शाम को हुई भारी बारिश के कारण शहर की कई सड़कें जलमग्न हो गईं। सडके तालाब बन जाने से यातायात में लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। जल जमाव को साफ करने और गिरे हुए पेड़ों को हटाने के लिए आपदा प्रतिक्रिया बल (डीआरएफ) की टीमों को तैनात किया गया।

हैदराबाद में सोमवार दोपहर

डीआरएफ की टीमें आईं हरकत में

जीन बजे से ही जोरदार बारिश शुरू हुई। सुबह बारिश का कोई संकेत आसमान में नही थे लेकिन दोपहर में अचानक मौसम बदला और झमाझम बारिश शुरू हो गई। जिससे छुट्टी के दिन घर से घुमने के लिए निकले लोगों को असुविधा का सामना करना पडा। साथ ही प्राईवेट सेक्टर में काम करने वालों और छोटे मोटे व्यावसायीयों को भी परेशानी का सामना करना पडा।

दुसरी तरफ बारिश ने कारण जीएचएमसी की मानसून पुर्व तैय्यारीयों की धज्जियां उडा दी। अनेक जगहों पर नालियां ब्लॉक हो गई और सडको पर गंदा पानी आ गया। साथ ही बहुत सारी

जगहों पर सडकों पर पानी जमा होने से सडकें जलमग्न हो गई। इस कारण जीएचएमसी की स्टेटिक टीमें भी मैदान पर सक्रिय हुई और उन्होंने उप्पल में पानी के जमाव को साफ किया। उप्पल, उप्परपल्ली, शिवरामपल्ली और आस-पास के इलाके सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। कई सफाई और एचएमडब्ल्यूएसएसबी टीमें भी पानी साफ करती दिखीं। जीएचएमसी-डीआरएफ सहायता के लिए नागरिकों को 040-21111111 या 9000113667 पर संपर्क करने का आव्हान किया गया हैं।

बिहार सहयोग समिति तेलंगाना कि समीक्षा बैठक संपन्न

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार सहयोग समिति तेलंगाना कि समीक्षा बैठक दुर्गा माता मंदिर इंदिरा नेहरु नगर मल्काजगिरी में बिनय कुमार यादव कि अध्यक्षता में संपन्न हुई। महासचिव सागर भगत ने बताया कि हमे हर एरिया में एक कमेटी बनानी चाहिए।

कोषाध्यक्ष लल्लन मिश्रा, दिपक गुप्ता ने पुरा लेखा जोखा पेश किया और सभी सदस्यों से लिई हुए राशि जल्द जल्द से जमा करने का निवेदन किया।

समिति के वरिष्ठ प्रधाकारी राजेश्वर भगत ने संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यो कि सराहना की और ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनाने के लिए कहा।

इस मौके पर सेंट्रल कमेटी के जयन्त यादव ने कुछ नये प्रधाकारी गन को भी जिम्मेदारी देने को कहा। बैठक में अध्यक्ष बिनय कुमार यादव, उपाध्यक्ष बिवेश झा, महासचिव सागर भगत, उपसचिव सुनील भगत, कोषाध्यक्ष लल्लन मिश्रा, दिपक गुप्ता, हरिश यादव, गोपाल भगत, पंकज यादव, पंचम भगत, बिनोद यादव, आंनद गुप्ता, सुनील ठाकुर, मनोज भगत, विकास यादव, संजय भगत, चंदन यादव एवं युवा सदस्यों ने भाग लिया।

तेरापंथ सभा का शपथ ग्रहण समारोह बोलाराम में

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ भवन, बोलाराम में आचार्य महाश्रमण की विदुषी शिष्या "शासनश्री" साध्वी शिवमाला आदि ठाणा-४ के उपस्थिति में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। समारोह में नव मनोनित अध्यक्ष सुशील संचेती को पूर्वाध्यक्ष बाबुलाल बैद ने शपथ दिलाई । साथही पदाधिकारी उपाध्यक्ष हिमांशू बापना, उपाध्यक्ष नवीन छाजेड़, मंत्रर हेमन्त संचेती, कोषाध्यक्ष मुकेश चोरड़िया, सहमंत्री राकेश कुमार सुराणा, सहमंत्री हुकुमचंद कोटेचा, संगठन मंत्री अरिहंत गुजरानी, परामर्शक संपतराज भंडारी, बाबुलाल सुराणा, केवलचंद लुणावत, ललित बैद, बाबुलाल बैंगानी, बिमल पुगलिया, लक्ष्मीपत बैद, सुरेश सुराणा, नवीन दस्सानी, नवरतन महनोत कार्यसमिति सदस्यों को शपथ दिलाई गई। समारोह में समाज के अलग अलग इकाईयों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

कादंबिनी क्लब हैदराबाद की गोष्ठी एवं सम्मान समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कादम्बिनी क्लब हैदराबाद की साहित्यिक यात्रा की 30वी वर्षगांठ पर मासिक गोष्ठी और सम्मान समारोह क़ीमती सभागार राम कोट में हुई।

इस अवसर पर डॉ अहिल्या मिश्र ने क्लब की परिकल्पना और स्थापना की यादों को साझा किया।

तत्पश्चात कविता कहाँ जा रही है विषय पर संगोष्ठी हुई। जिसमें डॉ अहिल्या मिश्र, डॉ संगीता व्यास, प्रो ऋषभ देव शर्मा, डॉ अनिल सुलभ ने अपने विचार प्रस्तुत किए। अध्यक्षीय संबोधन प्रो शुभदा बांजपे ने किया।

रचनाकार विनीता शर्मा, नरेंद्र राय नरेन, वेणु गोपाल भट्टड, शांति अग्रवाल, पुष्पा वर्मा के साहित्यिक योगदान को ध्यान में रखते हुए सम्मानित किया गया।

दूसरे सत्र में डॉ आशा मिश्रा द्वारा पुष्पक साहित्यिकी का परिचय देने के उपरांत पत्रिका का लोकार्पण हुआ। काव्य गोष्ठी में उषा शर्मा, सरिता दीक्षित, नरेंद्र राय नरेन, वेणुगोपाल भट्टड, अजित गुप्ता, गीता अग्रवाल, पुष्पा वर्मा, बी के अग्रवाल उमासोनी, डॉ स्वाति गुप्ता, वर्षा शर्मा, सीताराम माने, पुरुषोत्तम कड़ेल, चन्द्र प्रकाश दायमा, तृप्ति मिश्रा, सूरज कुमारी, मीरा ठाकुर, पूनम जोधपुरी, डॉ आशा मिश्रा, जी परमेश्वर, डॉ जय प्रकाश नागला (नांदेड), डॉ रमा द्विवेदी, डॉ सुषमा देवी, मोहित, प्रवीण प्रणव, शिल्पी भटनागर, राजीव कुमार सिंह नयन, डॉ अहिल्या मिश्र, शोभा देशपांडे आदि ने काव्य पाठ किया।

प्रेम-प्रसंग विवाद में युवक और उसकी मां पर हमला

वारंगल, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के गीसुकोंडा मंडल के कीर्तिनगर कॉलोनी में रविवार रात एक 24 वर्षीय युवक और उसकी मां पर उस महिला के परिवार के सदस्यों ने हमला कर दिया, जिससे वह प्यार करता था। रिपोर्ट के अनुसार कीर्तिनगर कॉलोनी में रहने वाले अदनान अली का कॉलोनी में रहने वाली एक महिला से प्रेम संबंध था और रविवार रात को जब अली घर आया तो उसके घर के पास ऑटो रिक्शा में इंतजार कर रहे महिला के परिवार के सदस्यों ने उस पर चाकुओं से हमला कर दिया और उसे कई बार चाकू मारे। अली खुद को बचाने के लिए अपने घर में भाग गया और हमलावरों ने उसका पीछा किया और उसे बचाने आई उसकी मां पर भी चाकू से वार किया। इस बीच पड़ोसी मां-बेटे को बचाने के लिए आ गए, जिससे हमलावर घर से भागने पर मजबूर हो गए। स्थानीय लोगों ने दोनों को एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि हमले में शामिल महिला के परिजनों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

पिता ने बेटे की चाकू घोंपकर की हत्या

जगतियाल, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कोरुतला ग्रामीण मंडल के मोहनरावपेट में संपत्ति विवाद को लेकर एक युवक की उसके पिता ने कथित तौर पर चाकू घोंपकर हत्या कर दी। गांव वालों के मुताबिक गंगाराजन के दो बेटे राकेश और राजेश हैं। रविवार की रात राकेश और राजेश के बीच संपत्ति के बंटवारे को लेकर झगड़ा हो गया। बहस गंभीर होने पर दोनों ने एक दूसरे पर हमला कर दिया। मौके पर मौजूद गंगाराजन ने राजेश पर चाकू से हमला कर दिया। परिवार के सदस्यों ने घायल राजेश को इलाज के लिए हैदराबाद ले जाने की कोशिश की, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। वह 32 साल का था। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। खबर है कि गंगाराजन को पुलिस हिरासत में ले लिया गया है।

ग्रुप-IV सेवा प्रमाणपत्र सत्यापन 21 अगस्त तक

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रुप-IV सेवाओं के तहत पदों पर भर्ती के लिए प्रमाण पत्रों का सत्यापन 20 जून से 21 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। जिन अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र सत्यापन प्रक्रिया के लिए चुना गया है, उन्हें टीजीपीएससी कार्यालय या नामपल्ली स्थित श्री पोट्टी श्रीरामुलु तेलुगु विश्वविद्यालय में उपस्थित होना चाहिए। आयोग ने अनुपस्थित रहने वाले अभ्यर्थियों तथा लंबित दस्तावेजों (यदि कोई हो) को प्रस्तुत करने के लिए 24 अगस्त तथा 27 से 31 अगस्त को आरक्षित दिन घोषित किया है।

टीजीपीएससी की वेबसाइट पर दिन-वार प्रमाण पत्र सत्यापन कार्यक्रम उपलब्ध करा दिया गया है। टीजीपीएससी ने रविवार को कहा कि शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को एक चेकलिस्ट, आवेदन पीडीएफ की दो प्रतियां और आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध सत्यापन फॉर्म के अलावा अन्य सभी प्रासंगिक दस्तावेजों को डाउनलोड करके अपने साथ ले जाना चाहिए।

महिला कैदी ने जेल अधिकारियों को किया गुमराह

आदिलाबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अपने पति की हत्या के आरोप में गिरफ्तार की गई राठौड़ विजयलक्ष्मी ने कथित तौर पर जिला जेल के अधिकारियों को गुमराह करने की कोशिश की और दावा किया कि उसने रविवार को डिस्पोजेबल ब्लेड के टुकड़े खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की थी। घटना सोमवार को प्रकाश में आई।

विजयलक्ष्मी ने जिला जेल के अधिकारियों को बताया कि गिरफ्तार होने से पहले डिस्पोजेबल ब्लेड के टुकड़े खाने के बाद उसके पेट में तेज दर्द हुआ था। अधिकारियों ने उसे तुरंत इलाज के लिए राजीव गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान आदिलाबाद पहुंचाया। संस्थान में उसकी मेडिकल जांच की गई और वह ठीक पाई गई। डॉक्टरों ने पाया कि उसने ब्लेड के टुकड़े नहीं खाए थे और वह स्वस्थ थी।

तभी अधिकारियों को एहसास हुआ कि विजयलक्ष्मी उन्हें गुमराह कर रही थी। विजयलक्ष्मी, उसके प्रेमी महेश और दो अन्य को हाल ही में नारनूर मंडल के नागोलकोंडा के एक सरकारी शिक्षक गजेंद्र की हत्या में उनकी कथित भूमिका के लिए गिरफ्तार किया गया था।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पद को लेकर खींचतान

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरी निर्वाचन क्षेत्र से नवनिर्वाचित सांसद एटाला राजेंद्र की पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवारी के खिलाफ विरोध बढ़ रहा है, राज्य के कई नेता उन्हें राज्य इकाई की कमान सौंपने के पार्टी नेतृत्व के प्रयास का विरोध कर रहे हैं।

पार्टी के सूत्रों का कहना है कि पार्टी नेतृत्व राजेंद्र को पद सौंपने के पक्ष में था क्योंकि उनका मानना था कि अपने लंबे अनुभव के साथ सांसद राज्य में पार्टी को मजबूत करने में पार्टी की मदद करेंगे। पता चला है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राजेंद्र का समर्थन कर रहे थे।

हालांकि, पार्टी नेतृत्व के इस फैसले का कथित तौर पर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय और निजामाबाद के सांसद धर्मपुरी अरविंद सहित कई नेताओं द्वारा विरोध किया जा रहा था।

पिछले साल राजेंद्र की वजह से कथित तौर पर राज्य इकाई प्रमुख का पद गंवाने वाले संजय कथित तौर पर मल्काजगिरी के सांसद को पद से दूर रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे थे। कथित तौर पर वह राजेंद्र की उम्मीदवारी को खारिज करने के लिए केंद्रीय

नेतृत्व में अपने सभी संबंधों का इस्तेमाल कर रहे थे।

कहा जा रहा है कि संजय, राजेंद्र को पार्टी अध्यक्ष पद से वंचित करने के लिए उन्हें बाहरी व्यक्ति के रूप में पेश कर रहे हैं। यहां तक कि अरविंद, जिनके राजेंद्र के पार्टी में शामिल होने के बाद से ही उनके साथ संबंध खराब चल रहे हैं, कथित तौर पर पार्टी नेतृत्व द्वारा उन्हें पार्टी की राज्य इकाई की कमान सौंपने के फैसले का विरोध कर रहे हैं। पता चला है कि कई वरिष्ठ नेता राजेंद्र को राज्य इकाई का अध्यक्ष बनाए जाने का कड़ा विरोध कर रहे हैं।

वास्तव में, उनमें से कई ने कथित तौर पर केंद्रीय नेताओं के सामने अपने विचार रखे हैं। सूत्रों का कहना है कि चूंकि राजेंद्र की भाजपा की कोई वैचारिक पृष्ठभूमि नहीं है, इसलिए पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए उन्हें स्वीकार करना बहुत मुश्किल होगा। यह एक ज्ञात तथ्य है कि राजेंद्र की वामपंथी पृष्ठभूमि है और यह उनके लिए प्रतिष्ठित पद पाने में बाधा बन सकती है, वे कहते हैं। इस बीच, पता चला है कि महबूबनगर की सांसद डीके अरुणा, पूर्व राष्ट्रीय महासचिव पी मुरलीधर राव, पूर्व विधायक एनवीएसएस प्रभाकर, पूर्व एमएलसी एन रामचंद्र राव और वरिष्ठ दलित नेता चिंता संबामूर्ति सहित कुछ वरिष्ठ नेता इस पद के लिए पैरवी कर रहे हैं।

सामूहिक गायत्री जप

चेन्नूर, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। श्री गायत्री माता की जयंती के अवसर पर सोमवार को चेन्नूर शहर में ब्राह्मण संघ के नेतृत्व में ब्राह्मण संघ भवन में सामूहिक गायत्री जप का आयोजन किया गया। श्री गायत्री माता प्रतिमा का विशेष पूजा की गई, सुबह 9 बजे से सभी ने सहस्र गायत्री का जाप किया। इस कार्यक्रम में ब्राह्मण संघ के अध्यक्ष और सचिव केवियम श्रीनिवास, कोमेरा राजेश्वर राव और बड़ी संख्या में सदस्यों ने भाग लिया है।

अलियाबाद स्थित सीरवी समाज ग्रीन पार्क क्रिकेट ग्राउण्ड मे आयोजित सी.पी.एल-2, 2024 क्रिकेट प्रतियोगिता की गोल्ड कप विजेता आईजी फ्रेन्डस क्लब गजवेल, सिल्वर कप विजेता शमशाबाद बुल्स, बेस्ट बैट्समैन रजत चौधरी, बेस्ट बॉलर निलेश चौधरी, मैन ऑफ दी सीरीज राजेश चौधरी को सम्मानित करते आयोजक गौरी देवी, चेलाराम काग, कालुराम काग, आशाराम गहलोत, राजाराम, कमलेश, पुखराज, मोहनलाल चौधरी, मंच संचालक सुरेश सेण्चा एवं खिलाड़ी।

नहर में बच्चों को बचाते समय पिता डूबा

करीमनगर, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एक दुखद घटना में, सोमवार को करीमनगर शहर के बाहरी इलाके में लोअर मनैर बांध में एक एसआरएसपी कर्मचारी अपने बेटे और बेटी को बचाने की कोशिश करते हुए डूब गया।

करीमनगर शहर के रामनगर निवासी बोनाला विजय कुमरम-भीम-आसिफाबाद जिले में एसआरएसपी वेतन और लेखा विभाग में अधीक्षक के रूप में कार्यरत थे। सोमवार को, विंजय कुमार अपने परिवार के सदस्यों के साथ हुस्नाबाद के पास पोटलापल्ली राजराजेश्वर स्वामी मंदिर गए थे। घर लौटते समय वे एलएमडी पहुंचे।

काकतीय नहर के गेट के पास फोटो खींचते समय उनकी बेटी सैनित्य और बेटा विक्रांत फिसलकर पानी में गिर गए। उन्हें बचाने के लिए, विजय ने नहर में छलांग लगा दी, जबकि उनकी पत्नी प्रशांति देख रही थी। मछुआरा शंकर, जो पास में मछली पकड़ रहा था, मौके पर पहुंचा और सैनित्य और विक्रांत को बचाया। दुर्भाग्य से, शंकर विजय को नहीं बचा सका। माणकोंदूर के विधायक डॉ. कव्वमपल्ली सत्यनारायण घटनास्थल पर पहुंचे और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

सुपर-8 में भारत के मुकाबले तय

कब और किस टीम से भिड़ेगी रोहित की सेना

न्यूयॉर्क, 17 जून (एजेंसियां)। टी20 विश्व कप 2024 में अब सुपर-8 की तस्वीर पूरी तरह से साफ हो गई है। सुपर-8 के लिए सभी आठ टीमें कंफर्म हो गई हैं। सभी 8 टीमों को 4-4 के दो ग्रुप में रखा गया है। सुपर-8 में टीम इंडिया ग्रुप एक में है। इस ग्रुप में टीम इंडिया के साथ ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और बांग्लादेश की टीमों को रखा गया है। वहीं सुपर-8 के ग्रुप दो में यूएसए, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीमों को रखा गया है। सुपर-8 के मैचों की शुरुआत 19 जून से होने वाली है। पहला मुकाबला साउथ अफ्रीका और यूएसए के बीच खेला जाएगा।

भारत को इस टीम से रहना होगा सावधान

सुपर-8 में भारतीय टीम का पहला मुकाबला अफगानिस्तान के साथ 20 जून को होगा। ये मुकाबला काफी रोमांचक होने वाला है क्योंकि अफगानिस्तान अब पहले जैसी कमजोर टीम नहीं रही है। इस विश्व कप में राशिद खान की कप्तानी में अफगानिस्तान ने कमाल का प्रदर्शन किया है।

इस टूर्नामेंट में अभी तक अफगानिस्तान एक भी मुकाबला नहीं हारी है। अफगानिस्तान की स्पिन गेंदबाजी उसकी सबसे बड़ी ताकत है। अपनी गेंदबाजी के दम पर ही अफगानिस्तान ने सभी मैच जीते हैं। ऐसे में टीम इंडिया के सामने अफगानिस्तान के स्पिनर्स की कड़ी चुनौती होगी। टीम इंडिया अफगानिस्तान को बिल्कुल भी हल्के में नहीं लेना चाहेगी।

ये खिलाड़ी पड़ सकते हैं भारी

इस टूर्नामेंट में अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज कमाल की बल्लेबाजी कर रहे हैं। गुरबाज अभी तक 3 मैचों में 154 के स्ट्राइक रेट से 167 रन बना चुके हैं।

इस दौरान वे 2 अर्धशतक भी लगा चुके हैं। इसके अलावा गेंदबाजी में फजलहक फारूकी कमाल का प्रदर्शन कर रहे हैं।

हर मैच में फजहलक टीम को मुश्किल समय में विकेट चटकाकर दे रहे हैं। अभी तक 3 मैचों में फजहलक 12 विकेट अपने नाम कर चुके हैं। इसके अलावा राशिद खान भी कमाल की गेंदबाजी कर रहे हैं। ऐसे में अब टीम इंडिया को इन खिलाड़ियों से थोड़ा सावधान रहना होगा।

बांग्लादेश ने इतिहास रचते हुए सुपर-8 के लिए किया क्वालिफाई, नेपाल को 21 रनों से हराया

कैरेबियन, 17 जून (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर-8 स्टेज की पूरी रुप-रेखा अब तैयार हो चुकी है. आखिरी टीम को लेकर जो सस्पेंस था, वो भी बांग्लादेश की नेपाल पर जीत के साथ खत्म हो गई. बांग्लादेश ने नेपाल को 21 रन से हराते हुए सुपर-8 का टिकट कटा लिया है.

नेपाल पर बांग्लादेश की जीत के साथ ही टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर-8 की आखिरी टीम का भी फैसला हो गया. बांग्लादेश ने नेपाल को 21 रन से हरा दिया. जीत की इस स्क्रिप्ट को लिखने के दौरान बांग्लादेश की टीम ने एक नया इतिहास भी रचा. वो T20 वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे छोटा स्कोर डिफेंड करने वाली टीम बन गई. बांग्लादेश की टीम सुपर-8 के ग्रुप ए में होगी, जिसमें भारत और ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीमें भी शामिल हैं.

नेपाल के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश की बल्लेबाजी की हालत बेहद खराब रही. पावरप्ले में ही उसके 4 विकेट गिर गए. इस वक्त तक स्कोर बोर्ड पर भी 30 प्लस रन ही दर्ज थे. विकेटों के पतन का ये सिलसिला आगे भी नहीं थमा. नतीजा ये हुआ कि बांग्लादेश की टीम पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल पाई. उसने 19.3 ओवर में 106 रन बनाकर दम तोड़ दिया. बांग्लादेश की ओर से सबसे ज्यादा 17 रन शाकिब अल हसन ने बनाए.

बांग्लादेश ने नेपाल को 21 रन से हराया

अब नेपाल के सामने 107 रन का लक्ष्य था. बांग्लादेश के खिलाफ 3 ओवर में 10 रन देकर 2 विकेट लेने वाले सोमपाल कामी नेपाल की पारी शुरू होने से पहले ही ये कह चुके थे कि इस पिच पर उनकी टीम के लिए भी ये टारगेट चेज कर पाना आसान नहीं होगा. और, हुआ भी वही. नेपाल जब बल्लेबाजी के लिए उतरी तो उसकी हालत बांग्लादेश से भी पतली दिखी. इन्होंने भी ऑल आउट होने से पहले लगभग-लगभग बांग्लादेश के बराबर ही ओवर खेले जरूर मगर रन सिर्फ 85 ही बनाए. नतीजा ये हुआ कि 21 रन से मुकाबला हार गए.

बांग्लादेश ने रचा इतिहास, पाया सुपर-8 का टिकट

टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में इससे पहले कभी भी 106 रन का स्कोर डिफेंड नहीं हुआ था. लेकिन, सवाल सुपर-8 के टिकट का भी था तो बांग्लादेश ने जी-जान लगाकर इतिहास रच दिया. T20 वर्ल्ड कप के सबसे छोटे स्कोर को डिफेंड करते हुए उन्होंने सुपर-8 का टिकट हासिल किया.

7 रन पर 4 विकेट लेने वाला बना प्लेयर ऑफ द मैच

बांग्लादेश को सुपर-8 में ले जाने वाली जीत के हीरो तनजिम हसन साकिब रहे, जिन्होंने गेंद से नेपाली बल्लेबाजों पर ऐसा शिकंजा कसा कि उनके पास खड़ी दिख रही जीत दूर छिटक गई. तनजीम ने 4 ओवर में 7 रन देकर 4 विकेट लिए, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच दिया गया.

नीदरलैंड पर दोहरी मार, श्रीलंका ने 83 रन से हराया

श्रीलंका ने 20 ओवर में छह विकेट पर 201 रन बनाए, टी20 विश्व कप 2024 में सबसे बड़ा स्कोर

ग्रॉस आईलेट, 17 जून (एजेंसियां)। श्रीलंका ने 20 ओवर में छह विकेट पर 201 रन बनाए। यह उनका टी20 विश्व कप 2024 में सबसे बड़ा स्कोर है। वहीं, इस विश्व कप में उन्होंने सबसे बड़े लक्ष्य के मामले में ऑस्ट्रेलिया की बराबरी कर ली। जवाब में नीदरलैंड 16.4 ओवर में 10 विकेट पर सिर्फ 118 रन ही बना सकी। इसी के साथ श्रीलंका ने नीदरलैंड के खिलाफ सोमवार को 83 रनों से टी20 विश्व कप 2024 में अपनी पहली जीत दर्ज की। इसी के साथ स्कॉट एडवर्ड्स की टीम का सुपर-8 में पहुंचने का सपना भी टूट गया। नेपाल को हराकर बांग्लादेश के खाते में छह अंक हो गए हैं। वहीं उनका नेट रनरेट +0.569 हो गया। है। इस ग्रुप से दक्षिण अफ्रीका पहले ही क्वालिफाई कर चुकी है। चारों मैचों में जीत के साथ उनके खाते में आठ अंक हैं। उनका नेट रनरेट 0.470 है। नीदरलैंड दो अंकों के साथ तीसरे पायदान पर है। चौथे और पांचवें स्थान पर क्रमशः नेपाल और श्रीलंका हैं। सेंट लुसिआ के डैरन सैमी नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए 38वें मुकाबले में नीदरलैंड ने टस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। श्रीलंका ने 20 ओवर में छह विकेट पर 201 रन बनाए। यह उनका टी20 विश्व कप 2024 में सबसे बड़ा स्कोर है। वहीं, इस विश्व कप में उन्होंने सबसे बड़े लक्ष्य के मामले में ऑस्ट्रेलिया की बराबरी कर ली। जवाब में नीदरलैंड 16.4 ओवर में 10 विकेट पर सिर्फ 118 रन ही बना सकी। इसी के साथ श्रीलंका ने 83 रनों मुकाबला अपने नाम कर लिया।

नीदरलैंड की पारी

202 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीदरलैंड की शुरुआत अच्छी हुई। माइकल लेविट और मैक्स ओ'दाऊद के बीच पहले विकेट के लिए 45 रनों की साझेदारी हुई। पांचवें ओवर में नुवान तुषारा ने मैक्स ओ'दाऊद को अपना शिकार बनाया। वह सिर्फ 11 रन बना सके। वहीं, लेविट ने 23 गेंदों में 31 रन बनाए। इस मैच में उनके अलावा कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने 31 रन बनाए। इन दो के अलावा नीदरलैंड का कोई बल्लेबाज ज्यादा देर तक विकेट पर नहीं टिक सका। विक्रमजीत सिंह ने सात, साइब्रांड ने 11, बास डी लीड ने तीन, लॉगन वैन बीक ने शून्य, टिम प्रिंगल ने दो, आर्यन दत्त ने 10, पॉल वैन मीकरन ने तीन और विवियन किंगमा ने एक* रन बनाया। श्रीलंका के लिए नुवान तुषारा ने तीन विकेट चटकाए। वहीं, वानिंदु हसरंगा और मथीशा पथिराना को दो-दो विकेट मिले जबकि महीश तीक्षणा और दसुन शनाका ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

श्रीलंका की पारी

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका को पहला झटका किंगमा ने दिया। उन्होंने पथुम निसंका को पहली ही गेंद पर आउट किया। वह बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। इसके बाद दूसरे विकेट के लिए कामिंदु मेंडिस और कुशल मेंडिस के बीच 39 रनों की साझेदारी हुई। इसे पॉल वैन मीकरन ने तोड़ा। उन्होंने कामिंदु को 39 रन के स्कोर पर आउट किया। वह 17 रन बनाने में कामयाब हुए। इसके बाद मोर्चा धनंजय डीसिल्वा और मेंडिस ने संभाला। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 35 गेंदों में 45 रनों की साझेदारी हुई जिसे आर्यन दत्त ने तोड़ा। उन्होंने सलामी बल्लेबाज को आउट किया। वह 29 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 46 रन बनाने में कामयाब हुए। 84 रन के स्कोर पर तीन विकेट खो चुकी श्रीलंका को एक अच्छी साझेदारी की जरूरत थी। पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए चरिथ असलंका ने डी सिल्वा के साथ 39 रनों की पार्टनरशिप की। हालांकि, 15वें ओवर में टिम प्रिंगल ने धनंजय डी सिल्वा को आउट किया। वह 26 गेंदों में 34 रनों की दमदार पारी खेलकर लौटे। इसके बाद असलंका का साथ एंजलो मैथ्यूज ने निभाया। दोनों के बीच पांचवें विकेट के लिए 43 रनों की साझेदारी हुई।

लॉगन वैन बीक ने असलंका को 18वें ओवर में आउट किया। इसके बाद उन्होंने अगली ही गेंद पर दसुन शनाका को भी पवेलियन भेज दिया। वह बिना खाता खोले लौटे। असलंका 21 गेंदों में 46 रन बनाने में कामयाब हुए।

पेरिस ओलंपिक से पहले लवलीना ने किया शानदार प्रदर्शन, जीता रजत पदक

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। भारतीय महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने पेरिस ओलंपिक से पहले दमदार प्रदर्शन करते हुए चेक गणराज्य के उस्ती नाद लाबेम में आयोजित ग्रां प्री में रजत पदक जीता। हालांकि लवलीना को महिलाओं के 75 किग्रा वर्ग में चीन की ली कियान से हार का सामना करना पड़ा जिससे वह स्वर्ण पदक हासिल करने से चूक गईं। लवलीना ने टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था और पेरिस ओलंपिक में भी उनसे पदक की आशा रहेगी।

पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुकीं लवलीना को मौजूदा एशियाई खेलों की चैंपियन के खिलाफ अपने अंतिम मुकाबले में 2-3 के विभाजित फैसले से हार का सामना करना पड़ा। विश्व चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण के साथ दो बार की ओलंपिक पदक विजेता कियान ने पिछले साल एशियाई खेलों के फाइनल में भी लवलीना को शिकस्त दी थी।

'ओलंपिक में मिलेगी मदद'

लवलीना ने कहा कि उन्हें इस प्रतियोगिता में भाग लेने से पेरिस ओलंपिक में मदद मिलेगी। लवलीना ने कहा, इस प्रतियोगिता में भाग लेना मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव रहा है। जहां तक मेरी तैयारी का सवाल है, ओलंपिक से पहले यह टूर्नामेंट मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण था। इससे मुझे फायदा होगा। मैं भारतीय मुक्केबाजी महासंघ, टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) और भारत सरकार का शुक्रिया करना चाहूंगी।

खेल मंत्री ने की सराहना

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने लवलीना के प्रदर्शन की सराहना करते हुए लिखा, ग्रां प्री 2024 में रजत पदक जीतने के लिए लवलीना को बधाई। उन्होंने शानदार कौशल का प्रदर्शन किया। मुक्केबाजी रिंग में उनकी सफलता आने वाले खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है। भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।

टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली एकमात्र भारतीय खिलाड़ी

विश्व मुक्केबाजी के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में महिलाओं के 75 किग्रा वर्ग में लवलीना और कियान के अलावा रिफ्यूजी मुक्केबाजी टीम की सिंडी नगांबा और इंग्लैंड की चैंटल रीड ने हिस्सा लिया था। इन चार मुक्केबाजों के बीच राउंड रॉबिन प्रारूप में मुकाबला आयोजित किया गया। लवलीना इस दौरान तीन मुकाबलों में से केवल एक जीत हासिल कर पाईं। असम की मुक्केबाज ने नगांबा और कियान से हारने से पहले रीड के खिलाफ जीत दर्ज की थी। वह इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली भारत की इकलौती खिलाड़ी हैं।

सुमित नागल पेरुगिया में चैलेंजर फाइनल हारे

पेरुगिया, 17 जून (एजेंसियां)। सुमित नागल एटीपी चैलेंजर टूर पर लगातार दो खिताब जीतने से चूक गए, पेरुगिया में फाइनल में वह विश्व के 41वें नंबर के खिलाड़ी लुसियानो डार्डरी से 62 मिनट में 6-1, 6-2 से हार गए।

नागल पिछले 12 दिनों में अपना 10वां मैच खेल रहे थे, जिसमें जर्मनी के हीलब्रोन में उनका प्रदर्शन भी शामिल है, जहां उन्होंने अपने करियर का छठा चैलेंजर खिताब जीता था। जर्मनी में जीत की बदौलत भारतीय खिलाड़ी एटीपी रैंकिंग में अपने करियर के नए उच्चतम 77वें स्थान पर पहुंच गए, जिससे उन्हें पेरिस ओलंपिक में पुरुष एकल में जगह मिलने की संभावना है।

26 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी स्पेन के बर्नबे ज़ापाटा मिरालेस के खिलाफ़ तीन सेटों के कड़े सेमीफ़ाइनल से उबरते हुए नज़र आए, क्योंकि उन्होंने शीर्ष वरीयता प्राप्त इतालवी डार्डेरी के खिलाफ़ धीमी शुरुआत की, जो कि उनसे काफ़ी नए प्रतिद्वंद्वी थे। डार्डेरी ने नागल की तीन बार सर्विस तोड़कर पहला सेट 27 मिनट में जीत लिया।

नागल ने 22 वर्षीय इतालवी खिलाड़ी के लगातार आठ गेम जीतने के क्रम को रोक दिया, क्योंकि उन्होंने दूसरे सेट में 1-2 के स्कोर पर सर्विस तोड़कर स्कोर को वापस ला दिया।

हालांकि, डार्डेरी ने अपनी बढ़त को फिर से हासिल करते हुए छठे गेम में नागल की सर्विस तोड़कर 4-2 की बढ़त ले ली। मैच में बने रहने के लिए इटालियन ने छठी बार भारतीय खिलाड़ी की सर्विस तोड़ दी।

हार के बावजूद, नागल लाइव एटीपी रैंकिंग में 71वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जिससे वह पेस (करियर के सर्वोच्च 73वें स्थान) के लिए 1973 में कम्प्यूटरीकृत रैंकिंग की शुरुआत के बाद से सर्वोच्च रैंकिंग वाले भारतीय पुरुषों की सर्वकालिक सूची में संयुक्त रूप से पीछे रह गए। स्थान पर पहुंच गए हैं। नागल शशि मेनन के साथ बराबर पर हैं और केवल सोमदेव देववर्मन (62), रमेश कृष्णन (23) और विजय अमृतराज (18) से पीछे हैं।

पावो नूरमी खेलों से ओलंपिक की तैयारी शुरू करेंगे नीरज चोपड़ा

जर्मनी के खिलाड़ी से होगा सामना

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। चोट से उबरने के बाद विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा वापसी के लिए तैयार हैं। मंगलवार को वह पावो नूरमी खेलों में जर्मनी के मैक्स डेहिंग के खिलाफ खेलेंगे। इस मुकाबले से वह ओलंपिक की अपनी तैयारियों की शुरुआत करेंगे। डेहिंग प्रतिष्ठित 90 मीटर क्लब के सबसे कम उम्र के सदस्य हैं, जिसमें चोपड़ा भी प्रवेश करना चाहेंगे। एक दिवसीय प्रतियोगिता के 2022 संस्करण में चोपड़ा को हराने वाले ओलिवर हेलैंडर भी मौजूद होंगे।

भारतीय खिलाड़ी ने 2022 में 89.30 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता था। यह उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो था। चोपड़ा ने उसी साल डायमंड लीग के स्टॉकहोम चरण में 89.94 मीटर का थ्रो किया था। आगामी टूर्नामेंट में दो बार के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स और 2012 ओलंपिक चैंपियन केशोर्न वाल्कोट भी शामिल होंगे।

चोपड़ा ने पिछले महीने ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक से एहतियात के तौर पर नाम वापस ले लिया था। दरअसल, उन्हें एडक्टर (जांघों की मांसपेशियां) में दर्द की शिकायत थी। उन्होंने मई में दोहा डायमंड लीग में अपना सीजन शुरू किया था, जहां उन्होंने 88.36 मीटर के अपने अंतिम थ्रो के साथ दूसरा स्थान हासिल किया था। यह उनके करियर का नौवां सर्वश्रेष्ठ स्कोर था। पावो नूरमी खेलों के बाद चोपड़ा सात जुलाई को पेरिस डायमंड लीग में एक्शन में नजर आएंगे।

हरियाणा की तीरंदाज भजन कौर को स्वर्ण के साथ ओलंपिक टिकट

अंकिता ने भी हासिल किया कोटा

अंताल्या (तुर्की), 17 जून (एजेंसियां)। दूसरी वरीय दीपिका को अजरबेजान की तीरंदाज ने 6-4 (26-28, 25-27, 23-26, 24-25, 27-29) से मात दी। टीम के एक अधिकारी के मुताबिक, 'दीपिका को उपकरण संबंधित कोई दिक्कत नहीं थी, लेकिन खराब रिलीज के कारण ऐसा हुआ। यह दबाव के कारण या किसी और वजह से हो सकता है।'

हरियाणा के ऐलानाबाद की रहने वाली तीरंदाज भजन कौर ने ओलंपिक क्वालिफायर तीरंदाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल किया। भजन ने फाइनल में शीर्ष वरीय ईरान की मोबीना फलाह को 6-2 से पराजित किया। वह तीरंदाजी में ओलंपिक कोटा हासिल करने वाली दूसरी तीरंदाज हैं। इससे पहले बी धीरज पुरुषों में कोटा ले चुके हैं। इससे पहले भारतीय तीरंदाज अंकिता भकत अंताल्या में ओलंपिक क्वालिफायर के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करके पेरिस खेलों के लिए व्यक्तिगत कोटा जीता था। अंकिता ने फिलीपींस की गैब्रियल मोनिका बिडौर को हराया और क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। साथ ही अगले महीने होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए महिला वर्ग में व्यक्तिगत कोटा हासिल कर लिया।

नौवीं वरीय अंकिता ने प्री क्वार्टर फाइनल में 40वीं वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंद्वी गैब्रियल पर 6-0 (26-23, 28-22, 28-23) से जीत हासिल की। भारत ने इस तरह पुरुष और महिला दोनों वर्गों में व्यक्तिगत कोटा हासिल कर लिया है।

धीरज बोम्मादेवरा ने इससे पहले एशियाई क्वालीफाइंग चरण से पुरुष व्यक्तिगत कोटा हासिल किया था।

'मुझे बनाओ पीसीबी चीफ फिर देखो'

पाकिस्तानी टीम पर बुरी तरह बिफरे 'बदो बदी' वाले चाहत फतेह अली खान

इस्लामाबाद, 17 जून (एजेंसियां)। टी20 विश्व कप 2024 में अब पाकिस्तान क्रिकेट टीम का सफर खत्म हो चुका है। पाकिस्तान ने अपना आखिरी मुकाबला आयरलैंड के साथ खेला। इस मैच को पाकिस्तान ने जीत लिया था लेकिन टीम पहले ही सुपर-8 की रेस से बाहर हो चुकी थी। जिसके बाद पाकिस्तान टीम की खूब आलोचना हो रही है। फैंस से लेकर पूर्व क्रिकेटर्स सब पाक टीम के खिलाड़ियों को जमकर खरीखोटी सुना रहे हैं। वहीं अब विश्व कप में पाक टीम के खराब प्रदर्शन से निराश 'बदो बदी' गाने के सिंगर चाहत फतेह अली खान ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का अध्यक्ष बनने की बात कही है। सोशल मीडिया पर 'बदो बदी' गाना गाने के बाद फैमस होने वाले चाहत फतेह अली खान अब पाकिस्तान क्रिकेट टीम के विश्व कप में खराब प्रदर्शन को देखकर खिलाड़ियों से काफी निराश दिखाई दिए। जिसके बाद चाहत फतेह ने पीसीबी के सामने एक खास पेशकश की है। एक पाकिस्तानी टीवी चैनल को इंटरव्यू देते वक्त चाहत फतेह अली खान ने कहा कि अगर मुझे पीसीबी का अध्यक्ष बनाया जाता है तो मैं व्यक्तिगत रूप से सभी खिलाड़ियों की निगरानी करूंगा। उनको सप्ताह में चार दिन कोचिंग दूंगा। आगे उन्होंने कहा कि मैं मौजूदा अध्यक्ष नकवी की आलोचना नहीं कर रहा हूं बस अपना प्रस्ताव रख रहा हूं। मुझे पीसीबी अध्यक्ष बना देना चाहिए। चाहत फतेह अली खान पाकिस्तान के लिए फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेला है। उनका असली नाम काशिफ राणा है।

बेटे को याद कर भावुक हुए शिखर धवन, नहीं हो रहा कोई संपर्क

मुंबई, 17 जून (एजेंसियां)। टीम इंडिया के स्टार क्रिकेटर शिखर धवन का पिछले साल पत्नी आयशा से तलाक हो गया था। तलाक के बाद धवन का इकलौता बेटा जोरावर भी आयशा के साथ रहने लगा। जिसके चलते धवन अपने बेटे से मिल भी नहीं पाते। वहीं 'फादर्स डे' पर धवन अपने बेटे को याद करते हुए काफी भावुक दिखे। इसको लेकर धवन ने सोशल मीडिया पर एक इमोशनल पोस्ट भी शेयर किया है। धवन का कहना है कि पिछले काफी समय से उनका अपने बेटे जोरावर से कोई संपर्क भी नहीं हो पा रहा है।

फादर्स डे के दिन शिखर धवन ने पोस्ट शेयर करके सबसे पहले अपने पिता को बधाई दी। इस पोस्ट में धवन ने काफी लंबा कैप्शन लिख रखा था। इस पोस्ट के जरिए ही धवन ने बताया कि उनका अपुने बेटे से कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है। धवन ने पोस्ट शेयर करके लिखा कि पिता को फादर्स डे की हार्दिक शुभकामनाएं। शुक्रिया आपका हर चीज के लिए..अपने बेटे से मिले बिना ये फादर्स डे मेरे लिए काफी भावनात्मक है। मेरा उससे कोई संपर्क भी नहीं हो पा रहा है। धवन के इस इमोशनल पोस्ट पर फैंस भी अब अपनी-अपनी प्रतिक्रियाए दे रहे हैं।

दरअसल टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने साल 2012 में आयशा मुखर्जी से शादी की थी। इसके बाद साल 2014 में धवन को एक बेटा हुआ था। जिसका नाम धवन ने जोरावर रखा था। आयशा पहले से ही शादीशुदा थी और उनको पहली शादी से दो बेटियां भी थी।

रेल मंत्री ने की राजमंड्री स्टेशन पुनर्विकास परियोजना समीक्षा की

रेलवे स्टेशन का बड़े पैमाने पर पुनर्विकास किया जाएगा

कुल पुनर्विकास की लागत 250 करोड़ रुपये होगी

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारत सरकार के रेल मंत्रालय के तहत दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) जोन ने राजमंड्री रेलवे स्टेशन के लिए एक व्यापक पुनर्विकास योजना की घोषणा की है। स्टेशन वर्तमान में प्रतिदिन 86 रुकने वाली, 3 आरंभिक और 3 समाप्त होने वाली ट्रेनों को संभालता है। क्षेत्र की बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए अपग्रेड किया जाएगा। पुनर्विकास योजना, जिसकी अनुमानित लागत 250 करोड़ रुपये है। 250 करोड़ की लागत से बनने वाली इस परियोजना में अगले 50 वर्षों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सुविधाओं के साथ प्रतिष्ठित स्टेशन भवन, टर्मिनल भवन को जोड़ने वाला विशाल कॉनकोर्स/रूफ प्लाजा, सभी आवश्यक सुविधाओं वाले प्लेटफॉर्म जैसे कि फूड कोर्ट, रिटेल, एटीएम, वन स्टेशन वन प्रोडक्ट, किड्स प्ले जोन, फार्मेसी, इंटरनेट, वॉश रूम आदि, दोनों किनारों का एकीकरण (पटरियों के दोनों ओर स्टेशन भवन), दिव्यांगजनों और वृद्ध नागरिकों के लिए अनुकूल सुविधाएं शामिल हैं। इसके साथ पर्याप्त परिसंचारी क्षेत्र और ड्रॉप ऑफ, पिक अप और पार्किंग के लिए पर्याप्त प्रावधान, ग्रीन बिल्डिंग, ऊर्जा बचत, सौर पैनल, अग्निशमन, वर्षा जल संचयन, अपशिष्ट जल/तूफान के पानी का पुनः उपयोग और साइट पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, वाणिज्यिक विकास के लिए जगह का प्रावधान है। प्लेटफॉर्म, ट्रैक और सिग्नलिंग सिस्टम का उन्नयन होगा । जिसमें वातानुकूलित प्रतीक्षालय, एस्केलेटर और लिफ्ट सहित यात्री सुविधाओं में वृद्धि, हरित भवन और ऊर्जा-कुशल प्रणाली, उन्नत सुरक्षा सुविधाएँ और निगरानी प्रणाली होगा। पुनर्विकसित स्टेशन को 2071-72 तक प्रति घंटे 9,533 और प्रतिदिन 95,328 यात्रियों की अनुमानित संख्या को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया जाएगा, जिससे यह विश्व स्तरीय परिवहन केंद्र बन जाएगा। राजमंड्री एक प्रमुख क्षेत्रीय परिवहन केंद्र और व्यापार केंद्र, इस पुनर्विकास से काफी लाभान्वित होगा। शहर के कपड़ा, कागज और तंबाकू उद्योग, साथ ही इसके पर्यटन और सांस्कृतिक आकर्षण, बढ़ी हुई कनेक्टिविटी और बुनियादी ढाँचे का समर्थन प्राप्त करेंगे। यह परियोजना क्षेत्र की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाने और उन्नत करने के लिए एससीआर ज़ोन के प्रयासों का हिस्सा है।

मैं केसीआर का वफादार सिपाही हूं : हरीश राव

बीआरएस छोड़ने की खबरों को किया खारिज

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ नेता और सिद्दीपेट के विधायक टी हरीश राव ने सोशल मीडिया पर चल रही उन खबरों को खारिज कर दिया है, जिनमें कहा जा रहा है कि वे बीआरएस के नए कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर पार्टी की कमान संभालेंगे या पार्टी छोड़कर किसी और पार्टी में शामिल हो जाएंगे। उन्होंने मीडिया से ऐसी दुर्भावनापूर्ण खबरें फैलाने से बचने का आग्रह किया।

सोमवार को तेलंगाना भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा कि लाइक और व्यूज़ के लिए मैं आपसे आग्रह करता हूं कि मेरे जैसे नेता की विश्वसनीयता और वफादारी को नुकसान न पहुंचाएं। मीडिया को अपनी खबरों को सनसनीखेज बनाने के लिए अपने यूट्यूब चैनलों पर ऐसे थंबनेल डालने से बचना चाहिए। हरीश राव ने आगे कहा कि वे बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव के वफादार सिपाही हैं और उनके पार्टी छोड़ने का कोई सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने केटी रामा राव की जगह पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष बनने या भाजपा या कांग्रेस में शामिल होने की खबरों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि इसके बाद वे ऐसी दुर्भावनापूर्ण खबरें फैलाने वालों को कानूनी नोटिस भेजेंगे और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू करेंगे।

सुबह की सैर के दौरान जनता से मिले मंत्री

सिद्दीपेट, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर सोमवार को अपने निर्वाचन क्षेत्र के मुख्यालय हुस्नाबाद शहर में सुबह की सैर पर निकले। उन्होंने रास्ते में लोगों से बात कर जनता की समस्याएं जानीं। प्रभाकर को रास्ते में नागरिकों की शिकायतें मिलीं। उन्होंने शहर में सड़क चौड़ीकरण और नालियों के निर्माण की प्रगति की जांच की। नागरिकों से बात करते हुए पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया कि नालियों का काम जल्द ही पूरा हो जाएगा। उन्होंने इंजीनियरिंग अधिकारियों और ठेकेदार को निर्देश दिया कि वे नालियों के काम को पूरा करें।

प्रभाकर ने हुस्नाबाद शहर में विजय डेयरी का दौरा किया और दूध की आपूर्ति तथा डेयरी द्वारा नागरिकों को आपूर्ति किए जा रहे दूध की स्थिति के बारे में जानकारी ली। बाद में प्रभाकर ने सड़क दुर्घटना के शिकार करणतोतु स्वरूपा और करणतोतु कविता के शोकाकुल परिवार के सदस्यों से मुलाकात की, जिनकी हाल ही में अक्कनपेट में सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। मंत्री ने सड़क दुर्घटना में घायल हुए करंतोहू राजू के घर का दौरा किया।

फलकनुमा झुग्गी बस्ती की हालत दयनीय

माधवी लता ने किया निरीक्षण, जताई चिंता

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हालिया लोकसभा चुनाव हारने वाली भाजपा नेता माधवी लता ने रविवार को हैदराबाद के फलकनुमा झुग्गी बस्ती का निरीक्षण किया और वहां रहने की स्थिति पर चिंता व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि यहाँ एक झुग्गी बस्ती है जिसकी हालत बहुत ख़राब है। वहां पानी की कोई उचित सुविधा नहीं है। नाले का पानी और पीने का पानी एक साथ मिल रहा है। यहां के लोग बहुत परेशान हैं।

नाले के पानी के लिए कोई निकास नहीं है। सरकारी स्कूल के लिए कोई सुविधा नहीं है... जाकर प्राइमरी स्कूल की हालत देखिए... इसका बाथरूम ठीक से काम नहीं कर रहा है... इसका एकमात्र शिक्षक ठीक से काम नहीं करता। हम इस बारे में शिकायत दर्ज कराएँगे...। लता ने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में छात्रों को शिक्षा प्राप्त करने का क्या मतलब है? हम इस मामले को अनसुलझा नहीं छोड़ेंगे। लता ने दावा किया कि लोगों को उल्टियां होने लगी हैं। एक बार तो वहां 14 लोग मर गए थे।

महबूबाबाद रेलवे स्टेशन के पास मृत पाया गया नवजात शिशु

महबूबाबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। महबूबाबाद रेलवे स्टेशन के पास सोमवार सुबह एक नवजात शिशु का शव लावारिस हालत में मिला। रिपोर्ट के अनुसार, रेलवे स्टेशन के पास डंपिंग ग्राउंड में नवजात शिशु का शव किसी राहगीर ने देखा और रेलवे पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने शव को सरकारी अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया है। पुलिस ने बताया कि नवजात शिशु को शायद कहीं दूर से लाकर रेलवे स्टेशन के पास फेंका गया होगा। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

नलगोंडा में सड़क दुर्घटना में मौत

नलगोंडा, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के मोथे मंडल के तुम्मलापल्ली गांव के पास रविवार रात विपरीत दिशा से आ रहे ट्रैक्टर की चपेट में आने से 32 वर्षीय मोटरसाइकिल सवार की मौत हो गई। मृतक की पहचान मंदा उपेंद्र के रूप में हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, उपेंद्र ममिलगुडेम गांव से आ रहा था, तभी रेत से लदे ट्रैक्टर ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। ट्रैक्टर चालक बिना रुके भाग गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी, जिसने शव को पोस्टमार्टम के लिए सूर्यपेट सरकारी अस्पताल भेज दिया। पुलिस ट्रैक्टर चालक की पहचान के लिए सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

हैदराबाद में मनाया गया ईद-उल-अजहा

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को पूरे शहर में ईद-उल-अजहा (बकरीद) के त्यौहार के अवसर पर मुसलमानों ने पवित्र माहौल में जश्न मनाया। यह त्यौहार हर साल इस्लामी महीने जुल-हिज्जा की 10 तारीख को मनाया जाता है। ईद के मौके पर शहर भर की मस्जिदों और ईदगाहों में सैकड़ों लोग ईद की नमाज़ अदा करने के लिए एकत्र हुए। ईदगाह मीर आलम में खतीब मक्का मस्जिद के मौलाना रिजवान कुरैशी ने नमाज़ अदा की। यहां करीब एक लाख लोगों ने नमाज़ अदा की। सुबह से ही मवेशी बाजारों में भेड़ खरीदने के लिए लोगों की भारी भीड़ देखी गई। कल देर शाम भारी आवक के कारण भेड़ों की कीमत में एक हजार रुपये की गिरावट आई। प्रमुख हस्तियों ने ईद-उल-अजहा के अवसर पर समुदाय को शुभकामनाएं दीं। मीर आलम ईदगाह तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर जहां भीड़ देखी गई, पुलिस विभाग के अधिकारी मौजूद थे तथा उन्होंने समुदाय को शुभकामनाएं दीं।

यूपीएससी अभ्यर्थी ने होटल से कूदकर की आत्महत्या

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार रात माधापुर के अयप्पा सोसाइटी इलाके में एक यूपीएससी अभ्यर्थी ने आत्महत्या कर ली। पीड़ित की पहचान आंध्र प्रदेश के अनंतपुर निवासी साई (29) के रूप में हुई है, जिसने अयप्पा सोसाइटी स्थित एक होटल की छठी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। युवक ने हाल ही में सिविल प्रारंभिक परीक्षा दी थी और मुख्य परीक्षा की तैयारी कर रहा था। पुलिस के अनुसार, साईं अपने 4 दोस्तों के साथ होटल में ठहरा था। वे इस घटना से अनजान थे क्योंकि साईं कुछ समय से लापता था। पुलिस ने कहा कि जब वे (दोस्त) कमरे में थे, तब वह लापता हो गया। बाद में, उन्होंने तेज आवाज सुनी और जांच करने गए तो वह जमीन पर मृत पाया गया। माधापुर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि आत्महत्या के कारण की जांच की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया अस्पताल ले जाया गया।

हैदराबाद के अधिकांश हिस्सों में भारी बारिश से ट्रैफिक जाम

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को हैदराबाद के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई, जिससे भारी ट्रैफिक जाम हो गया। सोमवार दोपहर हैदराबाद के अधिकांश हिस्सों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई और इसने शहर के एसआर नगर, एर्रागड्डा, यूसुफगुडा, जुबली हिल्स, शेखपेट, अमीरपेट, खैराथाबाद, पंजागुट्टा, आईटी कॉरिडोर, गचीबोवली, मादापुर, रायदुर्गम, राजेंद्र नगर, अट्टापुर, किस्मतपुरा, लंगर हाउस, गांडीपेट, शिवरामपल्ली, एलबी नगर, मंसूराबाद, नागोले, बीएन रेड्डी नगर, वनस्थलीपुरम में आतंक मचा दिया। तेज हवाओं के कारण कई जगहों पर पेड़ उखड़ गए। सड़कों पर बारिश का पानी भर जाने के कारण कई घंटों तक भारी यातायात जाम लगा रहा। इस बीच, जीएचएमसी आपदा प्रबंधन दल हरकत में आया और राहत अभियान शुरू किया। पुलिस ने वाहन चालकों को सलाह दी है कि वे सावधान रहें और बारिश के दौरान सड़कों पर न निकलें।

लोकेश के प्रजा दरबार को मिल रही है भारी प्रतिक्रिया

अमरावती, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स और शिक्षा मंत्री लोकेश द्वारा आयोजित प्रजा दरबार को मंगलगिरी के लोगों से भारी प्रतिक्रिया मिल रही है। मंगलगिरी के विभिन्न इलाकों से लोग लोकेश के आवास पर सहायता की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपने के लिए एकत्रित हो रहे हैं और सोमवार को सुबह-सुबह सैकड़ों लोग वहां एकत्र हुए। लोकेश व्यक्तिगत रूप से सभी की समस्याएं सुन रहे हैं और उन्हें जल्द से जल्द हल करने का वादा कर रहे हैं।

आंगनबाड़ी, शिक्षक और अन्य लोगों ने लोकेश के समक्ष अपनी समस्याओं को रखा और उनसे उनके मुद्दों को हल करने की अपील की। आंगनबाड़ी चाहती थीं कि उनका वेतन बढ़ाया जाए, शिक्षकों ने अपनी पसंद के स्थान पर तबादले की मांग की और बेरोजगारों ने लोकेश से उन्हें रोजगार उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाने की अपील की। इसके अलावा, कई अन्य लोगों ने अपने बच्चों के चिकित्सा और शिक्षा खर्च को पूरा करने के लिए वित्तीय सहायता मांगी। लोकेश को न्याय की मांग करते हुए बड़े पैमाने पर अपीलें मिलीं क्योंकि वाईएसआरसीपी नेताओं ने पिछली सरकार में सत्ता का फायदा उठाते हुए जबरन उनकी जमीनों पर कब्जा कर लिया था। लोकेश ने जल्द से जल्द उचित उपाय करने का वादा किया।

20 जून के बाद तेलंगाना पहुंचेगा मानसून

इंडो-जर्मन अध्ययन में जताया गया अनुमान

सोमवार को हुसैन सागर के ऊपर मंडराते मानसूनी बादल।

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। 10 वर्षीय भारत-जर्मन अध्ययन के अनुसार, मानसून जलवायु परिवर्तन के अनुरूप बदल रहा है, तथा यह भी कहा गया है कि इस वर्ष तेलंगाना में मानसून के आगमन में देरी होगी। अध्ययन में पूर्वानुमानों पर भी जोर दिया गया है, जिससे किसानों को अपनी फसल बोने के लिए सही समय चुनने में मदद मिलती है। इसमें कहा गया है कि मानसून की शुरुआत का अनूठा पूर्वानुमान मूल्यवान जानकारी प्रदान कर सकता है, जिसका उपयोग सरकार रणनीतिक योजना और आपदा प्रतिक्रिया के लिए कर सकती है।

राज्य सरकार के पूर्व सलाहकार (कृषि) रमेश चेन्नामनेनी द्वारा पोस्ट किए गए अध्ययन के अनुसार बहुत तेज़ मानसूनी बारिश की घटनाएं - 80 मिमी/दिन से ज़्यादा, जो वर्तमान में दो साल में एक बार होती है - बाढ़ का मुख्य कारण थीं। अध्ययन में यह भी चेतावनी दी गई है कि राज्य को 2050 तक इन घटनाओं की आवृत्ति में 60 प्रतिशत की वृद्धि के लिए तैयार रहना चाहिए।

अध्ययन में कहा गया है कि अत्यधिक गर्म दिन - वर्तमान में IMD-परिभाषा के अनुसार 1.2 दिन/वर्ष - स्वास्थ्य पर प्रत्यक्ष प्रतिकूल प्रभाव और कई अप्रत्यक्ष प्रभाव पैदा करते हैं। वर्तमान दिनों के औसत की तुलना में, उच्च-उत्सर्जन परिदृश्य के लिए, हम 2050 तक लगभग 20 दिन और 2100 में 40 दिन की उम्मीद करते हैं। कम-उत्सर्जन परिदृश्य के लिए, क्रमशः 8 और 13 दिनों के मान वाली संख्या अभी भी एक बड़ी चुनौती है।

सितंबर के लिए टीटीडी ऑनलाइन कोटा

तिरुमाला, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम टीटीडी सितंबर महीने के लिए दर्शन, आवास और श्रीवारी सेवा स्वैच्छिक सेवा का ऑनलाइन कोटा जारी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। श्रीवारी अर्जित सेवा टिकट इलेक्ट्रॉनिक डीआईपी पंजीकरण 18 जून की सुबह 10 बजे से 20 जून की सुबह 10 बजे तक उपलब्ध रहेगा। श्रीवारी अर्जित सेवा टिकट जैसे कल्याणम, उनजल सेवा, अर्जित ब्रह्मोत्सवम और एसडी सेवा 21 जून की सुबह 10 बजे से उपलब्ध होगी, जबकि वर्चुअल सेवा टिकट उसी दिन दोपहर 3 बजे उपलब्ध होगी। तिरुमाला अंगप्रदक्षिणम टोकन 22 जून को सुबह 10 बजे से उपलब्ध होंगे। श्रीवाणी ट्रस्ट के दानदाताओं के लिए दर्शन और आवास कोटा 22 जून को सुबह 11 बजे उपलब्ध होगा। वरिष्ठ नागरिक/शारीरिक रूप से विकलांग कोटा 22 जून की दोपहर 3 बजे से उपलब्ध होगा। विशेष प्रवेश दर्शन (300 रुपये) टिकट 24 जून को सुबह 10 बजे उपलब्ध होंगे। तिरुमाला और तिरुपति आवास कोटा 24 सितंबर की दोपहर 3 बजे से उपलब्ध होगा।तिरुमाला और तिरुपति के लिए श्रीवारी सेवा स्वैच्छिक सेवा सामान्य कोटा सुबह 11 बजे जारी किया जाएगा, जबकि नवनीता सेवा दोपहर 12 बजे और परकामनी सेवा 27 जून को दोपहर 1 बजे जारी की जाएगी।

नजी मुद्दों से परेशान महिला ने की आत्महत्या की कोशिश

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को दुर्गम चेरुवु में कथित तौर पर निजी मुद्दों से परेशान 25 वर्षीय महिला ने आत्महत्या करने की कोशिश की। माधापुर ट्रैफिक पुलिस के मोबाइल गश्ती वाहन ने समय रहते उसे देख लिया और उसे बचा लिया। महिला, जो कथित तौर पर कुछ दवा ले रही थी, झील में कूदने के लिए दुर्गम चेरुवु केबल ब्रिज पर गई थी। उसे तुरंत इलाज के लिए पास के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया। अधिकारियों ने कहा कि उसकी काउंसलिंग की जाएगी और उसके परिवार के सदस्यों को भी सूचित किया जाएगा।

टीटीडी ईओ ने की विभागों की समीक्षा

रिसेप्शन क्षेत्रों और लड्डू काउंटरों का निरीक्षण किया

तिरुमला, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी ईओ जे. श्यामला राव ने सोमवार को सभी विभागों का समग्र जायजा लिया और मंदिर, रिसेप्शन, अन्नप्रसादम और इंजीनियरिंग विभागों सहित प्रमुख विभागों की विस्तार से समीक्षा की। जेईओ गौतमी, वीरब्रह्मम, सीवीएस नरसिम्हा किशोर और टीटीडी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ तिरुमाला के गोकुलम रेस्ट हाउस में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर बोलते हुए ईओ ने कहा, तिरुमला का समाज में भावनात्मक जुड़ाव है। उन्होंने कहा, "इसलिए यह हमारा प्राथमिक कर्तव्य है कि तीर्थयात्रियों की संतुष्टि के लिए सर्वोत्तम संभव तरीके से गुणवत्तापूर्ण भोजन, स्वच्छता और अन्य सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। कल अपने पहले निरीक्षण के दौरान, तीर्थयात्रियों से प्राप्त फीडबैक से, हमें उनकी अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए अंतराल को भरने की आवश्यकता है।" बाद में उन्होंने जेईओ को प्रत्येक विभाग के लिए एक चेक लिस्ट और टाइम लाइन के साथ-साथ फीडबैक मैकेनिज्म स्थापित करने के अलावा मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने का निर्देश दिया। ईओ ने दर्शन के विभिन्न प्रारूपों, ऑनलाइन कोटा रिलीज, मंदिर के संबंध में सेवा टिकट, रिसेप्शन विंग में आवास के तरीके और संबंधित अधिकारियों के साथ इंजीनियरिंग कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। सीईओ एसवीबीसी शनमुख कुमार, एफएसीएओ श्री बालाजी, डीएलओ वीरजू, सीई नागेश्वर राव और अन्य प्रमुखों सहित टीटीडी के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

यूनियन बैंक Union Bank of India

UNION BANK OF INDIA

Regional Office, Union Bank Building, 1st Floor, Seethammadhara, Visakhapatnam-13. Ph : 0891-2735465 / 2546717. E-mail id : operations.vizag@unionbankofindia.bank

PREMISES REQUIRED FOR LEASE

Premises required on rent / lease for Offices / Branch at **IT Hills Madhurawada** admeasuring minimum 1700 sft (plus or minus 10% sft) preferably on ground floor in ready possession with adequate parking space. Interested parties are requested to contact the above address for details and submit their offers in envelope in the proforma containing Technical bid & Financial bid kept in a single sealed cover marked Bank Premises to the above address. For further details, please visit Bank's website **www.unionbankofindia.co.in/tenders.gov.in. Last date for submission of bids in prescribed format is 08-07-2024 upto 4 pm.**

BANK RESERVES THE RIGHT TO REJECT ANY / ALL OFFERS WITHOUT ASSIGNING ANY REASON. No brokerage will be paid by the Bank.

Sd/- Regional Head

स्थापना 1983 ||श्री आईमाताय प्रसादात|| पंजीकृत नं.1941/83

सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुटा हैदराबाद

श्री आईमाता मन्दिर(बडेर), पारसीगुट्टा, सिकंदराबाद फोन-27505506

श्री आईमाताजी एवं श्री सोनाणा खेतलाजी का 28 वाँ वार्षिक

प्राण-प्रतिष्ठा व ध्वजा रोहण समारोह

कल ज्येष्ठ सुदी 12 (2081) बुधवार, 19 जून 2024

कार्यक्रम: * शोभायात्रा, कल बुधवार 19 जून 2024 प्रात: 9.15 बजे श्री मोतीरामजी आगलेचा, सीताफलमंडी वालो के निवास स्थान से गाजे-बाजे से प्रारम्भ होकर श्री आईमाता मंदिर(बडेर) पारसीगुटा पहुँचेगी। * ध्वजा रोहण प्रात: 11.15 बजे श्री मोतीरामजी आगलेचा के करकमलो द्वारा सम्पन्न होगा। समाज बंधुओ के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था रहेगी

: निवेदन : समाज बन्धुओ व भक्तो से निवेदन है कि सपरिवार पधारकर दर्शन, कार्यक्रम एवं भोजन-प्रसादी का लाभ लेवे

निवेदक: कार्यकारिणी समिति सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुटा हैदराबाद

: अध्यक्ष : चोलाराम हाम्बड़ 9573599190

: सचिव : किशनसिंह राठौड़ 7013824089

शिक्षा समिति अध्यक्ष: परसराम बर्फा

महिला मंडल अध्यक्ष: सीतादेवी सोलंकी

सचिव: सज्जनराज सोलंकी

सचिव: निर्मला देवड़ा

P.Solankey

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.